इतिहास
History

कक्षा / Class XI

2025-26

विद्यार्थी सहायक सामग्री
Student Support Material

केन्द्रीय विद्यालय संगठन~Kendriya Vidyalaya Sangathan

संदेश

विद्यालयी शिक्षा में शैक्षिक उत्कृष्टता प्राप्त करना एवं नवाचार द्वारा उच्च - नवीन मानक स्थापित करना केन्द्रीय विद्यालय संगठन की नियमित कार्यप्रणाली का अविभाज्य अंग है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं पी. एम. श्री विद्यालयों के निर्देशों का पालन करते हुए गतिविधि आधारित पठन-पाठन, अनुभवजन्य शिक्षण एवं कौशल विकास को समाहित कर, अपने विद्यालयों को हमने ज्ञान एवं खोज की अद्‌भुत प्रयोगशाला बना दिया है। माध्यमिक स्तर तक पहुँच कर हमारे विद्यार्थी सैद्धांतिक समझ के साथ-साथ, रचनात्मक, विश्लेषणात्मक एवं आलोचनात्मक चिंतन भी विकसित कर लेते हैं। यही कारण है कि वह बोर्ड कक्षाओं के दौरान विभिन्न प्रकार के मूल्यांकनों के लिए सहजता से तैयार रहते हैं। उनकी इस यात्रा में हमारा सतत योगदान एवं सहयोग आवश्यक है - केन्द्रीय विद्यालय संगठन के पांचों आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा संकलित यह विद्यार्थी सहायक- सामग्री इसी दिशा में एक आवश्यक कदम है । यह सहायक सामाग्री कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के लिए सभी महत्वपूर्ण विषयों पर तैयार की गयी है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन की विद्यार्थी सहायक- सामग्री अपनी गुणवत्ता एवं परीक्षा संबंधी सामग्री संकलन की विशेषज्ञता के लिए जानी जाती है और शिक्षा से जुड़े विभिन्न मंचों पर इसकी सराहना होती रही है। मुझे विश्वास है कि यह सहायक सामग्री विद्यार्थियों की सहयोगी बनकर निरंतर मार्गदर्शन करते हुए उन्हें सफलता के लक्ष्य तक पहुँचाएगी।

शुभाकांक्षा सहित ।

निधि पांडे
आयुक्त , केन्द्रीय विद्यालय संगठन

PATRON

SMT. NIDHI PANDEY
COMMISSIONER, KVS

CO-PATRON

DR. P. DEVAKUMAR
ADDITIONAL COMMISSIONER (ACAD.), KVS (HQ)

CO-ORDINATOR

MS. CHANDANA MANDAL
JOINT COMMISSIONER (TRAINING), KVS (HQ)

COVER DESION

KVS PUBLICATION SECTION

EDITOR

MS. MENAXI JAIN
DIRECTOR, ZIET MYSURU

ASSOCIATE COURSE DIRECTOR
SH. MAYANK SHARMA
PRINCIPAL, PM SHRI KV NO 1, HBK, DEHRADUN

RESOURCE PERSONS
SH. VATAN SINGH KUNWAR
VICE PRINCIPAL, KV OIL DULIAJAN TINSUKIA

SH. SURESH CHAND
PGT(HISTORY), PM SHRI KV IIP MOHKAMPUR DEHRADUN

COORDINATOR
SH. DINESH KUMAR
TRAINING ASSOCIATE (PHYSICS)
ZIET MYSURU

CONTENT CREATORS

Lesson No.	Name of the Lesson	Content prepared by	KV NAME
1	Writing and City Life	Mr. BRAJESH KUMAR SINGH	PM SHRI KV NO1 KANCHRAPARA
2	An Empire Across Three Continents	Mr. CHANDRA BHUSHAN PRASAD	PM SHRI KV PDDDU NAGAR
3	Nomadic Empires	Mr. PAWAN KUMAR GUPTA	PM SHRI KV DOGRA LINES MEERUT CANTT
4	The Three orders	Dr. MITALI	PM SHRI KV KANPUR CANTT
5	Changing Cultural Traditions	Ms. SHRADDHA CHAUHAN	PM SHRI KV NO. 2 O.F DEHUROAD
6	Displacing Indigenous Peoples	Mr. RAJ BANSH PAUL	PM SHRI KV NO-1, ICHHANATH SURAT
7	Paths to Modernisation	Mr. SARIKA GUPTA	PM SHRI KV BABINA CANTT

संपादकीय मण्डल

(1) श्री पवन कुमार गुप्ता, स्नातकोत्तर शिक्षक (इतिहास), पी एम श्री के वि डोगरा लाइंस, मेरठ कैंट, (आगरा संभाग)

(2) श्रीमती सारिका गुप्ता , स्नातकोत्तर शिक्षिका (इतिहास), पी एम श्री के वि बबीना कैंट (आगरा संभाग)

(3) श्री ब्रजेश कुमार सिंह, स्नातकोत्तर शिक्षक (इतिहास), पी एम श्री के वि क्रमांक-1, कांचरापारा, (कोलकाता संभाग)

INDEX

THEMES	PAGE NO.
अध्याय 1: लेखन कला और शहरी जीवन	**02**
अध्याय- 2: तीन महाद्वीपों में फैला एक साम्राज्य	**11**
अध्याय 3 यायावर साम्राज्य	**24**
अध्याय 4 - तीन वर्ग	**47**
अध्याय 5 बदलती सांस्कृतिक परंपराएँ	**63**
अध्याय 6: मूल निवासियों का विस्थापन	**91**
अध्याय - 7 आधुनिकीकरण के रास्ते	**119**
आदर्श प्रश्न पत्र	**144**

COURSE STRUCTURE
Class XI

Section Title	Theme No.	Theme Title	Marks
Reading of World History		Introduction of World History	
I EARLY SOCIETIES		Introduction Timeline I (6 MYA TO 1 BCE)	
	1	Writing and City Life	10
II EMPIRES		Introduction Timeline II (C. 100 BCE TO 1300 CE)	
	2	An Empire Across Three Continents	10
	3	Nomadic Empires	10
III CHANGING TRADITIONS		Introduction Timeline III (C. 1300 TO 1700)	
	4	The Three orders	10
	5	Changing Cultural Traditions	10
IV TOWARDS MODERNISATION		Introduction Timeline IV (C. 1700 TO 2000)	
	6	Displacing Indigenous Peoples	10
	7	Paths to Modernisation	15
	Map	Map work of the related Themes	05
		Theory Total	80
		Project work	20
		TOTAL	**100**

अध्याय 1: लेखन कला और शहरी जीवन

अध्ययन उद्देश्य

- सभ्यता के परस्पर जुड़े सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं को पहचानना।
- नगरीय जीवन और समकालीन सभ्यताओं की संस्कृति के बीच संबंध को उनके लेखन के माध्यम से समझना।
- लेखन की एक सतत परम्परा के परिणामों का विश्लेषण करना।
- मानव सभ्यता के विकास और लेखन की परम्परा के बीच संबंध का विश्लेषण करना।

अध्याय का सारांश

मेसोपोटामिया का परिचय एवं अर्थ:

• मूलतः मेसोपोटामिया एक ग्रीक शब्द है जिसका अर्थ है दो नदियों के बीच की भूमि।
• दजला (टाइग्रिस) और फरात (यूफ्रेट्स) दो नदियाँ थीं जिनके बीच यह मेसोपोटामिया फला-फूला।

मेसोपोटामिया और उसका भूगोल:

• यह यूफ्रेट्स और टाइग्रिस नदियों के बीच एक समतल भूमि है जो अब इराक गणराज्य का हिस्सा है।
• उत्तर में, ऊंची भूमि का एक विस्तार है जिसे स्टेपी कहा जाता है, जहां पशुपालन लोगों को कृषि की तुलना में बेहतर आजीविका प्रदान करता है।
• कृषि की शुरुआत 7000 से 6000 ईसा पूर्व के बीच हुई।
• यहां की मिट्टी बहुत उपजाऊ थी लेकिन बाढ़ जैसे प्राकृतिक कारणों से खेती खतरे में पड़ गई थी।
• उर, लगश, किश, उरुक और मारी इसके कुछ महत्वपूर्ण शहर थे।
• खुदाई का काम 150 साल पहले शुरू हुआ था.
• 5000 ईसा पूर्व के आसपास मेसोपोटामिया में एक महान सभ्यता विकसित हुई।

शहरीकरण का महत्व:

• बड़ी आबादी
• क्यूनिफॉर्म के लेखन और विकास के लिए मिट्टी की पट्टिकाओ का उपयोग
• श्रम का विभाजन/कार्य की विशेषज्ञता
• कांस्य धातु के उपयोग के लिए गलाने की तकनीक का ज्ञान।
• यूफ्रेट्स के माध्यम से जल परिवहन।
• वे धातु का आयात करते थे और बाहरी दुनिया के साथ व्यापार करते थे।
• कृषि और मछली पकड़ने के अतरिक्त व्यापार पर निर्भरता
• मुहर का उपयोग जो शहर के निवासियों की भूमिका को चिह्नित करता है।

शहरों में माल की आवाजाही:

• मेसोपोटामिया में समृद्ध खाद्य संसाधन थे, हालाँकि, यहां कच्चे माल और खनिज संसाधनों का अभाव था।
• प्राचीन मेसोपोटामिया के लोग अपने प्रचुर वस्त्रों और कृषि उत्पादों का व्यापार लकड़ी, तांबा, टिन, चांदी, सोना, शंख और विभिन्न पत्थरों के लिए तुर्की और ईरान या खाड़ी के पार से करते थे।
• प्राचीन मेसोपोटामिया की नहरें और प्राकृतिक चैनल बड़ी और छोटी बस्तियों के बीच माल परिवहन के महत्वपूर्ण मार्ग थे।

मेसोपोटामिया लेखन का विकास और प्रणाली:

• 3200 ईसा पूर्व के आसपास लिखी गई पहली मेसोपोटामिया की पट्टिकाओ में चित्र जैसे संकेत और संख्याएँ थीं।

• मेसोपोटामिया की लिपि क्यूनिफॉर्म थी।

• लेखन तब शुरू हुआ जब समाज को लेन-देन का रिकॉर्ड रखने की आवश्यकता थी - क्योंकि शहरी जीवन में लेन-देन अलग-अलग समय पर होता था, और इसमें कई लोग और विभिन्न प्रकार के सामान शामिल होते थे।

• मेसोपोटामिया के लोग मिट्टी की पट्टियों पर लिखते थे।

• मेसोपोटामियावासियों को साहित्य में भी बहुत रुचि थी। गिल्गेमिश उनका प्रसिद्ध महाकाव्य था।

• मेसोपोटामिया के लोग गणित में भी रुचि रखते थे।

• मेसोपोटामिया के इतिहास में बेबीलोनिया की महत्वपूर्ण भूमिका थी।

लेखन के उपयोग:

• उरुक के शासकों में से एक एनमार्कर के बारे में सुमेरियन महाकाव्य कविता में शहरी जीवन, व्यापार और लेखन के बीच संबंध को उजागर किया गया है।

• महाकाव्य से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि मेसोपोटामिया की समझ में यह राजत्व ही था जो व्यापार और लेखन को संगठित करता था।

• जानकारी संग्रहीत करने और संदेश भेजने का साधन होने के अलावा, लेखन को मेसोपोटामिया की शहरी संस्कृति की श्रेष्ठता के संकेत के रूप में देखा जाता था।

किसानों और पशुपालकों के बीच संबंध:

• किसान चरवाहों को दूध, मांस आदि के बदले में अनाज देते थे।

• इनसे किसानों को खाद मिलती थी

• कभी-कभी पानी पर नियंत्रण को लेकर उनमें आपस में संघर्ष भी होता था।

• संकट के समय चरवाहों ने किसानों के गोदामों पर धावा बोल दिया।

मंदिर और राजा:

• मेसोपोटामिया के इतिहास में मेसोपोटामिया के मंदिरों का भी बहुत महत्व था। मंदिर धार्मिक गतिविधियों के केन्द्र थे। ये मंदिर अलग-अलग देवी – देवताओं को समर्पित थे।

• पहले यह एक छोटे घर जैसा था लेकिन बाद में इसके चारों ओर कमरों के साथ आंगन विकसित किया गया।

• मंदिर की बाहरी दीवार अंदर और बाहर थी।

• कताई, बुनाई, अनाज पीसना और तेल निकालना जैसी गतिविधियाँ आंगन में की जाती थीं।

• वे चंद्रमा देवता, प्रेम और युद्ध की देवी - इन्ना, डेगन - स्टेपी के देवता - की पूजा करते थे

• उन्होंने देवी-देवताओं को अनाज, दही और मछली अर्पित की।

शहर में जीवन: उर में नगर नियोजन

• संकरी और घुमावदार सड़क

• घरों का अनियमित आकार

• सड़को के किनारे नालियो का अभाव

• घरों की अंदर की ओर ढलान वाली छत।

• 2000 ईसा पूर्व के बाद मारी की शाही राजधानी फली-फूली। मारी राज्य के कुछ समुदायों में किसान और चरवाहे दोनों थे, लेकिन इसके अधिकांश क्षेत्र का उपयोग भेड़ और बकरियों को चराने के लिए किया जाता था।

•दक्षिण (सुमेर) और तुर्की, सीरिया और लेबनान के खनिज-समृद्ध ऊपरी इलाकों के बीच व्यापार के लिए यूफ्रेट्स पर स्थित मारी व्यापार पर समृद्ध शहरी केंद्र का एक अच्छा उदाहरण है।

• चूंकि औजारों और हथियारों के लिए कांस्य मुख्य औद्योगिक सामग्री थी, इसलिए इस व्यापार का बहुत महत्व था।

लेखन की विरासत:

• दुनिया के लिए मेसोपोटामिया की सबसे बड़ी विरासत इसकी समय गणना और गणित की विद्वतापूर्ण परंपरा है।
• 1800 ईसा पूर्व के आसपास की पट्टिकाओ में गुणा और भाग सारिणी, वर्ग और वर्गमूल सारणी, और चक्रवृद्धि ब्याज की सारणी दिखाती हैं।
• मेसोपोटामियावासियों ने पृथ्वी के चारों ओर चंद्रमा की परिक्रमा के अनुसार वर्ष को 12 महीनों में विभाजित करने पर काम किया।
• महीने का चार सप्ताहों में विभाजन।
• दिन को 24 घंटे में और घंटे को 60 मिनट में।

महत्वपूर्ण शब्दावली :

• मेसोपोटामिया: दो नदियों के बीच की भूमि। यह ग्रीक शब्द 'मेसोस' जिसका अर्थ है मध्य और 'पोटामोस' जिसका अर्थ है नदी, से मिलकर बना है।
• श्रम का विभाजन: इस प्रणाली में, प्रत्येक श्रमिक/व्यक्ति को कार्य का एक विशेष भाग दिया जाता है जिसमें वह कुशल होता है।
• एकल परिवार: एक बहुत छोटा परिवार जिसमें पति, पत्नी और उनके बच्चे होते हैं।
• क्यूनिफॉर्म: खूंटी के आकार का प्रतीक जो किसी शब्द के अक्षरों और ध्वनि का प्रतिनिधित्व करता है।
• स्टेल: शिलालेख या नक्काशी वाले पत्थर के स्लैब।

कालक्रम

7000-6000 ईसा पूर्व -----	उत्तरी मेसोपोटामिया के मैदानों में कृषि की शुरुआत
3200 ईसा पूर्व मे-----	मेसोपोटामिया में पहला लेखन
2600 ईसा पूर्व-----	क्यूनिफॉर्म लिपि का विकास
2400 ईसा पूर्व-----	सुमेरियन का अक्काडियन द्वारा प्रतिस्थापन
2370 ईसा पूर्व-----	सर्गोन, अक्कद के राजा
1100 ईसा पूर्व-----	असीरियन साम्राज्य की स्थापना
1000 ईसा पूर्व-----	लोहे का उपयोग
668-627 ईसा पूर्व-----	असुरबनिपाल का शासन
331 ईसा पूर्व------	सिकंदर ने बेबीलोन पर विजय प्राप्त की

माइंडमैप

मेसोपोटामिया का भूगोल

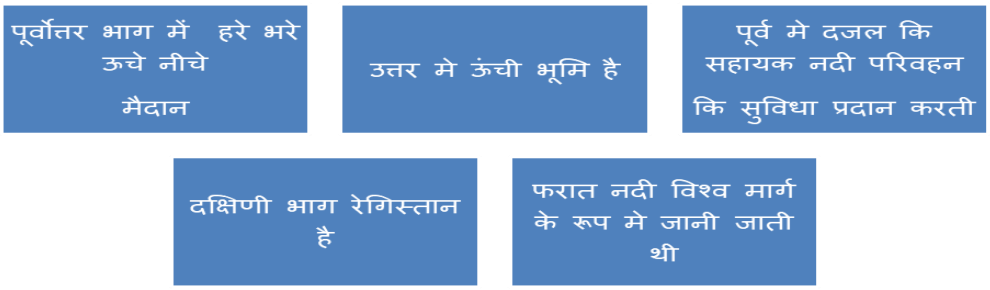

बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न

1 मेसोपोटामिया अब ..... गणतंत्र का हिस्सा है

A इराक B ईरान C मिस्र D सीरिया

2 मेसोपोटामिया के लोगों ने अपना साहित्य लिखा…….

A लकड़ी पर B मिट्टी की पट्टिकाओं पर C कागज पर D कपड़े पर

3 उर को ..... के रूप में जाना जाता था

A सूर्य देव B प्रेम की देवी C चंद्र देवता D युद्ध की देवी

4 इनमें से कौन सा स्रोत मेसोपोटामिया के इतिहास मे उपलब्ध है?

A लिखित दस्तावेज़ B भवन C मूर्तियाँ D ये सभी

5 मेसोपोटामिया में कौन सी भाषाएँ बोली जाती थीं?

A सुमेरियन B अक्काडियन C आरामिक D ये सभी

6. मेसोपोटामिया में पहली बार लेखन कब प्रकट हुआ था?

A 3200 ईसा पूर्व। B 3000 ईसा पूर्व C 3600 ईसा पूर्व। D 3031 ईसा पूर्व

7. मेसोपोटामिया के हथियार प्रमुखता ..... बनाये जाते थे

A कांस्य के B पत्थर के C ताम्बे के D लोहे के

8. 2400 ईसा पूर्व के बाद किस भाषा ने सुमेरियन भाषा का स्थान लिया?

A मेसोपोटामिया की भाषा ने B चूड़ी भाषा ने

C अक्काडियन भाषा ने D चीनी भाषा ने

9. मेसोपोटामिया के किस भाग का सबसे पहले शहरीकरण हुआ?

A पूर्वी भाग का B पश्चिमी भाग का C उत्तरी भाग का D दक्षिणी भाग का

10.वह प्रसिद्ध मिस्री पुस्तक जिसमें मंत्रों और धार्मिक लेखों का संग्रह है, कहलाता है:

A रोसेटा स्टोन B पिरामिड ग्रंथ C द बुक ऑफ द डेड D द कोड ऑफ हम्मूराबी

11. शब्द "मेसोपोटामिया " जो ग्रीक शब्दों से लिया गया है, जिसका अर्थ है:

A दो राज्यों के बीच की भूमि B दो मैदानों के बीच की भूमि

C दो नदियों के बीच की भूमि D इनमे से कोई नहीं

12. सुमेरियन शहर का वह राज्य जिसे लेखन के प्रारंभिक रूप के आविष्कार का श्रेय दिया जाता है वह था:

A उर B बेबीलोन C उरुक D लगश

13. " गिल्गेमिस का महाकाव्य" किस शहर की एक प्राचीन साहित्यिक कृति है?

A उरुक B एथेंस C मेम्फिस D हड़प्पा

14. सुमेरियन व्यापार की प्रथम घटना किस व्यक्ति से सम्बंधित है?

A उरुक शहर का प्राचीन शासक एनामार्कर से। B लेबनान शहर के प्राचीन शासक एनामार्कर से।

C नील नगर के प्राचीन शासक एनामार्कर से। D अरल शहर के प्राचीन शासक, एनामार्कर से |

15. पुराने नियम में उल्लेखित होने के कारण कौन सा क्षेत्र यूरोपीय लोगों के लिए महत्वपूर्ण है?

A ईरान B तुर्की C सीरिया D मेसोपोटामिया

16. मेसोपोटामिया शहर, जिसकी 1930 के दशक में व्यवस्थित रूप से खुदाई की गई थी

A उरुक B उर C मारी D नीनवे

17. वह कौन सा राजा था जिसने 625 ईसा पूर्व में बेबीलोनिया को असीरियन प्रभुत्व से मुक्त कराया था

A अलेक्जेंडर B नेबोनिडस C नियोपोलर D सारगोन

18. उरुक शहर की शहरी अर्थव्यवस्था द्वारा दिया गया तकनीक जो मील का पत्थर साबित हुआ ....

A कांस्य उपकरण B ईंट स्तंभों का निर्माण

C कुम्हार का चाक D तेल बनाने की तकनीक

19. अभिकथन (ए): 2000 ईसा पूर्व के बाद मारी की शाही राजधानी फली-फूली।
कारण (आर): चूंकि मारी अपनी अत्यधिक उत्पादक भूमि के कारण कृषि और दक्षिणी मैदान यूफ्रेट्स पर बहुत ऊपर की ओर स्थित है।
A. ए और आर दोनों सत्य हैं और आर, ए का सही स्पष्टीकरण है।
B. ए और आर दोनों सत्य हैं लेकिन आर, ए का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
C. ए सही है लेकिन आर गलत है।
D. ए गलत है और आर सही है।
20 . अभिकथन (ए): प्राकृतिक उर्वरता के बावजूद, कृषि खतरों के अधीन थी।
कारण (आर): यूफ्रेट्स के प्राकृतिक आउटलेट चैनलों में एक वर्ष में बहुत अधिक पानी होने के कारण फसलें बाढ़ की चपेट में आ जाती थी।
A. ए और आर दोनों सत्य हैं और आर, ए का सही स्पष्टीकरण है।
B. ए और आर दोनों सत्य हैं लेकिन आर, ए का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
C. ए सही है लेकिन आर गलत है।
D. ए गलत है और आर सही है।
21 मेसोपोटामिया सभ्यता के संबंध में कौन से कथन सही हैं
1. 1840 के दशक में मेसोपोटामिया में पुरातत्व की शुरुआत हुई।
2. ओल्ड टेस्टामेंट में सुमेर का उल्लेख था।
3. राजा जिमरिलिम का महल मारी में स्थित था।
4. मेसोपोटामिया सभ्यता अपनी गरीबी के लिए भी जानी जाती है|
A. केवल 2, 3 और 4
B. केवल 1, 2 और 3
C. केवल 2 और 3
D. उपरोक्त सभी।

उत्तर कुंजी –

1. (a) इराक
2. (b) मिट्टी की पट्टिकाओं पर
3. (c)चंद्र देवता
4. (d)ये सभी
5. (d)ये सभी
6. (A) 3200 ईसा पूर्व
7. (A)कांस्य
8. (c)अक्कादियन भाषा
9. (d) दक्षिणी भाग
10. c) मृतकों की पुस्तक (द बुक ऑफ द डेड)
11. c) दो नदियों के बीच की भूमि
12. c) उरुक
13. a) उरुक
14. (b) लेबनान शहर के प्राचीन शासक, एनामार्कर
15. (d) मेसोपोटामिया
16. (b) उर
17. (c) नबोपोलासर
18. (c) कुम्हार का चाक
19. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।
20. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है
21. (c) केवल 2 और 3

लघु उत्तरीय प्रश्न

22. 'प्राकृतिक उर्वरता के बावजूद, कृषि खतरों के अधीन थी'-कथन स्पष्ट करें।

1-यूफ्रेट्स की प्राकृतिक आउटलेट चैनल में एक साल बहुत ज़्यादा पानी भर जाता था और फसलें डूब जाती थीं, और कभी-कभी वे पूरी तरह से अपना रास्ता बदल लेते थे।
2-जैसा कि पुरातात्विक रिकॉर्ड से पता चलता है, मेसोपोटामिया के इतिहास में समय-समय पर गांवों को स्थानांतरित किया जाता था।
3-मानव निर्मित समस्याएँ भी थीं। जो लोग चैनल के ऊपरी हिस्से में रहते थे, वे अपने खेतों में इतना पानी मोड़ सकते थे कि नीचे के गाँव बिना पानी के रह जाते थे। या वे चैनल के अपने हिस्से से गाद साफ करने की उपेक्षा कर सकते थे, जिससे आगे पानी का प्रवाह अवरुद्ध हो जाता था।

4- इसलिए शुरुआती मेसोपोटामिया के ग्रामीण इलाकों में ज़मीन और पानी को लेकर बार-बार संघर्ष हुआ।

23. मंदिर किस प्रकार से एक आर्थिक संस्थाओं के रूप में विकसित हुई?

उत्तर -

1-देवता पूजा का केंद्र थे।

2-लोग उनके लिए अनाज, दही और मछली लाते थे।

3-भगवान सैद्धांतिक रूप से कृषि क्षेत्र, मत्स्य पालन और स्थानीय समुदाय के झुंड के मालिक थे।

4-तेल निकालना, अनाज पीसना, कताई, बुनाई भी की जाती थी।

5-मंदिर व्यापारियों का नियोक्ता और लिखित अभिलेखों का रखवाला भी था।

24. मेसोपोटामिया में प्रारंभिक मंदिर काफी हद तक घरों जैसा था। कारण स्पस्ट करें।

उत्तर -

1-सबसे पुराना ज्ञात मंदिर कच्ची ईंटों से बना एक छोटा सा मंदिर था।

2-मंदिर विभिन्न देवताओं के निवास स्थान थे: उर के चंद्र देवता या प्रेम और युद्ध की देवी इनान्ना के निवास स्थान।

3-ईंटों से निर्मित मंदिर समय के साथ बड़े होते गए, जिनमें खुले आंगनों के चारों ओर कई कमरे थे।

4-कुछ शुरुआती मंदिर संभवतः साधारण घर से अलग नहीं थे - क्योंकि मंदिर एक देवता का घर था।

5-लेकिन मंदिरों की बाहरी दीवारें हमेशा नियमित अंतराल पर अंदर और बाहर जाती थीं, जो किसी भी साधारण इमारत में कभी नहीं होती थी।

25 मेसोपोटामिया में लेखन के उद्भव के क्या कारण थे?

उत्तर -

1-मेसोपोटामिया की लेखन परंपरा ने शहरी जीवन और व्यापार को जोड़ने में मदद की क्योंकि अधिकांश लेन-देन शहरी मेसोपोटामिया में ही होते थे।

2-लेखन के उपयोग में भेड़, कृषि उपज, पत्थर, बर्तन आदि जैसे सामानों के रिकॉर्ड बनाए रखने जैसे कार्य शामिल थे।

3-लेखन दूर-दूर के स्थानों पर संचार करने का एक साधन था क्योंकि संदेशवाहक अक्सर बोले गए संदेशों को मिला देते थे।

26. "मेसोपोटामिया में साक्षरता बहुत कम थी"। कथन के पक्ष में तर्क प्रस्तुत करें।

उत्तर -

1-बहुत कम मेसोपोटामियावासी पढ़ और लिख सकते

2-न केवल सीखने के लिए सैकड़ों संकेत थे, बल्कि इनमें से कई जटिल भी थे।

3-यदि कोई राजा पढ़ सकता था, तो वह यह सुनिश्चित करता था कि यह उसके किसी गर्वपूर्ण शिलालेख में दर्ज हो।

27. लेखन एवं ज्ञान के प्रसार के क्षेत्र में मेसोपोटामियावासियों का क्या योगदान है?

उत्तर -

1-पहली मेसोपोटामिया की पट्टियाँ, जो 3200 ईसा पूर्व के आसपास लिखी गई थीं।

2-इसमें चित्र जैसे चिह्न और अंक थे।

3-ये बैलों, मछलियों, रोटी आदि की लगभग 5,000 सूचियाँ थीं।

4-क्यूनीफॉर्म लिपि, जो गीली मिट्टी की पट्टियों पर ईख से लिखी गई थी।

5-इसका विकास व्यापार और लेखन को बढ़ावा देने के लिए किया गया था।

दीर्घ उत्तरीय प्रकार के प्रश्न

28. "नदियाँ सभ्यताओं के उद्भव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं"। मेसोपोटामिया के संदर्भ में इस कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर -

1-मेसोपोटामिया दो नदियों, यानी यूफ्रेट्स और टिगरिस की भूमि के बीच स्थित है।
2-ये दोनों नदियाँ वर्तमान तुर्की में आर्मेनिया पर्वत से निकली हैं।
3-ये एक विशाल पर्वतीय क्षेत्र में बहती हैं। यद्यपि इस क्षेत्र की जलवायु शुष्क है, फिर भी सिंचाई सुविधाओं के कारण कृषि संभव है।
4-अनुकूल कृषि स्थिति ने लोगों को इस क्षेत्र में रहने के लिए प्रोत्साहित किया।
5-फसलों के अधिशेष खाद्य उत्पादन ने कृषक समुदायों को उन लोगों जैसे कारीगरों, पुजारियों, शासकों, सैनिकों आदि को खिलाने में सक्षम बनाया जो कृषि का अभ्यास नहीं कर रहे थे।
6-खानाबदोश पशुपालक समुदाय इन लोगों को दैनिक उपयोग की अन्य आवश्यक आवश्यकताएँ प्रदान करते थे।
7-इस प्रकार, इस क्षेत्र में इन सभी के बसने से सभ्यता के उदय का मार्ग प्रशस्त हुआ।

29 .राजकीय नगर मारी किस प्रकार से मेसोपोटामिया के चारागार क्षेत्र में विकसित हुई?

उत्तर -

1-2000 ईसा पूर्व के बाद मारी की शाही राजधानी समर्द्ध हुई
2-यह मारी अपनी अत्यधिक उत्पादक कृषि के साथ दक्षिणी मैदान पर नहीं बल्कि यूफ्रेट्स के बहुत ऊपर की ओर स्थित है, इस क्षेत्र में कृषि और पशुपालन एक दूसरे के करीब किए जाते थे।
3-मारी राज्य के कुछ समुदायों में किसान और चरवाहे दोनों थे, लेकिन इसके अधिकांश क्षेत्र का उपयोग भेड़ और बकरियों को चराने के लिए किया जाता था।
4-चरवाहों को अनाज, धातु के औजारों आदि के बदले में युवा जानवरों, पनीर, चमड़े और मांस का आदान-प्रदान करने की आवश्यकता होती है, और एक बाड़े में बंद झुंड की खाद भी किसान के लिए बहुत उपयोगी होती है।
5-एक चरवाहा अपने झुंड को बोए गए खेत में पानी पिलाने के लिए ले जा सकता है, जिससे फसल बर्बाद हो सकती है।
6-चरवाहे गतिशील होने के कारण कृषि गांवों पर छापा मार सकते हैं और उनके संग्रहीत सामान को जब्त कर सकते हैं।
7-स्थायी समूह चरवाहों को एक निश्चित मार्ग के साथ नदी और नहर के पानी तक पहुँच से वंचित कर सकते हैं मेसोपोटामिया के इतिहास में, पश्चिमी रेगिस्तान के खानाबदोश समुदाय समृद्ध कृषि क्षेत्र में घुस आए।
8-ऐसे समूह चरवाहों, फसल मजदूरों या किराए के सैनिकों के रूप में आते थे, कभी-कभी समृद्ध हो जाते थे, और बस जाते थे।
9-कुछ लोगों ने अपना शासन स्थापित करने की शक्ति प्राप्त की। इनमें अक्कादियन, एमोराइट्स, असीरियन शामिल थे।
10-मारी के राजा एमोराइट थे जिनकी पोशाक मूल निवासियों से भिन्न थी और जो न केवल मेसोपोटामिया के देवताओं का सम्मान करते थे बल्कि उन्होंने स्टेपी के देवता दागन के लिए मारी में एक मंदिर भी बनवाया था।

30. मेसोपोटामिया में लेखन कला का विकास किस प्रकार हुआ? व्याख्या करें|

उत्तर -

1-सभी समाजों की अपनी भाषाएँ होती हैं जिनमें कुछ निश्चित उच्चारण ध्वनियाँ कुछ अर्थ व्यक्त करती हैं। यह मौखिक संचार है।
2-जब हम लेखन या लिपि के बारे में बात करते हैं, तो हमारा मतलब है कि उच्चारण की गई ध्वनियाँ दृश्यमान संकेतों में दर्शाई जाती हैं।
3-3200 ईसा पूर्व के आसपास लिखी गई पहली मेसोपोटामिया की पट्टिकाये में चित्र जैसे संकेत और संख्याएँ थीं।
4-ये बैलों, मछलियों, रोटी आदि की लगभग 5,000 सूचियाँ थीं - उन वस्तुओं की सूचियाँ जिन्हें दक्षिण के शहर उरुक के मंदिरों में लाया जाता था या वहाँ से वितरित किया जाता था।
5-स्पष्ट रूप से, लेखन तब शुरू हुआ जब समाज को लेन-देन का रिकॉर्ड रखने की आवश्यकता थी - क्योंकि शहरी जीवन में लेन-देन अलग-अलग समय पर होते थे, और इसमें कई लोग और कई तरह के सामान शामिल होते थे।

6-मेसोपोटामिया के लोग मिट्टी की पट्टिकायओ पर लिखते थे। एक लेखक मिट्टी को गीला करता था और उसे एक हाथ में आराम से पकड़ने लायक आकार में थपथपाता था। वह इसकी सतहों को सावधानी से चिकना करता था।
7- धूप में सूखने के बाद, मिट्टी सख्त हो जाती थी और पट्टिकाये मिट्टी के बर्तनों की तरह ही अविनाशी हो जाती थीं
8- जब धातु के टुकड़ों की डिलीवरी का लिखित रिकॉर्ड प्रासंगिक नहीं रह जाता था, तो पट्टिकाये फेंक दी जाती थीं।
9- सतह सूख जाने के बाद, संकेतों को पट्टिकाओ पर दबाया नहीं जा सकता था: इसलिए प्रत्येक लेन-देन, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो, के लिए एक अलग लिखितपट्टिका की आवश्यकता होती थी।
10- लगभग 2600 ईसा पूर्व तक, अक्षर क्यूनिफॉर्म बन गए, और भाषा सुमेरियन हो गई।
11- अब लेखन का उपयोग न केवल रिकॉर्ड रखने के लिए किया जाता था, बल्कि शब्दकोश बनाने, भूमि हस्तांतरण को कानूनी वैधता देने, राजाओं के कार्यों का वर्णन करने आदि के लिए भी किया जाता था।

स्त्रोत पर आधारित प्रश्न

31. **वार्का शीर्ष**

3000 ईसा पूर्व उरुक नगर में स्त्री का यह सिर एक सफेद संगमरमर को तराश कर बनाया गया था। इसकी आंखें और भौहों में क्रमशः नीले लाजवार्द, सफेद सीपी और काले डामर की जड़ाई की गई होगी। सिर के ऊपर एक खांचा बना हुआ है जो शायद गहना पहनने के लिए बनाया गया था यह मूर्ति कला का एक विश्व प्रसिद्ध नमूना है, इसके मुख ठोडी और गालों की सुकोमल सुंदर बनावट के लिए इसके प्रशंसा की जाती है। यह एक ऐसे कठोर पत्थर में तराशा गया है जिसे काफी अधिक दूरी से लाना पड़ा होगा ।

31.1 वार्का हेड के सिर की मूर्ति कब और कहाँ पाई गई है?
31.2 .वार्का हेड की कुछ विशेषताओं का उल्लेख करें?
31.3 .मेसोपोटामिया के लोग वर्का शीर्ष की मूर्ति बनाने के लिए सामग्री कैसे और कहाँ से लाए होंगे?

उत्तर -

31.1 3000 ईसा पूर्व उरुक में
31.2 यह मूर्तिकला का एक विश्व प्रसिद्ध नमूना है, जो महिला के मुंह, ठुड्डी और गालों की नाजुक मॉडलिंग के लिए प्रशंसित है।
31.3 इसे एक कठोर पत्थर से बनाया गया था जिसे दूर से आयात किया गया होगा।

32. **मुहर - एक शहरी कलाकृति**

भारत में प्राचीन काल में पत्थर की मुहरे होती थी जिन पर चिन्ह अंकित किए गए होते थे लेकिन मेसोपोटामिया में पहली के अंत तक पत्थर की बेलनाकार चली होती थी एक थी लगाकर गिरी मिट्टी के ऊपर घुमाई जाती थी और इस प्रकार उनसे लगातार चित्र बनता जाता था और कभी-कभी उन्होंने और उसकी अपनी स्थिति आदि किसी कपड़े की कतली और बर्तन के मुख्य को चिकनी मिट्टीबर्तन का मुंह, सामग्री को सुरक्षित रखता है। जब मिट्टी की पट्टिका पर लिखे को उस पर लपेटा गया, तो वह भारत में प्रारंभिक पत्थर की मुहर के सामान थी । मेसोपोटामिया में पहली सहस्राब्दी ईसा पूर्व के अंत तक, बेलनाकार पत्थर की मुहरें, बीच में छेद कर, एक छड़ी से फिट की जाती थीं और गीली मिट्टी पर लपेटी जाती थीं ताकि उस पर एक सतत चित्र बनाया जा सके। वे बहुत ही कुशल कारीगरों द्वारा बनाए गए थे, और कभी-कभी उन पर लिखा होता था : मालिक का नाम, उनके भगवान, उनकी आधिकारिक स्थिति, आदि। जब इस मुहर को मिट्टी की बनी पट्टिका पर लिखे पत्र पर घुमाया जाता था तो वह मुहर उस पत्र की प्रामाणिकता की प्रतीक बन जाती थी । इसलिए मुहर सार्वजनिक जीवन में शहरवासियों की भूमिका का प्रतीक थी।

32.1 मेसोपोटामिया में मुहरों का क्या उपयोग था?
32.2 मेसोपोटामिया के स्थलों में पाई गई मुहरों के विभिन्न आकार क्या थे?
32.3 मेसोपोटामिया में मुहरें एक शहरी निवासी की पहचान कैसे थीं?

उत्तर-

32.1 सामग्री को सुरक्षित रखना।
32.2 बेलनाकार

32.3 मालिक का नाम, उनके भगवान, उनकी आधिकारिक स्थिति, आदि। एक सील को कपड़े के पैकेज की स्ट्रिंग गाँठ या प्रामाणिकता के निशान को कवर करने वाली मिट्टी पर रोल किया जा सकता है। इसलिए मुहर सार्वजनिक जीवन में शहरवासियों की भूमिका का प्रतीक थी।

33. **ज़िमरीलिम का मारी स्थित राजमहल (1810-1760 ई.पू.)**

मारी का विशाल राजमहल वहाँ के शाही परिवार का निवास स्थान तो था ही, साथ ही वह प्रशासन और उत्पादन, विशेष रूप से कीमती धातुओं के आभूषणों के निर्माण का मुख्य केंद्र भी था। अपने समय में यह इतना अधिक प्रसिद्ध था कि उसे देखने के लिए ही उत्तरी सीरिया का एक छोटा राजा आया; वह अपने साथ मारी के राजा ज़िमरीलिम के नाम उसके एक अन्य राजा का परिचय पत्र लेकर वहाँ आया था। दैनिक सूचियों से पता चलता है कि राजा के भोजन की मेज पर हर रोज भारी मात्रा में खाद्य पदार्थ पेश किए जाते थे आटा, रोटी, मांस, मछली, फल, मदिरा और बीयर। वह संभवतः अपने अन्य साथियों के साथ सफ़ेद पत्थर जड़े आँगन (106) म बैठकर बाकायदा भोजन करता था। नक्शा देखने से आपको पता चलेगा कि राजमहल का सिर्फ एक ही प्रवेश द्वार था जो उत्तर की ओर बना हुआ था। उसके विशाल, खुले प्रांगण (जैसे 131) सुंदर पत्थरों से जड़े हुए थे। राजा विदेशी अतिथियों और अपने प्रमुख लोगों से कमरा 132 में मिलता था जहाँ के भित्ति चित्रों को देखकर आगंतुक लोग हतप्रभ रह जाते थे। राजमहल 2.4 हैक्टेयर के क्षेत्र में स्थित एक अत्यंत विशाल भवन था जिसमें 260 कक्ष बने हुए थे।

33.1 मारी के राजा का नाम बताएं?
33.2 मेसोपोटामिया का कौन सा भाग मारी नामक शहर के रूप में विकसित हुआ?
33.3 मारी शहर के विकास के क्या कारण थे?
उत्तर -
33.1 मारी के राजा, ज़िम्रिलिम
33.2 उत्तरी भाग
33.3 कीमती धातु के आभूषणों के उत्पादन का स्थान था।

मानचित्र पर आधारित प्रश्न

34.1 विश्व के राजनीतिक मानचित्र पर, निम्नलिखित को उपयुक्त प्रतीकों के साथ लेबल करें।
(A) बेबीलोन (B) मारी (C) उरुक
34.2 निम्न दिए गए मानचित्र पर, दो स्थानों को ए और बी के रूप में चिह्नित किया गया है। जहां ए मेसोपोटामिया के शहर का प्रतिनिधित्व करता है और बी एक समुद्र का प्रतिनिधित्व करता है। उन्हें पहचानें और उनके पास खींची गई रेखाओं पर उनका सही नाम लिखें।

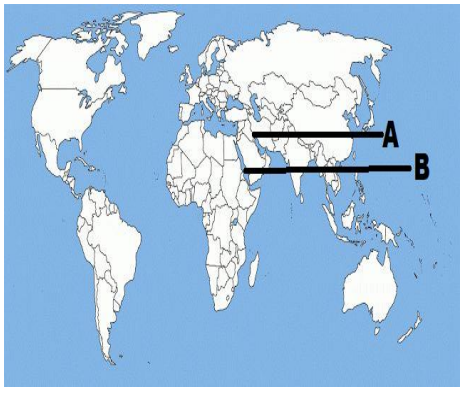

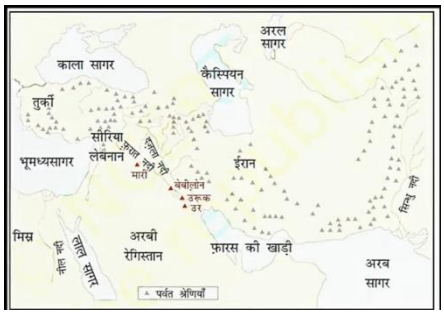

अध्याय- 2: तीन महाद्वीपों में फैला एक साम्राज्य

अध्ययन उद्देश्य

❖रोम साम्राज्य की राजनीति, अर्थव्यवस्था, समाज और संस्कृति को समझना उसके कार्य-प्रणाली और गतिशीलता की व्याख्या करना और उससे संबंधित करना।

❖रोमन साम्राज्य के पास के उपमहाद्वीप के साम्राज्यों के साथ संपर्कों के प्रभावों का विश्लेषण करना और दास प्रथा (गुलामी) पर चर्चा करना।

❖उस अवधि में सांस्कृतिक परिवर्तन के क्षेत्रों और दासता के प्रभाव का परीक्षण करना।

❖रोमन साम्राज्य के प्रभाव और विरासत का आलोचनात्मक विश्लेषण करना।

पाठ का सारांश

स्रोत:

रोम के इतिहासकारों के पास स्रोत सामग्री का प्रचुर भंडार था। इस स्रोत सामग्री को निम्नलिखित तीन खंडों में विभाजित किया जा सकता है

• पाठ्य सामग्री- समकालीन इतिहास

• दस्तावेज़- अभिलेख

• सामग्री अवशेष – भवन, इमारतें, बर्तन, सिक्के

साम्राज्य का आरम्भिक काल :

• रोमन साम्राज्य को मोटे तौर पर दो चरणों में विभाजित किया जा सकता है, ' पूर्ववर्ती' और 'परवर्ती', तीसरी शताब्दी ने उनके बीच एक प्रकार के ऐतिहासिक विभाजक का कार्य किया।

• रोमन साम्राज्य उन क्षेत्रों और संस्कृतियों का मिश्रण था जो मुख्य रूप से सरकार की एक सामान्य प्रणाली द्वारा एक साथ बंधे थे।

• साम्राज्य में कई भाषाएँ बोली जाती थीं, लेकिन प्रशासन के प्रयोजनों के लिए लैटिन और ग्रीक का सबसे अधिक उपयोग किया जाता था।

• 27 ईसा पूर्व में प्रथम सम्राट ऑगस्टस द्वारा स्थापित शासन को 'प्रिंसिपेट' कहा जाता था।

•यद्यपि ऑगस्टस एकछत्र शासक और शक्ति का एकमात्र वास्तविक स्रोत था तथापि सीनेट को शांत करने के लिए उसने स्वयं को प्रमुख नागरिक' कहा गया

सीनेट वह निकाय जिसने रोम को उस समय नियंत्रित किया था जब वह गणतंत्र था।

• सम्राट और सीनेट के बाद, दूसरी प्रमुख संस्था सेना थी।

• रोमनों के पास एक वेतनभोगी पेशेवर सेना थी जहाँ सैनिकों को कम से कम 25 वर्ष की सेवा करनी होती थी।

• सेना साम्राज्य की सबसे बड़ी एकल संगठित संस्था थी।

• सीनेट सेना से नफरत करती थी और उससे डरती थी, क्योंकि यह अप्रत्याशित हिंसा का स्रोत थी।

• दूसरी शताब्दी में अपने चरम पर, रोमन साम्राज्य स्कॉटलैंड से आर्मेनिया की सीमाओं तक और सहारा से यूफ्रेट्स तक फैला हुआ था।

तीसरी सदी का संकट:

• 230 के दशक से, साम्राज्य ने खुद को एक साथ कई मोर्चों पर लड़ते हुए पाया। ईरान में, एक नया और अधिक आक्रामक राजवंश, 'सासानियन', तेजी से विस्तारित हुआ।

• तीन भाषाओं में लिखे गए एक प्रसिद्ध शिलालेख में, ईरानी शासक शापुर प्रथम ने दावा किया कि उसने रोमन सेना को नष्ट कर दिया था और यहां तक कि एंटिओक की पूर्वी राजधानी पर भी कब्जा कर लिया था।

• जर्मनिक जनजातियों या जनजातीय संघों की एक पूरी श्रृंखला ने रोमनों को डेन्यूब से परे अधिकांश क्षेत्र छोड़ने के लिए मजबूर किया।

लिंग, साक्षरता, संस्कृति:

•एकल परिवार का प्रचलन था

•पत्नी अपने पैतृक परिवार की संपत्ति में पूर्ण अधिकार बरकरार रखती थी।

• रोमन महिलाओं को संपत्ति के स्वामित्व और प्रबंधन में काफी कानूनी अधिकार प्राप्त थे।

• मिस्र में सैनिकों, सेना अधिकारियों और संपत्ति प्रबंधकों जैसी कुछ श्रेणियों के बीच साक्षरता अधिक व्यापक थी।

• पोम्पेई में, व्यापक कामचलाऊ साक्षरता के पुख्ता सबूत हैं। पोम्पेई की मुख्य सड़कों की दीवारों पर अक्सर विज्ञापन और भित्तिचित्र होते थे।

सांस्कृतिक विविधता:

• यह कई तरीकों से और कई स्तरों पर परिलक्षित हुआ

• धार्मिक पंथों और स्थानीय देवताओं की विशाल विविधता में।

• बोली जाने वाली भाषाओं की बहुलता।

• पहनावे और वेशभूषा की शैलियाँ, लोगों द्वारा खाया जाने वाला भोजन, उनके सामाजिक संगठन के रूप (आदिवासी/गैर-आदिवासी), यहाँ तक कि उनके निवास के तरीके भी।

आर्थिक विस्तार:

• साम्राज्य में बंदरगाहों, खानों, खदानों, ईंट-भट्ठों, जैतून के तेल के कारखानों आदि का पर्याप्त आर्थिक बुनियादी ढांचा था।

• शराब और जैतून के तेल जैसे तरल पदार्थों को 'एम्फ़ोरा' नामक कंटेनरों में ले जाया जाता था।

• स्पैनिश जैतून का तेल एक विशाल वाणिज्यिक उद्यम था जो 140-160 के वर्षों में अपने चरम पर पहुंच गया, मुख्य रूप से ड्रेसेल 20 नामक कंटेनर में ले जाया जाता था।

• साम्राज्य में कई क्षेत्र शामिल थे जिनकी असाधारण उर्वरता के लिए प्रतिष्ठा थी।

• इटली में कैम्पेनिया, सिसिली, मिस्र में फ़यूम, गैलील, बाइज़ेशियम (ट्यूनीशिया), दक्षिणी गॉल (गैलिया नार्बोनेंसिस कहा जाता है), और बाएटिका (दक्षिणी स्पेन) साम्राज्य के सबसे घनी बसे या सबसे धनी हिस्सों में से थे।

श्रमिकों को नियंत्रित करना:

• गुलामी प्राचीन विश्व में गहराई तक जड़ें जमा चुकी थी। उच्च वर्ग अक्सर दासों के प्रति क्रूर था, जबकि सामान्य लोग दया दिखाते थे।

• किराए के श्रमिकों के विपरीत, दासों को पूरे वर्ष खाना खिलाना और बनाए रखना पड़ता था, जिससे इस प्रकार के श्रम को रखने की लागत बढ़ जाती थी।

• रोमन कृषि लेखकों ने श्रम के प्रबंधन पर बहुत अधिक ध्यान दिया और श्रमिकों की निगरानी को आसान बनाने के लिए, श्रमिकों को कभी-कभी गिरोहों या छोटी टीमों में बाँट दिया जाता था।

• 398 के एक कानून में श्रमिकों को ब्रांडेड करने का उल्लेख है ताकि जब भी वे भागें और छिपने की कोशिश करें तो उन्हें पहचाना जा सके।

• माता-पिता कभी-कभी अपने बच्चों को 25 वर्षों की अवधि के लिए दासता के लिए बेच देते थे।

सामाजिक पदानुक्रम:

• प्रारंभिक साम्राज्य के प्रमुख सामाजिक समूह इस प्रकार हैं:

•सीनेटर; घुड़सवारी वर्ग के प्रमुख सदस्य; लोगों का सम्मानित वर्ग, महान घरों से जुड़े लोग; अव्यवस्थित निम्नतर वर्ग (प्लेब्स सॉर्डिडा), जो सर्कस और नाटकीय प्रदर्शन देखने के के आदि थे और गुलाम.

• साम्राज्य के अंत तक, चौथी शताब्दी के आरंभ में, पहले दो समूह एक एकीकृत और विस्तारित अभिजात वर्ग में विलीन हो गए थे

• रोमन अभिजात वर्ग अत्यधिक धनी था, लेकिन कई मायनों में, विशुद्ध सैन्य अभिजात वर्ग की तुलना में कम शक्तिशाली था।

• 'मध्यम' वर्ग में नौकरशाही और सेना में शाही सेवा से जुड़े लोग और अधिक समृद्ध व्यापारी और किसान शामिल थे।

• निम्न वर्ग जिन्हें सामूहिक रूप से ह्यूमिलियोरेस के रूप में जाना जाता है, में एक ग्रामीण श्रम शक्ति शामिल थी, जिनमें से कई बड़े सम्पदा में कार्यरत थे, औद्योगिक और खनन प्रतिष्ठानों में श्रमिक और प्रवासी श्रमिक थे।

• पूरे पश्चिमी साम्राज्य में हजारों गुलाम पाए जाते थे।

• रोमन नौकरशाही, उच्च और मध्यम दोनों स्तरों पर, एक समृद्ध समूह थी क्योंकि यह अपने वेतन का बड़ा हिस्सा सोने से प्राप्त करती थी।

'परवर्ती' काल:

• कॉन्स्टेंटाइन के मुख्य नवाचार मौद्रिक क्षेत्र में थे, जहां उन्होंने एक 4½ ग्राम शुद्ध सोने का एक सिक्का सॉलिडस, पेश किया, जो रोमन साम्राज्य से भी आगे था।

• सोलिडी का प्रचलन बहुत बड़े पैमाने पर किया गया और इनका प्रचलन लाखों में था।

• रिकॉर्ड ग्रामीण प्रतिष्ठानों में काफी निवेश दिखाते हैं, जिनमें तेल की मिले, कांच कारखाने, और पेंच की प्रेसे, कई जल-मिलें जैसे औद्योगिक प्रतिष्ठान शामिल हैं।

• बाद में रोम नौकरशाही, उच्च और मध्यम वर्ग का था। ये लोग अपना वेतन सोने के रूप में लेते थे। पिछले वर्षों में रोमन साम्राज्य में भ्रष्टाचार बड़े पैमाने पर था। न्यायिक प्रणाली और सैन्य आपूर्ति का प्रशासन भ्रष्टाचार से ग्रस्त था।

• चौथी शताब्दी सांस्कृतिक और आर्थिक आंदोलनों से भरी थी। कॉन्स्टेंटाइन ने ईसाई धर्म को आधिकारिक धर्म बनाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया।

• यहूदी धर्म रोमन साम्राज्य का एक अन्य प्रमुख धर्म था।

• सातवीं शताब्दी के शुरुआती दशकों में रोम और ईरान के बीच युद्ध छिड़ गया। सासानियन तीसरी शताब्दी से ईं पर शासन कर रहे थे। उसने मिस्र सहित सभी पूर्वी प्रांतों पर हमला किया, लेकिन 620 के दशक में इन प्रांतों पर बीजान्टियम (विजिटाइन) ने पुनः कब्ज़ा कर लिया। अब रोमन साम्राज्य को इसी नाम से जाना जाने लगा। निस्संदेह, प्राचीन विश्व इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण घटना अरब क्षेत्र में इस्लाम का विस्तार था।

पोस्ट-रोमन स्थिति :

• पश्चिम में साम्राज्य राजनीतिक दृष्टि से टूट चुका था। उत्तर से आने वाले जर्मनिक समूहों, जैसे गोथ, वैंडल, लोम्बार्ड आदि ने सभी बड़े प्रांतों पर नियंत्रण कर लिया था; इन्हें अतीत-रोमन राज्य कहा जाता था। उदाहरण के लिए स्पेन में विसिगोथ्स (स्पेन में), गॉल में फ्रेंको का साम्राज्य और इटली में लोम्बार्ड्स का साम्राज्य।

महत्वपूर्ण बिंदु:

- **पेपिरोलॉजिस्ट:** अनुबंध, खाते, पेपिरास कागजात पर लिखे गए। पेपरोलॉजिस्ट द्वारा प्रकाशित ।
- **गणतंत्र :** शासन की एक प्रणाली जिसमें वास्तविक शक्ति सीनेट में निहित होती थी। व्यावहारिक रूप से, सरकार कुलीन वर्ग का प्रतिनिधित्व करती थी। गणतंत्र को 509 ईसा पूर्व में सीनेट के माध्यम से चलाया गया था। 27 ईसा पूर्व (BCE) तक चला । जूलियस सीज़र के दत्तक पुत्र और उत्तराधिकारी, ऑस्ट्रेलियाई (ऑक्टेवियन) ने गणतंत्र को उखाड़ फेंका। बाद में उन्होंने अपना नाम बदलकर ऑगस्टस रख लिया।
- **प्रिन्सिपेट:** 27 ई.पू. में ऑगस्टस द्वारा स्थापित राज्य।
- **गृहयुद्ध** : एक सशस्त्र संघर्ष जो अपने ही देश में सत्ता हासिल करने के लिए किया जाता है।
- **निकट पूर्व:** रोमन साम्राज्य के भूमध्यसागरीय क्षेत्र में रहने वाले लोगों की नजर में, पूर्वी क्षेत्र का मतलब सीरिया, फिलिस्तीन और मेसोपोटामिया सहित भूमध्य सागर के पूर्व का संपूर्ण क्षेत्र था।
- **डेनारियस:-** रोम का एक चाँदी का सिक्का। इसमें लगभग 4.5 ग्राम शुद्ध चांदी थी।
- **सेंट ऑगस्टीन** (354-430): उत्तरी अफ्रीका
- **बिशप**: ईसाई समुदाय के बहुत महत्वपूर्ण प्रचारक होते थे।
- एकल परिवार रोम के समाज की एक महत्वपूर्ण विशेषता थी । वयस्क पुत्र अपने पिता के साथ सोसायटी में नहीं रहता था।
- मिस्र में बोली जाने वाली कॉप्टिक भाषाएँ।
- **प्यूरिक और बर्बर**: उत्तरी अफ्रीका में बोली जाने वाली भाषाएँ।
- **एम्फोरा**: शराब, जैतून का तेल और तरल पदार्थ के कंटेनर ।
- **ड्रेसेल 20** - (स्पेन में उत्पादित जैतून का तेल) मुख्य रूप से कंटेनरों में ले जाया जाता था, उन्हें ड्रेसेल-20 कहा जाता था। यह नाम हेनरिक ड्रेसेल नामक पुरातत्वविद् पर आधारित है।

- **ऋतु प्रवास (ट्रांसह्यूमन्स)** : मौसमी प्रवासन से तात्पर्य उच्च पर्वतीय क्षेत्रों के मैदानी इलाकों में भेड़ और अन्य जानवरों को चराने के लिए चरागाहों की तलाश में चरवाहों के वार्षिक पलायन से है। न्यूमिडिया (आधुनिक अल्जीरिया) मे मौसमी प्रवास व्यापक था।
- **मैपालिया**: चरवाहों और कम आय वाले लोगों के खानाबदोश समुदाय आमतौर पर ओवन के आकार की झोपड़ियों में अपना सामान लेकर इधर उधर घूमते फिरते थे। वे उन झोपड़ियों को मैपालिया कहा जाता था।
- **कैस्टेला**: स्पेन के कम विकसित उत्तरी क्षेत्र में, केल्टिक भाषी किसान आबादी पहाड़ियों की चोटी पर गांवों में रहती थी। इन गाँवों को कैस्टेला कहा जाता था।
- **दास प्रजनन:** दास प्रजनन गुलामों की संख्या बढ़ाने की एक प्रथा थी जिसके तहत अधिक से अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता था, ताकि भविष्य में भी उनके बच्चे पैदा हों।
- **फ्रैंकिंसेंस**: एक सुगंधित राल का यूरोपीय नाम जिसका उपयोग धूप और इत्र बनाने के लिए किया जाता है। यह राल बोसवेलिया वृक्ष से प्राप्त होता है।
- **सीनेटर:** सीनेटर (पैट्रेस का अर्थ है पिता)। तीसरी शताब्दी के शुरुआती वर्षों में, सीनेटरों की कुल संख्या लगभग आधे सीनेटर इतालवी परिवारों से थे। अधिकांश सीनेटर जमींदार थे। सीनेटर्स व्यावसायिक गतिविधियों में संलग्न नहीं थे।

कालक्रम

27 ईसा पूर्व से -14 ईसा पूर्व --	ऑगस्टस, पहला रोमन सम्राट
117-38 ई--	रोमन साम्राज्य का सबसे बड़ा विस्तार
कॉन्स्टेंटाइन 312-337 ई--	कॉन्स्टेंटाइन साम्राज्य का नया एकमात्र शासक
310 ई.-	कॉन्स्टेंटाइन ने नए सोने के सिक्के 'सॉलिडस' जारी किए
312 ई.	कॉन्स्टेंटाइन ने ईसाई धर्म अपना लिया

बहुविकल्पीय प्रश्न

1 रोमन साम्राज्य फैला हुआ था ----

A यूरोप B पश्चिम एशिया C उत्तरी अफ्रीका का बड़ा हिस्सा D ये सभी

2 रोमन साम्राज्य की अधिकांश अर्थव्यवस्था किसके द्वारा चलाई जाती थी?

A शारीरिक श्रम B दास श्रम C वरिष्ठों का आदेश Dराजा की सलाह

3 रोमन इतिहास के स्रोतों को इनमें से किस समूह में विभाजित किया जा सकता है?

A पाठ B दस्तावेज़ C सामग्री अवशेष D ये सभी

4 रोमन साम्राज्य में प्रशासन में निम्नलिखित में से किस भाषा का प्रयोग किया जाता था

A लैटिन और ग्रीक B लैटिन और फारसी

C ग्रीक और फारसी D ग्रीक और अंग्रेजी

5 किन रोमन शासकों को अग्रणी नागरिक माना जाता था?

A अलेक्जेंडर B ऑगस्टस C गैलनेस D डायोक्लेटियन

6 निम्नलिखित में से कौन रोमन साम्राज्य के राजनीतिक इतिहास में मुख्य खिलाड़ी था?

A सम्राट B अभिजात वर्ग C सेना D ये सभी

7 डेनारियस में किस प्रकार की धातु का उपयोग किया गया था?

A एक सोने का रूबी B पत्थर C चांदी D लाल हीरा

8 रोमन साम्राज्य का हृदय ----------को कहा जाता है।

A लाल सागर B काला सागर C एड्रियाटिक सागर D भूमध्य - सागर

9 उपरोक्त में से कौन सा सही मेल है?

a) एक अग्रणी नागरिक -- ऑगस्टस

b) तीन मुख्य खिलाड़ियों में से एक --- अभिजात वर्ग

c) रोमन सेना की मुख्य विशेषता --- वेतन प्राप्त सेना

d) सासानी राजवंश- --- ईरान

A a और c B b औरd C a और d D उपरोक्त सभी सही हैं

10.**अभिकथन (अ)** शब्द पेक्स रोमाना जिसका शाब्दिक अर्थ है रोमन शांति, 27 ई. पूर्व से 180 ई. तक रोमन साम्राज्य के समय अवधि को संदर्भित करता है।

कारण (ब) - रोमन साम्राज्य में पहली दो शताब्दियों में अन्य देशो के साथ युद्ध बहुत कम हुए।

A अ और ब दोनों सही हैं और ब, अ का सही स्पष्टीकरण है

B केवल अ सही

C केवल ब सही है

D अ और ब दोनों सही हैं लेकिन ब, अ का सही स्पष्टीकरण नही

11 रोमन समाज की अधिक आधुनिक विशेषताओं में से एक निम्नलिखित थी।

A एकल परिवार B संयुक्त परिवार

C आदिवासी समाज D इनमें से कोई नहीं

12 वह बिशप कौन था जिसने अपना अधिकांश जीवन उत्तरी अफ्रीका में बिताया और उसने हमें उस समय समाज की महिलाओं की स्थिति के बारे में बताया?

A ऑगस्टीन B ऑगस्टस C गैलनेस D कॉन्स्टेंटाइ

13 रोमन विवाह प्रणाली के बारे में कौन सा सही नहीं है?

A पति-पत्नी के बीच उम्र का अंतर

B पुरुषों की शादी 20 साल की उम्र के अंत और 30 की उम्र की शुरुआत में होती है

C महिलाओं की शादी 10 के दशक के आखिर और 20 की शुरुआत में हो जाती है

D पति अपनी पत्नी के प्रभुत्व के अधीन थे।

14 सही उत्तर चुनें

अ.रोमन क्षेत्र का बड़ा क्षेत्र कम उन्नत स्थिति में था

ब. ट्रांसह्यूमन्स नी मीडिया के ग्रामीण इलाकों में व्यापक रूप से फैला हुआ था

स. यह देहाती अर्ध-खानाबदोश समुदाय अपने ओवन के आकार की झोपड़ियों जिन्हें मैपलिया कहा जाता है, को अपने साथ लेकर एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाता है।

A अ और ब सही है

B ब और स सही है

C अ और स सही है

D तीनों अ, ब, स सही हैं

15 **अभिकथन(अ)** -रोमन साम्राज्य में दास श्रम के उपयोगकर्ता को या तो दास प्रजनन या किराए के मजदूरों जैसे सस्ते विकल्प की ओर रुख करना पड़ता था।

कारण(ब) -प्रथम शताब्दी में युद्ध किराया कम होने और दासों की आपूर्ति में गिरावट होने का कारण।

A अ और ब दोनों सही हैं और ब, अ का सही स्पष्टीकरण है

B केवल अ सही

C केवल ब सही है

D ए और ब दोनों सही हैं लेकिन ब, अ का सही स्पष्टीकरण नही

16 सर्वोत्तम प्रकार की शराब रोम में _____ से आती थी

A फयूम B बीजान्टियम C गैलिली D कैम्पेनिया

17 वह रोमन सम्राट था जिसने प्रांतीय उच्च वर्गों के उत्थान को मजबूत किया ताकि सीनेटरों को सैन्य कमान से बाहर रखा जा सके

A ऑगस्टस B कॉन्स्टेंटाइन C गैलिएनस D टिबेरियस

18 एम्फोरा क्या थे?

A एक प्रकार की सेना B एक प्रकार का कंटेनर

C एक प्रकार का जिला प्रशासक D उपरोक्त में से कोई नहीं

19 ऑगस्टस, प्रथम रोमन सम्राट को अग्रणी नागरिक कहा जाता था जिसका लैटिन शब्द है

A बेसिलियस B डोमिनस C प्रिंसेप्स D रेस गेस्टे

20 निम्नलिखित में से कौन सा रोमन के तीन मुख्य खिलाड़ियों में से एक नहीं था?

A सेना B सीनेट C सम्राट D किसान

21 निम्नलिखित छवि को पहचानें और सही विकल्प चुनें।

A एक्वाडक्ट्स B एम्फीथिएटर C एम्फोरा D कालीज़ीयम

ANSWERS

1	D	ये सभी	2	B	दास श्रम
3	D	ये सभी	4	A	लैटिन और ग्रीक
5	B	ऑगस्टस	6	D	ये सभी
7	C	चांदी	8	D	भूमध्य - सागर
9	D	ये सभी	10	A	ए और ब दोनों सही हैं और ब, ए का सही स्पष्टीकरण है
11	A	एकल परिवार	12	A	ऑगस्टीन
13	D	पति अपनी पत्नी के प्रभुत्व के अधीन थे।	14	D	तीनों ए ब स सही हैं
15	A	ए और बी दोनों सही हैं और ब, ए का सही स्पष्टीकरण है	16	B	बीजान्टियम
17	B	कॉन्स्टेंटाइन	18	B	एक प्रकार का कंटेनर
19	C	प्रिंसेप्स	20	D	किसान
21	A	एक्वाडक्ट्स			

लघु उत्तरीय प्रश्न

22. "**रोमन इतिहासकारों के पास स्रोतों का एक समृद्ध संग्रह है" न्यायसंगत तर्क दें ।**

उत्तर- रोमन इतिहास के प्रमुख स्रोतों को मोटे तौर पर तीन समूहों में विभाजित किया जा सकता है:

(i) पाठ्य (**ii)** दस्तावेज (**iii)** भौतिक अवशेष।

(i) पाठ्य: इसमें समकालीन लोगों द्वारा लिखे गए पत्र, भाषण, उपदेश, कानून, काल के इतिहास आदि शामिल हैं।

(ii) दस्तावेज: इसमें अभिलालेख और पेपाइरस शामिल हैं। अभिलालेख आम तौर पर पत्थर पर उकेरे गए थे, यही वजह है कि वे आज भी बचे हुए हैं। ग्रीक और लैटिन दोनों में बड़ी संख्या में अभिलालेख मिले हैं। पेपाइरस पर हजारों अनुबंध, पत्र, खाते और आधिकारिक दस्तावेज बचे हुए हैं, जो सरकंडे जैसा पौधा था और उसके लेखन सामग्री तैयार की जाती था।

(iii) भौतिक अवशेष: कई वस्तुएं भौतिक अवशेषों में शामिल हैं। वे मुख्य रूप से पुरातत्वविदों द्वारा खोजी गई हैं। इनमें स्मारक, इमारतें, अन्य प्रकार की संरचनाएँ, सिक्के, मिट्टी के बर्तन, मोज़ाइक, पूरे परिदृश्य आदि शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक अवशेष हमें रोमन अतीत के बारे में विशिष्ट जानकारी देता है।

23. **रोमन साम्राज्य के तीन प्रमुख खिलाड़ी कौन थे, उनके बारे में विस्तार से बताएं?**

उत्तर - रोमन साम्राज्य के राजनीतिक इतिहास में तीन मुख्य खिलाड़ी सम्राट, कुलीन समूह और सेना थे।

(i) सम्राट: सम्राट साम्राज्य का एकमात्र शासक था, लेकिन उसे प्रमुख नागरिक कहा जाता था। ऐसा सीनेट के सम्मान के लिए किया जाता था। इससे यह भी पता चलता था कि वह निरंकुश शासक नहीं था।

(ii) कुलीन समूह: कुलीन समूह सीनेट के लिए खड़ा था। इसमें अभिजात वर्ग और धनी परिवारों के सदस्य शामिल थे। इसने रोम को उन दिनों नियंत्रित किया जब यह एक गणतंत्र था। सम्राटों का मूल्यांकन इस आधार पर किया जाता था कि वे सीनेट के प्रति कैसा व्यवहार करते हैं। सीनेट के प्रति शत्रुतापूर्ण व्यवहार करने वाले सम्राटों को सबसे बुरा माना जाता था।

(iii) सेना: सम्राट और सीनेट के बाद सेना थी। यह एक पेशेवर सेना थी। प्रत्येक सैनिक को वेतन दिया जाता था। सेना के पास सम्राटों के भाग्य का निर्धारण करने की शक्ति थी।

24. **सम्राट डायोक्लेटियन ने किस प्रकार के परिवर्तन अपनाये?**

उत्तर-. 'उत्तर पुरातनता' शब्द का इस्तेमाल अब रोमन साम्राज्य के विकास और विघटन में अंतिम, आकर्षक अवधि का वर्णन करने के लिए किया जाता है और मोटे तौर पर चौथी से सातवीं शताब्दी को संदर्भित करता है।

ii) चौथी शताब्दी अपने आप में सांस्कृतिक और आर्थिक दोनों तरह से काफी उथल-पुथल वाली थी। सांस्कृतिक स्तर पर, इस अवधि में धार्मिक जीवन में महत्वपूर्ण विकास हुआ,

iii राज्य की संरचना में जो सम्राट डायोक्लेटियन (284 305) के साथ शुरू हुई, और इनसे शुरू करना सबसे अच्छा हो सकता है।

iv. सम्राट डायोक्लेटियन (284 305) ने प्रांतों की सीमाओं को पुनर्गठित किया

साम्राज्य की सीमाओं पर किलों का निर्माण किया

नागरिक कार्य को सैन्य कार्य से अलग किया।

25. **सम्राट कांस्टेनटाइन द्वारा अपनाये गये नवप्रवर्तन की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।**

उत्तर- कॉन्स्टेंटाइन ने इनमें से कुछ बदलावों को समेकित किया और अपने खुद के कुछ और बदलाव किए। उनके मुख्य नवाचार मौद्रिक क्षेत्र में थे, जहाँ उन्होंने एक नया संप्रदाय शुरू किया,

ii) सोलिडस, शुद्ध सोने का 4½ ग्राम का सिक्का चलाया सोलिडस को बहुत बड़े पैमाने पर ढाला गया और उनका प्रचलन लाखों में था

iii) नवाचार का दूसरा क्षेत्र कॉन्स्टेंटिनोपल (तुर्की में आधुनिक इस्तांबुल के स्थान पर, और पहले बाइज़ेंटियम कहा जाता था) में दूसरी राजधानी का निर्माण था, जो तीन तरफ से समुद्र से घिरा हुआ था।

iv) चूँकि नई राजधानी के लिए एक नई सीनेट की आवश्यकता थी, इसलिए चौथी शताब्दी शासक वर्गों के तेजी से विस्तार की अवधि थी। मौद्रिक स्थिरता और बढ़ती आबादी ने आर्थिक विकास को प्रेरित किया, और पुरातात्विक रिकॉर्ड ग्रामीण प्रतिष्ठानों में काफी निवेश दिखाते हैं।

iv) तेल प्रेस और कांच के कारखानों जैसे औद्योगिक प्रतिष्ठानों**,** स्क्रू प्रेस और कई जल-मिलों जैसी नई तकनीकों में**,** और पूर्व के साथ लंबी दूरी के व्यापार के पुनरुद्धार में।

26. **शास्त्रीय दुनिया की पारंपरिक धार्मिक संस्कृति को ग्रीक और रोमन साम्राज्य दोनों बहुदेववादी समझाते हैं।**

उत्तर- शास्त्रीय दुनिया की पारंपरिक धार्मिक संस्कृति, ग्रीक और रोमन दोनों, बहुदेववादी थी। यानी। इसमें कई तरह के पंथ शामिल थे, जिनमें रोमन/इटैलियन देवता जैसे जुपिटर, जूनो, मिनर्वा और मार्स शामिल थे, साथ ही साम्राज्य भर में हज़ारों मंदिरों, तीर्थस्थलों और अभयारण्यों में पूजे जाने वाले कई ग्रीक और पूर्वी देवता भी शामिल थे।

ii) बहुदेववादियों के पास खुद का वर्णन करने के लिए कोई सामान्य नाम या लेबल नहीं था। साम्राज्य में दूसरी महान धार्मिक परंपरा यहूदी धर्म थी।

iii) इस प्रकार, चौथी और पाँचवीं शताब्दी में साम्राज्य का ईसाईकरण एक क्रमिक और जटिल प्रक्रिया थी। बहुदेववाद रातोंरात गायब नहीं हुआ, खासकर पश्चिमी प्रांतों में।

27.ईरान के सासानी राजवंश और जर्मन मूल की जनजातियाँ रोमन साम्राज्य के लिए मुख्य खतरा थीं, कथनों को स्पष्ट करें।

उत्तर-I) 225 ई. में ईरान में एक नया और अधिक आक्रामक राजवंश उभरा। इस राजवंश के लोग खुद को 'सासैनियन' कहते थे। वे मात्र 15 वर्षों के भीतर यूफ्रेट्स की ओर बहुत तेज़ी से फैल गए।

तीन भाषाओं में लिखा एक प्रसिद्ध शिलालेख मिला है, जिसमें ईरानी शासक शापुर प्रथम ने दावा किया है कि उसने 60,000 की रोमन सेना को नष्ट कर दिया। उसने एंटिओक की पूर्वी राजधानी पर कब्ज़ा करने का भी दावा किया।

(ii) इस बीच, कई जर्मनिक जनजातियाँ (अलमन्नी, फ्रैंक्स और गोथ्स) राइन और डेन्यूब नदियों की सीमाओं की ओर बढ़ने लगीं। 233 से 280 ई. तक की पूरी अवधि में रोमन साम्राज्य ने काले सागर से लेकर आल्प्स और दक्षिणी जर्मनी तक फैले प्रांतों पर बार-बार हमले देखे।

इन आक्रमणों के कारण, रोमनों को डेन्यूब नदी के पार अपने अधिकांश क्षेत्र को छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा।

(iii) इस युग के सम्राटों को बर्बर लोगों (जर्मन जनजातियों) के खिलाफ लगातार मैदान में रहना पड़ता था।

(iv) तीसरी शताब्दी में सम्राटों का त्वरित उत्तराधिकार इस अवधि के दौरान साम्राज्य द्वारा सामना किए गए तनावों का एक निश्चित उदाहरण है।

पता चलता है कि स्पेनिश जैतून का तेल वास्तव में बहुत व्यापक रूप से प्रसारित होता था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

28 **रोमन साम्राज्य में परिवार और समाज में महिलाओं की स्थिति पर एक टिप्पणी लिखी।**

उत्तर

- विवाह प्रणाली-पहली शताब्दी ईसा पूर्व तक, पत्नी अपनी संपत्ति अपने पति को हस्तांतरित नहीं करती थी। वह पैतृक परिवार की संपत्ति में पूरा अधिकार रखती थी।
- महिला, अपनी शादी के बाद भी, अपने पिता की प्राथमिक उत्तराधिकारी बनी रही।
- वह अपने पिता की मृत्यु के बाद भी संपत्ति की मालिक बन गई। इस तरह रोमन महिलाओं को संपत्ति के प्रबंधन और स्वामित्व में पर्याप्त कानूनी अधिकार थे।
- उन दिनों तलाक काफी आसान था। इसके लिए पति या पत्नी में से किसी एक की ओर से विवाह तोड़ने की केवल एक धारणा की आवश्यकता थी। पुरुष अपने बीस के दशक के अंत में या तीस के दशक की शुरुआत में शादी करते थे।
- महिलाएं किशोरावस्था के अंत में या बीस के दशक की शुरुआत में शादी करती थीं। यही कारण है कि दोनों की उम्र में अंतर होता था। आम तौर पर अरेंज मैरिज होती थी।
- पुरुष प्रधान परिवार- परिवार पुरुष प्रधान थे। आम तौर पर महिलाओं पर उनके पति का दबदबा होता था। वे अपनी पत्नियों को पीटते थे।

- इसके अलावा, पिताओं का अपने बच्चों पर काफी हद तक कानूनी नियंत्रण था-कभी-कभी तो यह बहुत ही चौंकाने वाली हद तक था। उदाहरण के लिए, उनके पास अपने अवांछित बच्चों को खत्म करने का कानूनी अधिकार था। वे कभी-कभी उन्हें ठंड में मरने के लिए भी छोड़ देते थे

29 रोमन साम्राज्य की अर्थव्यवस्था अथवा आर्थिक विस्तार की मुख्य विशेषता का वर्णन करें।

उत्तर - रोम में विभिन्न आर्थिक गतिविधियाँ प्रचलित थीं। परिणामस्वरूप, रोम ने एक महान आर्थिक विस्तार देखा। इस विस्तार की कुछ विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

i.साम्राज्य में खदानों, बंदरगाहों, ईंट भट्टों, खदानों, जैतून के तेल के कारखानों आदि का बहुत अच्छा आर्थिक ढाँचा था। शराब, गेहूँ और जैतून के तेल की भारी मात्रा में खपत होती थी और उनका व्यापार भी होता था। ये चीज़ें मुख्य रूप से गैलिक प्रांतों, स्पेन, मिस्र, उत्तरी अफ्रीका और सबसे महत्वपूर्ण रूप से इटली से आती थीं जहाँ इन फसलों के लिए बहुत अच्छी परिस्थितियाँ थीं। शराब और जैतून के तेल को कंटेनरों में ले जाया जाता था। इन कंटेनरों को 'एम्फोरा' के नाम से जाना जाता था।

ii) 140-160 ई. के वर्षों के दौरान, स्पेनिश जैतून के तेल का व्यापार अपने चरम पर पहुँच गया। स्पेनिश जैतून के तेल को मुख्य रूप से एक कंटेनर में ले जाया जाता था जिसे 'ड्रेसेल-20' के नाम से जाना जाता था। जैतून के तेल का इतालवी बाज़ार रोमनों द्वारा स्पेनिश उत्पादकों द्वारा कब्ज़ा कर लिया गया था। ऐसा केवल इसलिए हुआ क्योंकि स्पेनिश उत्पादकों ने कम कीमतों पर बेहतर गुणवत्ता वाले जैतून के तेल की आपूर्ति की। दूसरे शब्दों में, हम कह सकते हैं कि विभिन्न क्षेत्रों के बड़े भूस्वामी अपने द्वारा उत्पादित वस्तुओं के बाजारों पर नियंत्रण करने के लिए एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करते थे।

(iii) साम्राज्य में कई क्षेत्र ऐसे थे जिनकी प्रजनन दर असाधारण थी। साम्राज्य के सबसे घनी आबादी वाले और सबसे धनी हिस्से तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में थे, इटली में कैम्पेनिया और सिसिली, मिस्र में फयूम और गैलिली, बाइज़ेशियम (ट्यूनीशिया), दक्षिणी गौल और बाएटिका (दक्षिणी स्पेन)।

(iv) कैम्पेनिया सबसे अच्छी किस्म की शराब का मुख्य उत्पादक था। सिसिली और बाइज़ेशियम द्वारा बड़ी मात्रा में गेहूँ रोम को निर्यात किया जाता था।

(v) रोमन क्षेत्र का बड़ा विस्तार बहुत कम उन्नत अवस्था में था। उदाहरण के लिए, न्यूमिडिया (आधुनिक अल्जीरिया) के ग्रामीण इलाकों में ऋतु प्रवास (ट्रांसह्यूमेन्स) व्यापक था।

(v) ये देहाती और अर्ध-खानाबदोश समुदाय आम तौर पर चलते-फिरते थे। वे अपने साथ ओवन के आकार की झोपड़ियाँ (जिन्हें मैपलिया कहा जाता है) ले जाते थे।

(vi) जैसे-जैसे उत्तरी अफ्रीका में रोमन सम्पदा का विस्तार हुआ, उन समुदायों के चरागाहों में भारी कमी आई और उनकी गतिविधियों पर अधिक सख्ती से नियंत्रण किया गया।

(vii) स्पेन में भी, उत्तर का क्षेत्र बहुत कम विकसित था, और यहाँ मुख्य रूप से केल्टिक-भाषी किसान रहते थे जो कास्टेला नामक पहाड़ी गाँवों में रहते थे। बहुत बड़ी संख्या में सोने के सिक्के ढाले गए; तथ्य यह है कि रोम आर्थिक रूप से एक समृद्ध राज्य था।

30 कोलुमेला और प्लिनी के विवरण में रोमन साम्राज्य में श्रमिकों की स्थिति का वर्णन किस प्रकारकिया गया है?

उत्तर - रोमन कृषि लेखकों ने श्रम के प्रबंधन पर बहुत ध्यान दिया:

(1) रोमन कृषि लेखकों में से एक कोलुमेला ने सुझाव दिया कि भूमि मालिकों को आवश्यक से दोगुना औजारों और उपकरणों का आरक्षित स्टॉक रखना चाहिए, ताकि उत्पादन जारी रहे।

(ii) नियोक्ता आमतौर पर मानते थे कि बिना पर्यवेक्षण के कोई काम कभी नहीं हो सकता। इसलिए दासों और स्वतंत्र श्रमिकों दोनों के लिए पर्यवेक्षण आवश्यक था कभी-कभी पर्यवेक्षण को आसान बनाने के लिए श्रमिकों को गिरोहों या छोटी टीमों में बांटा जाता था।

(iii) कोलुमेला ने दस लोगों के दस्ते बनाने की भी सिफारिश की। उन्होंने दावा किया कि छोटे समूहों में, यह बताना आसान होगा कि कौन काम कर रहा है और कौन नहीं।

(iv) प्लिनी ने दास गिरोहों के उपयोग की आलोचना की क्योंकि यह उत्पादन को व्यवस्थित करने का सबसे खराब तरीका था। ऐसा इसलिए था क्योंकि गिरोहों में काम करने वालों को आमतौर पर उनके पैरों से जंजीरों से बांध दिया जाता था।

(v) साम्राज्य में कुछ औद्योगिक प्रतिष्ठानों ने और भी सख्त नियंत्रण रखे।

(vi)लोबान कारखानों में, कामगारों के एप्रन पर एक सील लगाई जाती थी। उन्हें अपने सिर पर एक मुखौटा या एक जालीदार जाल पहनना आवश्यक था। परिसर से बाहर निकलने से पहले उन्हें अपने सारे कपड़े उतारने पड़ते थे। यह प्रक्रिया ज़्यादातर वर्कशॉप और फ़ैक्टरियों में अपनाई जाती थी।

स्रोत आधारित प्रश्न

31. डॉक्टर गैलेन के अनुसार रोमन शहरों का का ग्रामीण क्षेत्रों के साथ बर्ताव

कई प्रांतों में लगातार कई वर्षों से पड़ रहे अकाल ने साधारण से साधारण बुद्धिवाले आदमी को भी यह बता दिया कि लोगों में कुपोषण के कारण बीमारियाँ हो रही हैं। शहर में रहने वाले लोगों का फ़सल कटाई के शीघ्र बाद अगले पूरे वर्ष के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न अपने भंडारों में भर लेना एक रिवाज था। सारा गेहूँ, जौ, सेम तथा मसूर और दालों का काफी बड़ा हिस्सा शहरियों द्वारा ले जाने के बाद भी कई प्रकार की दालें किसानों के लिए बची रह गई थीं। सर्दियों के लिए जो कुछ भी बचा था, उसे खा-पीकर खत्म कर देने के पश्चात् देहाती लोगों को वसंत ऋतु में अस्वास्थ्यकर खाद्यों पर निर्भर रहना पड़ा; उन्होंने पेड़ों की टहनियाँ, छालें, जड़ें, झाड़ियाँ, अखाद्य पेड़-पौधे और पत्ते खाकर किसी तरह अपने प्राणों को बचाए रखा।

i) जनसंख्या में बीमारी उत्पन्न होने का कारण क्या था**?**

उत्तर: बहुत से प्रांतों में कई वर्षों तक लगातार फैला अकाल किसी भी समझदार व्यक्ति के लिए यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि कुपोषण बीमारियों को जन्म देने में किस प्रकार प्रभाव डालता है।

ii) फसल के संबंध में शहर में क्या प्रथा थी**?**

उत्तर: नगर के जौहरियों (व्यापारियों) ने, जैसा कि परंपरा थी कि फसल कटाई के तुरंत बाद पूरे अगले वर्ष के लिए पर्याप्त अनाज इकट्ठा कर और संग्रहित कर लिया जाए, सबसे अच्छी जौ, सेम और मसूर की दाल ले जाकर रख ली।

iii) सर्दियों के दौरान देश के लोगों को खाने के बाद खुद को किस प्रकार सहारा लेना पड़ता था**?**

उत्तर: सर्दियों में गाँव के लोगों को अस्वास्थ्यकर भोजन पर निर्भर रहना पड़ा। वसंत ऋतु में उन्होंने पेड़ों और झाड़ियों की कोपलें और अंकुर, साथ ही खाने योग्य न होने वाले पौधों के कंद और जड़ें खाईं।

32. दासों के प्रति व्यवहार

कुछ ही समय बाद शहर के शासक ल्यूसिसियस पेडेनियस सेकंडस का उसके एक दास ने कत्ल कर दिया। कत्ल के पश्चात, पुराने रिवाज के अनुसार यह आवश्यक था कि एक ही छत के नीचे रहने वाले प्रत्येक दास को फाँसी दे दी जाए। परन्तु बहुत से निर्दोष लोगों को बचाने के लिए भीड़ एकत्र हो गई और दंगे शुरू हो गए। सैनेट भवन को घेर लिया गया हालाकि सैनेट भवन में अत्यधिक कठोरता का विरोध किया जा रहा था। परंतु अधिकांश सदस्यों ने परिवर्तन किए जाने का विरोध किया। जो सैनेटर फाँसी देने के पक्ष में थे, उनकी बात मानी गई। परन्तु पत्थर और जलती हुई मशालें लिए भारी भीड़ ने इस आदेश को कार्यान्वित किए जाने से रोका। नीरो ने अभिलेख द्वारा इन लोगों को फटकार लगाई, उन सारे मार्गों पर सेना लगा दी गई जहाँ सैनिकों के साथ दोषियों को फाँसी पर चढ़ाने के लिए ले जाया जा रहा था

1.किसकी हत्या की गई और किसने**?**

उत्तर: लूसियस पेडानियस सेकुंडस की हत्या उसके एक दास ने कर दी थी।

2.दासों के संबंध में हत्या की सजा के जवाब में प्राचीन प्रथा क्या थी**?**

उत्तर: हत्या के बाद प्राचीन प्रथा के अनुसार एक ही छत के नीचे रहने वाले प्रत्येक दास को मार डाला जाना चाहिए।

3. भीड़ क्यों इकट्ठी की गई थी और भीड़ ने क्या किया था और आखिरी में नीरो के फैसलों के बारे में लिखें ।

उत्तर: इतने सारे निर्दोष लोगों की जान बचाने के लिए भीड़ जुट गई और दंगे शुरू हो गए। सीनेट हाउस को घेर लिया गया। अंदर अत्यधिक कठोरता के खिलाफ भावना थी, लेकिन बहुमत किसी भी बदलाव का विरोध कर रहा था

33. दो महाशक्तियों और उनके संबंधित साम्राज्यों के बीच एक बड़ा अंतर यह था कि रोमन साम्राज्य ईरान की तुलना में सांस्कृतिक रूप से बहुत अधिक विविध था। इस अवधि में पार्थियन और बाद में सासानियन, राजवंशों ने ईरान पर शासन किया, जिन लोगो पर शासन हुआ उनमे अधिकतर ईरानी थे | रोमन साम्राज्य, ऐसे क्षेत्रों और संस्कृतियों का एक मिला जुला रूप था जो मुख्य रूप से सरकार की एक सांझी प्रणाली द्वारा एक साथ बंधे थे। साम्राज्य में कई भाषाएँ बोली जाती थीं, लेकिन प्रशासन के उद्देश्यों के लिए लैटिन और ग्रीक सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली भाषाएँ थीं |

पूर्व के उच्च वर्ग ग्रीक में बोलते और लिखते थे, पश्चिम के लोग लैटिन में बोलते थे, और इन व्यापक भाषा क्षेत्रों के बीच की सीमा भूमध्य सागर के मध्य में, त्रिपोलिटानिया (जो लैटिन भाषी था) और साइरेनिका के अफ्रीकी प्रांतों के बीच कहीं चलती थी। (ग्रीक-भाषी)। साम्राज्य में रहने वाले सभी लोग एक ही शासक, सम्राट की प्रजा थे, चाहे वे कहीं भी रहते हों और कोई भी भाषा बोलते हों |

i.किस साम्राज्य में ईरान की तुलना में सांस्कृतिक विविधता अधिक थी ।

उत्तर: रोमन साम्राज्य ईरान की तुलना में सांस्कृतिक रूप से बहुत अधिक विविधता थी ।।

ii.रोमन साम्राज्य में पूर्व का उच्च वर्ग के लोग प्रायः किस भाषा में लिखते और बोलते थे -

उत्तर: पूर्व के उच्च वर्ग ग्रीक में बोलते और लिखते थे।

iii.किस राजवंश जिन्होंने इस अवधि (तीसरी सदी) के दौरान ईरान पर शासन किया।

उत्तर:इस अवधि में पार्थियन और बाद में सासानियन, राजवंशों ने ईरान पर शासन किया, जिन लोगो पर शासन हुआ उनमे अधिकतर ईरानी थे ।

मानचित्र आधारित प्रश्न (MAP WORK)

विश्व या पश्चिम एशिया के रूपरेखा मानचित्र पर निम्नलिखित दिखाएँ:

1.भूमध्य सागर **2.**काला सागर **3.**लाल सागर **4.**फारस की खाड़ी

5.कॉन्स्टेंटिनोपल **6.** एंटीओक

अनुत्तरित प्रश्न

1 सही उत्तर चुनें

अ) कथन ---आश्रित राज्यों की एक पूरी श्रृंखला थी जिन्हे रोमन प्रांतीय क्षेत्र में समाहित कर लिया गया

ब) कारण---कुछ पराधीन अत्यधिक धनी राज्य थे उदाहरण के लिए किंगडम के आसपास राज्य

A अऔर ब दोनों सही हैं और ब, अ का सही स्पष्टीकरण है

B केवल अ सही है

C केवल ब सही है

D अ और ब दोनों सही हैं लेकिन ब, अ का सही स्पष्टीकरण नहीं है

2 सही उत्तर चुनें

अ) रोमन क्षेत्र का बड़ा क्षेत्र कम उन्नत स्थिति में था

ब) ट्रांसह्यूमन्स नुमीडिया के ग्रामीण इलाकों में व्यापक रूप से फैला हुआ था

स) यह देहाती अर्ध-खानाबदोश समुदाय अपने ओवन के आकार की झोपड़ियों, जिन्हें मैपालिया कहा जाता है, को अपने साथ लेकर एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाता था।

A अ और ब सही है

B ब और स सही है

C अ और स सही है

D तीनों अ, ब, स सही हैं

3 ऑगस्टस द्वारा स्थापित शासन को क्या कहा जाता था?

A सीनेट B प्रिन्सिपेट C डेनारियस D अगस्टीन

4 रोमन साम्राज्य के तीन प्रमुख खिलाड़ियों में से कौन सा नहीं आता है?

A सम्राट B सीनेट C व्यापार D सेना

5 रोमन देवताओं के अंतर्गत कौन सा शामिल नहीं है?

A मंगल B बृहस्पति C जूनो D फ़ोबोस

6 सॉलिडस, एक सोने का सिक्का ---------- द्वारा शुरू किया गया

A ट्राजन B ऑगस्टस C जूलियस सीजर D कॉन्स्टेंटाइन

<u>लघु उत्तरीय प्रश्न</u>

1 उन स्रोतों की संक्षेप में चर्चा करें जो रोमन इतिहास के पुनर्निर्माण में मदद करते हैं।

2 तीसरी शताब्दी को रोमन साम्राज्य के लिए संकट क्यों माना जाता है?

3 प्रारंभिक रोमन साम्राज्य में आर्थिक स्थिति कैसी थी?

4 रोमन समाज में महिलाओं की स्थिति क्या थी?

<u>दीर्घ उत्तरीय प्रश्न</u>

1 रोमन साम्राज्य के पतन के कारणों पर संक्षेप में चर्चा करें?

2 ऑगस्टस का युग रोमन साम्राज्य का स्वर्ण काल माना जाता है।' कैसे ?

3 'परवर्ती पूराकाल' से आपका क्या तात्पर्य है? इस काल में रोमन साम्राज्य में आये महत्वपूर्ण परिवर्तनों का वर्णन कीजिये।

प्रश्न मानचित्र आधारित

दिए गए मानचित्र पर 1 से 6 को पहचाने व नाम लिखें

रोमन साम्राज्य के प्रसिद्ध शासक

***इन शासकों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त करें ***

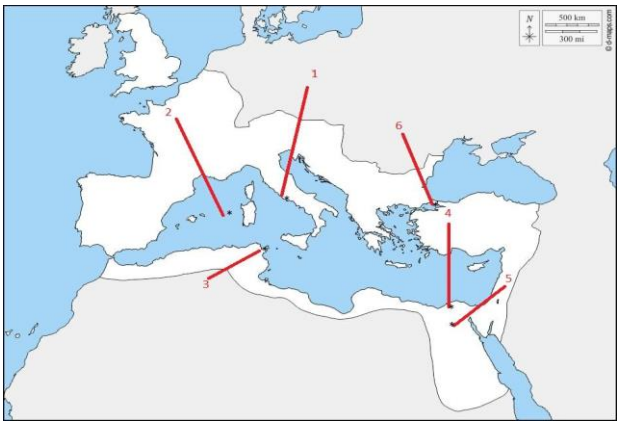

Tiberius: AD 14-37, adopted son of Augustus.

CONSTANTINE

DIOCLETIAN

Augustus Caesar

विषय 3

यायावर साम्राज्य

अध्याय को सीखने के मुख्य उद्देश्य

1. मंगोलों की **सामाजिक और राजनीतिक संरचनाओं** को समझना और यह समझना कि उनकी **यायावर जीवनशैली** ने उन्हें कैसे प्रभावित किया।

2. यह जांचना कि कैसे चंगेज खान ने मंगोल जनजातियों को **एकीकृत** किया और एक जनजातीय महासंघ को एक **शक्तिशाली साम्राज्य** में बदल दिया।

3. मंगोलों के विस्तार और विजय में योगदान देने वाली **सैन्य रणनीतियों** और **तकनीकी नवाचारों** का पता लगाना।

4. मंगोलों की प्रशासनिक व्यवस्था का मूल्यांकन करना, जिसमें उनकी **कर प्रणाली, हरकारी पद्धति और सैन्य** संगठन शामिल हैं।

5. यायावर और कृषक समाजों के बीच संबंधों और **कृषक सभ्यताओं** पर मंगोल **विजय के प्रभाव** का विश्लेषण करना।

6. मंगोल अंतरमहाद्वीपीय साम्राज्य को बनाए रखने में **धार्मिक सहिष्णुता और बहुसांस्कृतिक शासन** की भूमिका का आकलन करना।

7. **यास** की ऐतिहासिक विरासत का पता लगाना और यह पता लगाना कि कैसे यास शाही पहचान के निर्माण के लिए कैसे एक उपकरण के रूप में विकसित हुआ।

8. यायावर साम्राज्यों के अध्ययन में ऐतिहासिक चुनौतियों पर विशेष रूप से पक्षपाती कृषक **स्रोतों** और **भाषाई बाधाओं** के कारण आने वाली **चुनौतियों** पर विचार करना।

9. मंगोलिया के इतिहास और **विश्व इतिहास में चंगेज खान** के स्थान का आकलन करना।

<u>वर्तमान संदर्भ में अध्याय की प्रासंगिकता:</u>

• **पक्षपातपूर्ण इतिहास** की व्याख्या, संस्कृतियों के प्रति हमारी समझ को कैसे प्रभावित करती हैं, इसकी जाँच करना। आज के **सूचना-प्रौद्योगिकी** के युग में **आलोचनात्मक दृष्टिकोण** और **बहुलतावादी-दृष्टिकोण** की आवश्यकता पर बल देना।

• यह समझना कि अपने वातावरण के प्रति **अनुकूलनशीलता** और **नवाचारों** ने मंगोलों को विशाल, विविध क्षेत्रों पर शासन करने में कैसे सक्षम बनाया। इन विशेषताओं का किस तरह से **बहुदेशीय** और **बहु-सांस्कृतिक** कार्यस्थलों के **प्रबंधन** में आज भी किस प्रकार से महत्वपूर्ण हैं।

• यह पता लगाना कि मंगोल साम्राज्य द्वारा स्थापित **संचार व्यवस्था** और व्यापार व्यवस्था (रेशम मार्ग की तरह) का निर्माण कैसे परस्पर **जुड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं** और **बुनियादी ढाँचे** के निर्माण में उपयोगी है।

अध्याय का सारांश

1. यायावर साम्राज्यों का परिचय-

• **यायावर** साम्राज्य **विरोधाभासी** लग सकते हैं क्योंकि यायावर **गतिशील** होते हैं, इधर-उधर घूमते हैं और इसके विपरीत **साम्राज्य** आमतौर पर क्षेत्रीय और प्रशासनिक रूप से **स्थायी** रूप से संरचित होते हैं।

• यायावर होने के बावजूद, मंगोलों ने 13वीं और 14वीं शताब्दी में यूरेशिया में एक **विशाल साम्राज्य** बनाया।

• मंगोल साम्राज्य का गठन चंगेज खान के नेतृत्व में हुआ था।

2. इतिहास के स्रोत

• मंगोलों ने बहुत **कम लिखित अभिलेख** छोड़े हैं; उनके बारे में अधिकांश जानकारी **यात्रा वृत्तांतों**, इतिहास और प्रशासनिक **दस्तावेजों** से आती है।

• अधिकांश **जानकारियाँ** अक्सर **पक्षपाती** होती थीं, जिसमें मंगोलों को **बर्बर** के रूप में दर्शाया जाता था।

• उनके बारे में अधिकांश महत्वपूर्ण ऐतिहासिक कार्य निम्न व्यक्तियों से आए:

o **जुवैनी**, **रशीदुद्दीन** (फ़ारस)

o **मार्को पोलो** (वेनिस)

o **रूसी** और **चीनी** अभिलेख

• मंगोलों की **गुप्त ऐतिहासिक** परम्परा भी उनके बारे में अधिकांश जानकारियों का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।

3**. सामाजिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि**

• मंगोल मध्य एशिया, विशेष रूप से मंगोलिया में रहने वाले **पशुपालक** और शिकारी थे।

• समाज **पितृवंशीय** था, जिसमें वंश शक्ति और धन का निर्धारण पुरुष ही करते थे।

• कठोर भूगोल और **सीमित संसाधनों** के कारण कुलों के बीच **संघर्ष** होते रहते थे और उनके बीच में इसी कारण **गठबंधन** होते रहते थे।

• चीन के साथ **व्यापार** महत्वपूर्ण था । घोड़ों, फर और के बदले में कृषि और लोहे के सामान के लिए वे चीन के साथ व्यापार पर निर्भर थे। खेलों का उनके जीवन में विशेष स्थान था।

4. चंगेज खान का उदय

• चंगेज खान के बचपन का नाम **तेमुजिन** था। तेमुजिन का जन्म **ओनोन** नदी के पास **1162** के आसपास हुआ था।
• चंगेज खान ने मंगोल जनजातियों को **एकजुट** किया और उसे **1206** में **'चंगेज खान'** घोषित किया गया।
• चंगेज खान को उसकी **रणनीतिक** प्रतिभा, सैन्य **नवाचार** और **राजनीतिक** दृष्टि के लिए जाना जाता है।
• चंगेज खान के **शुरुआती अभियानों** में शामिल थे:
o चीन (शी हसिया, चिन) - **1215** में **पेकिंग** को लूटा,
o **मध्य एशिया** (ख़्वारज़्म, बुखारा, निशापुर, हेरात) की विजयें,
• उदाहरण के लिए, **निशापुर** का **विनाश** बहुत बड़ा था: इसमें लगभग 1.7 मिलियन लोग मारे गए (अतिरंजित आंकड़े)।

5. सैन्य और प्रशासनिक संगठन

सैन्य नवाचार

• सेना को **दशमलव** इकाइयों में संरचित किया गया: 10s, 100s, 1000s, 10,000s (**तुमन**)।
• मंगोल कबीलों की पुरानी जनजातीय **पहचान टूटी** और उनकी नई इकाइयाँ बनीं।
• **घेराबंदी-यंत्र**, **नेफ्था** बम, **जमी** हुई **नदियों** को **राजमार्गों** के रूप में प्रयोग, सर्दियों के अभियानों का इस्तेमाल किया।
• अत्यधिक तेज **घुड़सवार** सेना और विशेषज्ञ **तीरंदाज।**

प्रशासन

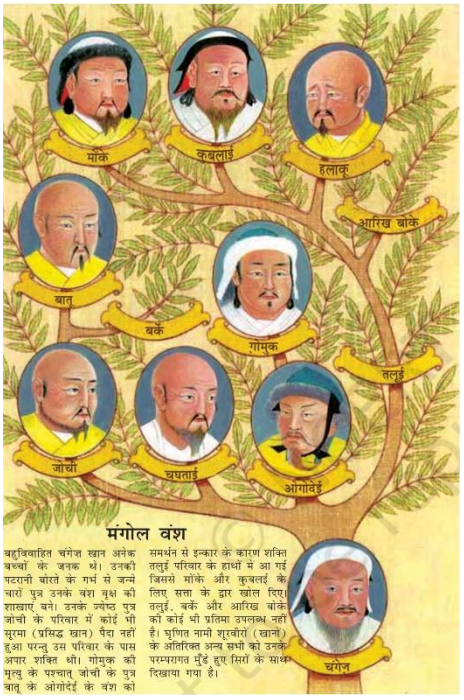

मंगोल वंश

बहुविवाहित चंगेज खान अनेक बच्चों के जनक थे। उनकी पटरानी बोरते के गर्भ से जन्मे चारों पुत्र उनके वंश वृक्ष की शाखाएं बने। उनके ज्येष्ठ पुत्र जोची के परिवार में कोई भी सूरमा (प्रसिद्ध खान) पैदा नहीं हुआ परन्तु उस परिवार के पास अपार शक्ति थी। गोमुक की मृत्यु के पश्चात् जोची के पुत्र बातू के ओगोदई के वंश को समर्थन से इन्कार के कारण शक्ति तलुई परिवार के हाथों में आ गई जिससे मोंके और कुबलई को लिए सत्ता के द्वार खोल दिए। तलुई, बर्के और आरिख बोके की कोई भी प्रतिमा उपलब्ध नहीं है। घृणित नामी शूरवीरों (खानों) के अतिरिक्त अन्य सभी को उनके परम्परागत मुँडे हुए सिरों के साथ दिखाया गया है।

• साम्राज्य उनके **चार बेटों** - **जोची**, **चगताई**, **ओगोदेई**, **तोलूई** के बीच अनिश्चित सीमाओं (**उलुस**) में विभाजित था: ।
• अभियान, उत्तराधिकार और शासन तय करने के लिए बुद्धिमान **वरिष्ठ** जनों की नियमित सभा **किरिलताई** आयोजित होती थी।
• चौकियों और नए **घोड़ों** के साथ तेज गति की हरकारा(कूरियर) प्रणाली (याम) का संगठन आश्चर्यजनक था।
• **कर** के रूप में मंगोल अपने पशुधन का **दसवां** हिस्सा **कुबकुर** कर के रूप में देते थे।
• **व्यापारी** यात्रियों को **सुरक्षा** प्रदान करने के लिए एक **पास** दिया जाता था इसे फारसी में **पैज़ा** या मंगोलियन में **जेरज़** कहा जाता था। इसके बदले में व्यापारी **एक** कर अदा करते थे इस कर को **बाज** कहते थे ।

6. विजय का प्रभाव

• बड़े पैमाने पर **विनाश**: **शहरों का** ध्वस्त होना , व्यापार में **बाधा** , नहरों की (**क़नात**) बर्बादी ।
• **खुरासान** में **पारिस्थितिकी क्षरण।**
• **पैक्स मंगोलिका** के तहत **रेशम मार्ग** पुनर्जीवित - यूरोप और चीन के बीच **व्यापार** फला-फूला।

7. चंगेज खान के बाद मंगोल

विस्तार के चरण

• **1236-42**: रूस, पोलैंड, हंगरी।
• **1255-1300**: चीन, ईरान, इराक, सीरिया।

आंतरिक संघर्ष

• जोची, ओगोदेई, तोलूई वंशों के बीच **सत्ता संघर्ष।**
• टोल्युइड्स का प्रभुत्व रहा - **युआन** राजवंश (**चीन**) और **इल-खानिद** राजवंश (**ईरान**) की स्थापना की।
• पराजय और आंतरिक प्रतिद्वंद्विता के बाद पश्चिम में विस्तार रुक गया।

8. कृषि और शासन को बढ़ावा

• मंगोल शासकों ने **स्थानीय संस्कृतियों** को अपनाना शुरू कर दिया।

• **कुबलई** खान और **ग़ज़न** खान ने कृषि और **शहरी** जीवन का **समर्थन** किया।

• चीन, फारस और अन्य क्षेत्रों के नागरिक **प्रशासकों** ने शासन में **मदद** की।

9. यास (1206) (चंगेज खान का कानून)

• शुरू में इसका मतलब **प्रथागत कानून** था; बाद में एक **पवित्र संहिता** बन गई।

• मंगोल पहचान को संरक्षित करने और **दैवीय वैधता** का दावा करने के लिए इस्तेमाल किया गया।

• एक ही कानूनी ढांचे के तहत विविध आबादी को **एकजुट** करने के लिए इस्तेमाल किया गया।

10. विरासत और निष्कर्ष

• कई लोगों के लिए चंगेज खान एक **विवादास्पद** व्यक्ति बना हुआ है:

o उसे कृषकसमाजों द्वारा **विध्वंसक** के रूप में देखा जाता है।

o वह मंगोलों द्वारा एक **नायक** और **एकीकरणकर्ता** के रूप में देखा जाता है।

• मंगोल साम्राज्य एक बहु-जातीय, बहु-धार्मिक, बहुभाषी शासन था।

• मंगोल साम्राज्य ने मुगलों जैसे भविष्य के साम्राज्यों को प्रेरित किया।

• आज, चंगेज खान **मंगोलिया** का एक **राष्ट्रीय प्रतीक** है।

बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न

प्रश्न 1. मंगोल किस नाम के तंबू में रहते थे -

A सेलेंगा B जर (gers) C स्टेपी D बोर्जिगिड

प्रश्न 2. चंगेज खान का पोता जिसने फ्रांसीसी शासक लुई IX को चेतावनी दी थी -

A मोंगके B बाटू C जोची D ओगोदेई

प्रश्न 3. मंगोल सरदारों की सभा को कहा जाता था -

A कियात B किरिलताई C कैराईट D नैमन

प्रश्न 4. मंगोल साम्राज्य की सैन्य रणनीति मुख्यतः निम्नलिखित पर आधारित थी:

A भारी सैन्य B तीरंदाजी और गतिशीलता

C नौसैनिक युद्ध D योजनाबद्ध युद्ध

प्रश्न 5. "शहर को इस तरह से बर्बाद कर दिया जाना चाहिए कि उस जगह पर हल चलाया जा सके और बदला लेने के लिए (राजकुमार की मौत के लिए) बिल्लियों और कुत्तों को भी ज़िंदा न छोड़ा जाए"। किस शहर के लिए, चंगेज खान ने यह टिप्पणी की –

A बुखारा B समरकंद C निशापुर D हेरात

प्रश्न 6. नीचे दो कथन कथन A और कारण R दिए गए हैं। उन्हें ध्यान से पढ़ें और सही विकल्प चुनें:

कथन A: सिंधु के तट पर, चंगेज खान ने उत्तर भारत और असम के माध्यम से मंगोलिया लौटने पर विचार किया।

कारण R: गर्मी, प्राकृतिक आवास और उसके भविष्यवक्ता (शमन) द्वारा बताए गए अपशकुन ने उसे अपना मन बदलने पर मजबूर कर दिया।

विकल्प:

A अभिकथन A और कारण R दोनों सही हैं और कारण R अभिकथन A की सही व्याख्या है।

B अभिकथन A और कारण R दोनों सही हैं, लेकिन कारण R अभिकथन A की सही व्याख्या नहीं है।

C अभिकथन A सही है, लेकिन कारण R गलत है।

D अभिकथन A गलत है, लेकिन कारण R सही है।

प्रश्न 7. नीचे दो कथन अभिकथन A और कारण R दिए गए हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और सही विकल्प चुनें:
अभिकथन A: रूसी-ईरानी सीमा पर जोची और तोलूई के वंशजों के बीच संघर्ष बढ़ गया था।
कारण R: इसने जोची वंशजों को आगे के चीनी अभियानों से दूर कर दिया।
विकल्प:

A अभिकथन A और कारण R दोनों सही हैं और कारण R अभिकथन A की सही व्याख्या है।
B अभिकथन A और कारण R दोनों सही हैं, लेकिन कारण R अभिकथन A की सही व्याख्या नहीं है।
C अभिकथन A सही है, लेकिन कारण R गलत है।
D अभिकथन A गलत है, लेकिन कारण R सही है।

प्रश्न 8. नीचे दो कथन अभिकथन A और कारण R दिए गए हैं। इन्हें ध्यानपूर्वक पढ़ें और सही विकल्प चुनें:
अभिकथन A: चीन, ईरान और पूर्वी यूरोप के शहरों के तेरहवीं शताब्दी के कई निवासी मैदानों से आने वाली भीड़ को भय और घृणा से देखते थे।
कारण R: तेरहवीं शताब्दी में मंगोल शासन में विभिन्न प्रकार के लोग और धर्म थे।
विकल्प:

A अभिकथन A और कारण R दोनों सही हैं और कारण R अभिकथन A की सही व्याख्या है।
B अभिकथन A और कारण R दोनों सही हैं, लेकिन कारण R अभिकथन A की सही व्याख्या नहीं है।
C अभिकथन A सही है, लेकिन कारण R गलत है।
D अभिकथन A गलत है, लेकिन कारण R सही है।

प्रश्न 9. कथन A और कारण R के रूप में दो कथन नीचे दिए गए हैं। उन्हें ध्यान से पढ़ें और सही विकल्प चुनें:
कथन A: 'किरिलताई', कानून की वह संहिता जिसे चंगेज खान ने 1206 के यास में प्रख्यापित किया था।
कारण R: अपने शुरुआती निर्माण में इस शब्द को यासक के रूप में लिखा गया था जिसका अर्थ था 'कानून', 'फरमान' या 'आदेश'।
विकल्प:

A कथन A और कारण R दोनों सही हैं और कारण R कथन A की सही व्याख्या है।
B कथन A और कारण R दोनों सही हैं, लेकिन कारण R कथन A की सही व्याख्या नहीं है।
C कथन A सही है, लेकिन कारण R गलत है।
D कथन A गलत है, लेकिन कारण R सही है।

प्रश्न 10. कथन A और कारण R के रूप में दो कथन नीचे दिए गए हैं। उन्हें ध्यान से पढ़ें और सही विकल्प चुनें:
कथन A: चंगेज खान के पोते, कुबलई खान (मृत्यु 1294), किसानों और शहरों के रक्षक के रूप में प्रकट हुए।
कारण R: ईरान के मंगोल शासक, ग़ज़न खान (मृत्यु 1304), जो चंगेज खान के सबसे छोटे बेटे तोलुय के वंशज थे, ने इस परंपरा को जारी रखा।
विकल्प :

A अभिकथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R अभिकथन A की सही व्याख्या है।
B अभिकथन A और कारण R दोनों सही हैं, लेकिन कारण R अभिकथन A की सही व्याख्या नहीं है।
C अभिकथन A सही है, लेकिन कारण R गलत है।
D अभिकथन A गलत है, लेकिन कारण R सही है।

प्रश्न 11. कॉलम I को कॉलम II से सुमेलित करें और निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनें:

कॉलम I (संबंधित शब्द)	कॉलम II (संबंधित अर्थ)
1. किरिलताई	(i) कर के रूप में झुंड का दसवां हिस्सा
2. पैक्स मंगोलिका	(ii) मंगोल शांति
3. याम	(iii) मंगोल सरदारों की एक सभा
4. कुबकुर	(iv) कूरियर प्रणाली

विकल्प:

A 1-(i), 2-(ii), 3-(iii), 4-(iv)

B 1-(iii), 2-(ii), 3-(iv), 4-(i)

C 1-(ii), 2-(iii), 3-(iv), 4-(i)

D 1-(iv), 2-(ii), 3-(iii), 4-(i)

प्रश्न 12. कॉलम I को कॉलम II से सुमेलित करें और निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनें:

कॉलम I (संबंधित शब्द)	कॉलम II (संबंधित अर्थ)
1. तामा	(i) 10,000 सैनिक
2. उलुस	(ii) कोई निश्चित क्षेत्र नहीं
3. आंडा	(iii) सगा भाई
4. तुमन	(iv) सैन्य टुकड़ी

विकल्प:

A 1-(i), 2-(ii), 3-(iii), 4-(iv)

B 1-(iii), 2-(ii), 3-(iv), 4-(i)

C 1-(ii), 2-(iii), 3-(iv), 4-(i)

D 1-(iv), 2-(ii), 3-(iii), 4-(i)

प्रश्न 13. निम्नलिखित में से कौन सा कॉलम सही ढंग से मेल खाता है:

	कॉलम I	कॉलम II
A	चंगेज खान की मृत्यु	(i) 1228 ई.
B	सार्वभौमिक खान के रूप में मान्यता	(ii) 1206 ई.
C	अट्टिला	(iii) 455 ई.
D	पेकिंग जीता गया	(iv) 1215 ई.

प्रश्न 14. निम्नलिखित में से कौन सा कॉलम गलत तरीके से सुमेलित है:

	कॉलम I	कॉलम II
A	सुल्तान मुहम्मद	(i) ख्वारिज़्म का शासक
B	अट्टिला	(ii) नेफ्था बमबारी
C	जोची	(iii) चंगेज खान का सबसे बड़ा पुत्र
D	काराकोरम	(iv) नये साम्राज्य का हृदय

प्र.15. कॉलम I को कॉलम II से सुमेलित करें और निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनें:

कॉलम I	कॉलम II
1. कुबलई खान	(i) 1921 ई.
2. मार्को पोलो	(ii) चंगेज खान का पोता
3. क़नात	(iii) वेनिस यात्री
4. मंगोलिया गणराज्य	(iv) नहरें

विकल्प:

A 1-(i), 2-(ii), 3-(iii), 4-(iv)

B 1-(iii), 2-(ii), 3-(iv), 4-(i)

C 1-(ii), 2-(iii), 3-(iv), 4-(i)

D 1-(iv), 2-(ii), 3-(iii), 4-(i)

प्रश्न 16. मंगोल साम्राज्य के संबंध में कौन सा कथन सही है -

A चीन मंगोलों के लिए एक सपना नहीं था।

B चंगेज खान के तीन बेटे थे।

C जनजाति के कुछ सक्षम, वयस्क पुरुषों ने हथियार रखे थे।

D पुराने कबीले के सरदारों के अधिकारों को चंगेज खान ने सुरक्षित रखा था।

प्रश्न 17. यास के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है? सही विकल्प चुनें:

I. यास, कानून की संहिता है।

II. डेविड आयलोन ने यास पर हाल ही में काम किया है।

III. इसे निशापुर में प्रख्यापित किया गया था।

IV. माना जाता है कि चंगेज खान ने इसे प्रख्यापित किया था।

विकल्प:

A I, II और III

B II, III और IV

C I, III और IV

D I, II और IV

प्रश्न 18. मान लीजिए कि आप और आपके मित्र उस समय के मंगोल साम्राज्य में किसी स्थान पर जाने की योजना बना रहे हैं। आपने उस स्थान की निम्नलिखित विशेषताओं के बारे में पढ़ा है – "चंगेज खान के दूसरे बेटे चघताई को यह स्थान पामीर पर्वतों के उत्तर में और उसके भाई के साम्राज्य से सटी यह भूमि दी गई थी।"

अब दिए गए विकल्पों में से सही स्थान का पता लगाएं –

A रूसी मैदान

B ट्रांसऑक्सियाना मैदान

C मंगोल मैदान

D यूरोपीय मैदान

प्रश्न 19. निम्न चित्र प्राकृतिक भूभाग को दर्शाता है। दिए गए विकल्पों में से इस भूभाग को सही ढंग से पहचानें:

A बाढ़ में ओनोन नदी का मैदान

B बाढ़ में सेलेंगा नदी का मैदान

C बाढ़ में वोल्गा नदी का मैदान

D बाढ़ में अमू नदी का मैदान

प्रश्न 20. निम्न चित्र एक लंबी मानव निर्मित संरचना को दर्शाता है। दिए गए विकल्पों में से इस संरचना को सही ढंग से पहचानें:

A मंगोलिया की महान दीवार B चीन की महान दीवार

C रूस की महान दीवार D चीन के महान पर्वत

नोट: निम्नलिखित प्रश्न प्रश्न संख्या 20 के स्थान पर दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों के लिए है।

सबसे लंबी मानव निर्मित संरचना कौन सी है:

A मंगोलिया की महान दीवार B चीन की महान दीवार

C रूस की महान दीवार D चीन की महान प्रवाल भित्ति

21. निम्नलिखित जानकारी की सहायता से मंगोल साम्राज्य के व्यक्तित्व की पहचान करें:

⟶ उसने अपने भाइयों के साथ बड़ी कठिनाइयों के साथ तेमुजिन का पालन-पोषण किया।

⟶ वह कियात जनजाति के सरदार येसुजेईकी पत्नी थी।

A बोरटे B ओलुन-इके C बोघूरचू D जमूका

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

उत्तर 1. B जर (gers) उत्तर 2. A मोंगके उत्तर 3. B किरिलताई उत्तर 4. B तीरंदाजी और गतिशीलता

उत्तर 5. C निशापुर उत्तर 6. A अभिकथन A और कारण R दोनों सही हैं और कारण R अभिकथन A की सही व्याख्या है।

उत्तर 7. C अभिकथन A सही है, लेकिन कारण R गलत है।

उत्तर 8. B कथन A और कारण R दोनों सही हैं, लेकिन कारण R कथन A की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर 9. D कथन A गलत है, लेकिन कारण R सही है।

उत्तर 10. A अभिकथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R अभिकथन A की सही व्याख्या है।

उत्तर 11. B 1-(iii), 2-(ii), 3-(iv), 4-(i)

उत्तर 12. D 1-(iv), 2-(ii), 3-(iii), 4-(i)

उत्तर 13 2. सार्वभौमिक खान के रूप में मान्यता - (ii) 1206

उत्तर 14 2. अट्टिला- (ii) नेफ्था बमबारी

उत्तर 15. C 1-(ii), 2-(iii), 3-(iv), 4-(i)

उत्तर 16. A चीन मंगोलों के लिए एक सपना नहीं था।

उत्तर 17. D I, II और IV

उत्तर 18. B ट्रांसऑक्सियाना मैदान

उत्तर 19. A बाढ़ में ओनोन नदी का मैदान

उत्तर 20. B चीन की महान दीवार

उत्तर 21. B ओलुन-इके

आपके बेहतर अभ्यास और सीखने के लिए कुछ और महत्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 22. यास को प्रख्यापित किया गया था-

A किरिलताई B कुबकुर C पैक्स मंगोलिका D नोयान

प्रश्न 23. यह व्यक्ति चंगेज खान का खून का भाई था-

A येसुजेई B ओंग खान C बोघूरचू D जमूका

प्रश्न 24. उपयुक्त विकल्पों का मिलान करें और सही उत्तर दें -

स्तंभ A	स्तंभ B
(i) खितान	A लुई IX
(ii) मोंगके	B 5वीं शताब्दी का शासक
(iii) बाटू	C चंगेज खान का पोता
(iv) अट्टिला	D एक मंगोल जनजाति

उत्तर-

A. i – d ii – c iii - b iv – a

B. i– c ii – a iii - d iv – b

C. i– d ii – a iii - c iv – b

D. i – b ii – c iii – d iv – a

प्रश्न 25. नीचे दो कथन कथन A और कारण R दिए गए हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और सही विकल्प चुनें:

कथन A: चंगेज खान सिंधु नदी पर पहुँच गया था।

कारण R: वह भारतीयों से मिलना चाहता था।

विकल्प:

A कथन A और कारण R दोनों सही हैं और कारण R कथन A की सही व्याख्या है।

B कथन A और कारण R दोनों सही हैं, लेकिन कारण R कथन A की सही व्याख्या नहीं है।

C अभिकथन A सही है, परन्तु कारण R गलत है।

D अभिकथन A गलत है, परन्तु कारण R सही है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

एक अच्छा उत्तर लिखने की विधि –

(जब भी आप कोई उत्तर लिखें तो हमेशा ध्यान रखें कि सबसे पहले किसी भी प्रश्न का **संक्षिप्त भूमिका (Introduction)** लिखें, अगर ऐसा संभव ना हो पाए तो फिर उत्तर की **शुरुआत** हमेशा **प्रश्न की भाषा** से करें। इसके बाद **बिन्दुवार** अपने उत्तर को लिखें। **शब्द सीमा** को ध्यान में रख कर ही अपना उत्तर लिखें। अंत में **निष्कर्ष** लिखें, जैसा कि इस उत्तर में है। लेकिन भूमिका और निष्कर्ष शब्दों को **शीर्षक के रूप में न लिखें।** आप महत्वपूर्ण शब्दों को **रेखांकित** कर सकते हैं और उत्तर से संबंधित **फ्लो चार्ट**, **ड्राइंग** या **माइंड मैप** प्रस्तुत कर सकते हैं, लेकिन केवल और केवल तभी जब आपके पास **परीक्षा में अतिरिक्त समय** हो। हालाँकि इन सभी चीजों का अभ्यास अपनी नोटबुक पर जरूर करें।)

प्रश्न 1. चंगेज खान से पहले मंगोलिया की सामाजिक और भौगोलिक विशेषताओं के बारे में बताएं।

उत्तर 1. चंगेज खान से पहले मंगोलिया में सामाजिक और भौगोलिक परिस्थितियाँ निम्नलिखित थीं-

- मंगोल लोग **विविधतापूर्ण** थे। वे **भाषा की समानता** से जुड़े हुए थे।
- **पूर्व** में **तातार**, **खितान** और **मंचू** जनजातियाँ थीं।
- **पश्चिम** में **तुर्क** जनजातियाँ रहती थीं।
- कुछ मंगोल **पशुपालक** थे जबकि अन्य शिकारी-**संग्राहक** थे।
- मंगोल घोड़े, भेड़ और कुछ हद तक मवेशी, बकरी और ऊँट पालते थे।
- वे मध्य एशिया के घास के मैदानों (**स्टेपी**) में यात्रा करते थे।
- मंगोलिया के पश्चिम में बर्फ से ढके **अल्ताई पहाड़** थे। जब इस क्षेत्र में पहाड़ियों की पिघलती बर्फ से असंख्य झरने बहते हैं।
- मंगोल चरवाहों के **उत्तर** में यानी **साइबेरियाई जंगलों** में शिकारी-संग्राहक रहते थे।
- **दक्षिण** में शुष्क **गोबी** रेगिस्तान है। इस रेगिस्तान में **ओनोन** और **सेलेंगा** नदियाँ बहती हैं।
- इस पूरे क्षेत्र में तापमान की चरम सीमा थी और **सर्दियाँ** बहुत कठोर और लंबी होती थीं।
- घास के मैदानों में खेती संभव थी लेकिन मंगोलों ने **खेती नहीं** की। नतीजतन इस क्षेत्र में कोई **शहर नहीं** था।
- मंगोल तंबू, **गेर** में रहते थे और अपने झुंडों के साथ सर्दियों से गर्मियों के चरागाहों तक यात्रा करते थे।

इस प्रकार हम देख सकते हैं कि मंगोलों का जीवन कई पहलुओं में बहुत **कठिन** और **संघर्षपूर्ण** था।

(आपके अन्य प्रासंगिक बिंदु और विचार आपकी अपनी भाषा में इस उत्तर में शामिल किए जा सकते हैं।)

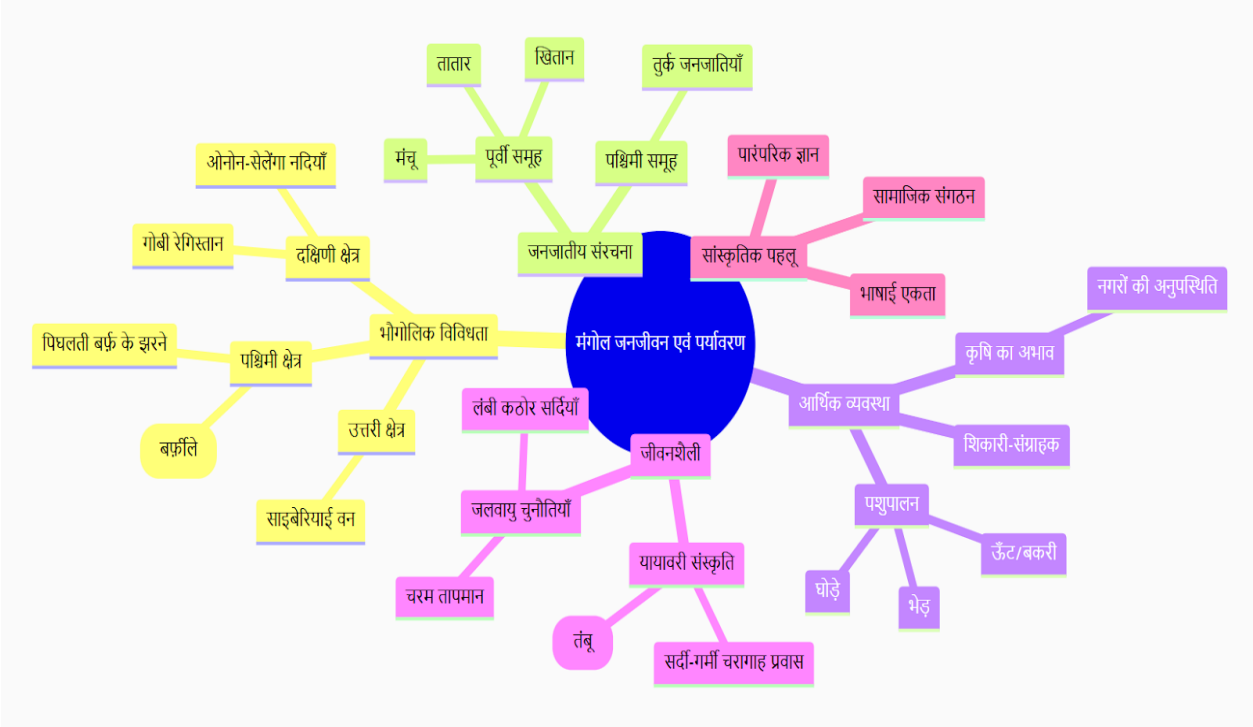

(सौजन्य: https://monica.im/tools/ai-mind-map-maker)

प्रश्न 2. आप चंगेज खान के शुरुआती जीवन के बारे में कैसे वर्णन करेंगे?

उत्तर 2. चंगेज खान एक बहुत शक्तिशाली शासक था जिसने दुनिया में सबसे बड़ा साम्राज्य स्थापित किया। हम उसके प्रारंभिक जीवन के बारे में निम्नलिखित बिंदुओं के अंतर्गत अंकन कर सकते हैं –

- चंगेज खान का जन्म 1162 के आसपास मंगोलिया के उत्तर में ओनोन नदी के पास हुआ था।
- उसके बचपन का नाम तेमुजिन था।
- वह येसुजेई का पुत्र था, जो कियात लोगों (बोरजिगिद कबीले का एक समूह) के सरदार था। उसके पिता की कम उम्र में ही हत्या कर दी गई थी।
- उनकी मां ओलुन-इके ने तेमुजिन, उनके भाइयों और सौतेले भाइयों का पालन-पोषण बड़ी मुश्किलों में किया।
- बाद के वर्षों में तेमुजिन को पकड़ लिया गया और गुलाम बना लिया गया। उनकी शादी के तुरंत बाद, उनकी पत्नी बोरटे का भी अपहरण कर लिया गया, और उन्हें उसे वापस पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा।
- इन वर्षों के दौरान उन्होंने महत्वपूर्ण मित्र भी बनाए। युवा बोघूरचू उनके पहले सहयोगी थे और एक विश्वसनीय मित्र बने रहे।
- जमूका , उनके सगे भाई (आंडा), उनके एक और मित्र बन गए।
- तेमुजिन ने तुगरिल खान या ओंग खान के साथ भी मजबूत संबंध बनाए, जो कैराईट जनजाति का शासक और उसके पिता का पुराना सगा भाई था।
- ओंग खान के सहयोगी के रूप में उसने अपने शक्तिशाली दुश्मन जमूका को हराया, जो कभी उसका पुराना दोस्त था।

- जमूका को हराने के बाद उसने आत्मविश्वास महसूस किया और शक्तिशाली तातार जनजाति (उसके पिता के हत्यारे), कैराईट जनजाति, नैमन जनजाति और खुद ओंग खान को 1203 में हराया।
- अंत में 1206 में, मंगोल सरदारों की सभा (किरिलताई) ने उसे 'चंगेज खान' की उपाधि के साथ 'मंगोलों का महान खान (क़ान)' घोषित किया, जिसका अर्थ था 'महासागरीय खान' या 'सार्वभौमिक शासक'।

इस प्रकार हम देख सकते हैं कि तेमुजिन ने खुद को 'चंगेज खान' के रूप में स्थापित करने के लिए कड़ी मेहनत की।

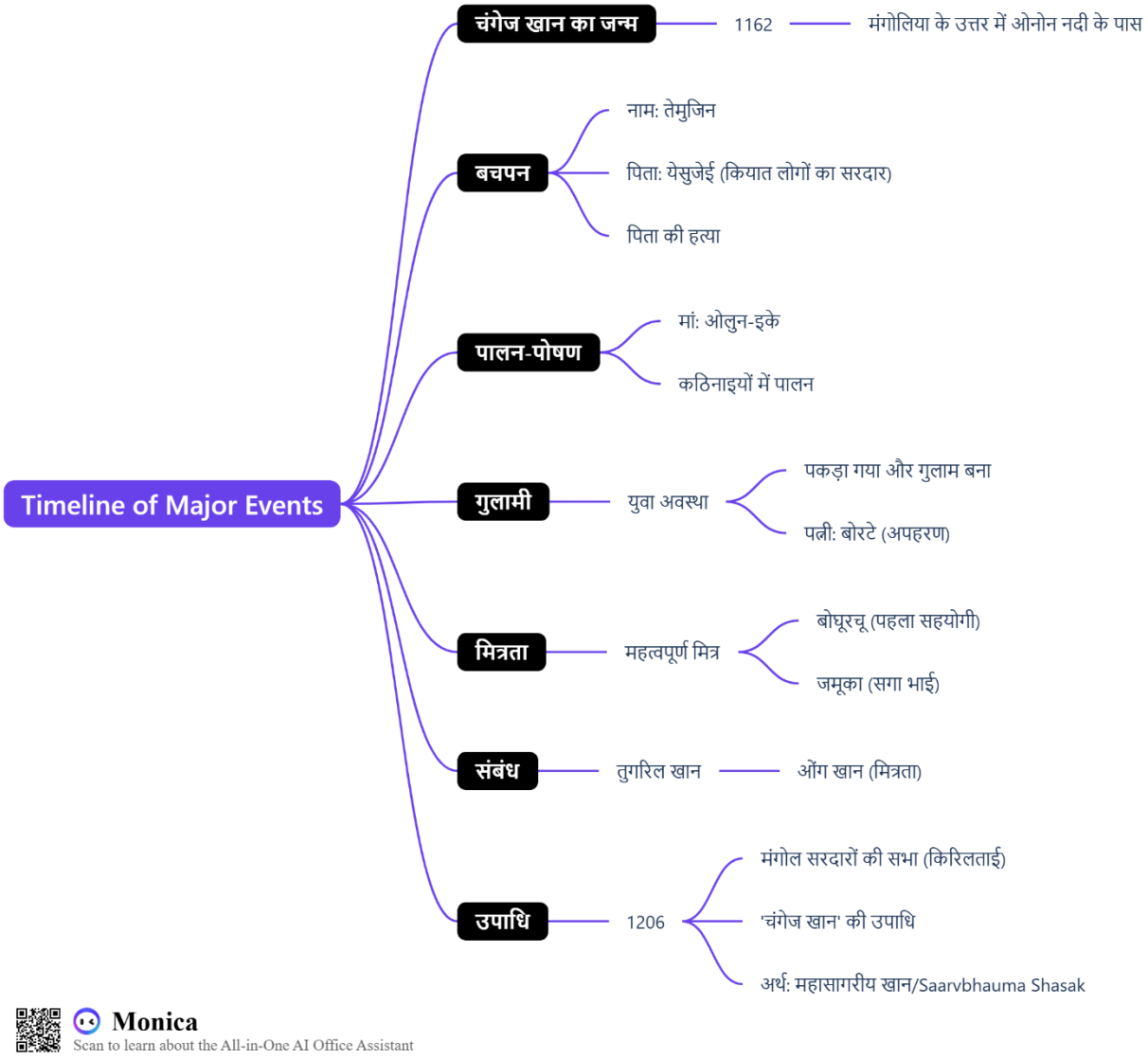

Monica
Scan to learn about the All-in-One AI Office Assistant

(आपके अन्य प्रासंगिक बिंदु और विचार आपकी अपनी भाषा में इस उत्तर में शामिल किए जा सकते हैं।)

प्रश्न 3. चंगेज खान द्वारा अपने चार बेटों को "उलुस" सौंपने के तरीके से आपको क्या लगता है कि इस प्रणाली ने मंगोल साम्राज्य के लिए किस प्रकार की दीर्घकालिक चुनौतियाँ या संघर्ष पैदा किए होंगे?

उत्तर 3. चंगेज खान द्वारा अपने चार बेटों को "उलुस" सौंपने के तरीके ने मंगोल साम्राज्य के लिए निम्न प्रकार की दीर्घकालिक चुनौतियाँ या संघर्ष पैदा किए होंगे -

संभावित दीर्घकालिक चुनौतियाँ/संघर्ष:

o **सीमा विवाद:** निश्चित सीमाओं के बिना, चंगेज खान के बेटे और उनके वंशज लगातार संघर्षरत रहे क्योंकि नई भूमि पर विजय प्राप्त की जाती रही थी।

o **सत्ता संघर्ष:** साझा शासन और सामूहिक निर्णय लेने (किरिलताई) के विचार को बनाए रखना मुश्किल हो जा रहा था क्योंकि प्रत्येक बेटे के उलुस की शक्ति और प्रभाव बढ़ता गया, जिससे उनके बीच सर्वोच्च नेता बनने के लिए प्रतिस्पर्धा हुई।

o **कमजोर केंद्रीय प्राधिकरण:** अपने व्यक्तिगत उलुस के फैलाव के कारण उसके वंशज बहुत हद तक स्वतंत्र हो गए थे, केन्द्रीय सत्ता कमजोर हो गई, जिससे बड़े पैमाने पर अभियानों का समन्वय करना या एकीकृत दृष्टिकोण बनाए रखने में मुश्किलें पैदा हो जाती थीं।

o **उत्तराधिकार संकट:** सत्ता और क्षेत्र की अनिश्चित सीमाओं के कारण भविष्य के उत्तराधिकार का प्रश्न जटिल बन गया था,जिससे आंतरिक युद्ध हो सकते थे।

निष्कर्ष स्वरूप हम कह सकते हैं कि "उलुस" की परम्परा ने मंगोल साम्राज्य के लिए अनेक दीर्घकालिक चुनौतियाँ या संघर्ष पैदा किए।

(आपके अन्य प्रासंगिक बिंदु और विचार आपकी अपनी भाषा में इस उत्तर में शामिल किए जा सकते हैं।)

प्रश्न 4. मंगोलों के लिए व्यापार इतना महत्वपूर्ण क्यों था?

उत्तर 4. मंगोलों के लिए व्यापार आवश्यक था क्योंकि उनकी चरवाही अर्थव्यवस्था घनी आबादी का समर्थन नहीं कर सकती थी या आवश्यक सामान प्रदान नहीं कर सकती थी।

• उन्होंने कृषि उपज और धातु के बर्तनों के लिए चीन जैसे बसे हुए समाजों के साथ घोड़ों, फर और खेल का आदान-प्रदान किया।

• यह आदान-प्रदान अक्सर संघर्ष और बातचीत द्वारा चिह्नित किया जाता था, जिसमें व्यापार कभी-कभी लूट द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता था।

• व्यापार ने सांस्कृतिक संपर्क भी लाए, जिससे समय के साथ एक अधिक परिष्कृत मंगोल प्रशासन का निर्माण हुआ।

• मंगोल शासन के तहत, रेशम मार्ग फला-फूला, जिसके कारण इसे पैक्स मंगोलिका (मंगोल शांति या मंगोल विजय) कहा जाता है, जो शांति का एक दौर था जिसने वाणिज्य और संचार को बढ़ाया।

इस प्रकार हम देख सकते हैं कि मंगोल अर्थव्यवस्था और अपने लोगों की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए व्यापार काफी महत्वपूर्ण था।

(आपके अन्य प्रासंगिक बिंदु और विचार आपकी अपनी भाषा में इस उत्तर में शामिल किए जा सकते हैं।)

प्रश्न 5. मंगोल शासकों ने अपनी यायावर विरासत को कृषकसमाजों पर शासन करने की माँगों के साथ कैसे संतुलित किया? (HOTS)

उत्तर 5. मंगोल शासकों ने अपनी यायावर विरासत को कृषकसमाजों पर शासन करने की माँगों के साथ निम्नलिखित प्रकार से संतुलित किया -

• अनुकूलन और नवाचार: हालाँकि मंगोलों की पृष्ठभूमि यायावर थी, लेकिन उन्होंने चीन और फारस से नौकरशाही प्रणाली को अपनाया।

• सांस्कृतिक बहुलवाद: उन्होंने विभिन्न धार्मिक और जातीय समूहों - बौद्ध, मुस्लिम और ईसाई - का सम्मान किया और उन्हें प्रशासन में भर्ती किया।

• आर्थिक नीतियाँ: समय के साथ, ग़ज़न खान जैसे शासकों ने लूटपाट के खिलाफ़ सलाह दी और कृषि स्थिरता को बढ़ावा दिया।

• कानूनी निरंतरता: यास ने शासन में लचीलापन देते हुए मंगोल पहचान को संरक्षित करने में मदद की।

• शहरी जुड़ाव: कराकोरम जैसे राजधानी शहर प्रशासन और अंतर-सांस्कृतिक आदान-प्रदान के केंद्र बन गए, जो विशुद्ध रूप से यायावर परंपराओं से बदलाव को दर्शाता है।

अतः यह स्पष्ट हैं कि मंगोल शासकों ने अलग-अलग तरीकों से अन्य संस्कृतियों के लोगों को न सिर्फ अपने से जोड़ा वरन उन पर कुशलतापूर्वक शासन भी किया।

(आपके अन्य प्रासंगिक बिंदु और विचार आपकी अपनी भाषा में इस उत्तर में शामिल किए जा सकते हैं।)

प्रश्न 6. मंगोलों ने विभिन्न संस्कृतियों के बीच अपने विशाल साम्राज्य का प्रशासन कैसे किया?

उत्तर 6. मंगोलों ने अपने विशाल साम्राज्य को विविध संस्कृतियों में इस प्रकार प्रशासित किया -

• मंगोलों ने अपने साम्राज्य में फारसियों और चीनी सहित स्थानीय प्रशासकों को नियुक्त किया।

• उन्होंने धार्मिक स्वतंत्रता की अनुमति दी और दूरदराज के क्षेत्रों पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए एक हरकारा(कूरियर) प्रणाली (याम) का निर्माण किया।

• पैज़ा (यात्रा पास) और बाज (व्यापारियों से वसूला जाने वाला कर) के उपयोग के माध्यम से, उन्होंने सुरक्षित व्यापार को बढ़ावा दिया।

• सैन्य अभियानों के बाद पारिस्थितिकी और आर्थिक पुनर्निर्माण किया गया, खासकर ग़ज़न खान जैसे शासकों के समय में।

• अपने यायावर मूल के बावजूद, मंगोल शासकों ने कृषि आधारित शासन व्यवस्था को भी अपनाया, जिसमें स्टेपी और बसे हुए परंपराओं का मिश्रण दिखाया गया।

स्पष्टतः मंगोल शासक की समन्वय और अनुकूलन की क्षमता ने उन्हें लम्बे समय तक अन्य समाजों और देशों पर शासन करने के योग्य बनाये रखा ।

(आपके अन्य प्रासंगिक बिंदु और विचार आपकी अपनी भाषा में इस उत्तर में शामिल किए जा सकते हैं।)

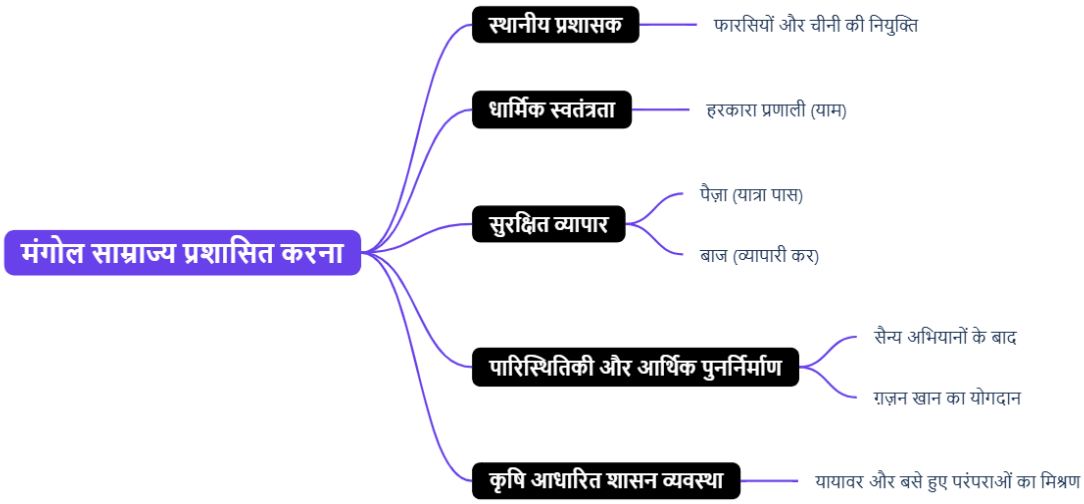

आपके अतिरिक्त अभ्यास और अधिगम हेतु कुछ अन्य महत्वपूर्ण लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. चंगेज खान के बेटों जोची और चघताई ने मंगोल साम्राज्य की सीमाओं को कैसे और कहाँ बढ़ाया? (वैचारिक प्रश्न)

प्रश्न 2. तेरहवीं सदी के उत्तरार्ध में फ़ारसी इतिहासकारों ने इल-खानिद ईरान में कौन से विवरण प्रस्तुत किए? (तथ्यात्मक प्रश्न)

प्रश्न 3. मंगोल सेना में सेवारत एक आदिवासी को घुड़सवारी और यायावर जीवन के लाभ बताएं? (विश्लेषणात्मक प्रश्न)

प्रश्न 4. "मान लीजिए कि आप मंगोल सेना में एक सैनिक की पत्नी होतीं, तो अपने बेटों के भविष्य के बारे में अपनी चिंताओं को व्यक्त करें?" (HOTS प्रश्न)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. मंगोलिया और विश्व के इतिहास में चंगेज खान के स्थान का विश्लेषण करें।

उत्तर. 1. हम मंगोलिया और विश्व के इतिहास में चंगेज खान के स्थान का विश्लेषण इस प्रकार कर सकते हैं -

चंगेज खान: एक सिक्के के दो पहलू

• आज जब हम चंगेज खान के बारे में सोचते हैं, तो हम आम तौर पर एक विजेता और एक विध्वंसक की तस्वीर बनाते हैं। हम किसी ऐसे व्यक्ति की कल्पना करते हैं जिसने कई लोगों की जान ली और शहरों को बर्बाद कर दिया।

• चीन, ईरान और पूर्वी यूरोप जैसे स्थानों पर 13वीं शताब्दी में रहने वाले कई लोग मंगोल सेनाओं से भयभीत थे। वे उन्हें केवल विनाश लाने वाले आक्रमणकारी के रूप में देखते थे।

चंगेज खान: मंगोलों के लिए एक नायक

• लेकिन खुद मंगोलों के लिए, चंगेज खान उनका अब तक का सबसे महान नेता था।

• उसने मंगोलों लिए कई महत्वपूर्ण काम किए, जैसे कि-
o उसने सभी अलग-अलग मंगोल जनजातियों को एकजुट किया। उससे पहले, वे अक्सर एक-दूसरे से लड़ते रहते थे।
o उसने उन्हें लगातार होने वाले जनजातीय युद्धों से मुक्त किया।
o उसने उन्हें चीनियों के शोषण से भी मुक्त किया, जो अक्सर उनका फायदा उठाते थे।
o उसने उन्हें समृद्धि दी, जिसका अर्थ है कि वे अधिक अमीर हो गए और बेहतर जीवन जीने लगे।
o उसने एक विशाल साम्राज्य बनाया जो महाद्वीपों में फैला था, जो कई अलग-अलग देशों को जोड़ता था।
o उसने व्यापार मार्गों और बाजारों को वापस लाया। इससे लोगों के लिए यात्रा करना और व्यापार करना आसान हो गया, जिससे वेनिस से मार्को पोलो जैसे प्रसिद्ध यात्री आकर्षित हुए।
निष्कर्ष रूप मैं हम कह सकते हैं कि चंगेज़ खान के चरित्र का विश्लेष्ण वाकई में एक कठिन कार्य है क्योंकि जहाँ मंगोलों के लिए वह एक उत्कृष्ट नायक था वहीँ अन्य समुदायों के लिए ईश्वर का एक प्रकोप ।
(आपके अन्य प्रासंगिक बिंदु और विचार आपकी अपनी भाषा में इस उत्तर में शामिल किए जा सकते हैं।)
प्रश्न 2. "मंगोल शासकों, विशेष रूप से चंगेज खान ने अपने साम्राज्य को मजबूत करने और अपने लोगों और सेना की सुविधा के लिए कई उपाय किए। हालाँकि, उनकी विजयों ने व्यापक विनाश भी किया।" इस कथन के प्रकाश में, चंगेज खान द्वारा उठाए गए प्रशासनिक उपायों और मंगोलों और विजित क्षेत्रों दोनों पर उनके प्रभाव की व्याख्या करें। (पृष्ठ- 70)
उत्तर 2.चंगेज खान का जन्म वर्तमान मंगोलिया में लगभग 1162 में हुआ था। तेमुजिन नाम से, मंगोल सरदारों की सभा (किरिलताई) ने उन्हें 'मंगोलों का महान खान' (क़ान) की उपाधि दी। उन्होंने दुनिया में एक महान साम्राज्य की स्थापना की।
उन्होंने अपने लोगों और सेना को निम्नलिखित तरीकों से सुविधा प्रदान की-

- चंगेज खान ने अपने साम्राज्य के दूरदराज के क्षेत्रों को जोड़ने के लिए एक हरकारा (कूरियर) प्रणाली (याम) की स्थापना की।
- नियमित चौकियों पर नए घोड़े और सुचना तथा वस्तुएं ले जाने वाले सवार तैनात किए गए थे।
- चंगेज खान की मृत्यु के बाद याम को परिष्कृत किया गया और यह अपनी गति और विश्वसनीयता के लिए जाना जाने लगा। इसने महान खानों को विशाल दूरी पर पूरे साम्राज्य की निगरानी करने में मदद की।
- मंगोल खानाबदोशों ने व्यवस्था को बनाए रखने के लिए कुबकुर कर (अपने पशुधन का दसवां हिस्सा) का भुगतान किया।
- दूसरी तरफ पराजित लोगों को अपने यायावर शासकों के साथ कोई जुड़ाव महसूस नहीं हुआ।
- तेरहवीं शताब्दी के अभियानों ने व्यापक विनाश भी किए:
  - शहर नष्ट हो गए
  - कृषि भूमि तबाह हो गई
  - व्यापार और हस्तशिल्प उत्पादन बाधित हुआ
  - सामूहिक हत्याएं और दासता
  - कुलीन वर्ग से लेकर किसानों तक सभी वर्गों को नुकसान उठाना पड़ा
  - कनात (भूमिगत नहरें) जीर्ण-शीर्ण हो गईं,
  - पारिस्थितिक विनाश हुआ; परिणामस्वरूप खुरासान के कुछ हिस्से कभी ठीक नहीं हो पाए।

  इस प्रकार हम कह सकते हैं कि मंगोल शासकों ने अपने साम्राज्य को मजबूत और समृद्ध बनाने के लिए अपने लोगों और सेना की सुविधा प्रदान की। वहीं दूसरी ओर अन्य देशों के नागरिकों और पर्यावरण को इन विजयों से अपूर्णीय क्षति उठानी पड़ी।

(आपके अन्य प्रासंगिक बिंदु और विचार आपकी अपनी भाषा में इस उत्तर में शामिल किए जा सकते हैं।)

प्रश्न 3. चंगेज खान की मृत्यु के बाद मंगोल साम्राज्य का विवरण प्रस्तुत करें।

उत्तर 3. चंगेज खान की मृत्यु के बाद मंगोल साम्राज्य का विस्तार और विघटन निम्नवत रहा -

• पहला चरण (1236-1242):

o रूसी मैदानों, बुलगर, कीव, पोलैंड, हंगरी में विस्तार

• दूसरा चरण (1255-1300):

o चीन (1279), ईरान, इराक, सीरिया पर विजय

o इन अभियानों के बाद साम्राज्य की सीमा स्थिर हो गई

पश्चिमी विस्तार और असफलताएँ:

• 1203 के बाद शुरुआती सफलता, लेकिन 1260 के बाद गिरावट शुरू हुई

• वियना, पश्चिमी यूरोप और मिस्र पर लगभग विजय प्राप्त की गई

• हंगरी के मैदानों से पीछे हटना

• मिस्रियों द्वारा हार ने गिरावट की शुरुआत को चिह्नित किया

आंतरिक राजनीति और सत्ता संघर्ष

• जोची और ओगोदेई वंशजों के बीच उत्तराधिकार संघर्ष । •

• महान खान की विरासत पर के नियंत्रण के लिए संघर्ष:

• चंगेज खान के सबसे छोटे बेटे तोलुई से टोल्यूइड शाखा (वंश) का उदय हुआ।

• मोंगके के अधीन तोलुयद का पूर्व की ओर झुकाव रहा।

• मिस्र के खिलाफ भेजी गई छोटी सेना की हार हुई तोलुयद का चीन पर ध्यान केंद्रित करने से पश्चिमी मोर्चा कमजोर हुआ अंततः पश्चिमी विस्तार का अंत हुआ।

• इससे संसाधनों में कमी आयी और इसने मंगोलों की शक्ति को प्रभावित किया।

जोचिद-तोलुयद संघर्ष:

रूसी-ईरानी सीमा पर जोचिद-तोलुयद संघर्ष ने मंगोलों की शक्ति को कम कर दिया।

आंतरिक संघर्ष जारी रहा। मंगोलों के अधीन चीन के फिर से एकीकरण और चरम विस्तार के बावजूद शासक परिवार के बीच आंतरिक अशांति और संघर्ष साथ-साथ चले, जिससे भविष्य की प्रगति सीमित हो गई।

इस प्रकार हम देखते हैं कि चंगेज खान के बाद मंगोल साम्राज्य दुनिया के कई हिस्सों में फैल गया। लेकिन संघर्षों और आंतरिक संघर्षों के कारण यह लंबे समय तक नहीं टिक सका।

(आपके अन्य प्रासंगिक बिंदु और विचार आपकी अपनी भाषा में इस उत्तर में शामिल किए जा सकते हैं।

आपके बेहतर अभ्यास और सीखने के लिए कुछ और महत्वपूर्ण दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. "मंगोल साम्राज्य ने विश्व इतिहास में 'साम्राज्य' और 'सभ्यता' की पारंपरिक परिभाषाओं को चुनौती दी।" क्या आप इस कथन से सहमत हैं? मंगोल सामाजिक-राजनीतिक व्यवस्था, सैन्य संगठन, सांस्कृतिक संपर्क और शासन विधियों के उदाहरणों के साथ अपने उत्तर का समर्थन करें।

प्रश्न 2. मंगोल जनजातियों को एकजुट करने और एक विशाल साम्राज्य बनाने के लिए चंगेज खान द्वारा इस्तेमाल की गई सामाजिक, राजनीतिक और सैन्य रणनीतियों का वर्णन करें। इन रणनीतियों ने मंगोल साम्राज्य की सफलता और दीर्घायु में कैसे योगदान दिया?

स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित स्रोत को ध्यान से पढ़ें और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें:

बुखारा पर कब्ज़ा

जुवैनी, ईरान के मंगोल शासकों के तेरहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध के फ़ारसी इतिहासकार, ने 1220 में बुखारा पर कब्ज़ा करने का विवरण दिया। जुवैनी ने बताया कि शहर पर कब्ज़ा करने के बाद, चंगेज खान उत्सव के मैदान में गया जहाँ शहर के अमीर निवासी थे और उनसे कहा: 'अरे लोगों! तुम लोगों को ज्ञात होना चाहिए कि तुमने बहुत बड़े पाप किए हैं, और तुम्हारे बीच के अधिक सम्पन्न लोगों ने सबसे अधिक पाप किए हैं। अगर तुम मुझसे पूछो कि मेरे पास इन शब्दों के लिए क्या प्रमाण है, तो मैं कहता हूँ कि ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं ईश्वर का दण्ड हूँ। अगर तुमने बड़े पाप नहीं किए होते, तो ईश्वर ने मुझे दंड हेतु तुम्हारे पास नहीं भेजता'... अब एक व्यक्ति बुखारा पर कब्ज़ा करने के बाद वहाँ से खुरासान भाग गया था। उससे शहर के भाग्य के बारे में पूछा गया और उसने जवाब दिया: 'वे (नगर) आए, उन्होंने दीवारों को ध्वस्त कर दिया, जलाया, लोगों का वध किया, लूटा और चल दिए।'

प्रश्न 1. चंगेज खान ने बुखारा पर कब्ज़ा किस वर्ष किया था? 1

प्रश्न 2. जुवैनी के अनुसार, चंगेज खान ने "क्या होने का दावा" किया था? 1

प्रश्न 3. चंगेज खान ने बुखारा पर अपने हमले को ईश्वरीय सज़ा के रूप में क्यों उचित ठहराया? 2

उपरोक्त प्रश्नों के उत्तर :

उत्तर:1. 1220

उत्तर:2. ईश्वर का दण्ड

उत्तर:3. चंगेज खान का मानना था कि बुखारा के लोगों ने बहुत बड़े पाप किए थे और चंगेज खान ने अपने आक्रमण को उनके गलत कामों का नतीजा माना।

निम्नलिखित स्रोत को ध्यान से पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:

मंगोलों द्वारा किए गए विनाश का आकलन

चंगेज खान के अभियानों की सभी विवरण इस बात पर सहमत हैं कि जिन नगरों ने उसका प्रभुत्व स्वीकार नहीं किया उसने उन पर अधिकार जमाने के बाद बड़ी संख्या में वहीं रहने वाले लोगों को मौत के घाट उतार दिया। संख्याएँ चौंका देने वाली हैं: 1220 में निशापुर पर कब्ज़ा करने पर 1,747,000 लोगों का नरसंहार किया गया, जबकि 1222 में हेरात में पर कब्ज़ा करने पर 1,600,000 लोग मारे और 1258 में बगदाद में पर कब्ज़ा करने पर 800,000 लोग मारे। छोटे शहरों को सापेक्षिक रूप से कम नरसंहार हुआ : नासा में 70,000; बैहाक जिला में 70,000; और कुहिस्तान प्रांत के तून में, 12,000 लोगों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा। मध्ययुगीन इतिवृत्तिकारों ने मृतकों की संख्या का अनुमान कैसे लगाया? इल्खानों के फ़ारसी इतिवृत्तिकार जुवैनी ने कहा कि मर्व में 1,300,000 लोग मारे गए थे। वह इस आँकड़ों पर इसलिए पहुँचा क्योंकि तेरह दिन 100,000 शवप्रतिदिन गिने जाते थे।

प्रश्न 1. निशापुर पर मंगोलों ने किस वर्ष कब्ज़ा किया था? 1

प्रश्न 2. जुवैनी के अनुसार, मर्व में कितने लोग मारे गए थे? 1

प्रश्न 3. मध्ययुगीन इतिहासकारों द्वारा बताई गई मौतों की संख्या को अविश्वसनीय क्यों माना जा सकता है? 2

उपरोक्त प्रश्नों के उत्तर :

उत्तर:1. 1220 ई.

उत्तर:2. 1,300,000 लोग

उत्तर:3. क्योंकि गिनती के तरीके अवैज्ञानिक थे, और आंकड़े अक्सर तबाही पर जोर देने के लिए अनुमान या प्रतीकात्मक संख्याओं पर आधारित होते थे।

निम्नलिखित स्रोत को ध्यान से पढ़ें और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दें:

ग़ज़न ख़ान का भाषण

ग़ज़न ख़ान (1295-1304) इस्लाम में धर्मांतरित होने वाला पहला इल-ख़ानी शासक था। उसने मंगोल-तुर्की यायावर सेनापतियों को निम्नलिखित भाषण दिया, एक भाषण जिसे संभवतः उसके ईरानी वज़ीर रशीदुद्दीन ने तैयार किया था और जिसे मंत्री के पत्रों में शामिल किया गया था: 'मैं फ़ारसी कृषक वर्ग के पक्ष में नहीं हूँ। अगर उन सभी को लूटने का कोई उद्देश्य है, तो ऐसा करने की शक्ति मुझसे ज़्यादा किसी और के पास नहीं है। चलो हम सब मिलकर उन्हें लूटें। लेकिन अगर आप निश्चित रूप से भविष्य में अपने खाने-पीने के लिए अनाज और भोजन इकट्ठा करना चाहते हैं, तो मुझे आपके साथ कठोर होना पड़ेगा। आपको तर्क और बुद्धि से काम लेना सिखाना पड़ेगा। अगर आप किसानों का अपमान करते हैं, उनके बैल और बीज छीन लेते हैं और उनकी फ़सलों को ज़मीन में रौंद देते हैं, तो आप भविष्य में क्या करेंगे? एक आज्ञाकारी कृषक वर्ग और एक विद्रोही कृषक वर्ग में अंतर समझना आवश्यक है …

प्रश्न 1. कौन सा इल-ख़ानी शासक सबसे पहले इस्लाम में धर्मांतरित हुआ था? 1

प्रश्न.2. खान के यायावर कमांडरों को दिए गए भाषण का मसौदा किसने तैयार किया होगा? 1

प्रश्न.3. आपके अनुसार खान ने सेना को किसानों के साथ दुर्व्यवहार करने के खिलाफ़ चेतावनी क्यों दी? 2

उपरोक्त प्रश्नों के उत्तर :

उत्तर:1. ग़ज़न खान

उत्तर:2. रशीदुद्दीन

उत्तर:3. मेरे अनुसार क्योंकि किसानों को नुकसान पहुँचाने से भविष्य की खाद्य आपूर्ति और दीर्घकालिक स्थिरता को खतरा होगा।

आपके बेहतर अभ्यास और सीखने के लिए कुछ और महत्वपूर्ण स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित स्रोत को ध्यान से पढ़ें और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें:

यास

1221 में, बुखारा की विजय के बाद, चंगेज खान ने अमीर मुस्लिम निवासियों को उत्सव के मैदान में इकट्ठा किया और उनकी भर्त्सना की। उसने उन्हें पापी कहा और उन्हें चेतावनी दी अपने अपने पापों का प्रायश्चित करने के लिए अपना छिपा हुआ धन उसे देना होगा। यह प्रकरण इतना नाटकीय था कि इसके बाद भी लंबे समय तक लोग इस घटना को याद रखा और इस पर चित्र बनाये। सोलहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में, चंगेज खान के सबसे बड़े बेटे जोची के दूर के वंशज अब्दुल्ला खान बुखारा के उसी उत्सव के मैदान में गया। हालांकि, चंगेज खान के विपरीत, अब्दुल्ला खान अपनी छुट्टियों की नमाज़ वहाँ अदा करने गया था। उसके इतिहासकार, हाफ़िज़-ए-तनिश ने अपने स्वामी द्वारा मुस्लिम धर्मनिष्ठा के इस प्रदर्शन का विवरण अपने इतिवृत में किया और एक आश्चर्यजनक टिप्पणी भी की: 'कि यह चंगेज खान के यास के अनुसार था'

प्रश्न 1. किस वर्ष चंगेज खान ने बुखारा के अमीर निवासियों को संबोधित किया?

प्रश्न 2. बुखारा के त्यौहार के मैदान में अब्दुल्ला खान की नमाज़ की रिपोर्ट किसने की?

प्रश्न 3. अब्दुल्ला खान की नमाज़ को चंगेज खान की यास से जोड़ने वाली इतिहासकार की टिप्पणी को आश्चर्यजनक क्यों माना जाना चाहिए ?

मानचित्र अध्ययन और मानचित्र कार्य

आपके गहन अभ्यास हेतु परीक्षा के दृष्टिकोण से अध्याय से कुछ महत्वपूर्ण स्थान (**केवल सुझावात्मक**, अन्य स्थानों का अभ्यास **स्वयं** करें):
मंगोलिया, कराकोरम, तिब्बत, ताशकंद, बुखारा, समरकंद, निशापुर, बल्ख, हेरात, बगदाद, ओरमुज, फारस, मॉस्को, कैस्पियन सागर, काला सागर, गोल्डन होर्ड

मानचित्र 1: मंगोल साम्राज्य

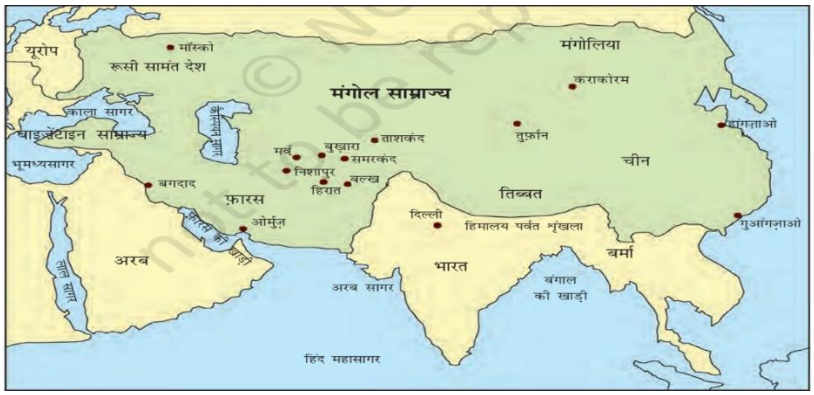

मानचित्र 2: मंगोल अभियान

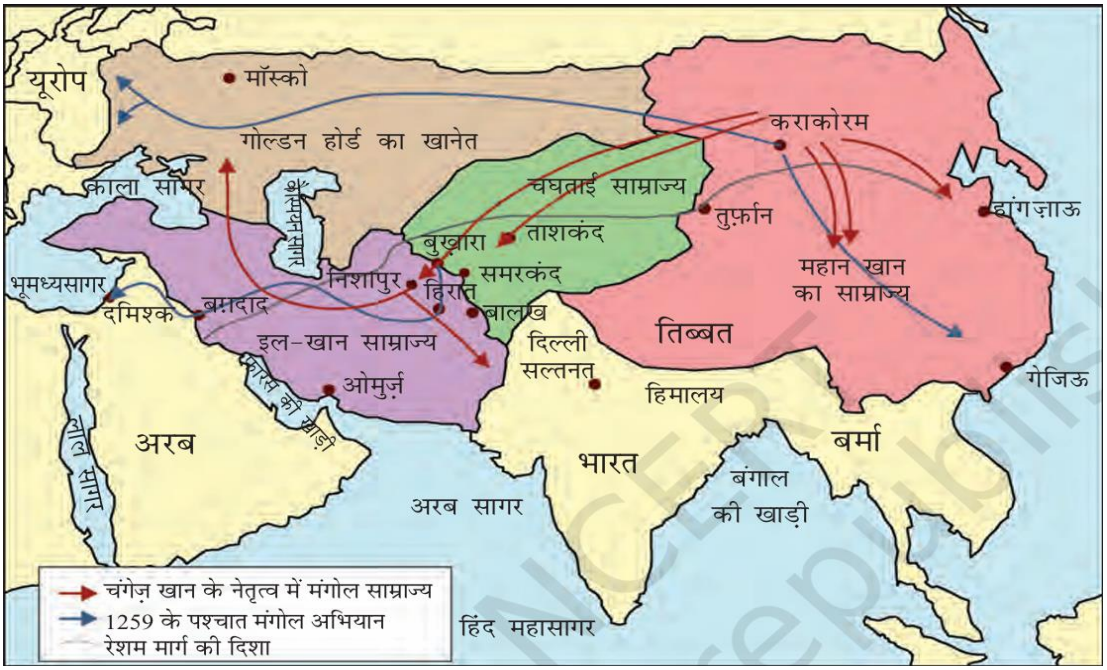

यदि आपको उपरोक्त मानचित्रों को विश्व के मानचित्र पर अंकित करना हो तो इस स्थिति में कुछ **सुझावात्मक** मानचित्र :

मानचित्र 1: मंगोल साम्राज्य

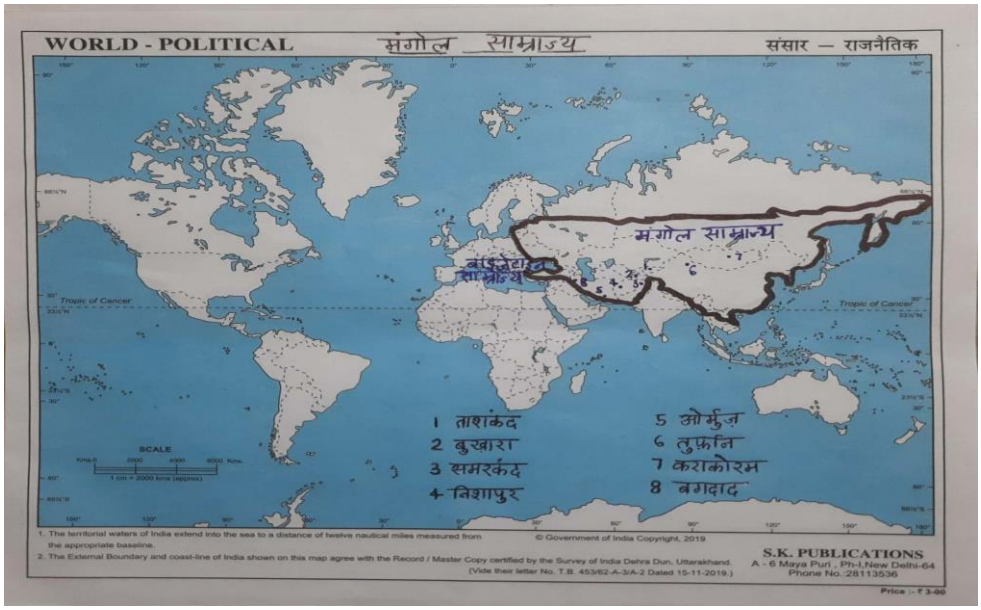

मानचित्र 2: मंगोल अभियान

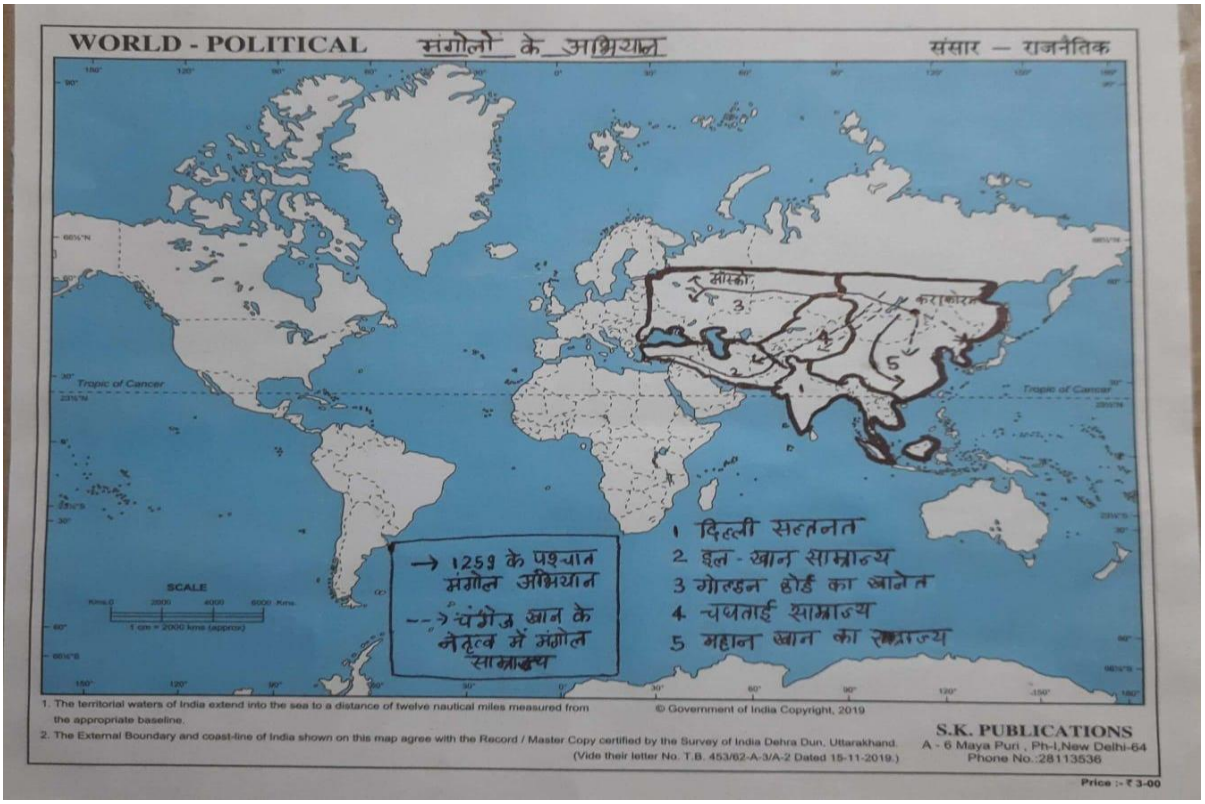

(आप कालानुक्रमिक क्रम के आधार पर प्रश्नों के लिए इन समयसीमाओं को जान सकते हैं।)

लगभग 1167	तेमुजिन का जन्म
1160 और 70 के दशक	दासता और संघर्ष के वर्ष
1180 और 90 के दशक	संधि संबंधों का काल
1203-27	विस्तार और विजय
1206	तेमुजिन को चंगेज़ खान, यानी मंगोलो का 'सार्वभौम शासक' घोषित किया
1227	चंगेज़ खान की मृत्यु
1227-41	चंगेज़ खान के पुत्र ओगोदेई का शासन-काल
1227-60	तीन महान खानों का शासन और मंगोल-एकता की स्थापना
1236-42	बाटू के अधीन रूस, हंगरी, पोलैंड और आस्ट्रिया पर आक्रमण। बाटू, चंगेज़ खान के सबसे बड़े पुत्र जोची (Jochi) का पुत्र था
1246-49	ओगोदेई के पुत्र गुयूक का काल
1251-60	मोंके, चंगेज़ खान के पौत्र और तुलू (Tuluy) के पुत्र का काल
1253-55	मोंके के अधीन ईरान और चीन में पुनः आक्रमण
1257-67	बाटू के पुत्र बर्के का राज्यकाल। सुनहरा गिरोह (Golden Horde) का नेस्टोरियन ईसाई धर्म से इस्लाम धर्म की ओर पुनः प्रवृत्त होना। 1350 के दशक में उनका इस्लाम में निश्चयात्मक रूप से धर्मांतरण हुआ। इल-खान के विरुद्ध गोल्डन होर्ड और मिस्र देश की मैत्री का प्रारंभ
1258	बग़दाद पर अधिकार और अब्बासी खिलाफ़त का अंत। मोंके के छोटे भाई हुलेगु के अधीन ईरान में इल-खानी राज्य की स्थापना। जोचिद और इल-खान के मध्य संघर्ष का प्रारंभ
1260	पेकिंग में 'महान खान' के रूप में कुबलई खान (Qubilai Khan) का राज्यारोहण। चंगेज़ खान के उत्तराधिकारियों में संघर्ष। मुगल राज्य अनेक स्वतंत्र भागों में अनेक वंशों में विभक्त – तोलुई (Toluy), चघताई (Chaghatai), और जोची (ओगोदेई का वंश पराजित हो गया और तोलूयिद में मिल गए) तोलूयिद : चीन का यूआन वंश और ईरान का इल-खानी राज्य चघताई : उत्तरी-तूरान के स्टेपी-क्षेत्र और तुर्किस्तान में रूसी स्टेपी-क्षेत्र में जोचिद वंश थे। उन्हें पर्यवेक्षक 'गोल्डन होर्ड' के नाम से वर्णन करते थे
1295-1304	ईरान में इल-खानी शासक गज़न खान का शासन-काल। उसके बौद्ध धर्म से इस्लाम में धर्मांतरण के बाद धीरे-धीरे अन्य इल-खानी सरदारों का भी धर्मांतरण होने लगा
1368	चीन में यूआन राजवंश का अंत
1370-1405	तैमूर का शासन। बरलास तुर्क होते हुए उसने चघताई वंश के आधार पर अपने को चंगेज़ खान का वंशज बताया। उसने स्टेपी-साम्राज्य की स्थापना की। टोलू राज्य चघताई और जोची राज्यों के कुछ हिस्सों (चीन को छोड़कर) को सम्मिलित करते हुए उसने स्टेपी-क्षेत्र में एक साम्राज्य का गठन किया। उसने अपने को 'गुरेगेन' (Guregen) 'शाही-दामाद' की उपाधि से विभूषित किया और चंगेज़ खान के कुल की एक राजकुमारी से विवाह किया
1495-1530	ज़हीरुद्दीन बाबर जो तैमूर और चंगेज़ खान का वंशज था, फ़रगना और समरकंद के तैमूरी क्षेत्र का उत्तराधिकारी बना। वहाँ से खदेड़ा गया। काबुल पर कब्ज़ा किया और 1526 में दिल्ली और आगरा पर अधिकार जमाया; भारत में मुगल साम्राज्य की नींव रखी
1500	जोची के कनिष्ठ पुत्र शिबान का वंशज शयबानी खान द्वारा तूरान पर आधिपत्य। तूरान में शयबानी सत्ता (शयबानियों को उज़्बेग भी कहा जाता था जिनके नाम से ही वर्तमान उज़्बेकिस्तान का नाम पड़ा) को सुदृढ़ किया और इस क्षेत्र से बाबर और तैमूर के वंशजों को खदेड़ दिया
1759	चीन के मंचुओं ने मंगोलिया पर विजय प्राप्त कर ली
1921	मंगोलिया का गणराज्य

अध्याय के आधार पर, कुछ सुझावात्मक न्यूनतम अधिगम स्तर (MLL) प्रश्न, विशेष रूप से धीमी गति से सीखने वाले विद्यार्थियों के लिए, संभावित उत्तर संकेतों के साथ:

लघु उत्तर प्रश्न (शब्द सीमा: लगभग 60-80 शब्द प्रत्येक)

1. मंगोल कौन थे और वे कैसे रहते थे?
(बताएँ कि वे कहाँ रहते थे, उनका जीवन जीने का तरीका क्या था और उनकी आजीविका के साधन क्या थे, इत्यादि..)
2. चंगेज खान को एक सफल नेता क्यों माना जाता था?
(उल्लेख करें कि उसे क्या-क्या शक्तिशाली बनाता था और उसने विभिन्न मंगोल जनजातियों को कैसे एकजुट किया, इत्यादि..)
3. 'यास' क्या था और यह मंगोलों के लिए क्यों महत्वपूर्ण था?
(संक्षेप में वर्णन करें कि यास क्या था और मंगोल साम्राज्य में इसकी भूमिका क्या थी, इत्यादि..)
4. मंगोलों ने व्यापार और नियंत्रण के लिए रेशम मार्गका उपयोग कैसे किया?
(रेशम मार्गके उनके उपयोग और यात्रा तथा व्यापार को कैसे सुरक्षित बनाया, इसकी व्याख्या करें, इत्यादि..)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा: प्रत्येक लगभग 300-350 शब्द)

1. चंगेज खान के प्रारंभिक जीवन का वर्णन करें और वह कैसे सत्ता में आया?
(उसके प्रारंभिक जीवन, उसकी कठिनाइयों, प्रमुख मित्रता और नेता बनने की दिशा में उठाए गए कदमों को शामिल करें, इत्यादि..)
2. बताएं कि मंगोल साम्राज्य इतनी तेजी से कैसे बढ़ा और इतने बड़े क्षेत्र पर कैसे शासन किया?
(उनके सैन्य कौशल, घोड़ों के उपयोग, संचार प्रणालियों और सुयोग्य नेतृत्व पर चर्चा करें, इत्यादि..)
3. मंगोलों ने अपने साम्राज्य में विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों का प्रबंधन कैसे किया?
(उनकी सहिष्णुता, प्रशासन में विभिन्न लोगों के उपयोग और शांतिपूर्ण शासन के बारे में बात करें, इत्यादि..)
4. मंगोल साम्राज्य का अन्य देशों और व्यापार पर क्या प्रभाव पड़ा?
(इसमें शामिल करें कि उन्होंने यूरोप और एशिया को कैसे जोड़ा, व्यापार को सुरक्षित बनाया और भविष्य के साम्राज्यों को कैसे प्रभावित किया, इत्यादि..)

मुझे स्कैन करें –

आपके लिए गतिविधि-आधारित एक रुचिकर कार्यपत्रक (Worksheet)

अंत में...अध्याय में आपकी आसान समझ के लिए एक सरल पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन

विषय -4 तीन वर्ग

अध्ययन उद्देश्य

- इस अध्याय का मुख्य उद्देश्य 'तीन वर्गों ' को समझना है।
- इन तीन सामाजिक श्रेणियों की पहचान ईसाई पुजारी, ज़मींदार कुलीन और किसान के रूप में की गई है।
- इन समूहों के बीच बदलते रिश्तों को समझना, कई शताब्दियों के लिए, यूरोपीय इतिहास को समझने के लिए महत्वपूर्ण है।
- इस अध्याय के अंत तक, आप निम्न करने में सक्षम हो जाएँगे:
- प्रारंभिक सामंती समाज की विशेषताओं का वर्णन करना, विशेष रूप से, फ्रांस में मौजूद प्रारंभिक सामंती समाज की दो प्रमुख विशेषताओं की पहचान करना और उसे समझना।
- जनसंख्या परिवर्तनों के प्रभाव का विश्लेषण करना- जनसंख्या के स्तर में दीर्घकालिक परिवर्तनों ने यूरोप में अर्थव्यवस्था और समाज को कैसे प्रभावित किया।
- नाइट के विकास : नाइट एक अलग सामाजिक समूह के रूप में क्यों विकसित हुए और कब उनकी प्रमुखता कम होने लगी।
- मध्यकालीन मठों के कार्य : मध्यकालीन काल के दौरान मठों की भूमिका और उद्देश्य का विस्तार से वर्णन करने में|
- सामाजिक पदानुक्रम : व्यवसाय, भाषा, धन और शिक्षा जैसे विभिन्न मानदंडों के आधार पर सामाजिक पदानुक्रम को समझने में।

अध्याय का सारांश

सामंतवाद का परिचय:

• इस शब्द का इस्तेमाल इतिहासकारों द्वारा 5वीं से 15वीं शताब्दी के बीच मध्यकालीन युग में यूरोप में मौजूद सामाजिक, आर्थिक, कानूनी और सामाजिक संबंधों का वर्णन करने के लिए किया गया है।

• सामंतवाद (फ्यूडलिज्म) शब्द जर्मन शब्द 'फ्यूड' से लिया गया है जिसका अर्थ है 'जमीन का एक टुकड़ा'।

फ्रांस और इंग्लैंड:

• फ्रैंक नामक जर्मनिक जनजाति ने 'गॉल' को अपना नाम दिया जिससे यह फ्रांस बन गया।

• एक संकरे पानी के चैनल के पार इंग्लैंड-स्कॉटलैंड का द्वीप था, जिसे ग्यारहवीं शताब्दी में फ्रांसीसी प्रांत नॉरमैंडी के एक ड्यूक ने जीत लिया था|

तीन वर्ग

1. पहला वर्ग: पादरी
2. दूसरा वर्ग: अभिजात वर्ग
3. तीसरा वर्ग: किसान: स्वतंत्र और अस्वतंत्र

दूसरा वर्ग: अभिजात वर्ग

मेनर की जागीर:

- दूसरा वर्ग, जागीरदारी (वैसेलेज) व्यवस्था के कारण उभरा था।
- बड़े भूस्वामी-अभिजात वर्ग, राजा के अधीन होते थे।
- किसान, भूस्वामियों के अधीन होते थे।
- यह भूमि संबंधी व्यवस्था, अनुष्ठानों और चर्च में बाइबिल पर ली गई प्रतिज्ञाओं के आदान-प्रदान पर आधारित था।
- इस समारोह में दास (वैसल) को उस भूमि के प्रतीक के रूप में, जो उसके मालिक द्वारा एक लिखित अधिकार पत्र या एक छड़ी या केवल एक मिट्टी का ढेला दिया जाता था |

अभिजात वर्ग के विशेषाधिकार:

1. अभिजात वर्ग को विशेषाधिकार प्राप्त थे।
2. उसका अपनी संपत्ति पर पूर्ण नियंत्रण था।
3. वह सामंती सेनाएँ खड़ी कर सकता था जिन्हें सामंती लेवी कहा जाता था।
4. स्वामी के पास न्याय के लिए अपने न्यायालय थे और वह अपनी मुद्रा भी प्रचलित कर सकते थे|
5. वह अपनी भूमि पर बसे लोगों का स्वामी था।
6. उसके पास बहुत बड़ी भूमि थी जिसमें उसके अपने घर, उसके निजी खेत और चारागाह और उसके असामी-कृषक के घर और खेत शामिल थे।
7. उनके घर, खेत और उसके आसपास की पूरी भूमि सम्बन्धी व्यवस्था को मेनर कहा जाता था।
8. उनकी निजी ज़मीन पर किसान खेती करते थे, जिनसे यह भी अपेक्षा की जाती थी कि वे अपने खेतों पर काम करने के अलावा, आवश्यकता पड़ने पर युद्ध में पैदल सैनिकों के रूप में भी काम करेंगे।

नाइट:

1. शौकिया कृषक-सैनिक पर्याप्त नहीं होते थे और कुशल घुड़सवार सेना की आवश्यकता थी। इसने एक नए वर्ग- नाइट को बढ़ावा दिया।
2. लॉर्ड ने नाइट को ज़मीन का एक टुकड़ा देता था जिसे फीफ़ कहा जाता था जिसमें उनके और उनके परिवार के लिए घर, एक चर्च, एक पनचक्की और मदिरा के कारखाने शामिल थे|
3. बदले में, नाइट अपने लॉर्ड को एक निश्चित रकम देता था और युद्ध में उसकी तरफ से लड़ने का वचन देता था।
4. अपने कौशल को बनाए रखने के लिए, नाइट हर दिन अपना रण कौशल एवं अपने बचाव का अभ्यास करने में निकालते थे |
5. एक नाइट एक से अधिक लॉर्ड की सेवा कर सकता था, लेकिन उसकी सबसे बड़ी निष्ठा अपने लॉर्ड के प्रति होती थी।

पहला वर्ग: पादरी

पादरी वर्ग के गुण:

1. हर कोई पादरी नहीं बन सकता।
2. दास, कृषि दास पर पादरी बनने पर प्रतिबंध थे।
3. शारीरिक रूप से विकलांग लोगों पर भी पादरी बनने पर प्रतिबंध था।
4. महिलाएँ भी पादरी नहीं बन सकतीं।

5. पादरी विवाह नहीं कर सकते थे।

इसका मतलब है कि केवल अविवाहित पुरुष ही पादरी बन सकते थे।

बिशप:

- धर्म के क्षेत्र में बिशप अभिजात माने जाते थे |
- यह सबसे अमीर वर्ग था। चर्च को किसानों द्वारा साल भर में अपनी ज़मीन से जो कुछ भी पैदा किया जाता था, उसका दसवाँ हिस्सा लेने का अधिकार था, जिसे 'टीथ' कहा जाता था।

भिक्षु:

1. वे धर्मनिष्ठ ईसाई थे, बहुत धार्मिक लोग थे जो एकांत जीवन जीते थे।
2. वे धार्मिक समुदायों में रहते थे जिन्हें मठ (मोनेस्ट्री) कहा जाता था, जो अधिकतर मनुष्य की आम आबादी से बहुत दूर होते थे।
3. मोनेस्ट्री- यह शब्द ग्रीक शब्द 'मोनोस' से लिया गया है जिसका अर्थ है अकेले रहने वाला व्यक्ति।
4. भिक्षुओं ने अपने जीवन के बाकी समय मठ में रहने और अपना समय प्रार्थना, अध्ययन और खेती जैसे शारीरिक श्रम में बिताने की शपथ लेते थे।
5. भिक्षुओं का जीवन पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए खुला था। ये एकल-लिंग समुदाय थे जिसका अर्थ है कि भिक्षुओं और ननों के लिए अलग-अलग मठ थे।
6. वे विवाह नहीं कर सकते।

चर्च और समाज:

• चर्च के पास बहुत बड़ी मात्रा में भूमि थी, जिसका प्रबंधन बिशप करते थे।

•टीथ' कर के माध्यम से धन एकत्र करता था, जो लोगों के उत्पादन का 10% हिस्सा था, और धनी लोगों से दान भी प्राप्त करता था।

• चर्च रविवार की प्रार्थना और मण्डली के लिए उपदेश आयोजित करते थे।

• भिक्षुओं के कुछ समूह जिन्हें फ्रायर कहा जाता है – मठों में न रहने का निर्णय लिया। वे एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूम-घूम कर लोगों को उपदेश देते और दान से अपनी जीविका चलते।

तीसरा वर्ग: किसान, स्वतंत्र और दास

कृषक दो प्रकार के होते थे: स्वतंत्र और कृषि दास (सर्फ)

स्वतंत्र किसान:

1. स्वतंत्र कृषक अपनी भूमि को लॉर्ड के काश्तकार के रूप में देखते थे।
2. पुरुषों को साल में कम से कम 40 दिन सैन्य सेवाएँ देनी होती थीं।
3. उन्हें अन्य अवैतनिक श्रम सेवाएँ करनी पड़ती थी, जैसे गड्ढा खोदना, जलाऊ लकड़ी इकट्ठा करना, बाड़ा बनाना और सड़कों और इमारतों की मरम्मत करना।
4. उनकी पत्नी और बच्चों को अन्य कार्य करने पड़ते थे।
5. वे धागा कातते थे, कपड़े बुनते थे, मोमबत्तियाँ बनाते थे और अंगूरों को दबाकर स्वामी के उपयोग के लिए शराब तैयार करते थे।
6. राजाओं द्वारा किसानों पर 'टैली' नामक एक प्रत्यक्ष कर लगाया जाता था।

दास:

1. दास भूमि के भूखंडों पर खेती करते थे, लेकिन ये स्वामी के स्वामित्व में होते थे।
2. उन्हें कोई मजदूरी नहीं मिलती थी।
3. वे स्वामी की अनुमति के बिना संपत्ति नहीं छोड़ सकते थे।
4. स्वामी ने अपने दासों पर कई प्रकार के एकाधिकार का दावा करते थे|
5. दास केवल अपने स्वामी की चक्की का उपयोग आटा पीसने के लिए, अपनी रोटी पकाने के लिए उसके ओवन का और शराब और बीयर आसवित करने के लिए उसके मदिरा संपीडक का उपयोग कर सकते थे।

6. स्वामी यह तय कर सकता था कि दास को किससे विवाह करना चाहिए, या वह दास की पसंद को अपना आशीर्वाद दे सकता था, लेकिन इसके लिए दास को उसे शुल्क देना पड़ता था।

सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों को प्रभावित करने वाले कारक

पर्यावरण:

1. ग्यारहवीं शताब्दी से, यूरोप गर्म वातावरण के दौर में प्रवेश कर गया।
2. औसत तापमान में वृद्धि हुई।
3. किसानों के पास अब लंबी फसल उगाने का मौसम था और मिट्टी अब कम ठंढी थी और आसानी से जुताई की जा सकती थी।
4. इससे खेती के तहत क्षेत्र का विस्तार संभव हो गया।

भूमि उपयोग:

1. कृषि तकनीक बहुत आदिम थी।
2. केवल लकड़ी का हल ही एकमात्र यांत्रिक सहायता थी।
3. इसलिए कृषि बहुत श्रम गहन थी।
4. इसके अलावा, फसल चक्र की अप्रभावी विधि का उपयोग किया जा रहा था। चूंकि भूमि से उत्पादन बढ़ाना संभव नहीं था, इसलिए किसानों को जागीरदार सम्पदा की सारी भूमि पर खेती करने के लिए मजबूर होना पड़ता था|

   नई कृषि तकनीक:

   1. 11वीं शताब्दी तक, कृषकों ने भारी लोहे की नोक वाले हल और सांचेदार पटरे (मोल्ड बोर्ड) का उपयोग करना शुरू कर दिया था।
   2. हल में पशुओं को जोतने की विधि में सुधार हुआ। गर्दन के जुए की जगह कंधे के जुए का उपयोग किया जाने लगा।
   3. घोड़ों के पैरों की सड़न को रोकने के लिए लोहे के घोड़े के नाल का उपयोग किया जाता था।
   4. उन्होंने दो-खेत प्रणाली से तीन-खेत प्रणाली में बदलाव किया।
   5. वे शरद ऋतु में मानव उपभोग के लिए एक खेत में गेहूँ या राई बो सकते थे। दूसरे खेत में मनुष्यों के उपयोग के लिए मटर, सेम और मसूर की दालें और घोड़ों के लिए जई और जौ उगाए जा सकते थे। तीसरा खेत परती पड़ा रहता था।
   6. हर साल वे तीनों खेतों के बीच बारी-बारी से खेती करते थे।
   7. सामंतों ने पवन चक्कियों की स्थापना की और किसानों ने कृषि योग्य भूमि का विस्तार किया
   8. उन्होंने तीन-क्षेत्रीय फसल चक्र को भी अपनाया, गाँव में छोटी-छोटी भट्टियाँ और लोहारियाँ स्थापित कीं जहाँ लोहे की नोक वाले हल और घोड़े की नालें बनाई जाती थीं और सस्ते में उनकी मरम्मत की जाती थी।

चौथा क्रम: नए शहर और नगरवासी

1 रोमन साम्राज्य के पतन के बाद उसके नगर उजाड़ और तबाह हो गए थे।

2 लेकिन ग्यारहवीं शताब्दी से, जैसे-जैसे कृषि में वृद्धि हुई, फिर से उनका विकास होने लगा।

3 जिन किसानों के पास बेचने के लिए अतिरिक्त अनाज होता था, उन्हें एक ऐसी जगह की ज़रूरत थी जहाँ वे एक विक्रय केंद्र स्थापित कर सकें और जहाँ वे उपकरण और कपड़े खरीद सकें।

4 इससे समय-समय पर मेलों और छोटे विपणन केंद्रों का विकास हुआ, जो धीरे-धीरे व्यापारियों द्वारा बनाई गई दुकानें और अन्य स्थानों पर, बड़े महलों, बिशपों की जागीरों या बड़े चर्चों के आसपास शहर विकसित हुए।

5 'शहर की हवा आज़ाद बनाती है' एक लोकप्रिय कहावत थी। आज़ाद होने की चाहत रखने वाले कई सर्फ़ भाग जाया करते थे और अगर वह अपने लॉर्ड की नज़रों से एक वर्ष व एक दिन तक छिप कर रहने में सफल रहने वाले कृषिदास एक स्वाधीन किसान बन जाया करते थे।

6 भागे हुए कृषक अकुशल श्रम प्रदान करते थे। दुकानदार और व्यापारी बहुत थे।

7 बाद में, बैंकरों और वकीलों जैसे विशेष कौशल वाले व्यक्तियों की आवश्यकता बढ़ गई। बड़े शहरों की आबादी बहुत तेजी से बढ़ने लगी थी। उन्हें 'चौथा वर्ग' कहा जाता था ।

कैथेड्रल शहर:

12वीं शताब्दी के दौरान फ्रांस में बड़े चर्च बनाए गए थे जिन्हें कैथेड्रल कहा जाता था। इन कैथेड्रल शहरों के आसपास शहर बसे थे, इन को कैथेड्रल शहर कहा जाता था।

चौदहवीं शताब्दी का संकट

तीन कारक जिनके कारण यूरोप का विस्तार बुरी तरह प्रभावित हुआ, वे इस प्रकार थे:

1 अकाल:

- चरागाह की कमी के कारण मवेशियों की संख्या कम हो गई।
- जनसंख्या वृद्धि संसाधनों से अधिक हो गई, और इसका तत्काल परिणाम अकाल था।
- 1315 और 1317 के बीच यूरोप में भयंकर अकाल पड़े, उसके बाद 1320 के दशक में बड़े पैमाने पर मवेशियों की मौत हुई

2 धातुओं की कमी:

- इसके अलावा, ऑस्ट्रिया और सर्बिया में चांदी की खदानों के उत्पादन में कमी के कारण धातु के पैसे की भारी कमी से व्यापार प्रभावित हुआ।
- इसने सरकारों को मुद्रा में चांदी की मात्रा कम करने और इसे सस्ती धातुओं के साथ मिलाने के लिए मजबूर किया।

3 प्लेग:

- दूर देशों से माल लेकर जहाज यूरोपीय बंदरगाहों पर आने लगे थे।
- जहाजों के साथ चूहे भी आए - जो घातक ब्यूबोनिक प्लेग संक्रमण ('ब्लैक डेथ') लेकर आए।

यूरोप में सामाजिक अशांति:

• सामंतों की आय बुरी तरह प्रभावित हुई। कृषि की कीमतें कम होने और मजदूरों की मजदूरी बढ़ने के कारण आय में गिरावट आई।

• हताशा में उन्होंने अपने द्वारा किए गए धन-अनुबंधों को त्यागने और श्रम सेवाओं को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया।

• इसका किसानों, विशेष रूप से बेहतर शिक्षित और समृद्ध लोगों द्वारा हिंसक विरोध किया गया। 1323 में, फ़्लैंडर्स में किसानों ने विद्रोह किया, 1358 में फ्रांस में और 1381 में इंग्लैंड में।

राजनीतिक परिवर्तन:

• 15वीं और 16वीं शताब्दी में, यूरोपीय राजाओं ने अपनी सैन्य और वित्तीय शक्ति को मजबूत किया।

. शक्तिशाली लॉर्ड ,विद्रोहों को कुचलने में सफल रहे, किसानों ने सुनिश्चित किया कि पहले के दिनों के सामंती विशेषाधिकारों को फिर से न किया जा सके।

• उनके द्वारा बनाए गए नए राज्य उतने ही महत्वपूर्ण थे जितने कि आर्थिक परिवर्तन।

• इसलिए इतिहासकारों ने इन राजाओं को 'नए सम्राट' कहा है। फ्रांस में लुई XI, ऑस्ट्रिया में मैक्सिमिलियन, इंग्लैंड में हेनरी VII और स्पेन में इसाबेल और फर्डिनेंड निरंकुश शासक थे, जिन्होंने स्थायी सेनाओं, एक स्थायी नौकरशाही और राष्ट्रीय कराधान के आयोजन की प्रक्रिया शुरू की।

महत्वपूर्ण शब्दावली एवं काल रूपरेखा

मध्यकाली: यूरोपीय इतिहास में मध्यकालीन युग 5वीं और 15वीं शताब्दी के बीच की अवधि को संदर्भित करता है, जो रोमन साम्राज्य के पतन (476 ई.) और पुनर्जागरण (1453 ई.) की शुरुआत के बीच की अवधि है।
गॉल: पहले फ्रांस को गॉल के नाम से जाना जाता था, जो रोमन साम्राज्य का एक प्रांत था।
सामंती लेवी: कुलीन लोग अपनी सेनाएँ खड़ी कर सकते थे जिन्हें सामंती लेवी कहा जाता था।
टीथे: यह किसानों द्वारा चर्च को दिया जाने वाला कर था। यह उनके द्वारा उत्पादित की गई हर चीज़ का दसवां हिस्सा होता था।
मोनेस्ट्री: यह ग्रीक शब्द 'मोनोस' से लिया गया है जिसका अर्थ है कोई ऐसा व्यक्ति जो अकेला रहता है।
फ्रायर्स: ये वे भिक्षु थे जो लोगों को उपदेश देने और दान पर जीवन यापन करने के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना पसंद करते थे।
मिनस्ट्रेल: ये यात्रा करने वाले कवि थे जो कहानियाँ सुनाने के लिए बहुत लोकप्रिय थे क्योंकि उस समय बहुत से लोग पढ़ और लिख नहीं सकते थे।
टैली : राजाओं द्वारा किसानों, पादरी और कुलीनों पर लगाया जाने वाला प्रत्यक्ष कर इससे मुक्त था।
कैथेड्रल: बड़े चर्च
गिल्ड: शिल्प या उद्योग का संघ

बहुविकल्पीय व वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1 इतिहासकारों द्वारा 'सामंतवाद' शब्द का प्रयोग …….. का वर्णन करने के लिए किया गया है।
A फ्रांस में विद्यमान आर्थिक, कानूनी, राजनीतिक संबंध।
B यूरोप में विद्यमान आर्थिक, कानूनी, राजनीतिक और सामाजिक संबंध।
C रोम में विद्यमान आर्थिक, कानूनी और सामाजिक संबंध।
D इंग्लैंड में विद्यमान आर्थिक, कानूनी, राजनीतिक और सामाजिक संबंध।
2 'सामंतवाद' शब्द की उत्पत्ति ……. से हुई है।
A लैटिन शब्द 'फ्यूड' जिसका अर्थ है भूमि का एक टुकड़ा।
B रोमन शब्द 'फ्यूड' जिसका अर्थ है भूमि का एक टुकड़ा।
C जर्मन शब्द 'फ्यूड' जिसका अर्थ है भूमि का एक टुकड़ा।
D ग्रीक शब्द 'फ्यूड' जिसका अर्थ है भूमि का एक टुकड़ा
3 गॉल ……. का एक प्रांत
A ईरानी साम्राज्य B रोमन साम्राज्य C बीजान्टिन साम्राज्य D इंग्लैंड
4 मध्ययुगीन यूरोप में अधिकांश लोगों का मुख्य व्यवसाय क्या था?
A व्यापार B खेती C शिक्षण D शिल्पकला
5 सामंती व्यवस्था में सर्फ़ कौन थे?
A स्वतंत्र ज़मींदार Bघुमंतू योद्धा Cस्वामी की ज़मीन से बंधे किसान D चर्च के पुजारी
6 मध्ययुगीन यूरोप में 'डेमेसन' क्या था?
A चर्च की ज़मीन
B किसानों द्वारा अपने घरों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली ज़मीन
C किसानों द्वारा खेती की जाने वाली लॉर्ड की निजी ज़मीन
D शिकार के लिए वन भूमि
7 निम्नलिखित में से किसने मध्यकालीन काल के दौरान कृषि उत्पादकता बढ़ाने में मदद की?

A बारूद का इस्तेमाल B महलों का निर्माण

C भारी हल और घोड़ों का इस्तेमाल D अमेरिका की खोज

8 'तीन-क्षेत्र प्रणाली' क्या थी?

A राजा, स्वामी और किसान के बीच विभाजित भूमि

B भूमि के तीन भूखंडों का उपयोग करके चक्रानुसार खेती

C प्रति परिवार तीन खेत बनाने की प्रणाली

D भूमि का उपजाऊ, मध्यम और शुष्क में वर्गीकरण

9 मध्ययुगीन यूरोप में निम्नलिखित में से कौन सा समूह तीन आदेशों से संबंधित नहीं था?

A पादरी B कुलीनता C व्यापारी D किसान

10 मध्ययुगीन समाज में पादरी का प्राथमिक कर्तव्य क्या था?

A कर एकत्र करें B सैन्य सहायता प्रदान करें

C धार्मिक कर्तव्यों और आध्यात्मिक मार्गदर्शन का पालन करें D भूमि पर खेती करें

11 "सामंतवाद" शब्द का अर्थ है:

A एक प्रकार का व्यापार अभ्यास B भूमि स्वामित्व और दायित्वों की एक प्रणाली

C एक धार्मिक आंदोलन D खेती की एक विधि

12 एक जागीरदार को एक स्वामी की सैन्य सेवा के बदले में क्या मिलता था?

A चर्च में एक स्थान B धन

C एक जागीर (भूमि) D करों से मुक्ति

13 निम्नलिखित में से कौन सा सामंती समाज की विशेषता नहीं थी?

A पदानुक्रमित संरचना B भूमि आधारित अर्थव्यवस्था

C भूमि का समान वितरण D पारस्परिक दायित्व

14 किस आविष्कार ने मध्ययुगीन यूरोप में कृषि उत्पादन बढ़ाने में मदद की?

A पवनचक्की B बारूद

C प्रिंटिंग प्रेस D दूरबीन

15 मध्ययुगीन यूरोपीय समाज के तीन क्रम थे:

A सैनिक, नाविक, दास B लॉर्ड, राजा, योद्धा

C पादरी, कुलीन, किसान D व्यापारी, किसान, भिक्षु

16 मध्ययुगीन यूरोप में कुलीन वर्ग की आय का मुख्य स्रोत क्या था?

A शिल्प उत्पादन B किसानों से किराया

C व्यापार लाभ D चर्च दान

17 मठ स्थापित किए गए

A शहरों के बीच में B शहर और जंगल से दूर

C मानव निवास से बहुत दूर D चर्च के आसपास

निर्देश: निम्नलिखित प्रश्नों में, एक अभिकथन(A) के बाद एक करण (R)दिया गया है।

18 अभिकथन(A): मध्ययुगीन यूरोपीय सामाजिक व्यवस्था में पादरी वर्ग को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता था।

कारण(R): पादरी वर्ग को विशेष दर्जा प्राप्त था और समाज की सामाजिक व्यवस्था पर उनका पूर्ण नियंत्रण था।

सही विकल्प को इस प्रकार चिह्नित करें:

A यदि अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों सत्य हैं और कारण(R), अभिकथन(A) की सही व्याख्या है।
B यदि अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों सत्य हैं लेकिन कारण(R), अभिकथन(A) की सही व्याख्या नहीं है।
C यदि अभिकथन(A) सत्य है लेकिन कारण(R) गलत है।
D यदि अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों गलत हैं।

19 अभिकथन (A): 5वीं से 15वीं शताब्दी तक, किसानों के परिवारों को लॉर्ड्स की संपत्ति पर काम करने के लिए सप्ताह के कुछ दिन अलग रखने पड़ते थे।

कारण (R): ऐसे श्रम के उत्पादन को लेबर रेंट और टेल कहा जाता था। सही विकल्प को इस प्रकार चिह्नित करें:

A यदि अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों सत्य हैं और कारण(R) अभिकथन(A) की सही व्याख्या है।
B यदि अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों सत्य हैं लेकिन कारण(R) अभिकथन(A) की सही व्याख्या नहीं है।
C यदि अभिकथन(A) सत्य है लेकिन कारण(R) गलत है।
D यदि अभिकथन(A) और कारण (R)दोनों गलत हैं।

20 चित्र की पहचान करें:

A सेंट माइकल बेनेडिक्टिन एबे
B हेवर कैसल, इंग्लैंड
C सैलिसबरी कैथेड्रल इंग्लैंड
D नेमोर्स कैसल, फ्रांस

21 चित्र की पहचान करें:

A सेंट माइकल बेनेडिक्टिन एबे

B हेवर कैसल, इंग्लैंड

C सैलिसबरी कैथेड्रल इंग्लैंड

D नेमोर्स कैसल, फ्रांस

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

1. B यूरोप में मौजूद आर्थिक, कानूनी, राजनीतिक और सामाजिक संबंध।
2. C जर्मन शब्द 'फ़्यूड' जिसका अर्थ है ज़मीन का एक टुकड़ा।
3. B रोमन साम्राज्य
4. B खेती
5. C स्वामी की भूमि से बंधे किसान
6. C स्वामी की निजी भूमि जिस पर किसान खेती करते हैं
7. C भारी हल और घोड़ों का उपयो
8. B भूमि के तीन भूखंडों का उपयोग करके घूर्णी खेती
9. C व्यापारी
10. C धार्मिक कर्तव्यों का पालन और आध्यात्मिक मार्गदर्शन
11. B भूमि स्वामित्व और दायित्वों की एक प्रणाली
12. C एक जागीर (भूमि)
13. C भूमि का समान वितरण
14. A पवनचक्की
15. C पादरी, कुलीन, किसान
16. B किसान से किराया
17. Cमानव निवास से बहुत दूर
18. A अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है
19. A यदि अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।
20. A सेंट माइकल बेनेडिक्टिन एबे
21. B हेवर कैसल, इंग्लैंड

✍ लघु उत्तर प्रश्न

1 मध्ययुगीन यूरोपीय समाज में 'तीन आदेशों' की अवधारणा की व्याख्या करें।

उत्तर: मध्ययुगीन यूरोपीय समाज तीन आदेशों में विभाजित था

1.पादरी (जो प्रार्थना करते थे),

2.कुलीन वर्ग (जो युद्ध लड़ते थे),

3, किसान (जो काम करते थे)।

4.यह विभाजन सामंती व्यवस्था के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक पदानुक्रम को दर्शाता था।

2 सामंती समाज में पादरी की मुख्य ज़िम्मेदारियाँ क्या थीं?

उत्तर: पादरी धार्मिक सेवाएँ करते थे, अनुष्ठान करते थे और आध्यात्मिक नेताओं के रूप में कार्य करते थे।

वे ज़मीन के बड़े हिस्से का प्रबंधन भी करते थे, टीथ (चर्च का कर) एकत्र करते थे और आम लोगों और राजाओं दोनों को प्रभावित करते थे।

3 भारी हल और घोड़े के जुए की शुरूआत ने कृषि उत्पादकता में कैसे सुधार किया?

उत्तर: भारी हल ने मिट्टी को गहराई से पलट सकते थे, इसके फलस्वरूप भूमि में व्याप्त पौष्टिक तत्वों का बेहतर उपयोग होने लगा।

घोड़े के जुए ने घोड़ों को बैलों की तुलना में अधिक कुशलता से हल खींचने में सक्षम बनाया, जिससे खेती की गति और क्षेत्र में वृद्धि हुई, जिससे भोजन की उपलब्धता दुगुनी हो गई।

4 लॉर्ड और जागीरदार (वैसल) के बीच के रिश्ते का वर्णन करें।

उत्तर: जागीरदार (वैसल) एक कुलीन व्यक्ति होता था जो भूमि (जागीर) के बदले में लॉर्ड के प्रति वफादारी और सैन्य सेवा का वचन देता था। यह रिश्ता आपसी दायित्वों पर आधारित था: लॉर्ड सुरक्षा और भूमि प्रदान करता था, जबकि जागीरदार सेवा और सहायता प्रदान करता था।

5 सामंती अर्थव्यवस्था में सर्फ़ों की क्या भूमिका थी?

उत्तर:

- सर्फ़ किसान थे जो कानूनी रूप से भूमि से बंधे थे।
- वे संरक्षण और निर्वाह के लिए भूमि के एक हिस्से के बदले में लॉर्ड की संपत्ति, पर काम करते थे।
- वे दास नहीं थे, लेकिन उनमें व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अभाव था।

6 सामंती व्यवस्था का राजनीतिक महत्व क्या है?

उत्तर: सामंती व्यवस्था का राजनीतिक महत्व :

- कुलीन लोग अपने लोगों को सुरक्षा प्रदान करते थे।
- मेनर व्यवस्था के माध्यम से वे अपने क्षेत्रों में शांति और सद्भाव भी बनाए रखते थे|
- सामंत आर्थिक सहायता प्रदान करते थे।

📜 दीर्घ उत्तर प्रश्न (संकेत सहित)

1 ग्यारहवीं शताब्दी में तकनीकी परिवर्तनों ने कृषि को किस प्रकार प्रभावित किया?

उत्तर: तकनीकी परिवर्तनों ने कृषि उत्पादन को कई तरह से प्रभावित किया-

- ग्यारहवीं शताब्दी तक, कई तकनीकी परिवर्तनों के प्रमाण मिलते हैं।
- मूल लकड़ी के हलों के बजाय, कृषकों ने भारी लोहे की नोक वाले हल और लकड़ी के पटरे का उपयोग करना शुरू कर दिया।
- ये हल बहुत गहराई तक खुदाई कर सकते थे और लकड़ी के पटरे ऊपरी मिट्टी को ठीक से पलट देते थे। इससे मिट्टी से पोषक तत्वों का बेहतर उपयोग हुआ।
- हल में पशुओं को जोतने के तरीके में सुधार हुआ। गर्दन के लिए जोतने के बजाय, कंधे के लिए जोतने का उपयोग किया जाने लगा।
- इससे पशुओं को अधिक शक्ति लगाने में मदद मिली। घोड़ों को अब बेहतर नाल पहनाए जाने लगे, जिनमें लोहे की नालें थीं, जो पैरों को सड़ने से बचाती थीं।
- कृषि के लिए पवन और जल ऊर्जा का उपयोग बढ़ गया था।
- मकई पीसने और अंगूर दबाने जैसे उद्देश्यों के लिए पूरे यूरोप में अधिक जल-चालित और पवन-चालित मिलें स्थापित की गईं।
- भूमि उपयोग में भी परिवर्तन हुए। सबसे क्रांतिकारी बदलाव दो-खेतों से तीन-खेतों वाली प्रणाली में बदलाव था।
- इसमें, किसान एक खेत का तीन में से दो साल इस्तेमाल कर सकते थे, अगर वे उसमें शरद ऋतु में एक फसल और डेढ़ साल बाद वसंत में दूसरी फसल लगाते।
- इसका मतलब था कि किसान अपनी जोत को तीन खेतों में बांट सकते थे। वे शरद ऋतु में मानव उपभोग के लिए एक खेत में गेहूँ या राई लगा सकते थे।
- दूसरे खेत का इस्तेमाल वसंत में मनुष्यों के इस्तेमाल के लिए मटर, सेम और मसूर की दाल और घोड़ों के लिए जई और जौ उगाने के लिए किया जा सकता था।
- तीसरा खेत परती पड़ा रहता था। हर साल वे तीन खेतों के बीच बारी-बारी से इस्तेमाल करते थे।

इन सुधारों के साथ, भूमि की प्रत्येक इकाई से उत्पादित खाद्यान्न की मात्रा में लगभग तत्काल वृद्धि हुई। खाद्य उपलब्धता दोगुनी हो गई।

2 मध्ययुगीन यूरोपीय समाज में चर्च की भूमिका क्या थी? इसने सामाजिक और राजनीतिक जीवन को कैसे प्रभावित किया?

उत्तर: आध्यात्मिक प्राधिकरण के रूप में चर्च-

• शिक्षा, नैतिकता और दैनिक जीवन पर नियंत्रण

• टीथ (कर) का संग्रह

• राजाओं और कुलीनों पर प्रभाव

• शिक्षा और कृषि में मठों की भूमिका

• चर्च न्यायालय और कानून

• अधिकार को लेकर राजाओं के साथ संघर्ष (जैसे, निवेश विवाद)

3 सामंती व्यवस्था में कुलीन वर्ग और किसानों के बीच संबंधों की व्याख्या करें। इस संबंध ने ग्रामीण जीवन की संरचना को कैसे परिभाषित किया?

उत्तर:

- स्वतंत्र किसान अपनी भूमि को लॉर्ड के काश्तकार के रूप में देखते थे।
- पुरुषों को सैन्य सेवा (कम से कम हर साल चालीस दिन) देनी पड़ती थी।
- किसान परिवारों को सप्ताह के कुछ दिन, आमतौर पर तीन लेकिन अक्सर ज़्यादा, अलग रखने पड़ते थे, जब वे लॉर्ड की संपत्ति पर जाकर काम करते थे।
- इस तरह के श्रम से प्राप्त उत्पादन, जिसे श्रम-किराया कहा जाता है, सीधे लॉर्ड के पास जाता था।
- इसके अलावा, उन्हें अन्य अवैतनिक श्रम सेवाएँ करने की आवश्यकता हो सकती थी, जैसे कि गड्ढा खोदना, जलाऊ लकड़ी इकट्ठा करना,बाड़ा बनाना और सड़कों और इमारतों की मरम्मत करना।
- खेतों में मदद करने के अलावा, महिलाओं और बच्चों को अन्य काम भी करने पड़ते थे। वे धागा कातते थे, कपड़ा बुनते थे, मोमबत्तियाँ बनाते थे और स्वामी के इस्तेमाल के लिए शराब बनाने के लिए अंगूरों को दबाते थे।
- एक प्रत्यक्ष कर था जिसे 'टैल' कहा जाता था जिसे राजा कभी-कभी किसानों पर लगाते थे (पादरियों और कुलीनों को इसे चुकाने से छूट दी गई थी)।
- दास भूमि के भूखंडों पर खेती करते थे, लेकिन ये स्वामी के थे। इससे होने वाली अधिकांश उपज स्वामी को देनी पड़ती थी। उन्हें उस भूमि पर भी काम करना पड़ता था जो विशेष रूप से स्वामी की थी।
- वे केवल स्वामी के ही थे। उन्हें कोई वेतन नहीं मिलता था और वे स्वामी की अनुमति के बिना संपत्ति नहीं छोड़ सकते थे।
- स्वामी ने अपने दासों की कीमत पर कई एकाधिकार का दावा किया।
- दास केवल अपने स्वामी की चक्की का उपयोग आटा पीसने के लिए, अपनी रोटी पकाने के लिए उसके ओवन का और शराब और बीयर को आसवित करने के लिए उसके वाइन-प्रेस का उपयोग कर सकते थे।
- स्वामी यह तय कर सकता था कि एक दास को किससे शादी करनी चाहिए, या वह दास की पसंद को अपना आशीर्वाद दे सकता था, लेकिन शुल्क का भुगतान करके।

4 यूरोप में सामंतवाद के पतन के कारणों और प्रभावों पर चर्चा करें।

उत्तर:

व्यापार और कस्बों का विकास-

• मुद्रा अर्थव्यवस्था का उदय

• एक शक्तिशाली राजतंत्र का उदय

• किसान विद्रोह और ब्लैक डेथ

• कुलीन वर्ग की शक्ति में गिरावट

• चर्च के अधिकार का कमजोर होना

• आधुनिक राज्यों और पूंजीवादी अर्थव्यवस्थाओं में संक्रमण

स्रोत आधारित प्रश्न

1. **निम्नलिखित अंश को ध्यान से पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दें-**

बड़े चर्चों को कैथेड्रल कहा जाता था। 12वीं शताब्दी के बाद से, फ्रांस में कैथेड्रल बनाए जा रहे थे। कैथेड्रल मठों से संबंधित थे। विभिन्न लोगों ने अपने श्रम, सामग्री या धन से उनके निर्माण में योगदान दिया। एक कैथेड्रल पत्थर से बना था और इसे पूरा होने में कई साल लगे। कैथेड्रल के आसपास का क्षेत्र अधिक आबादी वाला हो गया और वे तीर्थयात्रा के केंद्र बन गए। उनके आसपास छोटे शहर विकसित हुए।

1.1 कैथेड्रल क्या हैं?

1.2 कैथेड्रल का निर्माण कब और कहाँ शुरू हुआ?

1.3 कैथेड्रल की कोई दो विशेषताएँ बताएँ।

उत्तर-

1.1 बड़े चर्चों को कैथेड्रल कहा जाता है।

1.2 फ्रांस में इनका निर्माण 12वीं शताब्दी से हो रहा था।

1.3 कैथेड्रल पत्थर से बनाया जाता था और इसे बनने में कई साल लगते थे। कैथेड्रल के आस-पास का इलाका अधिक आबादी वाला हो गया और वे तीर्थस्थल बन गए।

2. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:**

शुरू में, कृषि तकनीक बहुत आदिम थी। किसान के पास उपलब्ध एकमात्र यांत्रिक सहायता लकड़ी का हल था, जिसे बैलों की एक टीम द्वारा खींचा जाता था। यह हल ज़्यादा से ज़्यादा धरती की सतह को खरोंच सकता था और मिट्टी की प्राकृतिक उत्पादकता को पूरी तरह से बाहर निकालने में असमर्थ था। इसलिए कृषि बहुत श्रम गहन थी। खेतों को हाथ से खोदना पड़ता था, अक्सर चार साल में एक बार, और बहुत ज़्यादा शारीरिक श्रम की ज़रूरत होती थी। साथ ही, फ़सल चक्रण की एक अप्रभावी विधि का उपयोग किया जाता था। ज़मीन को आधे हिस्सों में विभाजित किया गया था, एक खेत में शरद ऋतु में सर्दियों के गेहूँ की फ़सल लगाई गई थी, जबकि दूसरे खेत को परती छोड़ दिया गया था। अगले साल परती ज़मीन के इस टुकड़े पर राई लगाई गई जबकि दूसरे आधे हिस्से को परती छोड़ दिया गया। इस प्रणाली के साथ, मिट्टी धीरे-धीरे खराब होती गई, और अकाल असामान्य नहीं थे। जीर्ण कुपोषण के साथ-साथ विनाशकारी अकाल भी आते थे और गरीबों के लिए जीवन कठिन था। इन कठिनाइयों के बावजूद, स्वामी अपनी आय को अधिकतम करने के लिए उत्सुक थे। चूँकि भूमि से उत्पादन बढ़ाना संभव नहीं था, इसलिए किसानों को जागीरदार संपत्ति की सारी भूमि पर खेती करने के लिए मजबूर होना पड़ा, और ऐसा करने में उन्हें कानूनी रूप से बाध्य होने से ज़्यादा समय लगाना पड़ा। किसान उत्पीड़न के आगे चुपचाप नहीं झुके। चूँकि वे खुलकर विरोध नहीं कर सकते थे, इसलिए उन्होंने निष्क्रिय प्रतिरोध का सहारा लिया। उन्होंने अपने खेतों की खेती में ज़्यादा समय बिताया, और उस श्रम के उत्पाद का ज़्यादातर हिस्सा अपने पास रख लिया। उन्होंने बिना भुगतान के अतिरिक्त सेवाएँ करने से भी परहेज़ किया। वे चरागाह और जंगल की ज़मीनों को लेकर स्वामियों के साथ संघर्ष में आ गए, और इन ज़मीनों को संसाधनों के रूप में देखा जिसका इस्तेमाल किसानों द्वारा किया जाना था। पूरे समुदाय द्वारा, जबकि लॉर्ड्स इसे अपनी निजी संपत्ति मानते थे।

2.1 किसानों के लिए उपलब्ध एकमात्र यांत्रिक उपकरण क्या था?

2.2 कृषि में अपनाई जाने वाली एक अप्रभावी तकनीक पर चर्चा करें।

2.3 किसानों ने लॉर्ड का प्रतिरोध कैसे किया?

उत्तर

2.1 लकड़ी का हल।

2.2 फसल चक्र।

2.3 चूँकि किसान खुले तौर पर प्रतिरोध नहीं कर सकते थे, इसलिए उन्होंने निष्क्रिय प्रतिरोध का सहारा लिया। वे अपना ज़्यादा समय अपने खेतों की खेती में लगाते थे और उस श्रम का ज़्यादातर हिस्सा अपने पास रख लेते थे।

3. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर** दें:

बेनेडिक्टिन मठों में, नियमों के 73 अध्यायों वाली एक पांडुलिपि थी जिसका भिक्षुओं ने कई शताब्दियों तक पालन किया। यहाँ कुछ नियम दिए गए हैं जिनका उन्हें पालन करना था:

अध्याय 6: भिक्षुओं को बोलने की अनुमति शायद ही कभी दी जानी चाहिए।

अध्याय 7: विनम्रता का अर्थ है आज्ञाकारिता।

अध्याय 33: किसी भी भिक्षु के पास निजी संपत्ति नहीं होनी चाहिए।

अध्याय 47: आलस्य आत्मा का दुश्मन है, इसलिए भिक्षुओं और भिक्षुणिओं(ननों) को निश्चित समय पर शारीरिक श्रम में और निश्चित समय पर पवित्र पाठ में व्यस्त रहना चाहिए।

अध्याय 48: मठ को इस तरह से बनाया जाना चाहिए कि इसकी सीमाओं के भीतर सभी आवश्यक चीजें मिल सकें: पानी, चक्की, उद्यान, कार्यशालाएँ। शारीरिक श्रम में समय और निश्चित समय पर पवित्र पाठ में।

3.1 विनम्रता का क्या अर्थ है?

3.2 अध्याय 47 क्या कहता है?

3.3 इस अध्याय में किस तरह के मूल्य परिलक्षित होते हैं?

उत्तर

3.1 विनम्रता का अर्थ है आज्ञाकारिता

3.2 अध्याय 47: आलस्य आत्मा का शत्रु है, इसलिए भिक्षुओं और बहनों को निश्चित समय पर शारीरिक श्रम में तथा निश्चित समय पर पवित्र पाठ में व्यस्त रहना चाहिए।

3.3 मानवता, सत्यनिष्ठा, आदि।

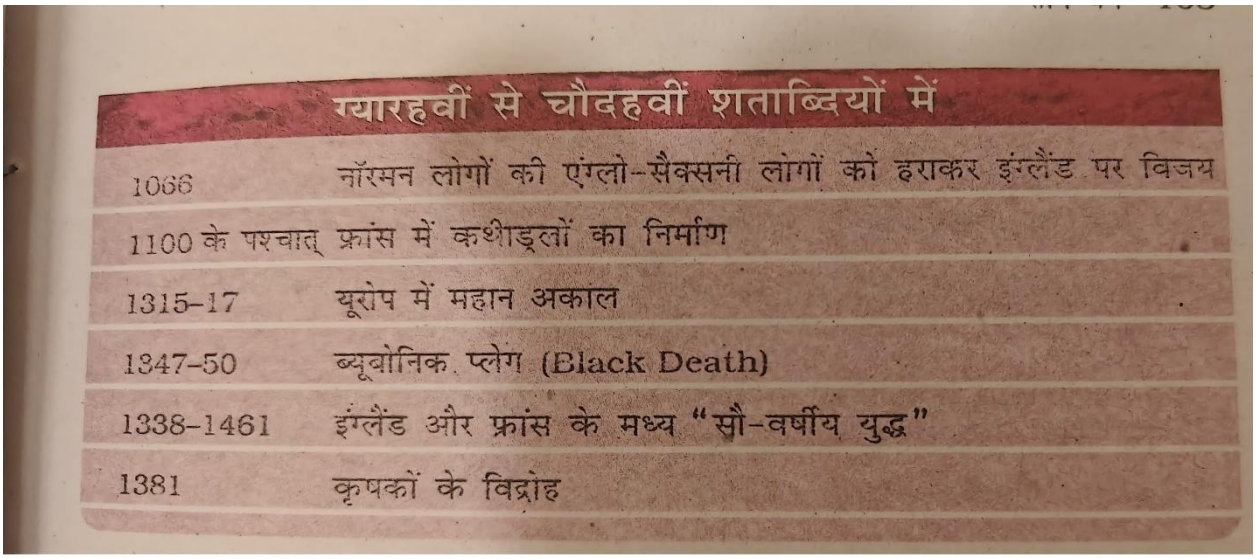

अतिरिक्त अभ्यास प्रश्न

1 निम्नलिखित में से कौन मध्ययुगीन यूरोपीय समाज में पादरी की भूमिका का सबसे अच्छा वर्णन करता है?

(क) वे मुख्य रूप से भूमि स्वामित्व और सैन्य सेवा के लिए जिम्मेदार थे।

(ख) वे मुख्य कृषि मजदूर और खाद्य उत्पादक थे।

(ग) वे धार्मिक कर्तव्यों, शिक्षा और सामाजिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार थे।
(घ) वे कस्बों और शहरों में मुख्य कारीगर और शिल्पकार थे।
2 मध्ययुगीन यूरोपीय समाज में कुलीन वर्ग की मुख्य जिम्मेदारी क्या थी?
(क) वे मुख्य रूप से धार्मिक कर्तव्यों और सामाजिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार थे।
(ख) वे भूमि स्वामित्व, सैन्य सेवा और सामंती व्यवस्था का नेतृत्व करने के लिए जिम्मेदार थे।
(ग) वे मुख्य कृषि मजदूर और खाद्य उत्पादक थे।
(घ) वे कस्बों और शहरों में मुख्य कारीगर और शिल्पकार थे।
3 मध्ययुगीन यूरोपीय समाज में किसानों की विशिष्ट भूमिका क्या थी?
(क) वे मुख्य रूप से धार्मिक कर्तव्यों और सामाजिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार थे।
(ख) वे भूमि स्वामित्व, सैन्य सेवा और सामंती व्यवस्था का नेतृत्व करने के लिए जिम्मेदार थे।
(ग) वे मुख्य कृषि मजदूर और खाद्य उत्पादक थे, और वे कुलीन वर्ग के स्वामित्व वाली भूमि पर काम करते थे।
(घ) वे कस्बों और शहरों में मुख्य कारीगर और शिल्पकार थे।
4 मध्ययुगीन यूरोप में पादरी, कुलीन वर्ग और किसानों के बीच क्या संबंध था?
(क) पादरी, कुलीन वर्ग और किसान सभी समाज में स्वतंत्र और समान थे।
(ख) पादरी के पास सबसे अधिक शक्ति और प्रभाव था, कुलीन वर्ग के पास भूमि थी, और किसान भूमि पर काम करते थे।
(ग) किसान के पास सबसे अधिक शक्ति और प्रभाव था, पादरी उनके सलाहकार थे, और कुलीन वर्ग उनके रक्षक थे।
(घ) कुलीन वर्ग के पास सबसे अधिक शक्ति और प्रभाव था, पादरी उनके सलाहकार थे, और किसान भूमि पर काम करते थे।
5 मध्ययुगीन यूरोपीय समाज को समझने में "तीन आदेशों" की अवधारणा का क्या महत्व था?
(a) इसने मध्ययुगीन यूरोप में सामाजिक असमानता और श्रम विभाजन को समझने के लिए एक रूपरेखा प्रदान की।
(b) इसने मध्ययुगीन यूरोपीय समाज में व्यापार और वाणिज्य के महत्व पर प्रकाश डाला।
(c) इसने मध्ययुगीन यूरोपीय समाज में कृषि और खेती के महत्व पर जोर दिया। (d) इसने मध्ययुगीन यूरोपीय समाज में विभिन्न सामाजिक समूहों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को परिभाषित किया।

अतिरिक्त अभ्यास हेतु लघु उत्तर प्रकार के प्रश्न

1 जनसंख्या के स्तर में दीर्घकालिक परिवर्तन ने यूरोप में अर्थव्यवस्था और समाज को कैसे प्रभावित किया।
2 शूरवीर एक अलग समूह क्यों बन गए और उनका पतन कब हुआ?
3 मध्ययुगीन मठों के कार्य क्या थे?

अतिरिक्त अभ्यास हेतु दीर्घ उत्तर प्रकार के प्रश्न

1 14वीं शताब्दी की शुरुआत में यूरोप में आर्थिक मंदी के कारणों पर चर्चा करें।
2 सामंतवाद की प्रमुख कमियों पर चर्चा करें जिसके कारण अंततः उसका पतन हुआ।

मानचित्र आधारित गतिविधियाँ

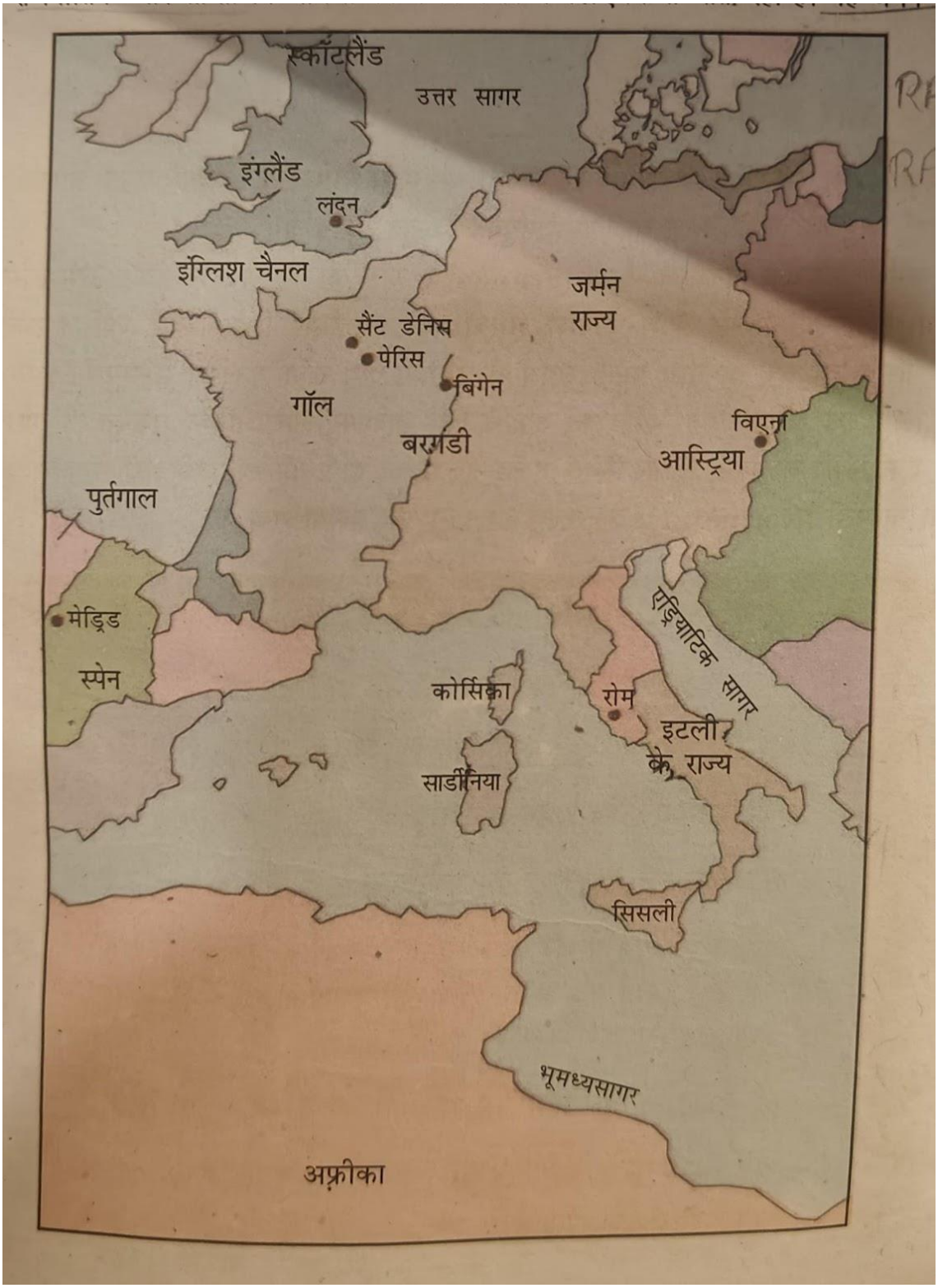

अध्याय 5

बदलती सांस्कृतिक परंपराएँ

अध्ययन उद्देश्य

❖ पुनर्जागरण, सुधार, वैज्ञानिक क्रांति और अन्वेषण के युग के कारणों, घटनाओं और प्रभावों का विश्लेषण करना।

❖ पुनर्जागरण, मानवतावाद और यथार्थवाद की विशेषताओं को समझने के लिए इतालवी शहरों के विभिन्न पहलुओं से संबंधित करना।

❖ पुनर्जागरण काल में महिलाओं की स्थिति की तुलना और अंतर करना।

❖ पुनर्जागरण के पहलुओं को समझने के लिए वास्तुकला, कलात्मक और साहित्यिक विकास पर प्रमुख प्रभावों को पहचानना।

❖ बाद के सुधारों पर प्रभाव का आलोचनात्मक विश्लेषण करना।

❖ प्रोटेस्टेंट सुधार के प्रति रोमन कैथोलिक चर्च की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करना।

*** हमारे दैनिक जीवन में और भारत के राष्ट्रीय सम्मान में विषय की प्रासंगिकता**

- यह पता लगाता है कि पुनर्जागरण के मूल्यों, कला और वैज्ञानिक प्रगति ने भारत सहित दुनिया को कैसे प्रभावित किया और इन प्रभावों ने हमारी वर्तमान संस्कृति में कैसे योगदान दिया।
- 19वीं शताब्दी में सुधार आंदोलनों, सामाजिक सुधारों और भारतीय संस्कृति और विरासत की पुनर्खोज का उदय हुआ, जिसने अंततः राष्ट्रवाद के उदय और स्वतंत्रता के लिए अंतिम संघर्ष में योगदान दिया।
- इसलिए, मानवतावाद का उदय, शास्त्रीय ज्ञान की पुनर्खोज और मुद्रण के प्रभाव ने भारत में भी क्रांति ला दी, खासकर अंग्रेजों के आने के बाद।
- परिवर्तनों ने व्यापार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और नई बौद्धिक और कलात्मक परंपराओं के उदय के माध्यम से भारतीय उपमहाद्वीप को प्रभावित किया।

अध्याय का सारांश

- पुनर्जागरण काल ने ही यूरोप में सांस्कृतिक परंपराओं में बदलाव को चिह्नित किया।
- स्रोत दस्तावेजों, मुद्रित पुस्तकों, चित्रों, मूर्तियों, इमारतों, वस्त्रों आदि के रूप में बहुत सारी सामग्री है। इनमें से कई यूरोप और अमेरिका के अभिलेखागार, कला दीर्घाओं और संग्रहालयों में संरक्षित हैं।

जेकब बर्कहार्ट और पुनर्जागरण के बारे में उनका दृष्टिकोण:

- **जेकब बर्कहार्ट** (1818-97) स्विट्जरलैंड के बेसेल विश्वविद्यालय के एक स्विस विद्वान थे।
- उनके लिए, इतिहास लेखन में राजनीति केंद्रीय चिंता का विषय नहीं थी। इतिहास भी राजनीति के साथ-साथ संस्कृति से भी संबंधित था।
- अपनी पुस्तक 'इटली में पुनर्जागरण की सभ्यता' में, उन्होंने साहित्य, वास्तुकला और चित्रकला का उल्लेख करते हुए बताया कि कैसे 14वीं शताब्दी से सत्रहवीं शताब्दी तक इतालवी शहरों में एक नई मानवतावादी संस्कृति पनपी थी।

- उन्होंने इस संस्कृति की नई मान्यताओं के विकास के बारे में भी लिखा क्योंकि उस युग का व्यक्ति अपने निर्णय लेने और एक व्यक्ति के रूप में अपने कौशल विकसित करने में सक्षम था।

14वीं शताब्दी से 17वीं शताब्दी के बीच यूरोप में हुए परिवर्तन:

• 14वीं शताब्दी से 17वीं शताब्दी के अंत तक यूरोप में विभिन्न देशों में अनेक नगर विकसित हुए, जिनमें विशिष्ट 'नगरीय संस्कृति' विकसित हुई।
• नगरों के लोग यह सोचने लगे कि वे गांवों के लोगों से अधिक सभ्य हैं।
• इटली के फ्लोरेंस, वेनिस और रोम जैसे अनेक नगर कला और शिक्षा के केंद्र के रूप में विकसित हुए।
• धनी और कुलीन वर्ग ने कलाकारों और लेखकों को संरक्षण देना शुरू कर दिया।
• प्रिंटिंग प्रेस के आविष्कार ने पुस्तकों और अन्य मुद्रित सामग्रियों को आसानी से उपलब्ध करा दिया।
• यूरोप में इतिहास की एक नई समझ विकसित हुई और लोगों ने इतिहास को मध्यकालीन और आधुनिक के रूप में विभाजित किया।
• विज्ञान और भूगोल के विकास ने चर्च की सभी पारंपरिक धारणाओं को तोड़ दिया, जैसे कि पृथ्वी सौरमंडल का केंद्र है और भूमध्य सागर दुनिया का केंद्र है।

इतालवी शहरों के पुनरुद्धार के लिए कारक:

- रोमन साम्राज्य के पतन के बाद, इटली के शहर जो राजनीतिक और सांस्कृतिक केंद्र थे, बर्बाद हो गए।
- रोमन साम्राज्य के पतन के बाद, पश्चिमी यूरोप को सामंती बंधनों द्वारा पुनर्गठित किया गया और लैटिन चर्च के तहत एकीकृत किया गया।
- पूर्वी यूरोप बाईजेंटाइन साम्राज्य के शासन में चला गया और इस्लाम पश्चिम में एक आम समाज का निर्माण कर रहा था। इस समय, इटली कमजोर और खंडित था।
- इन सभी विकासों ने इतालवी संस्कृति के पुनरुद्धार में मदद की।
- बाईजेंटाइन साम्राज्य और इस्लामी देशों के बीच व्यापार के विकास के कारण इतालवी तट पर बंदरगाह पुनर्जीवित हुए।
- 12वीं शताब्दी से, मंगोलों ने सिल्क रूट के माध्यम से चीन के साथ व्यापार करना शुरू किया और जैसे-जैसे यूरोपीय देशों के साथ व्यापार बढ़ा, इतालवी शहरों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- इन शहरों ने स्वतंत्र शहर राज्यों के रूप में अपनी पहचान बनाए रखी। फ्लोरेंस और वेनिस गणराज्यों में से थे।
- कई शहर इसलिए अस्तित्व में आए क्योंकि उनका प्रशासन पादरी या सामंती प्रभुओं के नियंत्रण से मुक्त, अमीर व्यापारियों और बैंकरों के हाथों में था और इससे नागरिकता के विचार को मदद मिली।

मानवतावाद के प्रसार में विश्वविद्यालयों की भूमिका:

- यूरोप में, पहले विश्वविद्यालय इतालवी शहरों में स्थापित किए गए थे। 11वीं शताब्दी से ही पादूआ और बोलोनिया विश्वविद्यालय कानूनी अध्ययन के केंद्र रहे हैं।
- नियमों और लिखित अनुबंधों को लिखने और व्याख्या करने के लिए वकीलों और नोटरी की मांग बढ़ रही थी क्योंकि व्यापार और वाणिज्य उन पर निर्भर थे।
- इसमें जोर दिया गया और कानून अध्ययन का एक लोकप्रिय विषय बन गया। **फ्रांसिस्को पेट्रार्क** ने इस बदलाव का प्रतिनिधित्व किया और प्राचीन लेखकों के गहन अध्ययन के महत्व पर जोर दिया।
- उस अवधि का शैक्षिक कार्यक्रम अध्ययन का एक ऐसा साधन था जो अकेले धार्मिक शिक्षा से नहीं मिल सकता था।
- मानवतावादी शब्द का प्रयोग 15वीं शताब्दी की शुरुआत में उन गुरुओं के लिए किया जाने लगा जो व्याकरण, अलंकारशास्त्र, कविता, इतिहास और दर्शनशास्त्र पढ़ा सकते थे। इन विषयों का धर्म से कोई संबंध नहीं था। इन्हें व्यक्तियों के बीच चर्चा और बहस के माध्यम से विकसित किया गया था।

- इन विचारों ने अन्य विश्वविद्यालयों को भी प्रभावित किया, खासकर फ्लोरेंस में नव स्थापित विश्वविद्यालय में, जो पेट्रार्क का गृह नगर था। 15वीं शताब्दी तक, फ्लोरेंस व्यापार और शिक्षा केंद्र के रूप में प्रसिद्ध हो गया था।
- यह शहर न केवल अपनी संपत्ति के लिए बल्कि अपने नागरिकों के लिए भी जाना जाता था और फ्लोरेंस **दांते अलिगहियरी** नामक एक आम आदमी के कारण लोकप्रिय हो गया था, जिसने धार्मिक विषयों पर लिखा था और **जोटो** नामक एक कलाकार ने सजीव चित्रों को चित्रित किया था। तब से यह इटली में सबसे रोमांचक बौद्धिक शहर और कलात्मक रचनात्मकता के केंद्र के रूप में विकसित हुआ।

इतिहास का मानवतावादी दृष्टिकोण:

- मानवतावादियों का मानना था कि रोमन साम्राज्य के पतन के बाद सदियों तक अंधकार का युग रहा, जिसे उन्होंने 'अंधकार युग' कहा। बाद के विद्वानों ने माना कि 'नया युग' 14वीं शताब्दी के बाद शुरू हुआ।
- रोमन साम्राज्य के पतन के बाद हज़ार साल (एक सहस्राब्दी) की अवधि को 'मध्य युग' या 'मध्यकालीन काल' माना जाता था। 'मध्य युग' के बारे में, उन्होंने कहा कि धर्म या चर्च ने सभी लोगों के दिमाग को इस तरह से नियंत्रित किया कि यूनानियों और रोमनों की सारी शिक्षाएँ धुल गईं।
- मानवतावादियों ने 15वीं शताब्दी से लेकर अब तक के काल को 'आधुनिक' कहा। आधुनिक इतिहासकार एक युग को अंधकारमय कहने पर बहस कर रहे थे, जिसे वे अनुचित मानते थे।

मानवतावादियों द्वारा प्रयुक्त कालक्रम:

- 5वीं-14वीं शताब्दी मध्य युग
- 5वीं-9वीं शताब्दी अंधकार युग
- 9वीं-11वीं शताब्दी आरंभिक मध्य युग
- 11वीं-14वीं शताब्दी उत्तर मध्य युग
- 15वीं शताब्दी के बाद आधुनिक युग

विज्ञान और दर्शन में विकास और अरबों का योगदान

- भिक्षु और पादरी 'मध्य युग' के ग्रीक और रोमन विद्वानों के कार्यों से परिचित थे, लेकिन उन्होंने उन्हें अन्य लोगों को नहीं बताया।
- 14वीं शताब्दी तक कई विद्वानों ने **प्लेटो** और **अरस्तू** जैसे ग्रीक लेखकों के अनुवाद को पढ़ना शुरू कर दिया था। अरब अनुवादकों द्वारा उनका अनुवाद किया गया और उन्हें सुरक्षित रखा गया।
- कुछ यूरोपीय लोगों ने ग्रीक कार्यों को अरबी अनुवाद में पढ़ा और ग्रीक ने अरबी और फ़ारसी विद्वानों के कार्यों का यूरोपीय भाषाओं में अनुवाद किया।ये कार्य प्राकृतिक विज्ञान, गणित, खगोल विज्ञान, चिकित्सा और रसायन विज्ञान पर थे।
- **टॉलेमी** का अल्मागेस्ट 140 ई. में खगोल विज्ञान पर ग्रीक भाषा में लिखा गया था और इसका अरबी में अनुवाद किया गया था। इसमें अरबी वर्णमाला 'अल' थी जो अरबों के साथ संबंध को दर्शाता है।
- बुखारा के एक अरब चिकित्सक और दार्शनिक **इब्न सिना** और मध्ययुगीन विश्वकोश के लेखक **अल-रज़ी** को इतालवी राज्यों में ज्ञान के व्यक्ति के रूप में माना जाता था।
- ईसाई विचारकों ने स्पेन के अरब दार्शनिक (**इब्न रुश्द**) की पद्धति को अपनाया जिन्होंने दार्शनिक ज्ञान और धार्मिक आस्था के बीच तनाव को हल करने की कोशिश की।

कलाकार और यथार्थवाद

- मानवतावाद का प्रचार न केवल शिक्षा के माध्यम से बल्कि कला, वास्तुकला और पुस्तकों के माध्यम से भी किया गया। कलाकार अतीत के कार्यों का अध्ययन करके प्रेरित हुए। प्राचीन रोम और अन्य निर्जन शहरों के खंडहरों पर कला के टुकड़े सहित भौतिक अवशेष पाए गए।
- इटैलियन मूर्तिकार पूरी तरह से आनुपातिक पुरुष और महिला आकृतियों से प्रभावित थे। डोनाटेलो ने अपनी सजीव मूर्तियों के साथ नई ज़मीन की शुरुआत की। कलाकारों को सटीक मानव आकृतियाँ बनाकर वैज्ञानिकों द्वारा मदद की गई। कलाकार हड्डियों की संरचनाओं का अध्ययन करने के लिए चिकित्सा विद्यालयों की प्रयोगशालाओं में गए।
- पडुआ विश्वविद्यालय में चिकित्सा के एक प्रोफेसर **एंड्रियास वेसलियस** ने पहली बार मानव शरीर का विच्छेदन किया, जो आधुनिक शरीर विज्ञान की शुरुआत थी।
- चित्रकारों को कोई पुराना काम नहीं मिला। इसलिए उन्होंने यथार्थवादी तरीके से पेंटिंग की और रंगों के प्रकाश प्रभाव के उपयोग के कारण उनके चित्रों में त्रि-आयामी प्रभाव था। शरीर रचना विज्ञान, ज्यामिति और भौतिकी के साथ-साथ 'क्या सुंदर है' के तर्क ने इतालवी कला में यथार्थवाद नामक एक गुणवत्ता पैदा की जो 19वीं शताब्दी तक जारी रही।

इस काल के स्थापत्य विकास

- 15वीं शताब्दी में रोम ने शानदार तरीके से अपनी पहचान बनाई। चूँकि 1417 तक पोप राजनीतिक रूप से मज़बूत हो चुके थे, 1378 में दो प्रतिद्वंद्वी पोप के चुनाव के कारण आई कमज़ोरी के बाद, उन्होंने रोम के अध्ययन को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया।
- नई शास्त्रीय वास्तुकला वास्तव में शाही रोमन शैली का पुनरुद्धार थी। धनी व्यापारियों, पोप और अभिजात वर्ग ने उन वास्तुकारों को नियुक्त किया जो शास्त्रीय वास्तुकला से परिचित थे।
- कलाकारों और मूर्तिकारों ने इमारतों को पेंटिंग, मूर्तियों और राहत से सजाना शुरू किया। कई लोग चित्रकार, मूर्तिकार और वास्तुकार के रूप में समान रूप से विशेषज्ञ थे।
- **माइकल एंजेलो बुआनारोती** को रोम में उनके अमर काम के लिए याद किया जाता है जैसे कि सिस्टिन चैपल की चित्रित छत, 'द पिएटा' नामक मूर्तिकला और सेंट पीटर चर्च के गुंबद का डिज़ाइन।
- **फिलिपो ब्रुनेलेस्ची** ने एक मूर्तिकार के रूप में अपना करियर शुरू किया लेकिन फ्लोरेंस के डुओमो को डिज़ाइन करने के लिए प्रसिद्ध हो गए।

इस समय तक कलाकार किसी समूह या गिल्ड के सदस्य के बजाय अपने नाम से व्यक्तिगत रूप से प्रसिद्ध होने लगे थे।

मुद्रण प्रौद्योगिकी का विकास

- यूरोपीय लोगों ने मुद्रण प्रौद्योगिकी का विचार चीनी लोगों से उधार लिया क्योंकि यूरोपीय व्यापारी और राजनयिक मंगोल शासकों के दरबार में अपनी यात्राओं के दौरान इससे परिचित हो गए थे। पहले के ग्रंथ हाथ से लिखे हुए रूप में पाए जाते थे।
- जर्मन **जोहान्स गुटेनबर्ग** ने पहला प्रिंटिंग प्रेस बनाया और 1455 में बाइबिल की 150 प्रतियाँ छापीं। एक भिक्षु को बाइबिल की एक प्रति लिखने में उतना ही समय लगा। 1500 ई. तक इटली में लैटिन में सभी शास्त्रीय ग्रंथ मुद्रित हो चुके थे।
- मुद्रित पुस्तकों की उपलब्धता के साथ, छात्रों की व्याख्यान नोट्स पर निर्भरता समाप्त हो गई। मुद्रित पुस्तकों ने नए विचारों को तेजी से बढ़ावा दिया। इससे व्यक्तियों के लिए किताबें पढ़ना संभव हो गया, क्योंकि खुद के लिए एक प्रति खरीदना संभव था।

मानव की नई अवधारणा

- मानवतावादी संस्कृति की एक विशेषता यह थी कि मानव जीवन पर धर्म का नियंत्रण कम हो गया था। इटालियंस धार्मिक बने रहे, हालांकि वे भौतिक धन, शक्ति और महिमा से आकर्षित थे।

- वेनिस के एक मानवतावादी, **फ्रांसेस्को बारबरो** ने धन के कब्जे के बचाव में पैम्फलेट लिखा और इसे एक गुण कहा।
- **लोरेंजो वल्ला** ने सोचा कि इतिहास का अध्ययन एक व्यक्ति को पूर्णता के जीवन के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करता है, उन्होंने अपनी पुस्तक ऑन प्लेजर में आनंद के खिलाफ ईसाई प्रतिबंध की निंदा की।
- अच्छे शिष्टाचार को लेकर चिंता थी कि कैसे किसी को विनम्रता से बोलना चाहिए और कैसे ठीक से कपड़े पहनने चाहिए। मानवतावाद ने जोर दिया कि व्यक्ति केवल शक्ति और धन की खोज के बजाय संसाधनों के माध्यम से अपने जीवन को आकार देने में सक्षम थे। यह विश्वास इस दृष्टिकोण से जुड़ा था कि मानव स्वभाव बहुआयामी था जो सामंती समाज के तीन अलग-अलग आदेशों के खिलाफ था।
- **मैकियावेली** का मानना था कि 'सभी लोग बुरे हैं और अपने दुष्ट स्वभाव को प्रदर्शित करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं, आंशिक रूप से इस तथ्य के कारण कि मानव इच्छाएँ अतृप्त हैं'।

महिलाओं की आकांक्षा (महिलाओं की स्थिति)

- मानवता के बारे में व्यक्तित्व और नागरिकता जैसे नए विचारों ने महिलाओं को बाहर रखा। कुलीन परिवारों के पुरुष सार्वजनिक जीवन जीते थे और अपने परिवारों के निर्णयकर्ता थे। बेटों को पारिवारिक व्यवसाय या सार्वजनिक जीवन जीने के लिए शिक्षा प्रदान की जाती थी।
- महिलाओं को व्यावसायिक मामलों में कोई भूमिका नहीं दी जाती थी, हालाँकि उनके दहेज को पारिवारिक व्यवसाय में निवेश किया जाता था, विवाह व्यावसायिक गठबंधनों का समर्थन करने का एक साधन था। जिन लड़कियों के दहेज की व्यवस्था नहीं की गई थी, उन्हें नन का जीवन जीने के लिए कॉन्वेंट में भेज दिया गया था।
- महिलाओं को केवल घर की रखवाली के रूप में देखा जाता था। व्यापारियों के परिवारों में महिलाओं की स्थिति कुलीन परिवारों के विपरीत थी। वे व्यवसाय चलाने में अपने पतियों की सहायता करती थीं।
- व्यापारियों और बैंकरों की पत्नियाँ उनके दूर रहने पर उनके व्यवसाय की देखभाल करती थीं। एक व्यापारी की असमय मृत्यु ने उसकी विधवा को कुलीन परिवार की महिलाओं की तुलना में बड़ी सार्वजनिक भूमिका निभाने के लिए मजबूर किया।

कई महिलाएँ बौद्धिक मानवतावादी थीं:

- वेनिस की **कैसंड्रा फेडेले** उनमें से एक थीं। वह ग्रीक और लैटिन भाषा में अपनी दक्षता के लिए जानी जाती थीं और उन्हें पडुआ विश्वविद्यालय में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था। फ़ेडेले उन महिलाओं में से थीं जिन्होंने स्वतंत्रता की अत्यधिक सीमित परिभाषा बनाने के लिए गणतंत्र की आलोचना की थी जो महिलाओं की तुलना में पुरुषों की इच्छाओं का पक्ष लेती थी।
- एक और उत्कृष्ट महिला मंटुआ की मार्चेसा, **इसाबेला डी'एस्टे** थी। उसने अपने पति की अनुपस्थिति में राज्य पर शासन किया और उस छोटे से राज्य के दरबार को अपनी बौद्धिक जीवंतता के लिए प्रसिद्धि मिली। उस दौर की महिलाओं के लेखन से उनका आत्मविश्वास प्रकट होता है कि पुरुषों के वर्चस्व वाली दुनिया में व्यक्तित्व पाने के लिए उनके पास आर्थिक शक्ति, संपत्ति और शिक्षा होनी चाहिए।

ईसाई धर्म के भीतर परिवर्तन

- 15वीं और 16वीं शताब्दी में, उत्तरी यूरोपीय विश्वविद्यालयों के विद्वान मानवतावादी विचारों से आकर्षित हुए। इतालवी विद्वानों की तरह उन्होंने ईसाइयों की पवित्र पुस्तकों के साथ-साथ शास्त्रीय ग्रीक और रोमन ग्रंथों पर भी ध्यान दिया।
- पेशेवर विद्वानों ने मानवतावादी आंदोलन का नेतृत्व किया जिसने चर्च के सदस्यों को भी प्रभावित किया। उन्होंने निरर्थक रीति-रिवाजों को त्याग दिया जिन्हें वे बाद में जोड़े गए मानते थे और ईसाइयों को उनके धर्म के प्राचीन ग्रंथों में वर्णित धर्म का पालन करने का निर्देश दिया।

- इंग्लैंड के **थॉमस मोर** और हॉलैंड के **इरास्मस** जैसे ईसाई मानवतावादियों ने माना कि उनके संबंधित देश में चर्च लालच और आम लोगों से जबरन पैसे ऐंठने का केंद्र बन गया है।
- 'इंडलजेंस' दस्तावेज़ बेचना पैसे प्राप्त करने के तरीकों में से एक था। इंडलजेंस ने लोगों को अतीत में उनके द्वारा किए गए पापों से मुक्त करने का वादा किया। स्थानीय भाषाओं में छपी बाइबिल ने ईसाइयों को बताया कि उनका धर्म ऐसी प्रथाओं की अनुमति नहीं देता है।
- 1517 में, **मार्टिन लूथर** नामक एक जर्मन भिक्षु ने कैथोलिक चर्च के खिलाफ़ प्रोटेस्टेंट सुधार की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि ईश्वर से संपर्क स्थापित करने के लिए किसी व्यक्ति को पुजारी की आवश्यकता नहीं है।
- इसके कारण जर्मन और स्विस चर्च पोप और कैथोलिक चर्च से अलग हो गए। स्विटज़रलैंड में, **उलरिच ज़्विंगली** और **जीन कैल्विन** ने मार्टिन लूथर के विचारों का अनुसरण किया।
- उन्होंने तर्क दिया कि ईश्वर ने सभी मनुष्यों को समान बनाया है और इसलिए, उनसे कर का भुगतान करने और अपने पुजारी चुनने का अधिकार नहीं है। इन विचारों ने सामंती उत्पीड़ित किसानों को प्रभावित किया और उन्होंने विद्रोह कर दिया।
- मार्टिन लूथर ने कट्टरपंथ का विरोध किया और 1525 में जर्मन शासकों से विद्रोहों को दबाने के लिए कहा। इंग्लैंड में, शासकों ने पोप के साथ संबंध तोड़ दिए। तब से राजा या रानी चर्च के प्रमुख थे।
- स्पेन में इग्नाटियस लोयोला ने 1540 में सोसाइटी ऑफ जीसस का गठन किया। उनके अनुयायियों को जेसुइट्स कहा जाता था। इस सोसाइटी का उद्देश्य गरीबों की सेवा करना और अन्य संस्कृतियों के बारे में उनके ज्ञान को बढ़ाना था।

विज्ञान और खगोल विज्ञान में विकास (कोपरनिकन क्रांति)

- वैज्ञानिकों ने मनुष्य को पापी मानने की ईसाई धारणा पर सवाल उठाया था। ईसाई मानते थे कि पृथ्वी पाप का स्थान है और पाप के बोझ ने इसे स्थिर बना दिया है। पृथ्वी ब्रह्मांड का केंद्र है जिसके चारों ओर आकाशीय ग्रह घूमते हैं।
- **कोपरनिकस** ने एक सिद्धांत विकसित किया कि पृथ्वी अन्य ग्रहों के साथ मिलकर सूर्य के चारों ओर घूमती है। उन्होंने अपनी मृत्यु से पहले अपनी पांडुलिपि डी रिवोल्यूशनिबस (द रोटेशन) अपने शिष्य जोआचिम रेटिकस को सौंप दी। लोगों को सच्चाई को स्वीकार करने में समय लगा।
- **जोहान्स केपलर** ने इस सिद्धांत को लोकप्रिय बनाया कि पृथ्वी सूर्य-केंद्रित सौर मंडल का एक हिस्सा है। अपने कॉस्मोग्राफिकल मिस्ट्री में, उन्होंने प्रदर्शित किया कि ग्रह सूर्य के चारों ओर वृत्त में नहीं बल्कि ग्रहण में घूमते हैं।
- **गैलीलियो गैलीली** ने अपनी रचना 'द मोशन' में गतिशील दुनिया की धारणा को साबित किया। विज्ञान में क्रांति **आइजैक न्यूटन** द्वारा गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत के साथ अपने चरम पर पहुंच गई। भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान के रूपों में उनके कार्यों का तेजी से विस्तार हुआ। इतिहासकारों ने मनुष्य और प्रकृति के ज्ञान के इस नए दृष्टिकोण को वैज्ञानिक क्रांति का नाम दिया।
- इसके परिणामस्वरूप, संशयवादियों और अविश्वासियों के मन में सृष्टि के स्रोत के रूप में ईश्वर का स्थान प्रकृति ने ले लिया। ईश्वर में विश्वास करने वालों का कहना था कि उनका ईश्वर संसार में रहने के कार्य को सीधे नियंत्रित नहीं करता।
- कई वैज्ञानिक समाजों द्वारा दूर के ईश्वर के विचार को लोकप्रिय बनाने के कारण एक नई वैज्ञानिक संस्कृति अस्तित्व में आई। 1662 में रॉयल सोसाइटी ऑफ लंदन और 1670 में पेरिस अकादमी जैसी वैज्ञानिक समितियों का गठन किया गया। उन्होंने व्याख्यान आयोजित किए और जनता के देखने के लिए प्रयोग किए।

पुनर्जागरण की अवधारणा

- इंग्लैंड के **पीटर बर्क** जैसे आधुनिक लेखकों ने सुझाव दिया कि बर्कहार्ट ने इस अवधि और इससे पहले की अवधि के बीच के तीखे अंतर को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया और इसे 'पुनर्जागरण' कहा। इस शब्द का तात्पर्य ग्रीक और रोमन सभ्यताओं के पुनर्जन्म और उस अवधि के कलाकारों और विद्वानों द्वारा ईसाई दुनिया के लिए पूर्व-ईसाई दुनिया के प्रतिस्थापन से था। इन दोनों तर्कों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया।

- पुनर्जागरण को कल्पनाशील रचनात्मकता का काल और मध्य युग को अंधकार का काल कहना एक आसान सामान्यीकरण है।
- पुनर्जागरण के तत्व 12वीं और 13वीं शताब्दी में ही दिखाई देने लगे थे। यहां तक कि 9वीं शताब्दी में भी फ्रांस में इसी प्रकार के साहित्यिक और कलात्मक प्रयास फले-फूले।
- रोमन संस्कृति के पुरातात्विक और साहित्यिक निष्कर्षों से पता चलता है कि एशिया में प्रौद्योगिकी और कौशल ने यूरोप के सांस्कृतिक परिवर्तनों में योगदान दिया था। इस्लाम के विस्तार और मंगोल आक्रमणों ने एशिया और उत्तरी अफ्रीका को व्यापार और कौशल सीखने के साथ-साथ राजनीतिक संबंधों में यूरोप से जोड़ा।
- यूरोप ने रोमनों और यूनानियों के साथ भारत, चीन, ईरान, अरब और मध्य एशिया से ज्ञान प्राप्त किया। यूरोप-केंद्रित दृष्टिकोण से इतिहास के लेखन के साथ एशियाई योगदान जल्द ही भुला दिए गए।
- इस अवधि में जो एक महत्वपूर्ण परिवर्तन हुआ, वह व्यक्ति के सार्वजनिक और निजी जीवन का क्रमिक पृथक्करण था। 18वीं शताब्दी तक, राजनीतिक दृष्टि से सभी लोगों को समान राजनीतिक अधिकार प्राप्त हो गए। यूरोप जो पहले एकजुट था, अब राज्यों में विलीन हो गया, जिनमें से प्रत्येक एक आम भाषा के आधार पर एकजुट था।

महत्वपूर्ण काल रूपरेखा

➢ इटली के पडुआ विश्वविद्यालय में मानवतावाद को एक विषय के रूप में पढ़ाया गया (1300)

➢ रोम में पेट्रार्क को 'कवि पुरस्कार विजेता' की उपाधि दी गई (1341)

➢ फ्लोरेंस में विश्वविद्यालय की स्थापना (1349)

➢ जेफ्री चौसर द्वारा कैंटरबरी टेल्स का प्रकाशन (1390) II.

15वीं शताब्दी की महत्वपूर्ण घटनाएँ

➢ ब्रुनेलेस्की द्वारा फ्लोरेंस में डुओमो का डिज़ाइन तैयार करना (1436)

➢ ओटोमन तुर्कों द्वारा कॉन्स्टेंटिनोपल के बीजान्टिन शासक की पराजय (1453)

➢ गुटेनबर्ग द्वारा चल प्रकार के साथ बाइबिल की छपाई (1454)

➢ पुर्तगाली गणितज्ञों द्वारा सूर्य का अवलोकन करके अक्षांश की गणना (1484)

➢ कोलंबस अमेरिका पहुँच गया (1492)

➢ लियोनार्डो दा विंची द्वारा चित्रित द लास्ट सपर (1495)

➢ माइकल एंजेलो द्वारा सिस्टिन चैपल की छत की पेंटिंग (1512)

16वीं शताब्दी की महत्वपूर्ण घटनाएँ

➢ थॉमस मोर द्वारा यूटोपिया का प्रकाशन (1516)

➢ मार्टिन लूथर ने नब्बे पाँच थीसिस दी (1517) और बाइबिल का जर्मन भाषा में अनुवाद किया (1522)

➢ जर्मनी में किसान विद्रोह (1525)

➢ एंड्रियास वेसलियस ने 'ऑन एनाटॉमी' लिखी (1543)

➢ इंग्लैंड में राजा/रानी के नेतृत्व में एंग्लिकन चर्च की स्थापना हुई (1559)

➢ गेरहार्डस मर्केटर ने पृथ्वी का बेलनाकार मानचित्र तैयार किया (1569)

➢ पोप ग्रेगरी XIII ने ग्रेगोरियन कैलेंडर पेश किया (1582)

➢ लियोनार्डो दा विंची द्वारा चित्रित द लास्ट सपर (1495)

➢ माइकल एंजेलो द्वारा सिस्टिन चैपल की छत की पेंटिंग (1512)

17वीं शताब्दी की महत्वपूर्ण घटनाएँ

➢ विलियम हार्वे ने हृदय को रक्त परिसंचरण से जोड़ा (1628)

➢ पेरिस में विज्ञान अकादमी की स्थापना (1673)

➢ आइज़ैक न्यूटन ने 'प्रिंसिपिया मैथेमेटिका' प्रकाशित किया (1687)

- **लियोनार्डो दा विंची (1452-1519)**:

लियोनार्डो दा विंची एक बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे, जिन्हें वनस्पति विज्ञान, शरीर रचना विज्ञान, गणित, कला आदि पर महारत हासिल थी। उन्होंने 'मोनालिसा' और 'द लास्ट सपर' चित्रित किया। उन्होंने उड़ने की क्षमता का सपना देखा और कई वर्षों तक पक्षियों को उड़ते हुए देखा और एक उड़ने वाली मशीन तैयार की। वे अपने नाम पर 'लियोनार्डो दा विंची' लिखते थे, जिसका अर्थ है 'प्रयोग का शिष्य।'

महत्वपूर्ण शब्दावली

- **पुनर्जागरण पुरुष**: पुनर्जागरण पुरुष शब्द का प्रयोग अक्सर ऐसे व्यक्ति का वर्णन करने के लिए किया जाता है, जिसके पास कई रुचियाँ और कौशल होते हैं। वे विद्वान-राजनयिक-धर्मशास्त्री-कलाकार एक साथ थे।
- **बाइबिल नया विधान**: नया विधान बाइबल का वह भाग है, जो मसीह और उनके शुरुआती अनुयायियों के जीवन और शिक्षाओं से संबंधित है।
- **मानवतावाद**: एक तर्कवादी दृष्टिकोण या विचार प्रणाली जो दैवीय या अलौकिक मामलों के बजाय मानवीय को प्रमुख महत्व देती है।
- **यथार्थवाद**: शरीर रचना विज्ञान, ज्यामिति, भौतिकी के ज्ञान और तेल पेंट के उपयोग के साथ कला में चीजों को वैसा ही दिखाना जैसा वे वास्तव में हैं।
- **व्यक्तिवाद**: यह विश्वास कि समाज में अलग-अलग लोगों को सरकार या धर्म द्वारा नियंत्रित होने के बजाय अपने स्वयं के निर्णय लेने का अधिकार होना चाहिए।
- **प्रोटेस्टेंट सुधारवाद**: मार्टिन लूथर द्वारा शुरू किया गया ईसाई धार्मिक आंदोलन जो मध्ययुगीन रोमन कैथोलिक सिद्धांतों और प्रथाओं की प्रतिक्रिया के रूप में 16वीं शताब्दी की शुरुआत में उत्तरी यूरोप में शुरू हुआ था।
- **एनाबैप्टिस्ट**: एनाबैप्टिज्म को प्रोटेस्टेंट सुधार के "कट्टरपंथी विंग" का हिस्सा माना जाता है, जो उन्हें लूथरनवाद और कैल्विनवाद जैसे मुख्यधारा के प्रोटेस्टेंट संप्रदायों से अलग करता है। वे मोक्ष प्राप्त करने के लिए सभी प्रकार के सामाजिक उत्पीड़न का अंत चाहते थे।

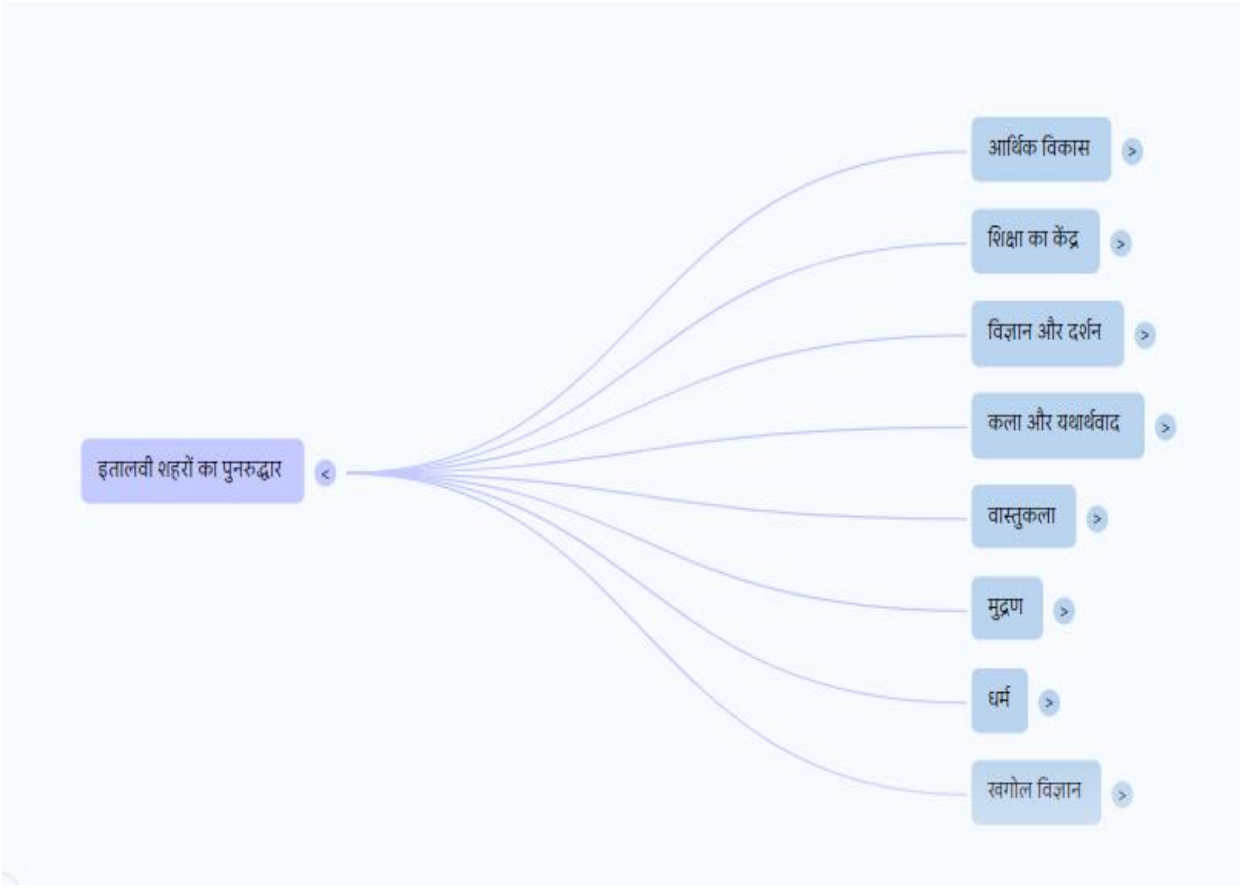
इतालवी शहरों का पुनरुद्धार
आर्थिक विकास
शिक्षा का केंद्र
विज्ञान और दर्शन
कला और यथार्थवाद
वास्तुकला
मुद्रण
धर्म
खगोल विज्ञान

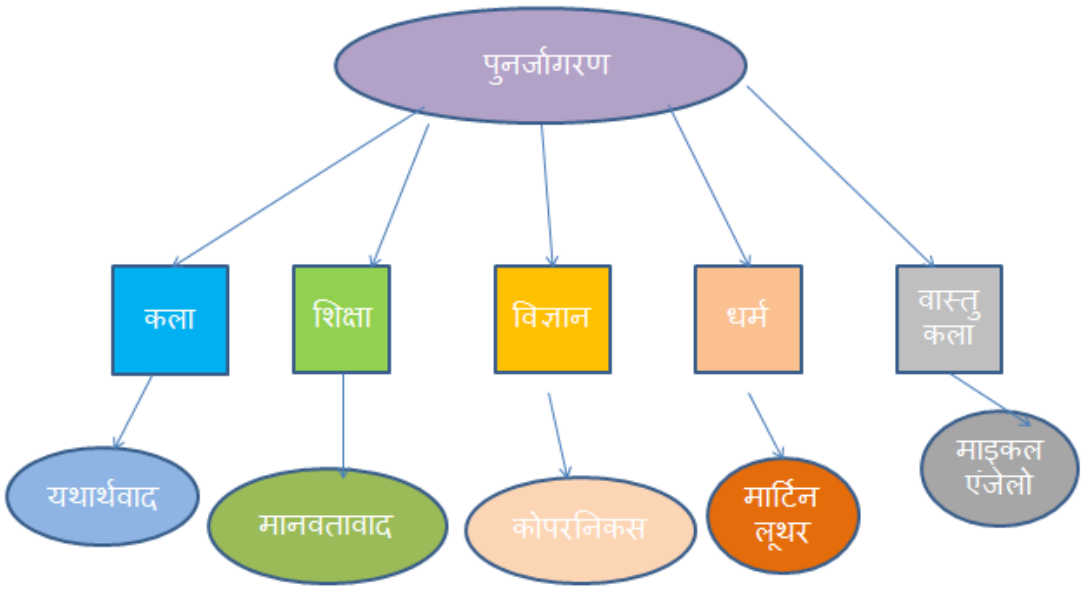
पुनर्जागरण
कला
शिक्षा
विज्ञान
धर्म
वास्तु कला
यथार्थवाद
मानवतावाद
कोपरनिकस
मार्टिन लूथर
माइकल एंजेलो

बहु विकल्पीय प्रश्न

1 अभिकथन (A): चर्च की पृथ्वी-केंद्रित मान्यता को वैज्ञानिकों ने पलट दिया।

कारण (R): कोपरनिकस ने कहा कि पृथ्वी सहित सभी ग्रह सूर्य के चारों ओर घूमते हैं।

A A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C A सत्य है लेकिन R असत्य है।

D A असत्य है लेकिन R सत्य है

2 दिए गए चित्र में दर्शाए गए शहर की पहचान करें

A फ्लोरेंस

B वेनिस

C रोम

D लंदन

3 निम्नलिखित का मिलान करें और सही विकल्प चुनें

सूची I	सूची II
1. 1454	A. आइजैक न्यूटन की प्रिंसिपिया मैथमेटिका प्रकाशित हुई
2. 1492	B. कोलंबस अमेरिका पहुंचा
3. 1522	C. गुटेनबर्ग ने बाइबिल छापी
4.1687	D. लूथर ने बाइबिल का जर्मन में अनुवाद किया

A 1 – c, 2 – b, 3 – d, 4 – a

B 1 – d, 2 – a, 3 – b, 4 – c

C 1 – a, 2 – d, 3 – c, 4 – b

D 1 – b, 2 – c, 3 – d, 4 – a

4 मानवतावादी विचार को बढ़ावा दिया गया...

A व्यक्तिगत उपलब्धि

B परलोक के बजाय संसार पर ध्यान केन्द्रित करना।

C दोनों

D इनमें से कोई नहीं

5 पुनर्जागरण को इस प्रकार वर्गीकृत किया जा सकता है:

A सामाजिक विकास

B सांस्कृतिक विकास

C आर्थिक विकास

D राजनीतिक विकास

6 निम्नलिखित में से कौन सा शिक्षक-छात्र युग्म गलत सुमेलित है?

	शिक्षक	छात्र
A	प्लेटो	अरस्तू
B	रांके	जैकब बर्कहार्ट
C	कोपरनिकस	जोआचिम रेटिकस
D	थॉमस मोर	इरास्मस

7 कथन को पूरा करें ग्रीक लेखक: उनके अरबी नाम

प्लेटो: अफलातून

अरिस्तोटिल ---

8 दिए गए कथनों की सहायता से व्यक्तित्व की पहचान करें:

* रोमन वकील और निबंधकार

* जूलियस सीज़र के समकालीन

* लैटिन शब्द 'ह्यूमैनिटास' का इस्तेमाल किया

A पेट्रार्क B सिसेरो C दांते D गिओटो

9 कैसंड्रा फेडेले के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है:

A उसने महिला शिक्षा पर जोर दिया B वह ग्रीक और लैटिन में पारंगत थी

C उसने पडुआ विश्वविद्यालय में व्याख्यान दिए D ये सभी

10 निम्न में विषम को खोजें-

A मार्टिन लूथर B उलरिच ज़्विंगली

C जीन कैल्विन D इग्नाटियस लोयोला

11 निम्नलिखित में से कौन सा सही ढंग से मेल खाता है?

	सूची I	सूची II
A	थॉमस मोर	नाइन्टी फाइव थीसिस
B	मार्टिन लूथर	यूटोपिया
C	आइजैक न्यूटन	प्रिंसिपिया मैथेमेटिका
D	एंड्रियास वेसलियस	द सोशल कॉन्ट्रैक्ट

A विकल्प D

B विकल्प B

C विकल्प C

D विकल्प A

12 इसाबेल डी'एस्टे ..... की मार्चेसा थीं

A मंटुआ

B फ्लोरेंस

C वेनिस

D बोलोग्ना

13 मानवतावादी विद्वानों के अनुसार अंधकार युग बीच में है

A 5-9वीं शताब्दी

B 9-11वीं शताब्दी

C 11-14वीं शताब्दी

D 14-16वीं शताब्दी

14 अरब दार्शनिक जिसने दार्शनिक ज्ञान और धार्मिक विश्वास के बीच तनाव को हल करने की कोशिश की थी -

A इब्न सिना

B अल-रज़ी

C इब्न रुश्द

D इनमें से कोई नहीं

15 निम्नलिखित विकल्पों में से सही कालानुक्रमिक क्रम का पता लगाएं:

i. ब्रुनेलेस्ची ने फ्लोरेंस में डुओमो को डिजाइन किया

ii. जेफ्री चौसर की कैंटरबरी टेल्स प्रकाशित हुई

iii. फ्लोरेंस में विश्वविद्यालय की स्थापना

iv. ओटोमन तुर्क ने कॉन्स्टेंटिनोपल के बीजान्टिन शासक को हराया

A iv, ii, i, iii

B i, ii, iii, iv

C iii, ii, i, iv

D ii, iii, iv, i

16 अभिकथन (A): थॉमस मोर और इरास्मस जैसे ईसाई मानवतावादी चर्च के पक्ष में थे।

कारण (R): चर्च लालच से भरी एक संस्था बन गई थी, जो आम लोगों से अपनी मर्जी से पैसे ऐंठती थी।

A A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C A सत्य है लेकिन R असत्य है।

D A असत्य है लेकिन R सत्य है।

17 अभिकथन (A): चर्च का पृथ्वी-केंद्रित विश्वास था।

कारण (R): ईसाइयों का मानना था कि पृथ्वी एक पापी जगह है और पापों के भारी बोझ ने इसे स्थिर बना दिया है।

A A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C A सत्य है लेकिन R असत्य है।

D A असत्य है लेकिन R सत्य है।

18 इनमें से कौन सा दस्तावेज़ चर्च द्वारा जारी किया गया था?

A इंडल्जेंस

B लूथर की थीसिस

C स्टाम्प पेपर

D कानूनी दस्तावेज

19 पुनर्जागरण पुरुष के दिए गए स्व-चित्र को पहचानें :

A लियोनार्डो दा विंची

B गियोटो

C डोनाटेलो

D ड्यूरर

20 बोलोग्ना और पडुआ विश्वविद्यालय 11वीं शताब्दी से .....अध्ययन के केंद्र रहे हैं।

A ऐतिहासिक

B दार्शनिक

C कानूनी

D इनमें से कोई नहीं

21 कौन सी पुस्तक और लेखक का सही मिलान किया गया है-

A ऑन प्लेजर - लोरेंजो वल्ला

B द प्रिंस- मैकियावेली

C A और B दोनों

D इनमें से कोई नहीं

बहु विकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

1 A ए और आर दोनों सत्य हैं और आर, ए की सही व्याख्या है।

2 B वेनिस

3 A 1 - सी, 2 - बी, 3 - डी, 4 - ए

4 C दोनों

5 B सांस्कृतिक विकास

6 D थॉमस मोर इरास्मस

7 अरस्तू

8 B सिसरो

9 D ये सभी

10 D इग्नेशियस लोयोला

11 C आइज़ैक न्यूटन प्रिंसिपिया मैथमेटिका

12 A मंटुआ

13 B 14-16वीं शताब्दी

14 C इब्न रुश्द

15 C iii, ii, i, iv

16 A A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।

17 A A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।

18 A इंडल्जेंस

19 A लियोनार्डो दा विंची

20 C कानूनी

21 C A और B दोनों

✍ लघु उत्तर प्रश्न

22 **पुनर्जागरण इटली में क्यों शुरू हुआ? इसके औचित्य के लिए कोई तीन कारण लिखिए।**

उत्तर:

i) रोम प्राचीन रोमन साम्राज्य का केंद्र था।

ii) इटली में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता थी क्योंकि पादरी और कुलीन वर्ग तुलनात्मक रूप से कमजोर थे।

iii) व्यापारी वर्ग बहुत मजबूत था और विदेशी व्यापार से बहुत अधिक धन इकट्ठा करता था जिसका उपयोग नए परिवर्तनों को वित्तपोषित करने के लिए किया जाता था।

iv) इटली में कई विश्वविद्यालय और शहर स्थापित किए गए जो नई शिक्षा के केंद्र के रूप में उभरे।

23 पुनर्जागरण की मुख्य विशेषताएँ क्या थीं?

उत्तर:

i) इतालवी शहर इस घटना में अग्रणी हैं जिसे पुनर्जागरण कहा जाता है।

ii) कला और वास्तुकला में उन्नति।

iii) विभिन्न लेखकों द्वारा लिखी गई कई साहित्यिक रचनाएँ।

iv) विज्ञान में विकास।

v) विभिन्न विषयों पर कई बहसें।

24 सुधार आंदोलन के क्या कारण थे?

उत्तर-

i) चर्च की निरंकुशता और कैथोलिक भ्रष्टाचार,

ii) मार्टिन लूथर की 95 थीसिस और पादरियों को बहस के लिए उनका आह्वान

iii) प्रिंटिंग प्रेस का आविष्कार

25 पुनर्जागरण या सांस्कृतिक परंपराओं में बदलाव के क्या कारण थे?

उत्तर-

i) धर्मयुद्ध

ii) सामंतवाद का पतन

iii) नए शहरों और व्यापार का उदय

iv) नए मध्यम वर्ग का उदय

v) राष्ट्र राज्यों का उदय

vi) पूर्व और पश्चिम का संपर्क

vii) ओटोमन तुर्कों के लिए कॉन्स्टेंटिनोपल का पतन

26 पुनर्जागरण के दौरान वैज्ञानिक विकास का वर्णन करें।

उत्तर:

i) विज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टिकोण आने से ईसाई धर्म पर कई प्रश्न उठाये जाने लगे।

ii) कोपरनिकन का सिद्धांत कि पृथ्वी और अन्य ग्रह सूर्य के चारों ओर घूमते हैं, यह ईसाई मान्यता के विरुद्ध था।

iii) बाद में केप्लर ने इस सिद्धांत की पुष्टि की और इस सिद्धांत को बदल दिया कि सूर्य ग्रहों को घुमाता है।

iv) गैलीलियो का गति सिद्धांत।

v) न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण और गुरुत्वाकर्षण बल के सिद्धांत की खोज की।

vi) विज्ञान के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के प्रयोग हुए और कई सिद्धांत विकसित हुए।

vii) सार्वजनिक समीक्षा के लिए विभिन्न संस्थानों में कई वैज्ञानिक व्याख्यान आयोजित किए गए।

viii) पुनर्जागरण के दौरान वैज्ञानिक सोच बहुत अधिक थी क्योंकि किताबें और सुविधाएँ उपलब्ध थीं।

27 क्या चौदहवीं शताब्दी में यूरोपीय 'पुनर्जागरण' हुआ था?

उत्तर: हाँ, यूरोपीय पुनर्जागरण 14वीं शताब्दी में शुरू हुआ था, विशेष रूप से इटली में। इसके निम्न कारण रहे -

i) इतालवी मूल: पुनर्जागरण को व्यापक रूप से इटली में उत्पन्न माना जाता है, विशेष रूप से फ्लोरेंस जैसे शहरों में, जहाँ नए विचार और कलात्मक शैलियाँ उभरीं।

ii) प्रमुख विकास: 14वीं शताब्दी में पुनर्जागरण विचार की शुरुआत देखी गई, जिसमें मानवतावाद का उदय भी शामिल था, एक सांस्कृतिक आंदोलन जिसने मानव उपलब्धियों और शास्त्रीय शिक्षा पर जोर दिया।

iii) अन्य क्षेत्रों में प्रसार: पुनर्जागरण के विचार और कलात्मक शैलियाँ धीरे-धीरे 14वीं और 15वीं शताब्दियों में यूरोप के अन्य हिस्सों में फैल गईं, हालाँकि पुनर्जागरण का समय और तीव्रता विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न थी।

📜 दीर्घ उत्तर प्रश्न (संकेत सहित)

28 पुनर्जागरण के दौरान आम महिलाओं की भूमिका का वर्णन करें। दो पुनर्जागरण महिलाओं का उदाहरण दें जिन्होंने अंधकार युग की रूढ़ि को तोड़ा।

उत्तर: i) नागरिकता का नया विचार, लेकिन महिलाओं को शामिल नहीं किया गया।

ii) परिवार में पुरुष का वर्चस्व।

iii) पारिवारिक व्यवसाय के उद्देश्यों के लिए दहेज निवेश।

iv) पति के व्यवसाय में महिलाओं का स्वामित्व अनुपस्थित।

v) सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम या न के बराबर थी।

vi) महिलाएँ केवल घरेलू स्तर पर काम करती थीं।

vii) व्यापारियों के परिवार में महिलाओं की स्थिति दूसरों की तुलना में बहुत बेहतर थी लेकिन उनकी संख्या बहुत कम थी।

viii) जब पति व्यापारिक दौरे पर होते थे तो महिलाएँ उनकी अनुपस्थिति में दुकानें खोलती रहती थीं।

ix) व्यापारी की विधवाएँ व्यवसाय और समाज जैसे सभी स्तरों पर बड़ी भूमिका निभाती थीं।

x) पुनर्जागरण के दौरान कुछ प्रसिद्ध महिलाएँ, कैसंड्रा फेडेले और इसाबेला डी'एस्टा।

29 ईसाई धर्म में उनके काल के दौरान आए बदलावों के बारे में बताइए?

उत्तर: i) व्यापार और यात्रा, सैन्य विजय और कूटनीतिक संपर्कों ने इतालवी शहरों को दुनिया से जोड़ा।

ii) थॉमस मोर और इरास्मस जैसे ईसाई मानवतावादियों ने महसूस किया कि चर्च लालच से भरी एक संस्था बन गई है।

iii) 'इंडलजेन्स' नामक पत्रों की बिक्री

iv) किसानों ने चर्च द्वारा लगाए गए करों के खिलाफ विद्रोह करना शुरू कर दिया।

v) मार्टिन लूथर ने कैथोलिक चर्च के खिलाफ अभियान चलाया।

vi) किसी व्यक्ति को ईश्वर से संपर्क स्थापित करने के लिए पुजारियों की आवश्यकता नहीं थी।

vii) प्रोटेस्टेंट सुधार के कारण चर्चों ने पोप और कैथोलिक चर्च के साथ अपना संबंध तोड़ लिया।

viii) लूथर के विचारों को उलरिच ज़्विंगली और जीन कैल्विन ने लोकप्रिय बनाया।

ix) जर्मन सुधारक एनाबैप्टिस्ट ने सभी प्रकार के सामाजिक उत्पीड़न के अंत के साथ मोक्ष के विचार को मिश्रित किया।

x) लूथर ने कट्टरपंथ का समर्थन नहीं किया।

30 पुनर्जागरण के कारण विभिन्न क्षेत्रों में हुए विभिन्न परिवर्तनों का वर्णन करें।

उत्तर: i) इतालवी शहरों का पुनरुद्धार: बैजैन्टाइन साम्राज्य और इस्लामी देशों के बीच व्यापार का विस्तार, फ्लोरेंस, वेनिस जैसे स्वतंत्र शहर-राज्य।

ii) शिक्षा के केंद्र - पडुआ और बोलोग्ना कानूनी अध्ययन के विश्वविद्यालयों ने व्याकरण, कविता, इतिहास और नैतिक दर्शन जैसे मानवतावादी विषयों को जोड़ा।

iii) विज्ञान और दर्शन: अरब विद्वानों ने प्लेटो और अरस्तू जैसे यूनानी लेखकों की कृतियों का अनुवाद किया, खगोल विज्ञान पर टॉलेमी का अल्मागेस्ट

iv) कला और यथार्थवाद - सही अनुपात की आकृतियाँ, ज्यामिति का उपयोग।

भौतिकी: त्रिआयामी प्रभाव, प्रकाश, तेल पेंट द्वारा रंग की समृद्धि। डोनाटेलो ने जीवंत मूर्तियाँ बनाईं।

v) वास्तुकला - शाही रोमन शैली का पुनरुद्धार। माइकल एंजेलो ने सिस्टिन चैपल की छत को चित्रित किया, पिएटा [मूर्तिकला], सेंट पीटर चर्च के गुंबद को डिजाइन किया।

vi) मुद्रण - गुटेनबर्ग ने मुद्रण मशीन का आविष्कार किया और बाइबिल की प्रतियाँ बनाईं; जिससे न केवल ज्ञान का प्रसार हुआ, बल्कि बौद्धिक क्रांति भी हुई।

vii) धर्म - रोमन कैथोलिक चर्च की कुप्रथाओं के विरुद्ध प्रोटेस्टेंटवाद मार्टिन लूथर द्वारा शुरू किया गया और उलरिच ज़्विंगली, जीन कैल्विन द्वारा लोकप्रिय बनाया गया।

viii) खगोल विज्ञान - कोपरनिकस ने कहा कि पृथ्वी और ग्रह सूर्य के चारों ओर घूमते हैं, केप्लर ने प्रदर्शित किया कि ग्रह अण्डाकार तरीके से चलते हैं, गैलीलियो ने अपनी रचना 'द मोशन' में गतिशील दुनिया के बारे में चर्चा की और आइज़ैक न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण का नया सिद्धांत दिया।

स्रोत आधारित प्रश्न

31 दिए गए गद्यांश को पढ़ें और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दें:

निकोलो मैकियावेली ने अपनी पुस्तक द प्रिंस (1513) के पंद्रहवें अध्याय में मानव स्वभाव के बारे में लिखा था। 'अतः काल्पनिक चीजों को छोड़कर, और केवल उन चीजों का जिक्र करते हुए जो वास्तव में मौजूद हैं, मैं कहता हूं कि जब भी पुरुषों की चर्चा होती है (और विशेषकर राजकुमारों की, जो देखने में अधिक सामने आते हैं), उन्हें विभिन्न गुणों के लिए जाना जाता है जिसके लिए उन्हें प्रशंसा या निंदा मिलती है। उदाहरण के लिए, कुछ को उदार माना जाता है, और अन्य को कंजूस। कुछ को परोपकारी माना जाता है, अन्य को लोभी, कुछ को क्रूर, कुछ को दयालु; एक आदमी विश्वासघाती, दूसरा वफादार; एक आदमी स्त्रीलिंग और कायर, दूसरा भयंकर और साहसी; एक आदमी विनम्र, दूसरा अभिमानी; एक आदमी कामुक और इसी तरह।' मैकियावेली का मानना था कि 'सभी लोग बुरे हैं और अपनी दुष्ट प्रकृति को प्रदर्शित करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं, आंशिक रूप से इस तथ्य के कारण कि मानवीय इच्छाएँ कभी तृप्त नहीं होतीं।' मैकियावेली ने प्रत्येक मानवीय कार्य के लिए सबसे शक्तिशाली प्रेरणा के रूप में स्वार्थ को देखा।

i) मैकियावेली द्वारा लिखी गई पुस्तक का नाम बताइए।

ii) इसमें कौन-सा एक महत्वपूर्ण मूल्य दर्शाया गया है?

iii) उनका क्या विश्वास था?

उत्तर: i) 'द प्रिंस '।

ii) मानव स्वभाव।

iii) उनका मानना था कि "सभी लोग बुरे हैं और अपनी दुष्ट प्रकृति को प्रदर्शित करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं, आंशिक रूप से इस तथ्य के कारण कि उनकी इच्छाएँ अतृप्त हैं

32 दिए गए गद्यांश को पढ़ें और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दें:

विलियम टिंडेल (1494-1536), एक अंग्रेज लूथरन जिन्होंने 1506 में बाइबिल का अंग्रेजी में अनुवाद किया, ने प्रोटेस्टेंटवाद का इस प्रकार बचाव किया: 'इसमें वे सभी एकमत हैं, कि तुम्हें शास्त्र के ज्ञान से दूर भगाएं और तुम्हें उसका पाठ मातृभाषा में न मिले, और संसार को अभी भी अंधकार में रखें, ताकि वे व्यर्थ अंधविश्वास और झूठे सिद्धांत के माध्यम से लोगों के विवेक में बैठ सकें, अपनी अभिमानी महत्वाकांक्षा और अतृप्त लोभ को संतुष्ट कर सकें, और राजा और सम्राट से ऊपर, हाँ, और स्वयं ईश्वर से भी ऊपर अपना सम्मान बढ़ा सकें....जिस बात ने मुझे नए नियम का अनुवाद करने के लिए प्रेरित किया। क्योंकि मैंने अनुभव से देखा था, कि आम लोगों को किसी भी सत्य में स्थापित करना असंभव था, जब तक कि शास्त्र उनकी आँखों के सामने उनकी मातृभाषा में स्पष्ट रूप से न रखा जाए, ताकि वे देख सकें 'पाठ की प्रक्रिया, क्रम और अर्थ।'

i] विलियम टिंडेल कौन थे? 1

ii] बाइबिल का अंग्रेजी में अनुवाद करके उन्होंने क्या हासिल करना चाहा? 1

iii] वे कौन से मुद्दे थे जिन पर प्रोटेस्टेंटों ने कैथोलिक चर्च की आलोचना की? 2

उत्तर: i] विलियम टिंडेल, एक अंग्रेज लूथरन जिन्होंने 1506 में बाइबिल का अंग्रेजी में अनुवाद किया, ने प्रोटेस्टेंटवाद का बचाव किया।

ii] उन्होंने बाइबिल का अंग्रेजी में अनुवाद करके आम आदमी को उसमें छिपी वास्तविकताओं का एहसास कराने की कोशिश की।

iii] जिन मुद्दों पर प्रोटेस्टेंटों ने कैथोलिक चर्च की आलोचना की, वे थे कि कैसे पैसे उगाहे जाते थे और राजनीति में उनके हस्तक्षेप से राजकुमारों को चिढ़ होती थी।

33 निम्नलिखित पाठ को ध्यान से पढ़ें और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दें:

त्योहारों के दिनों में हम अक्सर जो अपर्याप्तता महसूस करते थे, क्योंकि जगह की संकीर्णता के कारण महिलाओं को पुरुषों के सिर पर बहुत पीड़ा और शोरगुल के साथ वेदी की ओर भागना पड़ता था, [हमने] महान चर्च को बड़ा और विस्तृत करने का फैसला किया... हमने विभिन्न क्षेत्रों के कई उस्तादों के उत्कृष्ट हाथों से, कई शानदार नई खिड़कियाँ भी चित्रित करवाईं... क्योंकि ये खिड़कियाँ अपने अद्भुत निष्पादन और चित्रित कांच के प्रचुर व्यय के कारण बहुत मूल्यवान हैं और एक सुनार भी है... जो अपने भत्ते, अर्थात् वेदी से सिक्के और भाइयों के सामान्य भंडार से आटा प्राप्त करता था, और जो इन [कला कृतियों] की देखभाल करने के अपने कर्तव्य की कभी उपेक्षा नहीं करता था। -एबॉट सुगर (1081-1151)

i) चर्च में स्थान की कमी को दूर करने का क्या निर्णय लिया गया?

ii) बड़े चर्चों को क्या कहा जाता था?

iii) बड़े चर्चों में एक आधिकारिक मास्टर शिल्पकार और एक सुनार की नियुक्ति क्यों की जाती थी और उन्हें इसके लिए कैसे भुगतान किया जाता था?

उत्तर: i) स्थान की कमी के कारण, जिसके कारण पर्व के दिनों में भीड़भाड़ हो जाती थी, कुलीन चर्च को बड़ा और विस्तृत करने का निर्णय लिया गया।

ii) बड़े चर्चों को कैथेड्रल कहा जाता था।

iii) बड़े चर्चों में आधिकारिक मास्टर शिल्पकार और एक सुनार को चर्च की खिड़कियों पर की गई कलाकृतियों की देखभाल करने के लिए नियुक्त किया गया था और उन्हें भत्ते दिए गए थे, जैसे कि वेदी से सिक्के और आम गोदाम से आटा।

मानचित्र आधारित गतिविधियाँ

34 इटली के मानचित्र पर निम्नलिखित को खोजें:

1.रोम 2.वेनिस 3.पडुआ 4.जेनोआ 5.मंटुआ 6.फ्लोरेंस

अभ्यास हेतु बहुविकल्पीय व वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1 निम्नलिखित का मिलान करें

सूची I	सूची II
1) थॉमस मोर का	a. कॉस्मोग्राफिकल मिस्ट्री
2) जोहान्स केपलर	b. यूटोपिया
3) आइजैक न्यूटन	c. द प्रिंस
4) निकोलो मैकियावेली	d. प्रिंसिपिया मैथेमेटिका

A 1 – c, 2 – b, 3 – d, 4 – a

B 1 – d, 2 – a, 3 – b, 4 – c

C 1 – a, 2 – d, 3 – c, 4 – b

D 1 – b, 2 – a, 3 – d, 4 – c

2 बताएँ कि सत्य है या असत्य-

पुनर्जागरण की शुरुआत इटली में हुई जहाँ अधिक जनसंख्या और अकाल के कारण संकट पैदा हुआ था।

3 शरीर रचना विज्ञान, ज्यामिति, भौतिकी, साथ ही सुंदरता की प्रबल भावना ने इतालवी कला को एक नई गुणवत्ता दी, जिसे कहा जाना था-

A यथार्थवाद

B मानवतावाद

C प्रोटेस्टेंटवाद

D व्यक्तिवाद

4 टॉलेमी का अल्मागेस्ट _____ पर एक काम था।

A गणित

B खगोल विज्ञान

C दर्शन

D समाजशास्त्र

✍ अभ्यास हेतु लघु उत्तर प्रश्न

5 एक शहर अपने महान नागरिकों के कारण उतना ही जाना जाता है जितना कि धन से। फ्लोरेंस के संदर्भ में कथन की व्याख्या करें।

6 अरब लेखकों के मुख्य योगदानों को सूचीबद्ध करें जिन्हें ज्ञान के पुरुष माना जाता था।

7 कुछ व्यक्ति चित्रकार, मूर्तिकार और वास्तुकार के रूप में समान रूप से कुशल थे। कौन सा प्रसिद्ध व्यक्तित्व इस कथन का उदाहरण है और उसकी उपलब्धियों के बारे में लिखें।

8 कला में 'यथार्थवाद' को प्राप्त करने में किन विषयों ने मदद की और इसने इतालवी कला को कैसे एक नया गुण दिया?

📜 अभ्यास हेतु दीर्घ उत्तर प्रश्न

9 पुनर्जागरण के कारणों की जाँच करें जिसने इटली में भारी बदलाव लाए।

10 पुनर्जागरण काल में उभरी मानवतावाद की अवधारणा और लोगों के जीवन पर इसके प्रभाव की व्याख्या करें।

📚 अभ्यास हेतु स्रोत आधारित प्रश्न

11 निम्नलिखित पाठ को ध्यान से पढ़ें और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दें:

औपचारिक शिक्षा ही एकमात्र तरीका नहीं था जिसके माध्यम से मानवतावादियों ने अपने युग के दिमाग को आकार दिया। कला, वास्तुकला और पुस्तकें मानवतावादी विचारों को प्रसारित करने में आश्चर्यजनक रूप से प्रभावी थीं। कलाकार अतीत के कार्यों का अध्ययन करके प्रेरित होते थे। रोमन संस्कृति के भौतिक अवशेषों को प्राचीन ग्रंथों की तरह ही उत्साह के साथ खोजा गया: रोम के पतन के एक हजार साल बाद, प्राचीन रोम और अन्य निर्जन शहरों के खंडहरों में कला के टुकड़े खोजे गए। कई शताब्दियों पहले गढ़ी गई पूरी तरह से आनुपातिक पुरुषों और महिलाओं की आकृतियों के लिए उनकी प्रशंसा ने इतालवी मूर्तिकारों को उस परंपरा को जारी रखने के लिए प्रेरित किया। 1416 में, डोनाटेलो (1386-1456) ने अपनी सजीव मूर्तियों के साथ नई ज़मीन तोड़ी। कलाकारों की सटीक होने की चिंता को वैज्ञानिकों के काम से मदद मिली।

i) शिक्षा के अलावा, मानवतावादियों ने अपने युग के दिमाग को किस अन्य तरीके से आकार दिया? 1

ii) वाक्य की जाँच करें: कलाकारों की सटीक होने की चिंता को वैज्ञानिकों के काम से मदद मिली। 1

iii) कलाकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत क्या था? 2

12 निम्नलिखित पाठ को ध्यान से पढ़ें और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दें:

यह स्व-चित्र लियोनार्डो दा विंची (1452-1519) का है, जिनकी वनस्पति विज्ञान और शरीर रचना से लेकर गणित और कला तक की अद्भुत रुचि थी। उन्होंने मोना लिसा और द लास्ट सपर को चित्रित किया। उनका एक सपना उड़ना था। उन्होंने कई वर्षों तक पक्षियों को उड़ते हुए देखा और एक उड़ने वाली मशीन का डिज़ाइन तैयार किया। उन्होंने अपने नाम पर हस्ताक्षर किए 'लियोनार्डो दा विंची, प्रयोग के शिष्य'।

i) लियोनार्डो दा विंची कौन थे? 1

ii) लियोनार्डो दा विंची द्वारा बनाई गई दो पेंटिंग के नाम बताइए। 1

iii) लियोनार्डो दा विंची की रुचि का क्षेत्र क्या था? 2

मानचित्र आधारित गतिविधियाँ

13 इटली के मानचित्र पर निम्नलिखित को खोजें:

1.रोम 2.वेनिस 3.पडुआ 4.जेनोआ 5.मंटुआ 6.फ्लोरेंस

महत्वपूर्ण व्यक्तित्व

लियोपोल्ड वॉन रांके से प्रभावित जैकब बर्कहार्ट ने इतिहास लेखन में संस्कृति के महत्व पर प्रकाश डाला।

बर्कहार्ट की पुस्तक, "इटली में पुनर्जागरण की सभ्यता" ने एक नए "मानवतावादी" के उत्कर्ष पर जोर दिया

उस समय के प्रमुख व्यक्ति फ्रांसेस्को पेट्रार्क ने प्राचीन रोमन संस्कृति के अध्ययन पर जोर दिया और प्राचीन ग्रंथों को बारीकी से पढ़ने की वकालत की।

दांते अलीघिएरी और जोटो, जिन्होंने इसकी बौद्धिक और कलात्मक प्रतिष्ठा में योगदान दिया

इब्न सिना, अल-रज़ी और इब्न रुश्द जैसे मुस्लिम विद्वान

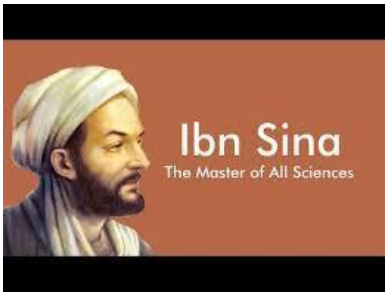

एंड्रियास वेसलियस ने मानव शरीर का विच्छेदन किया, जिससे कलाकारों को सटीक शारीरिक ज्ञान प्राप्त हुआ।

माइकल एंजेलो बुओनारोती, जो चित्रकला, मूर्तिकला और वास्तुकला में अपनी महारत के लिए जाने जाते हैं, ने रोम में सिस्टिन चैपल की छत, 'द पिएटा' और सेंट पीटर के गुंबद के डिजाइन जैसे प्रतिष्ठित कार्यों का निर्माण किया।

एक वास्तुकार, फिलिपो ब्रुनेलेस्ची ने एक मूर्तिकार के रूप में अपना करियर शुरू किया और फ्लोरेंस के डुओमो को डिजाइन किया।

फिलिपो ब्रुनेलेस्ची ने धन के अधिग्रहण को एक गुण के रूप में बचाव किया, जबकि लोरेंजो वल्ला ने ईसाई धर्म में आनंद के निषेध की आलोचना की।

वेनिस की विद्वान कैसंड्रा फेडेले ने साहित्य में महिलाओं द्वारा अध्ययन करने के महत्व पर जोर दिया।

मंटुआ की मार्चेसा, इसाबेला डी'एस्टे ने अपने पति की अनुपस्थिति में राज्य पर शासन किया और अपने दरबार में बौद्धिक प्रतिभा को बढ़ावा दिया।

थॉमस मोर और इरास्मस जैसे ईसाई मानवतावादियों ने लालच और भ्रष्ट प्रथाओं, जैसे कि भोग-विलास बेचने के लिए चर्च की आलोचना की।

1517 में, मार्टिन लूथर ने प्रोटेस्टेंट सुधार की शुरुआत की, कैथोलिक चर्च के अधिकार को चुनौती दी और ईश्वर तक पहुँचने के मार्ग के रूप में आस्था पर जोर दिया।

कोपरनिकस ने सूर्यकेंद्रित मॉडल का प्रस्ताव रखा और बाद में खगोलविदों ने सूर्य-केंद्रित प्रणाली की पुष्टि की।

विषय 6: मूल निवासियों का विस्थापन

अध्ययन उद्देश्य

- मूल निवासियों के विस्थापन की प्रक्रिया का मूल्यांकन करना, जिससे अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के विकास को समझा जा सके।
- ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका में यूरोपीय बस्तियों के क्षेत्रों का विश्लेषण करना।
- इन महाद्वीपों में स्वदेशी लोगों के जीवन और भूमिकाओं की तुलना और अंतर करना।

***दैनिक जीवन में इस विषय का महत्व और भारत के राष्ट्रीय सम्मान में इसकी भूमिका**

यह अध्याय अमेरिका (उत्तरी और दक्षिणी) और ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों की कहानी बताता है। 1700 के दशक से, यूरोपीय लोगों ने दुनिया के कई हिस्सों में बसना शुरू कर दिया, जिनमें अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड शामिल थे। इस विस्तार ने कई मूल निवासियों को उनकी अपनी जमीनों से बेदखल कर दिया। हम इस स्थिति को भारत में यूरोपीय साम्राज्यवाद और यहाँ के मूल निवासियों पर इसके प्रभाव से जोड़कर देख सकते हैं।

अध्याय का सारांश

1. प्रस्तावना:

- यूरोपीय उपनिवेशवादियों ने अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में मूल निवासियों को विस्थापित किया
- यूरोपीय सभ्यता और आदिवासी संस्कृतियों के बीच संघर्ष हुआ

2. अध्ययन के स्रोत:

- मूल निवासियों की मौखिक परंपराएँ
- मूल निवासियों द्वारा लिखित ऐतिहासिक और काल्पनिक रचनाएँ
- संग्रहालयों और दीर्घाओं में प्रदर्शित आदिवासी कला

3. यूरोपीय साम्राज्यवाद — उपनिवेशों का विस्तार:

- स्पेन और पुर्तगाल का विस्तार 17वीं सदी के बाद रुक गया
- फ्रांस, हॉलैंड और इंग्लैंड ने अमेरिका, अफ्रीका और एशिया में विस्तार किया
- इंग्लैंड ने आयरलैंड को भी उपनिवेश बनाया
- लाभ आधारित उपनिवेशीकरण, विभिन्न नियंत्रण प्रणालियाँ
- दक्षिण एशिया में व्यापारिक कंपनियाँ राजनीतिक शक्ति में बदलीं

- **व्यापार को सहारा देने के लिए रेलवे, खदानें और बागान विकसित किए गए**
- **अफ्रीका को यूरोपीय शक्तियों द्वारा उपनिवेशों में बाँट दिया गया**

4. उत्तरी अमेरिका के मूल निवासी:

A. आदिवासी जीवनशैली-

- **संभवत: 30,000 वर्ष पूर्व बेरिंग जलडमरूमध्य के रास्ते एशिया से आए**
- **नदी घाटियों में रहते थे, मछली पकड़ते, शिकार करते और खेती करते (मक्का और सब्ज़ियाँ)**
- **कोई राज्य या निजी भूमि स्वामित्व नहीं था**
- **उपहार आदान-प्रदान पर आधारित व्यापार, बाज़ार आधारित नहीं**
- **कुशल कारीगर, वस्त्र निर्माता और जलवायु विशेषज्ञ**
- **शुरुआत में यूरोपियों का स्वागत किया, वस्तुएँ अदला-बदली की**
- **शराब और तंबाकू की लत लगी, जिससे यूरोपीय व्यापार पर नियंत्रण पा गए**

B. सांस्कृतिक भिन्नताएँ-

- **यूरोपीय लोगों ने मूल निवासियों को असभ्य माना**
- **मूल निवासी वस्तु विनिमय को उपहार मानते थे, यूरोपीय उन्हें वस्तुएँ मानते थे**
- **यूरोपीय लोगों ने लाभ के लिए संसाधनों का शोषण किया (जैसे ज़मीन)**
- **मूल निवासी प्रकृति के प्रतिशोध से डरते थे, जबकि यूरोपीय आर्थिक लाभ पर केंद्रित थे**

5. अमेरिका का विस्तार:

A. क्षेत्रीय अधिग्रहण-

- **लुइसियाना (1803) फ्रांस से खरीदा**
- **अलास्का (1867) रूस से खरीदा**
- **मैक्सिको से युद्ध के बाद दक्षिण की ओर विस्तार हुआ**

B. अमेरिका में दासप्रथा:

- **उत्तर में दासप्रथा का विरोध, दक्षिण में अफ्रीकी दासों पर निर्भरता**

- दास व्यापार पर प्रतिबंध लगा, पर मौजूदा दास बने रहे
- अमेरिकी गृहयुद्ध (1861-1865) के बाद दासप्रथा समाप्त हुई
- 20वीं सदी में अफ्रीकी अमेरिकी नागरिक अधिकार प्राप्त कर सके

6. मूल निवासियों का विस्थापन:

- मूल निवासियों को ज़बरदस्ती संधियाँ करने या ज़मीन बेचने के लिए मजबूर किया गया
- धोखे से ज़मीन हथियाई गई
- जॉर्जिया के चेरोकी जनजाति को नागरिक अधिकार नहीं मिले
- सुप्रीम कोर्ट ने चेरोकी के पक्ष में निर्णय दिया, लेकिन राष्ट्रपति एंड्रिउ जैकसन ने अनदेखी की
- आसुओं की राह: 15,000 आदिवासी जबरन स्थानांतरित हुए, 25% की मृत्यु हुई
- आरक्षण क्षेत्रों की स्थापना, भेदभाव झेलना पड़ा
- 1865-1890 के बीच कई विद्रोह हुए, जिन्हें अमेरिकी सेना ने कुचल दिया

7. गोल्ड रश और औद्योगीकरण:

A. गोल्ड रश (1840 का दशक)-

- कैलिफोर्निया गोल्ड रश के कारण बड़ी संख्या में लोग आए
- आर्थिक गतिविधियों के लिए रेलवे बनाए गए

B. औद्योगिक विकास

- रेलवे उपकरणों का निर्माण
- नए उपकरणों के साथ बड़े पैमाने पर खेती
- नगरीकरण और कारखानों की वृद्धि
- 1890 तक अमेरिका एक औद्योगिक शक्ति बन गया

8. संवैधानिक अधिकार और सुधार:

- अमेरिकी संविधान में संपत्ति और मतदान का अधिकार केवल श्वेत पुरुषों को मिला
- लुईस मीरियम लेवाइस मेरिअम रिपोर्ट (1928), "दि प्रॉब्लम ऑफ़ इंडियन एडमिनिस्ट्रेशन" ने आरक्षणों की

खराब स्थिति उजागर की

- महामंदी (1929) का प्रभाव सभी अमेरिकियों पर पड़ा
- इंडियन पुनर्गठन अधिनियम (1934) ने भूमि खरीदने और ऋण लेने की अनुमति दी
- 1950-60 के दशक में विशेष प्रावधान समाप्त कर दिए गए
- 'डिक्लरेशन ऑफ़ इंडियन राइट्स' (1954) द्वारा सीमित नागरिकता स्वीकार की गयी
- संविधान अधिनियम (1982) ने मूल निवासियों के मूल अधिकार और समझौता आधारित अधिकारों को मान्यता दी

9. ऑस्ट्रेलिया के आदिवासी लोग:

A. आदिवासी संस्कृति

- न्यू गिनी से लगभग 40,000 वर्ष पहले आए
- टॉरस स्ट्रेट द्वीपवासी एक अलग समूह थे

B. यूरोपीय बसावट:

- प्रारंभिक बसने वाले इंग्लैंड से लाए गए अपराधी थे
- खेती के लिए आदिवासियों को विस्थापित किया गया
- चीनी प्रवासियों से सस्ता श्रम मिला
- ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने गैर-श्वेत प्रवास को प्रतिबंधित किया

C. आदिवासी अधिकार आंदोलन:

- 1968: मानवविज्ञानी डब्ल्यू.ई.एच. स्टैनर ने आदिवासी इतिहास की उपेक्षा की आलोचना की
- हेनरी रेनॉल्ड्स की पुस्तक "व्हाई वरंट वीटोल्ड " ने यूरोपीय केंद्रित इतिहास लेखन की निंदा की
- 1974: ऑस्ट्रेलिया ने बहुसांस्कृतिवाद को अपनाया
- आदिवासियों के साथ कोई संधि नहीं; भूमि को टेरा न्यूलियस (किसी की नहीं) घोषित किया गया
- मिश्रित वंश के बच्चों को आदिवासी परिवारों से अलग कर दिया गया

- **26 मई 1999 से हर वर्ष 'राष्ट्रीय क्षमायाचना दिवस' (1820-1970 के बीच लापता हुए बच्चों की स्मृति में) मनाया जाता है**

कुछ नाम जो यूरोपीय लोगों ने इन 'नई दुनिया' के देशों को दिए हैं, वे इस प्रकार हैं:

- **अमेरिका: अमेरिगो वेसपुकी के नाम पर रखा गया, जिन्होंने अमेरिका का पता लगाया।**
- **कनाडा: 'कनाटा' से आया है, जो हयूरों-इरोक्यूइस भाषा में 'गाँव' के लिए एक शब्द है, जिसे खोजकर्ता जैक्स कार्टियर ने 1535 में सुना था।**
- **ऑस्ट्रेलिया: महान दक्षिणी महासागर में भूमि के लिए 16वीं शताब्दी का नाम (ऑस्ट्रेलिया लैटिन में 'दक्षिण' के लिए है)।**
- **न्यूजीलैंड: 1642 में तासमान नामक एक डच खोजकर्ता द्वारा नामित।**

मूल निवासियों के लिए विभिन्न नाम:

- **एबोरिजिन: ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासी।**
- **अमेरिकन इंडियन/अमेरिंड/अमेरिंडियन: उत्तरी और दक्षिण अमेरिका और कैरिबियन के मूल निवासी।**
- **फर्स्ट नेशंस पीपल्स: कनाडा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संगठित मूल समूह।**
- **मूल निवासी : वे लोग जो स्वाभाविक रूप से किसी स्थान से संबंधित हैं।**
- **नेटिव अमेरिकन: अमेरिका के स्वदेशी लोगों के लिए आमतौर पर इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द।**
- **'रेड इंडियन': गेहूंए वर्ण वाले लोगों के लिए एक पुराना शब्द जिनकी भूमि को कोलंबस ने गलती से भारत मान लिया था।**

समयरेखा

यूरोपीय आगमन और बसावट की प्रमुख तिथियाँ:

- **1497: जॉन कैबोट न्यूफ़ाउंडलैंड पहुँचे।**
- **1507: अमेरिगो डे वेसपुची की यात्राएँ प्रकाशित हुई।**
- **1534: जैक कार्टियर सेंट लॉरेंस नदी के नीचे यात्रा करते हैं और मूल निवासियों से मिलते हैं।**
- **1607: ब्रिटिश वर्जीनिया कॉलोनी की स्थापना करते हैं।**
- **1608: फ्रांसीसी क्यूबेक कॉलोनी की स्थापना करते हैं।**
- **1620: ब्रिटिश प्लाइमाउथ (मैसाचुसैट्स) की स्थापना करते हैं।**

कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका के इतिहास में महत्वपूर्ण घटनाएँ

- **1781:** ब्रिटेन ने संयुक्त राज्य अमेरिका को स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दी।
- **1791:** कनाडा संवैधानिक अधिनियम।
- **1803:** लुइसियाना फ्रांस से खरीदा गया।
- **1825-58:** संयुक्त राज्य अमेरिका में मूल निवासियों को आरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित किया गया।
- **1832:** चेरोकी संप्रभुता पर न्यायमूर्ति मार्शल का निर्णय।
- **1837:** फ्रांसीसी कनाडाई विद्रोह।
- **1849:** अमेरिकी गोल्ड रश।
- **1859:** कनाडा गोल्ड रश।
- **1861-65:** अमेरिकी गृहयुद्ध।
- **1867:** कनाडा महासंघ।
- **1869-85:** कनाडा में मेटिसों द्वारा रेड रिवर विद्रोह।
- **1870:** संयुक्त राज्य अमेरिका में पारमहाद्वीपीय रेलवे।
- **1876:** कनाडा इंडियंस एक्ट।
- **1885:** पारमहाद्वीपीय रेलवे कनाडा के पूर्व और पश्चिम तटों को जोड़ता है।
- **1890:** अमेरिका में बाइसन (जंगली भैंसे) लगभग पूरी तरह से विलुप्त हो गए।
- **1892:** अमेरिकी फ्रंटियर का 'अंत'।

ऑस्ट्रेलिया में यूरोपीय आगमन और प्रभाव

- **1606:** डच यात्रियों ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया देखा।
- **1642:** तासमान उस द्वीप पर उतरा जिसका नाम बाद में तस्मानिया रखा गया।
- **1770:** जेम्स कुक बॉटनी खाड़ी पहुँचे, उस क्षेत्र का नाम न्यू साउथ वेल्स रखा।
- **1788:** ब्रिटिश ने एक दंड उपनिवेश (अपराधियों के लिए एक बस्ती) की स्थापना की। सिडनी की स्थापना हुई।

ऑस्ट्रेलिया में विकास और सामाजिक परिवर्तन

- **1850:** ऑस्ट्रेलियाई उपनिवेशों को स्वशासन प्रदान किया गया।
- **1851:** चीनी "कूली" आप्रवासन शुरू हुआ, लेकिन 1855 में कानून द्वारा रोक दिया गया।
- **1851-1961:** गोल्ड रश हुए।
- **1901:** छह राज्यों के साथ ऑस्ट्रेलिया का परिसंघ बनाया गया।
- **1911:** कैनबरा को राजधानी के रूप में स्थापित किया गया (इसका नाम एक मूल भाषा में 'मिलने की जगह' है)।
- **1948-1975:** 20 लाख यूरोपीय लोग ऑस्ट्रेलिया में बस गए।

ऑस्ट्रेलियाई मूल अधिकारों में महत्वपूर्ण तिथियाँ

- **1974:** "गोरे ऑस्ट्रेलिया" नीति समाप्त हुई, जिससे एशियाई आप्रवासियों को प्रवेश करने की अनुमति मिली।
- **1992:** ऑस्ट्रेलियाई उच्च न्यायालय (माबो मामले में) ने घोषणा की कि टेरा न्यूलियस कानूनी रूप से अमान्य था और 1770 से पहले के भूमि पर मूल दावों को मान्यता दी।

- **1995: आदिवासी और टॉरस स्ट्रेट टापूवासी बच्चों को उनके परिवारों से अलग करने के लिए एक राष्ट्रीय जांच शुरू की गई।**
- **1999 (26 मई): "एक राष्ट्रीय क्षमायाचना दिवस" आयोजित किया गया था, जो 1820 के दशक से 1970 के दशक तक "खोए हुए" बच्चों के लिए माफी के रूप में था।**

- **अवधारणा मानचित्र (Mind Map)**

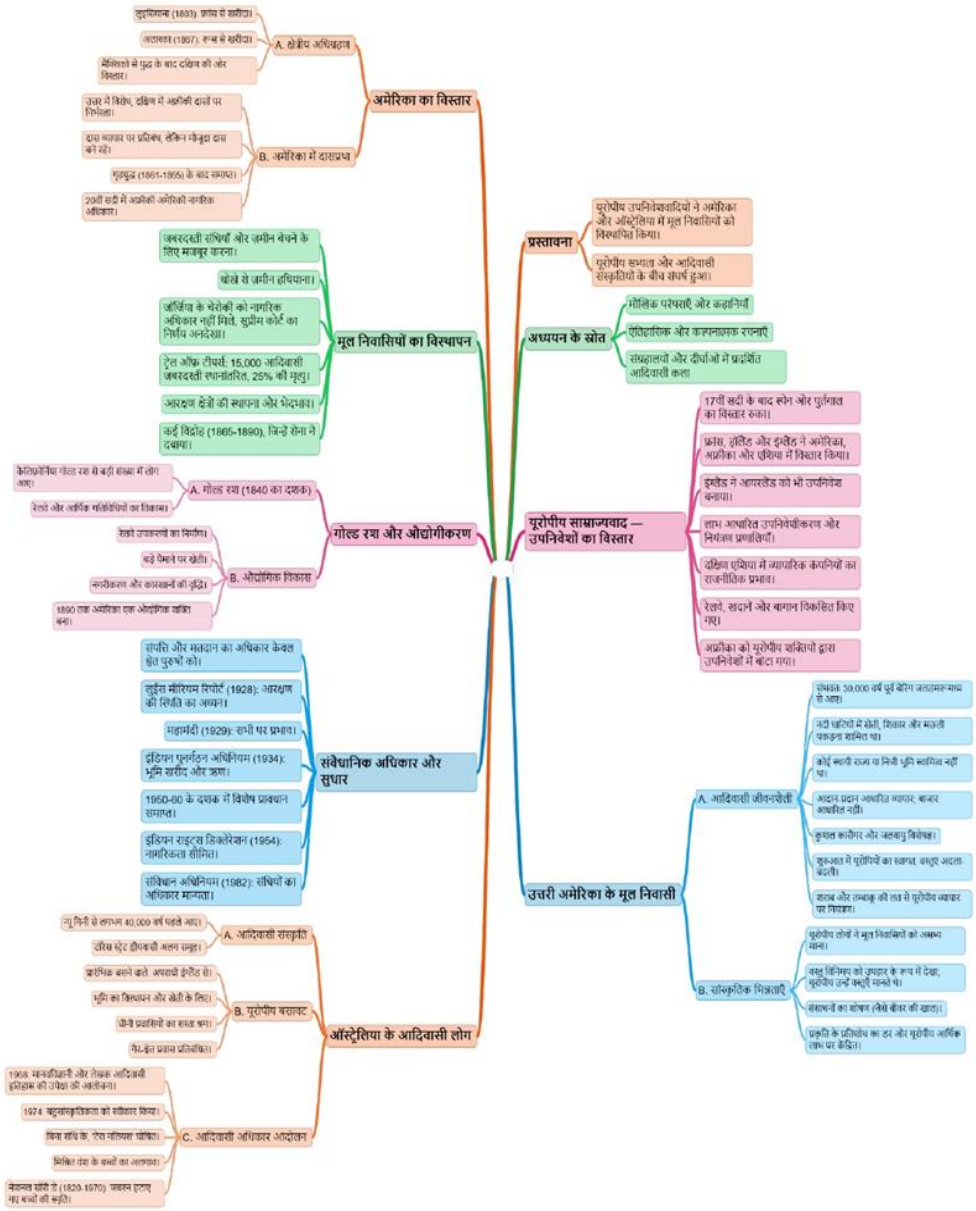

🔍 बहुविकल्पीय व वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1 उत्तरी अमेरिका के सबसे शुरुआती निवासी एशिया से कब आए थे?

A लगभग 10,000 साल पहले

B लगभग 5,000 साल पहले

C 30,000 साल से भी पहले

D 17वीं शताब्दी के दौरान

2 देशी संस्कृतियों का अध्ययन करने के लिए विश्वविद्यालय विभागों की स्थापना और देशी कला और संस्कृति को शामिल करने के लिए संग्रहालयों का विस्तार, यह दर्शाता है:

A सभी ऐतिहासिक अन्यायों का पूर्ण उलटफेर।

B स्वदेशी विरासत की बढ़ती सामाजिक पहचान और मूल्यांकन।

C स्वदेशी लोगों के खिलाफ सभी भेदभाव का अंत।

D सांस्कृतिक सम्मान के बजाय नृवंशविज्ञान संबंधी जिज्ञासा पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करना।

3 शब्द 'टेरा नूलियस' (terra nullius) कानूनी अवधारणा को संदर्भित करता है कि:

A भूमि पर केवल मूल निवासियों का स्वामित्व हो सकता है।

B भूमि बंजर और निर्जन है।

C भूमि किसी की नहीं है और उस पर किसी खोजी शक्ति द्वारा दावा किया जा सकता है।

D भूमि दावों को संधियों द्वारा औपचारिक रूप दिया जाना चाहिए।

4 नीचे अभिकथन (A) और कारण (R) के रूप में दो कथन दिए गए हैं। उन्हें ध्यान से पढ़ें और सही विकल्प चुनें-

अभिकथन (A): चेरोकी जनजाति को जॉर्जिया में उनकी भूमि से बेदखल कर दिया गया और 'ट्रेल ऑफ टीयर्स' (आँसुओं की राह) पर मजबूर किया गया, इसके बावजूद कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने उनकी अलग समुदाय की स्थिति की पुष्टि की थी जहाँ जॉर्जिया के कानूनों का कोई बल नहीं था।

कारण (R): अमेरिकी राष्ट्रपति एंड्रिउ जैकसन ने मुख्य न्यायाधीश के फैसले का सम्मान करना चुना और चेरोकी के क्षेत्रीय अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की।

A अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, और कारण (R) अभिकथन (A) का सही स्पष्टीकरण है।

B अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण (R) अभिकथन (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C अभिकथन (A) सत्य है, लेकिन कारण (R) असत्य है।

D अभिकथन (A) असत्य है, लेकिन कारण (R) सत्य है।

5 नीचे अभिकथन (A) और कारण (R) के रूप में दो कथन दिए गए हैं। उन्हें ध्यान से पढ़ें और सही विकल्प चुनें।

अभिकथन (A): 19वीं शताब्दी में कई यूरोपीय अप्रवासी अमेरिका आए, जैसे ब्रिटेन और फ्रांस में परिवार के छोटे बेटे, या जर्मनी, स्वीडन और इटली के लोग, भूमि के मालिक होने और खेत स्थापित करने के लिए उत्सुक थे।

कारण (R): ये यूरोपीय अप्रवासी मुख्य रूप से बाजार के लिए सामान बनाने के लिए और अपने पारंपरिक शिल्प कौशल के लिए बड़ी कार्यशालाएँ स्थापित करने के लिए भूमि चाहते थे।

A अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, और कारण (R) अभिकथन (A) का सही स्पष्टीकरण है।

B अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण (R) अभिकथन (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C अभिकथन (A) सत्य है, लेकिन कारण (R) असत्य है।

D अभिकथन (A) असत्य है, लेकिन कारण (R) सत्य है।

6 यूरोपीय और मूल अमेरिकियों के बीच बातचीत के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

A यूरोपीय लोगों ने स्थानीय उत्पादों के बदले मूल निवासियों को कंबल, लोहे के बर्तन, बंदूकें और शराब जैसी चीजें दीं।

B मूल निवासी शराब के आदी हो गए, जिसका उपयोग यूरोपीय लोग व्यापार की शर्तों को तय करने के लिए करते थे।

C यूरोपीय लोगों को मूल निवासियों से तंबाकू की लत लग गई।

D मूल निवासियों ने यूरोपीय 'बाजार' की अवधारणा और घटती-बढ़ती कीमतों को जल्दी समझ लिया।

7 नीचे दिए गए वैंपम बेल्ट का प्राथमिक उद्देश्य क्या था?

A वस्तुओं के व्यापार के लिए मुद्रा के रूप में

B कपड़ों के लिए सजावटी वस्तुओं के रूप में

C एक संधि पर सहमत होने के बाद मूल जनजातियों द्वारा आदान-प्रदान किया गया

D प्रमुखों द्वारा अपने पद को दर्शाने के लिए पहना जाता था

8 कॉलम A का कॉलम B से मिलान करें और सही विकल्प चुनें:

कॉलम A	कॉलम B
1. थॉमस जैफर्सन	A. कहा कि चेरोकी एक 'अलग समुदाय' थे जहाँ जॉर्जिया के कानूनों का कोई बल नहीं था
2. ज्यां जैक रूसो	B. मूल निवासियों का वर्णन 'जंगलों के बीच' रहने वाले के रूप में किया जहाँ 'कल्पना को बहुत कम स्वतंत्रता थी'
3. विलियम वर्ड्सवर्थ	C. मूल निवासियों के बारे में ऐसे शब्दों में बात की जिससे "उन्मूलन" हो सकता था
4. जॉन मार्शल	D. मूल निवासियों की प्रशंसा की क्योंकि वे 'सभ्यता' के भ्रष्टाचारों से अछूते थे, 'सभ्य बर्बर' को लोकप्रिय बनाया

विकल्प:

A 1-C, 2-D, 3-B, 4-A

B 1-D, 2-C, 3-A, 4-B

C 1-A, 2-B, 3-D, 4-C

D 1-B, 2-A, 3-C, 4-D

9 कॉलम A का कॉलम B से मिलान करें और सही विकल्प चुनें:

कॉलम A	कॉलम B
1. 1803	A. अमेरिकी गोल्ड रश
2. 1832	B. अमेरिकी सीमा का 'अंत'
3. 1849	C. फ्रांस से लुइसियाना खरीदा गया
4. 1892	D. जस्टिस मार्शल का फैसला (चेरोकी)

विकल्प:

A 1-C, 2-D, 3-A, 4-B

B 1-A, 2-C, 3-D, 4-B

C 1-D, 2-A, 3-B, 4-C

D 1-B, 2-D, 3-C, 4-A

10 निम्नलिखित जानकारी के साथ फ्रांसीसी दार्शनिक का नाम पहचानें:

वह मूल निवासियों की प्रशंसा करते थे क्योंकि वे 'सभ्यता' के भ्रष्टाचारों से अछूते थे और उन्होंने 'महान बर्बर' ('the noble savage') शब्द को लोकप्रिय बनाया।

A विलियम वर्ड्सवर्थ

B थॉमस जैफर्सन

C ज्यां जैक रूसो

D वाशिंगटन इरविंग

11 निम्नलिखित जानकारी के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति का नाम पहचानें:

उन्होंने चेरोकी जनजाति के संबंध में मुख्य न्यायाधीश जॉन मार्शल के फैसले का सम्मान करने से इनकार कर दिया और उन्हें बेदखल करने का आदेश दिया।

A थॉमस जैफर्सन

B एंड्रिउ जैकसन

C जॉर्ज वाशिंगटन

D अब्राहम लिंकन

12 निम्नलिखित जानकारी के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका के राज्य का नाम पहचानें:

चेरोकी जनजाति मूल रूप से इस क्षेत्र में निवास करती थी, जहाँ राज्य के कानूनों को मुख्य न्यायाधीश मार्शल द्वारा उन पर कोई लागू न होने की घोषणा की गई थी।

A कैलिफोर्निया

B नेब्रास्का

C जॉर्जिया

D ओहियो

13 ऑस्ट्रेलिया में निम्नलिखित घटनाओं को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें और सही विकल्प चुनें:

1 तासमान उस द्वीप पर उतरा जिसका नाम बाद में तस्मानिया पड़ा।

2 ब्रिटिश दंड उपनिवेश का गठन; सिडनी की स्थापना।

3 जेम्स कुक बॉटनी खाड़ी पहुँचे, न्यू साउथ वेल्स का नाम रखा।

4 ऑस्ट्रेलियाई उपनिवेशों को स्वशासन प्रदान किया गया।

विकल्प:

A 1, 3, 2, 4

B 3, 1, 2, 4

C 1, 2, 3, 4

D 2, 3, 1, 4

14 निम्नलिखित में से कौन सा कथन 'आसुओं की राह (Trail of Tears) का सही वर्णन करता है?

A यह चेरोकी का नई, उपजाऊ भूमि में एक स्वैच्छिक प्रवास था।

B यह चेरोकी को उनकी भूमि से जबरन बेदखल करना था, जिसके दौरान कई लोगों की मृत्यु हो गई।

C यह यूरोपीय उपनिवेशवादियों द्वारा कैलिफोर्निया में सोना खोजने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला रास्ता था।

D यह चेरोकी द्वारा अपनी पैतृक भूमि को बनाए रखने के लिए एक सफल वार्ता थी।

15 उत्तरी अमेरिका में 'गोल्ड रश' (Gold Rush) के संबंध में निम्नलिखित में से सही कथन की पहचान करें।

A गोल्ड रश केवल कनाडा में हुआ था।

B गोल्ड रश के कारण रेलवे निर्माण में गिरावट आई।

C संयुक्त राज्य अमेरिका, विशेष रूप से कैलिफोर्निया में सोने के निशान मिलने से गोल्ड रश हुआ।

D गोल्ड रश ने अमेरिका में आप्रवासन को हतोत्साहित किया।

16 ऑस्ट्रेलिया में "बहुसंस्कृतिवाद" को नीति के रूप में आधिकारिक तौर पर अपनाने के बाद निम्नलिखित में से कौन सी घटनाएँ घटित हुई?

i. माबो केस (Mabo case) ने टेरा न्यूलियस (terra nullius) को अमान्य घोषित किया।

ii. "श्वेत ऑस्ट्रेलिया" नीति समाप्त हुई।

iii. एक " राष्ट्रीय क्षमायाचना दिवस " (National Sorry Day) मनाया गया।

iv. आदिवासी और टॉरस स्ट्रेट टापूवासी बच्चों के अलगाव की राष्ट्रीय जांच।

A i, ii, iii

B i, iii, iv

C ii, iii, iv

D i, ii, iii, iv

17 नीचे दिए गए उपयुक्त विकल्प से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

होपी (Hopis) एक मूल जनजाति है जो अब _____ के पास रहती है।

A न्यूयॉर्क

B फ्लोरिडा

C कैलिफोर्निया

D अलास्का

18 यूरोपीय लोगों द्वारा मूल निवासियों से भूमि लेने को सही ठहराने का एक मुख्य कारण क्या था?

A मूल निवासी सभी उपनिवेशवादियों के प्रति खुले तौर पर शत्रुतापूर्ण और आक्रामक थे।

B यूरोपीय लोगों के पास सभी मूल जनजातियों से अपनी पूरी भूमि स्वेच्छा से बेचने की आधिकारिक संधियाँ थीं।

C यूरोपीय लोगों की नज़र में मूल निवासियों ने भूमि का अपनी अधिकतम क्षमता (उदाहरण के लिए, अतिरिक्त कृषि के लिए) का उपयोग नहीं किया।

D आंतरिक संघर्षों के कारण मूल निवासियों की आबादी तेजी से घट रही थी।

19 अमेरिकी गृहयुद्ध (1861-65) का एक महत्वपूर्ण कारण क्या था?

निम्नलिखित में से उपयुक्त विकल्प चुनें:

A मूल जनजातियों से भूमि अधिग्रहण को लेकर विवाद।

B गुलामी के मुद्दे पर उत्तरी और दक्षिणी राज्यों के बीच संघर्ष।

C दक्षिणी राज्यों की कनाडा के साथ गठबंधन बनाने की इच्छा।

D फर व्यापार में गिरावट के कारण हुई आर्थिक मंदी।

20 संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और न्यूजीलैंड के विपरीत, ऑस्ट्रेलिया के अपने मूल निवासियों के साथ कोई संधि नहीं होने की वास्तविकता के कारण मुख्य रूप से क्या घटित हुआ?

A "श्वेत ऑस्ट्रेलिया" नीति का कार्यान्वयन।

B टेरा न्यूलियस (terra nullius) की मान्यता।

C मूल भूमि अधिकारों और अन्यायों के संबंध में आंदोलन और पूछताछ।

D पिछली गलतियों के लिए तत्काल सार्वजनिक माफी।

21 19वीं शताब्दी में यूरोपीय उपनिवेशवादियों द्वारा अमेरिकी परिदृश्य के परिवर्तन से निम्नलिखित में से कौन सी गतिविधि मुख्य रूप से संबंधित नहीं थी?

A खेतों के लिए जंगलों को साफ करना

B चावल और कपास जैसी फसलों के साथ व्यापक कृषि का विकास

C भेड़िये और पहाड़ी शेर जैसे जंगली जानवरों का शिकार करके उन्हें विलुप्त करना

D निर्वाह के लिए खानाबदोश बाइसन शिकार में संलग्न होना (यह एक मूल प्रथा थी)

उत्तर

प्रश्न-क्रमांक	उत्तर व व्याख्या
1	उत्तर: C 30,000 वर्षों से अधिक पहले व्याख्या: "उत्तर अमेरिका के सबसे प्रारंभिक निवासी एशिया से 30,000 वर्षों से अधिक पहले बेरिंग जलडमरूमध्य के ज़रिये भूमि-पुल पर आए थे..."
2	उत्तर: B स्वदेशी विरासत की बढ़ती सामाजिक मान्यता और मूल्यांकन व्याख्या: प्रयासों को "महान प्रयास" कहा गया जो "एक महत्वपूर्ण समय पर हुए, क्योंकि यदि मूल संस्कृति को अनदेखा किया जाता, तो आज तक इनका अधिकांश भाग भुला दिया गया होता।"
3	उत्तर: C भूमि किसी की नहीं होती और जिसे खोजा गया हो वह उसका स्वामी बन सकता है व्याख्या: "सरकार ने ऑस्ट्रेलिया की भूमि को हमेशा 'टेरा न्युलियस ' कहा, यानी यह किसी की नहीं थी।"
4	सही विकल्प: C कथन (A) सत्य है, लेकिन कारण (R) असत्य है। व्याख्या:कथन (A) सत्य है – मुख्य न्यायाधीश जॉन मार्शल ने चेरोकी के पक्ष में निर्णय दिया। कारण (R) असत्य है – राष्ट्रपति एंड्रिउ जैकसन ने उस निर्णय का सम्मान नहीं किया और चेरोकी को सेना द्वारा जबरन हटवा दिया।

5	सही विकल्प: C कथन (A) सत्य है, लेकिन कारण (R) असत्य है। व्याख्या:कथन (A) सत्य – छोटे पुत्र और भूमि गंवाने वाले प्रवासी अमेरिका में अपनी ज़मीन चाहते थे। कारण (R) असत्य – प्राथमिक उद्देश्य उद्योग नहीं, बल्कि व्यक्तिगत खेती की भूमि थी।
6	उत्तर: D मूल निवासी यूरोपीय 'बाज़ार' और दामों के उतार-चढ़ाव को शीघ्र समझ गए व्याख्या: "मूल निवासी इसे समझ नहीं सके – उन्हें दूर यूरोप में 'बाज़ार' की कोई समझ नहीं थी।"
7	उत्तर: C संधि के बाद आदिवासी जनजातियों द्वारा अदल-बदल व्याख्या: वामपम बेल्ट का विवरण – "यह रंगीन सीपियों से बनी होती थीं, और संधि के बाद आदिवासी जनजातियों के बीच आदान-प्रदान की जाती थीं।"
8	उत्तर: A 1-C, 2-D, 3-B, 4-A व्याख्या: थॉमस जैफर्सन : मूल निवासियों को 'विनाश के योग्य' बताया। रूसो: 'सभ्यता की बुराइयों' से दूर 'सभ्य जंगली' के रूप में प्रशंसा की। वर्ड्सवर्थ: उन्हें जंगली स्थानों में 'कल्पना रहित जीवन' वाला कहा। जॉन मार्शल: चेरोकी को एक अलग समुदाय माना।
9	उत्तर: A 1-C, 2-D, 3-A, 4-B व्याख्या:1803: लुइज़ियाना की फ्रांस से खरीद। 1832: मुख्य न्यायाधीश मार्शल का निर्णय। 1849: गोल्ड रश की शुरुआत। 1892: अमेरिकी सीमांत का अंत।

10	उत्तर: C ज्यां जैक रूसो व्याख्या: "फ्रांसीसी दार्शनिक रूसो के अनुसार, ये लोग 'सभ्यता के भ्रष्ट प्रभावों' से मुक्त थे – इन्हें 'सभ्य जंगली' कहा गया।"
11	उत्तर: B एंड्रिउ जैकसन व्याख्या: "अमेरिकी राष्ट्रपति एंड्रिउ जैकसन ने मुख्य न्यायाधीश का निर्णय नहीं माना और सेना को चेरोकी को जबरन हटाने का आदेश दिया।"
12	उत्तर: C जॉर्जिया व्याख्या: जॉर्जिया राज्य ने दावा किया कि चेरोकी राज्य कानूनों के अधीन थे, लेकिन न्यायालय ने उसे खारिज कर कहा कि 'उनके क्षेत्र में जॉर्जिया के कानून लागू नहीं होते'।
13	उत्तर: A 1, 3, 2, 4 व्याख्या:1.1642: तास्मान तस्मानिया द्वीप पहुँचे 2.1770: जेम्स कुक ने न्यू साउथ वेल्स नाम दिया 3.1788: सिडनी में दंड कॉलोनी की स्थापना 4.1850: स्व-शासन की शुरुआत
14	उत्तर: B यह चेरोकी लोगों को जबरन हटाने की प्रक्रिया थी, जिसमें कई मारे गए। व्याख्या: "15,000 लोगों को जबरन हटाया गया, जिनमें से एक-चौथाई की मृत्यु 'आँसुओं की राह ' में हुई।"
15	उत्तर: C कैलिफोर्निया में सोने की खोज से 'गोल्ड रश' शुरू हुई व्याख्या: "1840 के दशक में कैलिफोर्निया में सोने की खोज हुई, जिससे 'गोल्ड रश' शुरू हुआ।"

16	उत्तर: B i, iii, iv व्याख्या: i) 1974 बहुसंस्कृतिवाद की नीति iii) 1992 माबो केस iv) 1995 राष्ट्रीय जांच
17	उत्तर: C कैलिफोर्निया व्याख्या: "होपी जनजाति कैलिफोर्निया के पास निवास करती है।"
18	उत्तर: C यूरोपीय दृष्टिकोण से मूल निवासियों ने भूमि का अधिकतम उपयोग नहीं किया व्याख्या: "यूरोपीय मानते थे कि भूमि वे ही उपयोग में ला सकते हैं जो अधिकतम उत्पादन करें।"
19	उत्तर: B दास प्रथा को लेकर उत्तरी और दक्षिणी राज्यों में संघर्ष व्याख्या: "1861-65 में उन राज्यों के बीच युद्ध हुआ जो दास प्रथा बनाए रखना चाहते थे और जो इसे समाप्त करना चाहते थे।"
20	उत्तर: C मूल भूमि अधिकारों और अन्यायों को लेकर आंदोलन और जांच व्याख्या: "ऑस्ट्रेलिया में कोई भी संधि न होने को लेकर असंतोष हुआ और इससे दो महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए गए।"
21	उत्तर: D जीविका हेतु बाइसन (पहाड़ी शेर) का घुमंतू शिकार व्याख्या: वन काटना, खेती का विकास और शिकारियों द्वारा विलुप्ति – ये यूरोपीय कार्य थे। बाइसन का घुमंतू शिकार स्वदेशी जीवनशैली का भाग था।

✍ लघु उत्तर प्रश्न

22 19वीं सदी में बड़ी संख्या में यूरोपीय लोगों के अमेरिका में प्रवास के क्या कारण थे?

उत्तर- 19वीं सदी के दौरान, कई यूरोपीय लोगों ने कई कारणों से अमेरिका में बसने का विकल्प चुना:

- भूमि स्वामित्व की इच्छा- फ्रांस और ब्रिटेन जैसे देशों में, छोटे बेटे अपने परिवार की ज़मीन के वारिस नहीं बन सकते थे। वे संपत्ति के मालिक बनना चाहते थे, इसलिए वे अमेरिका चले गए जहाँ ज़मीन उपलब्ध थी।
- कृषि फार्मों का नुकसान- जर्मनी, इटली और स्वीडन के किसानों ने बड़े ज़मींदारों के हाथों अपनी ज़मीन खो दी थी। वे संयुक्त राज्य अमेरिका यह उम्मीद करते हुए आए कि वे अपने खेत खरीद सकें और जीवन की नई यात्रा शुरू कर सकें।
- किफायती ज़मीन और परिचित भू-दृश्य- पोलैंड के लोग भी प्रवास कर गए क्योंकि अमेरिका में ज़मीन बहुत सस्ती थी। खुले घास के मैदान उन्हें अपने घर की याद दिलाते थे, जिससे वे ज़मीन खरीदने और बसने के लिए उत्सुक थे।

23 यूरोपीय लोगों को उत्तरी अमेरिकी स्वदेशी लोगों के साथ अपने वाणिज्यिक व्यवहार से क्या फायदे हुए?

उत्तर-यूरोपीय लोगों को उत्तरी अमेरिकी स्वदेशी लोगों के साथ व्यापार से कई फायदे हुए:

- नए सामानों तक पहुँच: यूरोपीय लोगों ने फर और मछली जैसे मूल्यवान संसाधन प्राप्त किए, जिनकी यूरोप में बहुत माँग थी और उन्हें लाभ के लिए बेचा जा सकता था।
- व्यापार पर नियंत्रण: बंदूकें और शराब जैसी वस्तुएँ पेश करके, जो मूल निवासियों के लिए नई थीं, यूरोपीय लोगों ने उन पर एक निर्भरता पैदा कर दी। इसने उन्हें व्यापार की शर्तों को निर्धारित करने की अनुमति दी, जो अक्सर उनके अपने फायदे के लिए होता था।
- मूल निवासियों के प्रतिरोध को कमजोर करना: शराब की लत ने विशेष रूप से मूल निवासियों की आबादी को कमजोर कर दिया, जिससे वे यूरोपीय प्रभाव और उनकी भूमि और संसाधनों पर नियंत्रण के प्रति अधिक संवेदनशील हो गए।
- आर्थिक विस्तार: वाणिज्यिक व्यापार ने यूरोपीय आर्थिक विकास और विस्तार को बढ़ावा दिया, उद्योगों के लिए कच्चा माल और उनके निर्मित वस्तुओं के लिए नए बाजार प्रदान किए।

24 1920 के दशक से संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा में मूल निवासियों और अफ्रीकी अमेरिकियों के अधिकारों और पहचान में कैसे सुधार हुआ?

उत्तर-1920 के दशक के बाद, संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा में मूल निवासियों और अफ्रीकी अमेरिकियों के अधिकारों और पहचान में महत्वपूर्ण सुधार शुरू हुए:

- मूल निवासियों के भूमि अधिकार : संयुक्त राज्य अमेरिका में, 1934 के भारतीय पुनर्गठन अधिनियम (Indian Reorganization Act of 1934) ने आरक्षण पर रहने वाले मूल निवासियों को भूमि खरीदने और ऋण प्राप्त करने की अनुमति दी। इसका उद्देश्य उनकी जीवन स्थितियों में सुधार करना था।
- मूल निवासी की सांस्कृतिक पहचान (संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा): 1960 के दशक से, मूल निवासियों को अपना इतिहास लिखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। संग्रहालयों ने भी मूल निवासी कला और जीवन शैली को दिखाना शुरू किया, जिसमें नए संग्रहालय स्वयं मूल निवासियों द्वारा क्यूरेट किए गए थे।
- आदिवासी अधिकार (कनाडा): कनाडा के 1982 के संविधान अधिनियम (Constitution Act in 1982) ने अंततः मूल निवासियों के मौजूदा आदिवासी और संधि अधिकारों को स्वीकार किया।
- अफ्रीकी अमेरिकी नागरिक स्वतंत्रताएँ : संयुक्त राज्य अमेरिका में, अफ्रीकी अमेरिकियों ने 20वीं शताब्दी में नागरिक स्वतंत्रताएँ प्राप्त कीं। वह अलगाव, जिसने स्कूलों और सार्वजनिक परिवहन में "गोरे" और "गैर-गोरे" को अलग कर दिया था, समाप्त कर दिया गया था।

25 मूल निवासियों की संस्कृति को समझने में डब्ल्यू.एच.ओ. स्टैनर के योगदान पर चर्चा करें।

उत्तर-डब्ल्यू.ई.एच. स्टैनर एक मानवविज्ञानी थे जिन्होंने स्वदेशी ऑस्ट्रेलियाई लोगों की संस्कृति को समझने में बहुत बड़ा योगदान दिया। उन्होंने "महान ऑस्ट्रेलियाई चुप्पी " (Great Australian Silence) को चुनौती दी, जो आदिवासी इतिहास और अनुभवों की उपेक्षा थी।

- स्टैनर के व्यापक क्षेत्रीय कार्य (fieldwork) ने आदिवासी धर्म, सामाजिक संरचनाओं और "द ड्रीमिंग" (The Dreaming) के माध्यम से भूमि के साथ उनके मजबूत और गहरे संबंध में गहन अंतर्दृष्टि प्रदान की। उन्होंने विशेष रूप से समय, वास्तविकता और आध्यात्मिकता पर स्वदेशी दृष्टिकोण (Indigenous perspectives) को समझने पर जोर दिया।
- उनका काम आदिवासी अधिकारों (Aboriginal rights) की वकालत करने और राष्ट्रीय नीति को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण था, जिससे मूल संस्कृतियों के प्रति अधिक सहानुभूतिपूर्ण और संवेदनशील दृष्टिकोण को बढ़ावा मिला। स्टैनर के योगदान ने न केवल अकादमिक समझ को गहरा किया बल्कि देशी संस्कृतियों के प्रति व्यापक सम्मान और मान्यता की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

26 1970 के दशक से ऑस्ट्रेलिया के इतिहास में क्या प्रगति हुई?

उत्तर -1970 के दशक से, ऑस्ट्रेलिया में मूल निवासियों की संस्कृति और अधिकारों के प्रति एक महत्वपूर्ण बदलाव आया, जिसमें कई क्षेत्रों में प्रगति देखी गई:

- मूल निवासियों की संस्कृति की बढ़ती समझ: 1970 के दशक से, मूल निवासियों को उनकी अद्वितीय संस्कृतियों और प्रकृति को समझने के उनके अपने तरीकों के साथ समझने की तीव्र इच्छा पैदा हुई।
- शैक्षणिक ध्यान: ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों ने मूल निवासियों की संस्कृति का बड़े पैमाने पर अध्ययन करना शुरू किया, जिससे इस क्षेत्र में अकादमिक अनुसंधान को बढ़ावा मिला।
- संग्रहालय और कला दीर्घाएँ: कला दीर्घाओं में मूल निवासियों की कला दीर्घाएँ (गैलरियां) जोड़ी गईं। साथ ही, संग्रहालयों का विस्तार किया गया ताकि उनमें मूल निवासियों की संस्कृति को समझाने वाले प्रदर्शन और कक्ष शामिल किए जा सकें।
- स्वदेशी इतिहास: स्वदेशी ऑस्ट्रेलियाई लोगों ने अपनी जीवन कहानियाँ लिखना शुरू किया, जो एक बहुत ही महत्वपूर्ण और सशक्त प्रयास था।
- आधिकारिक नीतिगत परिवर्तन: ऑस्ट्रेलियाई आधिकारिक नीति ने मूल निवासियों की संस्कृतियों और यूरोप व एशिया से आए अप्रवासियों की संस्कृतियों के लिए समान सम्मान दिखाना शुरू किया।
- भूमि अधिकारों के मुद्दे की पहचान: ऑस्ट्रेलियाई जनता को यह एहसास हुआ कि ऑस्ट्रेलिया का अपने मूल निवासियों के साथ कोई समझौता (संधि) नहीं था, क्योंकि इस भूमि को "टेरा न्यूलियस" (किसी से संबंधित नहीं) माना गया था।

27 यूरोपीय उपनिवेशों की स्थापना के साथ ऑस्ट्रेलिया में आर्थिक विकास की शुरुआत पर चर्चा करें।

उत्तर- यूरोपीय लोगों के आगमन और ऑस्ट्रेलिया में उनकी उपनिवेशों की स्थापना के साथ, आर्थिक विकास की प्रक्रिया शुरू हुई।

- भेड़ पालन को बढ़ावा: यूरोपीय लोगों ने भेड़ पालने के लिए बड़े फार्म शुरू किए- खासकर मेरिनो नामक एक विशेष प्रकार की भेड़। यह मूल निवासियों के जीवन जीने के तरीके से अलग था, क्योंकि वे बिक्री के लिए खेती या पशुपालन नहीं करते थे।
- अधिक खेती: उन्होंने अधिक कृषि भूमि बनाने के लिए जंगल काटे। उन्होंने चावल और कपास जैसी नई फसलें उगाईं, जिन्हें यूरोप में उगाया नहीं जा सकता था, इसलिए वे उन्हें वहाँ बड़ी कीमत पर बेच सकते थे। उन्होंने अधिक गेहूं भी उगाया और शराब बनाने के लिए अंगूर के बाग (vineyards) भी शुरू किए।

- धन के लिए खनन: उन्होंने खनन उद्योग को प्रोत्साहित और विकसित किया, जो ऑस्ट्रेलिया की संपत्ति का एक बड़ा कारण बन गया। उन्हें कई जगहों पर तेल, गैस और अन्य खनिज मिले, जिससे कई बड़े उद्योग और व्यवसाय स्थापित हुए। यह पिछले 200 वर्षों में शुरू हुआ क्योंकि तब यूरोप, अफ्रीका और चीन से लोग आए थे।
- भूमि संबंधी विभिन्न विचार: यूरोपीय और मूल निवासी भूमि को बहुत अलग तरह से देखते थे। यूरोपीय मानते थे कि भूमि का स्वामित्व हो सकता है, उसे खरीदा जा सकता है और पैसा कमाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने खेतों के लिए भूमि साफ की। हालांकि, मूल निवासी यह नहीं मानते थे कि भूमि का "स्वामित्व" हो सकता है और वे केवल अपने लिए फसलें उगाते थे, न कि बेचने के लिए।

दीर्घ उत्तर प्रश्न (संकेत सहित)

28 यूरोपियों के आगमन ने अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के स्वदेशी लोगों को कैसे प्रभावित किया, जिससे उनका विस्थापन और सांस्कृतिक अलगाव हुआ?

1700 के दशक में शुरू हुई अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जैसे स्थानों में यूरोपीय बस्तियों ने मूल आबादी को कई प्रमुख तरीकों से गहराई से प्रभावित किया:

- भूमि पर कब्ज़ा: यूरोपीय अप्रवासियों ने मूल भूमि पर कब्ज़ा कर लिया। यह अक्सर जबरन विस्थापन या संधियों के माध्यम से होता था जहाँ मूल निवासियों को बहुत कम पैसे में अपनी ज़मीन बेचने के लिए दबाव डाला जाता था या धोखा दिया जाता था।
- पारंपरिक जीवन का नुकसान: मूल निवासी ज़मीन के साथ सामंजस्य बिठाकर रहते थे, केवल वही लेते थे जिसकी उन्हें ज़रूरत थी और भूमि के स्वामित्व में विश्वास नहीं करते थे। हालांकि, यूरोपियों ने बड़े खेतों के लिए जंगलों को साफ़ कर दिया और लाभ के लिए फसलें उगाईं, जिससे पर्यावरण और मूल जीवन शैली पूरी तरह से बदल गई। इससे कुछ जानवरों, जैसे भेड़ियों, का खेतों की रक्षा के लिए विलुप्त होना पड़ा।
- सांस्कृतिक टकराव: यूरोपीय अक्सर मूल निवासियों को "असभ्य" मानते थे क्योंकि उनमें लेखन, संगठित धर्म या शहरों जैसी चीजें नहीं थीं। शुरुआती इतिहास की किताबें अक्सर मूल निवासियों को नज़रअंदाज़ करती थीं या उन्हें शत्रुतापूर्ण बताती थीं। मूल परंपराओं की एक बड़ी गलतफहमी थी; उदाहरण के लिए, यूरोपीय मूल उपहारों के आदान-प्रदान को दोस्ती के इशारों के बजाय साधारण व्यापारिक लेनदेन मानते थे।
- शराब का परिचय: यूरोपीय लोग शराब लाए, जो मूल निवासियों के लिए नई थी। कई लोग इसके आदी हो गए, जिससे उन्हें व्यापारिक सौदों में नियंत्रित करना आसान हो गया।
- जबरन विस्थापन और हिंसा: संयुक्त राज्य अमेरिका में, मूल निवासियों को लगातार पश्चिम की ओर धकेला जाता रहा। एक दुखद उदाहरण चेरोकी जनजाति है; अमेरिकी रीति-रिवाजों को अपनाने के बावजूद, उन्हें अधिकार नहीं दिए गए। राष्ट्रपति एंड्रिउ जैकसन ने सेना को उन्हें हटाने का आदेश दिया, जिससे "आंसुओं की राह " (Trail of Tears) निकला, जहाँ हजारों लोग मारे गए।
- जनसंख्या में गिरावट: आज, इन देशों में यूरोपीय और एशियाई आबादी की तुलना में मूल आबादी बहुत कम है। ऐतिहासिक आकडाँ जैसे कि 1820 अमेरिकी जनगणना जिसमें 9 लाख गोरे बनाम 0.6 लाख मूल निवासी दिखाए गए थे, इस गिरावट को दर्शाता है।
- ऐतिहासिक अलगाव: लंबे समय तक, मूल निवासी मुख्यधारा के इतिहास से काफी हद तक अनुपस्थित थे, भले ही कई जगहों पर अभी भी मूल नाम देखने को मिलता हैं। 1960 के दशक से, संग्रहालयों में मूल इतिहास, कला और जीवन शैली को रिकॉर्ड करने और प्रदर्शित करने के प्रयास किए गए हैं।

29 यूरोपीय और मूल निवासियों की अपनी पहली मुठभेड़ों में भूमि, संसाधनों और सभ्यता के बारे में मुख्य तथ्यात्मक अंतर क्या थे?

उत्तर- यूरोपीय लोगों के मूल निवासियों के बारे में विचार-

- 'असभ्य' और शत्रुतापूर्ण: 20वीं सदी के मध्य तक कई अमेरिकी और ऑस्ट्रेलियाई इतिहास की पाठ्यपुस्तकों में अक्सर मूल निवासियों को यूरोपीय लोगों के प्रति "शत्रुतापूर्ण" के रूप में चित्रित किया गया था। यूरोपीय लोग आमतौर पर "सभ्य" लोगों को उनकी साक्षरता, संगठित धर्म और शहरी जीवन से परिभाषित करते थे, और इस प्रकार मूल अमेरिकियों को "असभ्य" मानते थे।
- 'उदात्त उत्तम जंगली ': ज्यां जैक रूसो जैसे कुछ यूरोपीय विचारक मूल निवासियों की प्रशंसा करते थे। उन्होंने उन्हें "'उदात्त उत्तम जंगली " कहा क्योंकि उन्हें लगता था कि ये लोग शुद्ध और अच्छे थे, उन यूरोपीय लोगों के विपरीत जिन्हें वे समाज द्वारा "भ्रष्ट" मानते थे। लेकिन यह विचार अक्सर सिर्फ एक कल्पना थी, जो वास्तव में मूल निवासियों को जानने पर आधारित नहीं थी।
- सीमित कल्पना और भावना: अंग्रेजी कवि विलियम वर्ड्सवर्थ, जो कभी किसी मूल अमेरिकी से नहीं मिले थे, का मानना था कि प्रकृति के करीब रहने वाले लोगों के पास "भावनाओं को सुशोभित करने, उन्हें ऊपर उठाने या परिष्कृत करने की बहुत कम स्वतंत्रता थी," यह सुझाव देते हुए कहा कि उनकी कल्पना और भावना की शक्तियां सीमित थीं।
- आलसी और भूमि के अयोग्य: जिन लोगों ने मूल भूमि पर कब्जा किया, उन्होंने अक्सर यह दावा करके अपने कार्यों को उचित ठहराया कि मूल निवासी "आलसी" थे और "उस भूमि पर कब्जा करने के लायक नहीं थे जिसका वे व्यावसायिक लाभ के लिए उपयोग नहीं करते थे।" उन्होंने मूल निवासियों की अंग्रेजी सीखने या "सही ढंग से" कपड़े पहनने में विफल रहने के लिए आलोचना की।
- विनाश को उचित ठहराना: थॉमस जैफर्सन , तीसरे अमेरिकी राष्ट्रपति, जैसे कुछ चरम विचार रखते थे। उनका मानना था कि मूल अमेरिकी एक "दुर्भाग्यपूर्ण नस्ल" थे और, उन्हें यूरोपीय लोगों की तरह रहने के लिए किए गए प्रयासों के बावजूद, उन्हें लगता था कि उनके कार्यों को मिटा दिया जाना चाहिए।
- जानवरों से थोड़ा बेहतर: वाशिंगटन इरविंग, जो वास्तव में मूल लोगों से मिले थे, ने टिप्पणी की कि गोरे लोग "गरीब भारतीयों को जानवरों से थोड़ा बेहतर मानने के लिए प्रवृत्त थे।"
- मानवशास्त्रीय अध्ययन: अमेरिका में मानवविदों ने 1840 के दशक से मूल लोगों का अध्ययन करना शुरू किया, जो साधारण शत्रुता से परे अकादमिक रुचि की ओर एक बदलाव का संकेत देता है।

मूल निवासियों के यूरोपीय लोगों के बारे में विचार-

- लालची और कपटी: मूल लोक कथाओं में अक्सर यूरोपीय लोगों को लालची और बेईमान के रूप में वर्णित किया गया था। मूल निवासी यूरोपीय व्यापार प्रथाओं (कभी-कभी बहुत कुछ की पेशकश करते थे, कभी-कभी बहुत कम) से भ्रमित थे। वे फर के लिए ऊदबिलाव के अत्यधिक शिकार से भी परेशान थे, उन्हें चिंता थी कि इससे जानवरों को गुस्सा आ सकता है।
- अविश्वासी: वाशिंगटन इरविंग ने देखा कि मूल अमेरिकी आमतौर पर गोरे लोगों के साथ रहने पर शांत रहते थे क्योंकि उन्हें उन पर भरोसा नहीं था।
- भूमि के स्वामित्व की गलतफहमी: मूल निवासी केवल अपने उपयोग के लिए फसलें उगाते थे और यह नहीं मानते थे कि भूमि का "स्वामित्व" हो सकता है। इसलिए, वे यह नहीं समझ पाए कि यूरोपीय लोग केवल पैसे के लिए तथा बेचने के लिए भूमि क्यों खरीदना चाहते थे।

30 "संयुक्त राज्य अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में 20वीं सदी के मध्य से स्वदेशी लोगों के संबंध में सरकारी दृष्टिकोणों और सार्वजनिक समझ के विकास का पता लगाएँ। परिवर्तन के लिए किन महत्वपूर्ण सामाजिक और राजनीतिक आंदोलनों ने जोर दिया, और इस अवधि के दौरान मुख्य मान्यता और अधिकार प्रयासों में क्या हासिल किया गया?"

उत्तर-संयुक्त राज्य अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में स्वदेशी लोगों से संबंधित ऐतिहासिक आख्यानों और नीतियों में 20वीं सदी के मध्य से महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए-

- ऐतिहासिक प्रतिनिधित्व में बदलाव- 1900 के दशक के मध्य से पहले, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में इतिहास की किताबों में ज्यादातर यूरोपीय "खोज" के बारे में बात की जाती थी। उन्होंने अक्सर मूल निवासियों को पूरी तरह से छोड़ दिया या उन्हें "शत्रुतापूर्ण" दिखाया जाता था।
- मूल आवाज़ों का उदय- मूल निवासियों को सक्रिय रूप से अपने स्वयं के इतिहास लिखने या निर्देशित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे 1960 के दशक से मौखिक इतिहास का उदय हुआ।
- समकालीन मूल आख्यान - आजकल, आप मूल लोगों द्वारा लिखी गई ऐतिहासिक किताबें और कथाएँ देख सकते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के संग्रहालयों में अब "मूल कला" अनुभाग और आदिवासी जीवन के बारे में विशेष प्रदर्शन हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि कुछ संस्थान, जैसे कि नेशनल म्यूजियम ऑफ द अमेरिकन इंडियन, का आयोजन और प्रबंधन स्वयं अमेरिकी भारतीयों द्वारा किया जाता है।
- अधिकारों और आत्मनिर्णय के लिए धक्का- 1934 के भारतीय पुनर्गठन अधिनियम ने मूल लोगों को अधिक अधिकार दिए। संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा में, 1960 के दशक से, मूल लोगों ने सांस्कृतिक सम्मान और अपने भूमि अधिकारों को पुनः प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना शुरू कर दिया। कनाडा में 1982 में आदिवासी और संधि अधिकारों को आधिकारिक तौर पर मान्यता दी गई थी। इससे बड़े कानूनी और राजनीतिक परिवर्तन हुए।
- ऑस्ट्रेलियाई आदिवासी इतिहास- आदिवासी लोग ऑस्ट्रेलिया में 40,000 से अधिक वर्षों से रह रहे हैं। वे अपने लंबे इतिहास को 'स्वपन काल ' कहते हैं, जो उनका अनूठा आध्यात्मिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण है। यूरोपीय लोगों को इस अवधारणा को समझने में संघर्ष करना पड़ा।
- ऑस्ट्रेलिया में भूमि नीतियां और बेदखली: ऑस्ट्रेलिया में ब्रिटिश बस्ती 1788 में शुरू हुई, जिसमें मूल निवासियों की सहमति के बिना भूमि का अधिग्रहण किया गया। बाद की नीतियों के कारण अक्सर मूल निवासियों के लिए अक्सर बंजर भूमि पर आरक्षण की स्थापना हुई।
- ऑस्ट्रेलिया में "छीनी गई पीढ़ियाँ"- ऑस्ट्रेलिया में मिश्रित रक्त वाले बच्चों को उनके मूल रिश्तेदारों से जबरन पकड़ने और अलग करने का एक लंबा और दर्दनाक इतिहास है।
- ऑस्ट्रेलिया में आधिकारिक माफी- 1999 में, ऑस्ट्रेलिया ने 1920 के दशक से 1970 के दशक तक "खोए हुए" बच्चों के लिए माफी मांगने के लिए ' राष्ट्रीय क्षमायाचना दिवस ' मनाया।
- मूल उपाधि की कानूनी मान्यता (ऑस्ट्रेलिया)- ऑस्ट्रेलियाई उच्च न्यायालय ने 1992 में माबो मामले में एक ऐतिहासिक निर्णय लिया। इसने स्वीकार किया कि स्वदेशी लोगों को 1770 से पहले अपनी भूमि पर कानूनी अधिकार थे।

स्रोत आधारित प्रश्न

31 निम्नलिखित स्रोत को ध्यान से पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:

"अमरीका की पूर्वसंध्या (यानी जब यूरोपीय लोग आए और इस महाद्वीप को उन्होंने अमरीका नाम दिया) से ठीक पहले तक विविधता हर जगह पसरी हुई थी। लोग सौ से भी ज़्यादा ज़बानें बोलते थे। वे शिकार, मछली पकड़ना, संग्रहण, बागवानी और खेती में से जो-जो मुमकिन हो, वह सब आजमाते हुए अपनी जीविका कमाते थे। मिट्टी की गुणवत्ता कैसी है और उसके इस्तेमाल तथा देख-भाल के लिए

कितने प्रयास की दरकार है, इसी पर जीने के तरीके का उनका चुनाव निर्भर करता था। सांस्कृतिक और सामाजिक पूर्वग्रह के आधार पर कुछ दूसरी चीजें तय होती थीं। मछली, अनाज, बाग के पेड़-पौधे, मांस इनके अधिशेष हमारे यहाँ ताकतवर, श्रेणीबद्ध समाजों की रचना में मददगार बने, लेकिन वहाँ नहीं। कुछ संस्कृतियाँ सहस्राब्दियों तक कायम रहीं। ..."

- विलियम मैकलिश, अमरीका से पहले का दिन

1 यूरोपीय लोगों के आने से पहले विलियम मैकलिश ने अमेरिका में भाषाई विविधता के बारे में क्या कहा था?1

2 उपनिवेश-पूर्व अमेरिका में मूल निवासियों के आवासीय स्वरूपों और सामाजिक संरचनाओं को किन कारकों ने निर्धारित किया?

3 अतिरिक्त भोजन की उपलब्धता ने शुरुआती अमेरिकी समाजों और उनके लंबे समय तक टिके रहने की क्षमता को कैसे प्रभावित किया?2

उत्तर:

1 लोग सौ से अधिक भाषाओं में बोलते थे।

2 मिट्टी की गुणवत्ता, भूमि पर काम करने के लिए आवश्यक प्रयास, और सांस्कृतिक विश्वास — इन सभी ने जीवन जीने के तरीकों के विकल्पों को प्रभावित किया।

3 अधिक भोजन, जैसे मछली, अनाज या मांस की उपलब्धता के कारण कुछ शुरुआती अमेरिकी समाजों में शक्तिशाली, श्रेणीबद्ध (tiered) संरचनाएँ विकसित हुईं, जहाँ लोगों की भूमिकाएँ और अधिकार अलग-अलग थे।

इन्हीं अतिरिक्त संसाधनों ने संभवतः कुछ संस्कृतियों को सहस्राब्दियों तक टिके रहने में मदद की, क्योंकि इससे उनके जीवन जीने के तरीके स्थिर बने रहे।

32 निम्नलिखित स्रोत को ध्यान से पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:

"प्रस्तर की पट्टी पर यह खुदा था कि होपी यह मानते थे कि उनके पास वापस आने वाले पहले भाई और बहन धरती के पार से कछुओं के रूप में आएँगे। वे इनसान होंगे, पर कछुओं के रूप में आएँगे। इसलिए जब समय आया, तो होपी लोग धरती के उस पार से आनेवाले उन कछुओं का स्वागत करने के लिए एक खास गाँव में इकट्ठा हुए। वे सुबह-सुबह उठ गए और उन्होंने सूर्योदय देखा। उन्होंने मरुभूमि के पार निगाह दौड़ाई और उन्हें बख्तरबंद स्पेनी कॉन्क्विस्टाडोर दिखलाई पड़े, जो धरती के उस छोर से आते कछुओं की तरह लग रहे थे। सो, उन्होंने समझा, ये वही हैं जिनका इंतज़ार था। इसलिए वे स्पेनी इनसान के पास गए और हाथ मिलाने की उम्मीद में अपना हाथ बढ़ाया, लेकिन स्पेनी ने उनके हाथ में कोई सस्ती-सी चीज़ पकड़ा दी। और इससे पूरे उत्तरी अमरीका में यह बात फैल गई कि बहुत कठिन समय आनेवाला है, कि शायद कुछ भाइयों और बहनों ने सभी चीज़ों की पवित्रता को भुला दिया है और इसकी वजह से धरती पर सभी इनसान काफी कष्ट पानेवाले हैं।"

-ली ब्राउन की एक वार्ता से, 1986

1 होपी भविष्यवाणी के अनुसार "पहले आने वाले भाई-बहन" कैसे लौटेंगे?1

2 स्पेनिश व्यक्ति ने होपी के आगे बढ़ाए हुए हाथ में कौन-सी विशिष्ट वस्तु गिराई थी?1

3 स्पेनिश कार्यों ने होपी की उनके बारे में शुरुआती मान्यताओं का खंडन कैसे किया, जिससे नयी परिस्थिति के बारे में होपी का दृष्टिकोण बदल गया?2

उत्तर:

1 होपी भविष्यवाणी के अनुसार, "पहले आने वाले भाई-बहन" भूमि पर कछुओं के रूप में लौटने वाले थे।

2 एक छोटा-सा गहना (ट्रिंकेट)

3 होपी ने सोचा कि स्पेनिश लोग उनके लौटते हुए "भाई-बहन" हैं और उन्होंने हाथ मिलाने की पेशकश की।

जब स्पेनिश ने हाथ मिलाने के बजाय एक छोटा-सा गहना (ट्रिंकेट) गिरा दिया, तो होपी को एहसास हुआ कि कठिन समय आने वाला है क्योंकि कुछ लोग हर चीज़ के प्रति सम्मान खो चुके थे, जिसका अर्थ था कि सभी को कष्ट उठाना पड़ेगा।

33 निम्नलिखित स्रोत को ध्यान से पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:

यह दिलचस्प है कि एक दूसरे लेखक, वाशिंगटन इरविंग ने, जो वर्ड्सवर्थ से खासे छोटे थे और जो मूल निवासियों से सचमुच मिले थे, उनका वर्णन बिलकुल भिन्न रूप में किया। "जिन इंडियन्स की असली जिंदगी को देखने का मुझे मौका मिला, वे कविताओं में वर्णित अपने रूप से काफी भिन्न हैं। यह सच है कि गोरे लोगों, जिनकी नीयत पर वे भरोसा नहीं करते और जिनकी भाषा भी नहीं समझते, की संगत में रहने पर वे काफी कम बोलते हैं। पर परिस्थितियाँ वैसी ही हों, तो गोरा आदमी भी उन्हीं की तरह अल्पभाषी हो जाता है। ये इंडियन्स जब अपनों के बीच होते हैं, तो वे नकल उतारने के उस्ताद साबित होते हैं और गोरों की नकल उतार कर अपना खूब मनोरंजन करते हैं... वही गोरे, जो समझते हैं कि इंडियन्स को वे अपनी भव्यता और गरिमा के प्रति गहरे आदरभाव से ओत-प्रोत कर चुके हैं।... गोरे लोग गरीब इंडियन्स के साथ ऐसे पेश आते हैं (मैं इसका साक्षी हूँ), मानो उनमें और जानवरों में बहुत कम फर्क हो।"

1 वाशिंगटन इरविंग ने मूल अमेरिकी लोगों को कविताओं में सामान्यतः किए गए चित्रण से किस प्रकार भिन्न दर्शाया?1

2 इरविंग क्यों कहते हैं कि मूल अमेरिकी गोरे पुरुषों की संगति में चुपचाप (कम बोलने वाले) रहते हैं?1

3 वाशिंगटन इरविंग मूल अमेरिकियों के व्यवहार का वर्णन कैसे करते हैं जब वे अपने ही लोगों के बीच होते हैं, और इससे गोरे पुरुषों के बारे में उनके विचारों की क्या जानकारी मिलती है?2

उत्तर:

1 इरविंग द्वारा मूल अमेरिकियों का वर्णन कविताओं से भिन्न था क्योंकि वे वास्तव में उनसे मिले थे।

2 वे गोरे पुरुषों की सद्भावना पर अविश्वास करते हैं और उनकी भाषा नहीं समझते हैं।

3 जब मूल अमेरिकी अपने लोगों के बीच होते हैं, तो वे अक्सर गोरे लोगों की नकल करते हैं और उनका मज़ाक

उड़ाते हैं। इसका मतलब है कि वे गोरे पुरुषों को महान या गरिमापूर्ण रूप में बहुत सम्मान नहीं देते, बल्कि उन्हें

मनोरंजक पाते हैं।

मानचित्र आधारित गतिविधियाँ

34 संयुक्त राज्य अमेरिका के दिए गए राजनीतिक रेखा- मानचित्र पर, निम्नलिखित राज्यों को उपयुक्त प्रतीकों के साथ पहचानें और नामांकित करें।

1	लुइसियाना	2	अकसिंस	3	जॉर्जिया	4	ओहियो
5	मिशिगन	6	कैलिफ़ोर्निया	7	न्यूयॉर्क	8	न्यू जर्सी
9	पेंसिल्वेनिया	10	मिसिसिपी	11	वर्जीनिया	12	मैसाचुसेट्स
13	न्यू मैक्सिको						

अभ्यास हेतु बहुविकल्पीय व वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1 उत्तर अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों के इतिहास के अध्ययन के बारे में कौन सा कथन सही है?

A अमेरिकी और ऑस्ट्रेलियाई इतिहास की पाठ्यपुस्तकों में हमेशा मूल निवासियों का विस्तृत विवरण दिया गया है।

B मानवविज्ञानी केवल 1960 के दशक से अमेरिका में मूल निवासियों का अध्ययन करने लगे।

C 1960 के दशक से, मूल निवासियों को अपना इतिहास लिखने या बोलने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

D संग्रहालयों ने केवल हाल ही में, 21वीं सदी में 'मूल कला' प्रदर्शित करना शुरू किया है।

2 टेरा न्यूलियस (Terra Nullius) की अवधारणा ने यूरोपीय उपनिवेशवादियों के सपने को कैसे पूरा किया?

A जबरन धार्मिक परिवर्तन

B दास व्यापार

C स्वदेशी लोगों से भूमि की जब्ती

D व्यापारिक व्यवस्था

3 नीचे दो कथन दिए गए हैं – कथन (A) और कारण (R)। इन्हें ध्यान से पढ़िए और सही विकल्प चुनिए।

कथन (A): साम्राज्यवाद ने बसने वालों की आर्थिक स्थिति में वृद्धि की।

कारण (R): साम्राज्यवाद अमेरिकी मूल निवासियों के जीवन के लिए अभिशाप साबित हुआ।

A कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, और कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या है।

B कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

C कथन (A) सत्य है, लेकिन कारण (R) असत्य है।

D कथन (A) असत्य है, लेकिन कारण (R) सत्य है।

4 यूरोपीय और मूल अमेरिकियों के बीच अदल-बदल की गई निम्नलिखित वस्तुओं में से कौन मूल रूप से

सबसे अलग है?

A कंबल

B बंदूकें

C शराब

D तम्बाकू

✍अभ्यास हेतु लघु उत्तर प्रश्न

5 लोगों की संस्कृति को समझाने में संग्रहालय गैलरी का प्रदर्शन कितनी संतोषजनक होती है? किसी संग्रहालय के अपने अनुभव से उदाहरण दीजिए।

6 थॉमस जैफर्सन का अमेरिकी भूदृश्य का आदर्श मूल निवासियों की पारंपरिक भूमि और कृषि संबंधी मान्यताओं से किन तरीकों से टकराया?

7 संयुक्त राज्य अमेरिका में दासता की प्रणाली का वर्णन करें और इसे समाप्त करने की प्रक्रिया समझाएँ।

8 "माबो केस" का ऑस्ट्रेलिया के लिए मुख्य निहितार्थ और परिणाम क्या थे?

📜 अभ्यास हेतु दीर्घ उत्तर प्रश्न

9 भूमि के स्वामित्व के बारे में विभिन्न विचारों के कारण मूल अमेरिकियों ने अपनी भूमि कैसे खो दी?

10 उत्तरी अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों की जीवन शैली की विशेषताओं पर चर्चा करें।

📚 अभ्यास हेतु स्रोत आधारित प्रश्न

11 निम्नलिखित स्रोत को ध्यान से पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:

1854 में, संयुक्त राज्य अमरीका के राष्ट्रपति को मूल निवासियों के एक नेता, सिएटल के प्रधान का खत मिला। राष्ट्रपति ने प्रधान से एक समझौते पर दस्तखत करने के लिए कहा था। समझौते के अनुसार सिएटल के लोगों की रिहाइशी जमीन का एक बड़ा हिस्सा अमरीकी सरकार को सौंपा जाना था।

प्रधान ने जवाब दिया :

"आप आकाश को, भूमि की ऊष्मा को कैसे खरीद या बेच सकते हैं? यह खयाल ही हम लोगों के लिए बहुत अजूबा है। अगर आप हवा की ताज़गी और पानी की चमक के स्वामी नहीं हैं, तो आप उसे खरीद कैसे सकते हैं? धरती का हर हिस्सा मेरी जनता के लिए पुण्य-पावन है। चीड़ की चमकती हुई हर सुई, हर बालुका-तट, घने जंगलों में पसरा हर कुहरा, सफ़ाई करनेवाला और गुनगुनाने वाला हर कीड़ा मेरे लोगों की स्मृति और अनुभवों में पवित्र है। पेड़ों में दौड़ता हुआ रस 'रेड मैन' की स्मृतियों का वाहक है।....

इसलिए वाशिंगटन में बैठा महान मुखिया (ग्रेट चीफ़) जब यह संदेश भेजता है कि वह हमारी ज़मीन खरीदना चाहता है, तो वह हमसे कुछ ज़्यादा ही उम्मीद करता है। महान मुखिया का संदेश है कि वह हमारे लिए कोई जगह मुकर्रर कर देंगे, ताकि हम आराम से रह सकेंगे।

वह हमारे पिता होंगे और हम उनके बच्चे होंगे। इसलिए हम इस ज़मीन को खरीदे जाने के प्रस्ताव पर विचार करेंगे। लेकिन यह आसान न होगा। क्योंकि यह ज़मीन हमारे लिए पावन है। धाराओं और नदियों में बहता हुआ चमकीला पानी सिर्फ़ पानी नहीं है, वह हमारे पुरखों का लहू है। अगर हम आपको ज़मीन बेच दें, तो आपको यह याद रखना होगा कि वह पवित्र है और अपने बच्चों को सिखाना होगा कि वह पवित्र है और उसके तालाबों के निथरे हुए पानी में दिखता हर भूतहा प्रतिबिंब मेरी जनता के जीवन की घटनाओं और स्मृतियों का बयान करता है। पानी की कलकल मेरे पिता के पिता की आवाज़ है..."

1 सिएटल ने किन प्राकृतिक तत्वों को अपने लोगों के लिए खरीद से परे मूल्य वाला बताया?1

2 सिएटल के अनुसार पेड़ों का रस उनके लोगों के लिए क्या दर्शाता है?1

3 सिएटल अपने जवाब में भूमि और जल का वर्णन कैसे करते हैं, और यदि भूमि बेची जाती है तो वे क्या नियम निर्धारित करते हैं?2

12 निम्नलिखित स्रोत को ध्यान से पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:

सिडनी के इलाके का एक वर्णन, 1790

"ब्रिटिशों की उपस्थिति ने आदिवासियों के उत्पादन को नाटकीय ढंग से अस्त-व्यस्त कर दिया। हज़ारों भूखे मुखों के आने से, जिनके पीछे-पीछे सैकड़ों और आए, स्थानीय खाद्य संसाधनों पर अभूतपूर्व दबाव पड़ा।

तो दारूक लोगों ने इन सबके बारे में क्या सोचा होगा? उनके लिए पवित्र स्थानों का इतने बड़े पैमाने पर विनाश और अपनी ज़मीन के प्रति विचित्र, हिंसक बरताव समझ से परे था। ये नवागंतुक बिना वजह पेड़ों को काटते जाते। यह बिना वजह इसलिए जान पड़ता था कि उन्हें न डोंगी बनानी थीं, न जंगली शहद इकट्ठा करना था और न ही जानवर पकड़ने थे। पत्थरों को हटाकर उनका चट्टा लगा दिया गया, मिट्टी खोद कर उसे आकार देकर पका दिया गया, ज़मीन में गड्ढे बना दिए गए, बहुत भारी-भरकम इमारतें तैयार कर दी गईं। पहले-पहल उन्होंने इस सफ़ाई की तुलना किसी पवित्र आनुष्ठानिक भूमि के निर्माण से की होगी संभवतः उन्होंने ... सोचा कि एक विशाल कर्मकांडी जलसा होने जा रहा है और यह एक खतरनाक धंधा होगा, जिससे उन्हें पूरी तरह दूर रहना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि इसके बाद दारूक उन बस्तियों से बच कर रहने लगे, और राजकीय अपहरण ही उन्हें वापस लाने का एकमात्र तरीका था।"
- (पी. ग्रिमशॉ. एम. लेक, ए. मैक्ग्राथ, एम.क्वार्टली, क्रिएटिंग ए नेशन)

1 सिडनी क्षेत्र में ब्रिटिश उपस्थिति का आदिवासी उत्पादन पर प्राथमिक प्रभाव क्या था?
2 दारुक लोगों ने ब्रिटिशों द्वारा अपनी भूमि साफ करने के बारे में शुरू में क्या सोचा होगा?
3 दारुक लोगों ने ब्रिटिश क्या कर रहे थे उसे कैसे देखा, और इसका ब्रिटिशों के साथ उनकी बातचीत पर क्या प्रभाव पड़ा?

अभ्यास हेतु मानचित्र आधारित गतिविधियाँ

13 ऑस्ट्रेलिया के दिए गए राजनीतिक रेखा- मानचित्र पर, निम्नलिखित स्थानों को उपयुक्त प्रतीकों के साथ पहचानें और नामांकित करें।

1	पर्थ	2	सिडनी	3	कैनबरा
4	मेलबर्न	5	एडिलेड	6	डार्विन

अध्याय - 7 आधुनिकीकरण के रास्ते

विशिष्ट दक्षताओं के साथ सीखने के उद्देश्य

❖ साम्यवाद के युग को समझने के लिए डॉ. सन यात सेन से लेकर माओत्से तुंग तक चीन में राष्ट्रवादी उभार को समझना

❖ कठोर साम्यवाद से उदार समाजवाद में परिवर्तन को समझने के लिए देंग शियोपिंग और झोउ एनलाई के तहत आधुनिकीकरण के लिए चीनी मार्ग का विश्लेषण करना।

❖ साम्राज्यवाद के चरण से आधुनिकीकरण तक चीन और जापान के इतिहास का पता लगाना।

❖ द्वितीय विश्व युद्ध से पहले और बाद में जापानी राष्ट्रवाद के क्षेत्रों का विश्लेषण करना।

अध्याय का सार

स्रोत

- आधिकारिक अभिलेख
- राजवंशीय इतिहास
- विद्वानों की रचनाएँ
- लोकप्रिय साहित्य
- धार्मिक साहित्य

प्रस्तावना:

- विभिन्न समाजों ने अपनी विशिष्ट आधुनिकताएँ विकसित की हैं।
- जापान औपनिवेशिक नियंत्रण से मुक्त रहने में सफल रहा और बीसवीं शताब्दी में काफी तेजी से आर्थिक और औद्योगिक प्रगति हासिल की।
- चीनियों ने किसान विद्रोह, सुधार और क्रांति के संयोजन के माध्यम से औपनिवेशिक शोषण और अपने स्वयं के नौकरशाही भू-अभिजात वर्ग का विरोध किया।
- ये दोनों देश सुदूर पूर्वी एशिया में स्थित हैं, फिर भी, वे एक उल्लेखनीय भौतिक अंतर प्रस्तुत करते हैं।

चीन और जापान के बीच तुलना

चीन

- महाद्वीपीय देश
- तीन प्रमुख नदी प्रणालियाँ
    - पीली नदी प्रणालियाँ
    - यांग्त्से नदी प्रणालियाँ
    - पर्ल नदी प्रणालियाँ
- पहाड़ी क्षेत्र
- विविध जातीय समूह -

  हान, उइगर, हुई, मांचू, तिबितियन
- प्रमुख भाषाएँ
    - चीनी, कैंटोनीज़, आदि
- खान-पान की आदत -
    - गेहूँ, चावल डिम सम, आदि

जापान

- द्वीपों का समूह, प्रमुख द्वीप -
    - होन्शू,
    - क्यूशू,
    - शिकोकू,
    - होक्काइडो
- कोई प्रमुख नदी प्रणाली नहीं
- पहाड़ी सक्रिय भूकंप क्षेत्र में 50% क्षेत्र
- समरूप जातीय समूह
- प्रमुख भाषा-जापानी भाषा
- खान-पान की आदत - चावल, गेहूँ, मछली (कच्ची मछली) या (साशिमी या सूशी),आदि

जापान

राजनीतिक व्यवस्था

- जापान में सत्ता का केंद्र क्योटो था लेकिन बारहवीं सदी में शाही दरबार ने शोगुन के हाथों सत्ता खो दी, जो सैद्धांतिक रूप से सम्राट के नाम पर शासन करते थे।
- शोगुन ने अपनी राजधानी एदो (आधुनिक टोक्यो) में समुराई (योद्धा वर्ग) और डेम्यो की मदद से शासन किया।
- डेम्यो के अधीन देश को 250 क्षेत्रों में विभाजित किया। डेम्यो किसी भी विद्रोह को रोकने के लिए एदो में ही रहे।
- समुराई ने शोगुन और डेम्यो की सेवा की 16वीं शताब्दी में तीन परिवर्तन हुए-
- लगातार युद्ध को समाप्त करने के लिए किसानों को निरस्त्र किया
- डेम्यो को स्वायत्तता उत्पादकता और
- राजस्व के लिए भूमि माप
- सत्रहवीं शताब्दी के मध्य तक,जापान में दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला शहर - एदो - था, लेकिन इसके अलावा दो अन्य बड़े शहर - ओसाका और क्योटो भी थे।
- धन के बढ़ते उपयोग और शेयर बाजार के निर्माण ने वाणिज्यिक अर्थव्यवस्था और जीवंत संस्कृति के विकास को जन्म दिया।
- सामाजिक और बौद्धिक परिवर्तन - चीनी प्रभाव पर सवाल उठाया गया और प्राचीन जापानी साहित्य के अध्ययन को बढ़ावा दिया गया।

मेजी बहाली:

- 1853 में, कमोडोर मैथ्यू पेरी को जापान के साथ व्यापार और राजनयिक संबंधों की मांग करने के लिए यूएसए द्वारा भेजा गया था।
- पेरी के आगमन ने सम्राट के राजनीतिक महत्व को बढ़ा दिया और 1868 में शोगुन को हटा दिया गया।

मेजी सुधार और अर्थव्यवस्था का आधुनिकीकरण

- सम्राट प्रणाली की स्थापना की गई, जिसमें सम्राट के प्रति श्रद्धा को पश्चिमीकरण के साथ जोड़ा गया।
- मेजी सरकार ने जापान की अर्थव्यवस्था, समाज और सेना को आधुनिक बनाने के लिए सुधारों की एक श्रृंखला लागू की।
- इनमें सामंती व्यवस्था का उन्मूलन,
- सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली की स्थापना और
- आधुनिक सेना और नौसेना का निर्माण शामिल था।
- पश्चिमी मॉडलों पर आधारित एक नई कानूनी प्रणाली लागू की।
- रेलवे का विकास
- आयातित मशीनरी और विदेशी तकनीशियनों की शुरूआत।
- आधुनिक बैंकिंग संस्थान स्थापित किए गए, और सब्सिडी और कर लाभों ने जहाज निर्माण में मित्सुबिशी और सुमितोमो जैसी कंपनियों का समर्थन किया।
- ज़ायबात्सु, व्यक्तिगत परिवारों द्वारा नियंत्रित बड़े व्यावसायिक संगठन, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद तक अर्थव्यवस्था पर हावी रहे।
- जनसंख्या वृद्धि उल्लेखनीय थी, जो 1920 में 55 मिलियन तक पहुँच गई।
- उद्योग के विकास के साथ शहरीकरण में वृद्धि हुई, 1925 तक 21% आबादी शहरों में रहने लगी।

औद्योगिक श्रमिक

- औद्योगीकरण के उदय ने औद्योगिक श्रमिकों के एक नए वर्ग का उदय किया।
- औद्योगिक श्रमिक वर्ग की वृद्धि ने श्रमिक संघों और सामाजिक आंदोलनों के विकास में योगदान दिया, क्योंकि श्रमिकों ने बेहतर वेतन, काम करने की स्थिति और अधिकारों की मांग की।

आक्रामक राष्ट्रवाद

- जापान के आधुनिकीकरण के साथ एक आक्रामक विदेश नीति और विस्तारवादी महत्वाकांक्षाएँ भी जुड़ी थीं।
- इस आक्रामक विदेश नीति ने अंततः पड़ोसी शक्तियों के साथ संघर्ष को जन्म दिया और द्वितीय विश्व युद्ध में जापान की भागीदारी में परिणत हुआ।

पश्चिमीकरण' और 'परंपरा'

- पश्चिमीकरण की सीमा और पारंपरिक मूल्यों के संरक्षण पर जापान में बहस जारी रही।
- इससे आधुनिकता और परंपरा के बीच उचित संतुलन के बारे में एक जटिल और अक्सर परस्पर विरोधी बहस हुई।

दैनिक जीवन

- आधुनिकीकरण ने जापान के दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव लाए।
- पश्चिमी तकनीक जैसे रेलवे, टेलीग्राफ और कारखानों के आने से लोगों के रहने और काम करने का तरीका बदल गया।

आधुनिकता पर काबू पाना

- जबकि कई लोगों ने आधुनिकीकरण के लाभों जैसे आर्थिक विकास और तकनीकी उन्नति को अपनाया, वहीं अन्य लोग पारंपरिक मूल्यों और सांस्कृतिक पहचान के संभावित नुकसान के बारे में चिंतित थे।
- कुछ जापानी बुद्धिजीवियों और सांस्कृतिक हस्तियों ने पश्चिमीकरण के लिए अधिक चयनात्मक दृष्टिकोण की वकालत की, जिसमें जापानी परंपराओं को संरक्षित करने के महत्व पर जोर दिया गया जबकि पश्चिमी संस्कृति के उन पहलुओं को अपनाया गया जिन्हें लाभकारी माना गया।

हार के बाद: एक वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में फिर से उभरना

- द्वितीय विश्व युद्ध में अपनी हार के बावजूद, जापान ने एक उल्लेखनीय आर्थिक अनुभव किया।
- जापान के आधुनिकीकरण के साथ-साथ आक्रामक विदेश नीति और विस्तारवादी महत्वाकांक्षाएँ भी जुड़ी थीं।
- इस आक्रामक विदेश नीति के कारण अंततः पड़ोसी शक्तियों के साथ संघर्ष हुआ और जापान द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल हो गया।

चीन

प्रस्तावना

- चीन के आधुनिकीकरण का मार्ग आंतरिक संघर्षों और बाहरी दबावों से चिह्नित था।

अफीम व्यापार

- ईस्ट इंडिया कंपनी ब्रिटेन, भारत और चीन के बीच त्रिकोणीय व्यापार में लगी हुई थी।
- वे चीन में अफीम बेचते थे, और उससे अर्जित चाँदी का उपयोग ब्रिटेन में बिक्री के लिए चीनी सामान खरीदने में करते थे।
- इससे व्यापार संतुलन की गंभीर समस्या पैदा हो गई क्योंकि पश्चिमी सामान चीन में लोकप्रिय नहीं थे।
- 1839-42 के दौरान, अंग्रेजों ने चीन में पहला अफीम युद्ध जीता और क्विंग राजवंश से सत्ता छीन ली। दूसरा अफीम युद्ध 1856-60 में लड़ा गया था।

आधुनिकता की खोज

- चीनी बुद्धिजीवियों और सुधारकों ने अपनी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए चीन का आधुनिकीकरण करने की कोशिश की।
- इससे परंपरा और आधुनिकता के बीच उचित संतुलन के बारे में एक जटिल और अक्सर परस्पर विरोधी बहस हुई।

गणतंत्र की स्थापना

- 1911 में चीन गणराज्य की स्थापना ने चीनी इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ को चिह्नित किया।
- गणतंत्र की स्थापना लोकतंत्र और राष्ट्रवाद के पश्चिमी विचारों से प्रेरित होकर कई वर्षों तक चले साम्राज्यवाद-विरोधी और क्रांतिकारी आंदोलनों का परिणाम थी।
- रिपब्लिकन क्रांतिकारियों सन यात सेन ने जापान और पश्चिम के विचारों से प्रेरणा ली। वे आधुनिक चीन के संस्थापक थे और उन्होंने 1911 ई. में एक गणतंत्र की स्थापना की।
- यात-सेन के कार्यक्रम को तीन सिद्धांत कहा जाता था - ये थे राष्ट्रवाद - इसका मतलब था मांचू को उखाड़ फेंकना, जिन्हें विदेशी राजवंश के रूप में देखा जाता था, साथ ही अन्य विदेशी साम्राज्यवादियों को भी; लोकतंत्र या लोकतांत्रिक सरकार की स्थापना; और समाजवाद जो पूंजी को विनियमित करता है और भूमि जोतों को समान बनाता है।
- क्रांतिकारियों ने सुधारों की वकालत की - सरल भाषा का उपयोग, पैर बांधना और महिला अधीनता को समाप्त करना, विवाह में समानता और आर्थिक विकास।
- सन यात-सेन के विचार गुओमिनडांग के राजनीतिक दर्शन का आधार बन गए, जिसने 'चार बड़ी ज़रूरतों - कपड़े, भोजन, आवास और परिवहन' को रेखांकित किया।
- सन यात-सेन की मृत्यु के बाद, चियांग काइशेक (1887-1975) गुओमिनडांग के नेता के रूप में उभरे। उन्होंने वॉरलॉर्ड्स को अपने नियंत्रण में किया और कम्युनिस्टों को खत्म करने के लिए सैन्य अभियान चलाया ।
- उन्होंने महिलाओं को चार गुणों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया: सतीत्व, रूप रंग, वाणी और काम' और उनकीभूमिका को घर तक ही सीमित रखने पर जोर दिया।
- गुओमिनडांग देश को एकजुट करने के अपने प्रयासों के बावजूद अपनी उथली सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि के कारण विफल रहा ।
- पूंजी को विनियमित करने और भूमि को समान बनाने का सन यात-सेन का कार्यक्रम - कभी लागू नहीं किये गये।
- पार्टी ने किसानों और बढ़ती सामाजिक असमानताओं को नजरअंदाज किया। इसने लोगों के सामने आने वाली समस्याओं को दूर करने के बजाय सैन्य आदेश लागू करने की कोशिश की।
- बाद में, गुओमिनडांग (नेशनल पीपुल्स पार्टी) ने सीसीपी के साथ मिलकर चीनियों को एकजुट करने का प्रयास किया।
- गुओमिनडांग के नेता चियांग काई शेक ने चीन का सैन्यीकरण किया।
- सीसीपी नेता माओ ज़ेडोंग ने सोवियत या किसान परिषदों का आयोजन किया और जापानी उपनिवेशवाद का मुकाबला किया।

- जब गुओमिनडांग (नेशनल पीपुल्स पार्टी) ने हमले तेज कर दिए, तो सोवियत ने 'लॉन्ग मार्च' के बाद अपना बेस यानान में स्थानांतरित कर दिया। कम्युनिस्ट पार्टी ने सत्ता पर कब्ज़ा कर 1949 में पीपुल्स रिपब्लिक की स्थापना की।

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का उदय:

- चीनी कम्युनिस्ट पार्टी चीनी राजनीति में एक शक्तिशाली ताकत के रूप में उभरी।
- 1921 में स्थापित, CCP ने अपने जमीनी संगठन, क्रांतिकारी विचारधारा और किसानों को संगठित करने की क्षमता के माध्यम से ताकत हासिल की।
- चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (CCP) सदियों पुरानी असमानताओं को खत्म करना और विदेशियों को दूर भगाना चाहती थी।
- CCP नेता माओ ज़ेडोंग ने सोवियत या किसान परिषदों का गठन किया और जापानी उपनिवेशवाद का मुकाबला किया।
- माओ ने लॉन्ग मार्च की शुरुआत की। उन्होंने 368 दिनों में 600 मील की दूरी तय की और शेंसी और कांसू पहुँचे, कम्युनिस्ट वहाँ पहुँचे।
- चीनी गृहयुद्ध के दौरान CCP का प्रभाव बढ़ा और इसने अंततः 1949 में नेशनलिस्ट पार्टी को हराकर पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ़ चाइना की स्थापना की।

नए जनवाद की स्थापना: 1949-65

- चीनी गृहयुद्ध में कम्युनिस्ट पार्टी की जीत के कारण पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना हुई।
- यह नए लोकतन्त्र के सिद्धान्तों पर आधारित थी ।
- अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्र सरकार के नियंत्रण में रखे गए।
- निजी कारखानों और भूस्वामित्व को धीरे धीरे खत्म किया गया।
- PRC की स्थापना का चीन के घरेलू और विदेशी मामलों के साथ-साथ वैश्विक शक्ति संतुलन पर भी गहरा प्रभाव पड़ा।

परस्पर विरोधी दृष्टिकोण: 1965-78

- माओत्से तुंग की नीतियों, जैसे कि ग्रेट लीप फॉरवर्ड और सांस्कृतिक क्रांति के मिश्रित परिणाम हुए।
- 1958 में शुरू की गई ग्रेट लीप फॉरवर्ड के परिणामस्वरूप व्यापक अकाल और आर्थिक कठिनाई हुई।
- 1966 में शुरू हुई सांस्कृतिक क्रांति के कारण राजनीतिक उथल-पुथल, हिंसा और सांस्कृतिक विरासत का विनाश हुआ।
- अपने नकारात्मक परिणामों के बावजूद, इन नीतियों के कुछ सकारात्मक प्रभाव भी थे, जैसे कि जनसंख्या को संगठित करना और राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देना।

1978 से सुधार

- डेंग शियाओपिंग ने समाजवादी बाजार अर्थव्यवस्था की शुरुआत करते हुए पार्टी नियंत्रण को मजबूत रखा।
- 1978 में पार्टी ने अपना लक्ष्य चार आधुनिकीकरण घोषित किया - विज्ञान, उद्योग, कृषि और रक्षा।
- लोकतंत्र को 'पांचवां आधुनिकीकरण' घोषित किया गया। लोकतंत्र के बिना अन्य आधुनिकीकरण निरर्थक हो जाएंगे।
- 1989 में, मई फ़ोर्थ आंदोलन की सत्तरवीं वर्षगांठ पर कई बुद्धिजीवियों ने अधिक खुलेपन का आह्वान किया।
- डेंग शियाओपिंग के आर्थिक सुधारों ने चीन के लिए आधुनिकीकरण के एक नए युग की शुरुआत की। इन सुधारों ने तेज़ आर्थिक विकास को जन्म दिया और चीन को वैश्विक आर्थिक महाशक्ति में बदल दिया।

समय-रेखा

	जापान		चीन
1603	तोकुगावा लियासु (Tokugawa Ieyasu) द्वारा ईदो शोगुनेट की स्थापना	1644-1911	क्विंग राजवंश
1630	डचों के साथ अपने सीमित व्यापार को छोड़ कर अन्य पश्चिमी शक्तियों के लिए जापान के दरवाज़े बंद	1839-60	दो अफ़ीम युद्ध
1854	जापान और संयुक्त राज्य अमरीका द्वारा शांति-समझौते को अंतिम रूप देना, जापान के अलगाव का अंत		
1868	मेज़ी पुनर्स्थापना		
1872	अनिवार्य शिक्षा व्यवस्था तोक्यो और योकोहामा के बीच पहली रेलवे लाइन		
1889	मेज़ी संविधान अमल में आया		
1894-95	चीन और जापान के बीच युद्ध		
1904-05	जापान और रूस के बीच युद्ध		
1910	कोरिया का समामेलन, 1945 तक उपनिवेश	1912	सन यात-सेन द्वारा कुओमींतांग की स्थापना
1914-18	पहला विश्वयुद्ध	1919	चार मई का आंदोलन
1925	सभी पुरुषों को मताधिकार	1921	चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना
1931	चीन पर जापान का हमला	1926-49	चीन में गृहयुद्ध
1941-45	प्रशांत युद्ध	1934	लॉन्ग मार्च
1945	हिरोशिमा और नागासाकी पर अणुबम विस्फोट	1945	
1946-52	अमरीका के नेतृत्व में जापान पर कब्ज़ा, जापान का लोकतंत्रीकरण और असैन्यीकरण करने के लिए सुधार	1949	चीन का जनवादी गणतंत्र, च्यांग काई-शेक ने ताइवान में चीनी गणतंत्र की स्थापना की
1956	जापान संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बना	1962	सीमा-विवाद को लेकर भारत पर चीन का आक्रमण
1964	एशिया में पहली बार तोक्यो में ओलंपिक खेल	1966	सांस्कृतिक क्रांति
		1976	माओ त्सेतुंग (Mao Zedong) का और चाऊ एनलाई (Zhou Enlai) का निधन
		1997	ब्रिटेन द्वारा चीन को हांगकांग की वापसी

© NCERT not to be republished

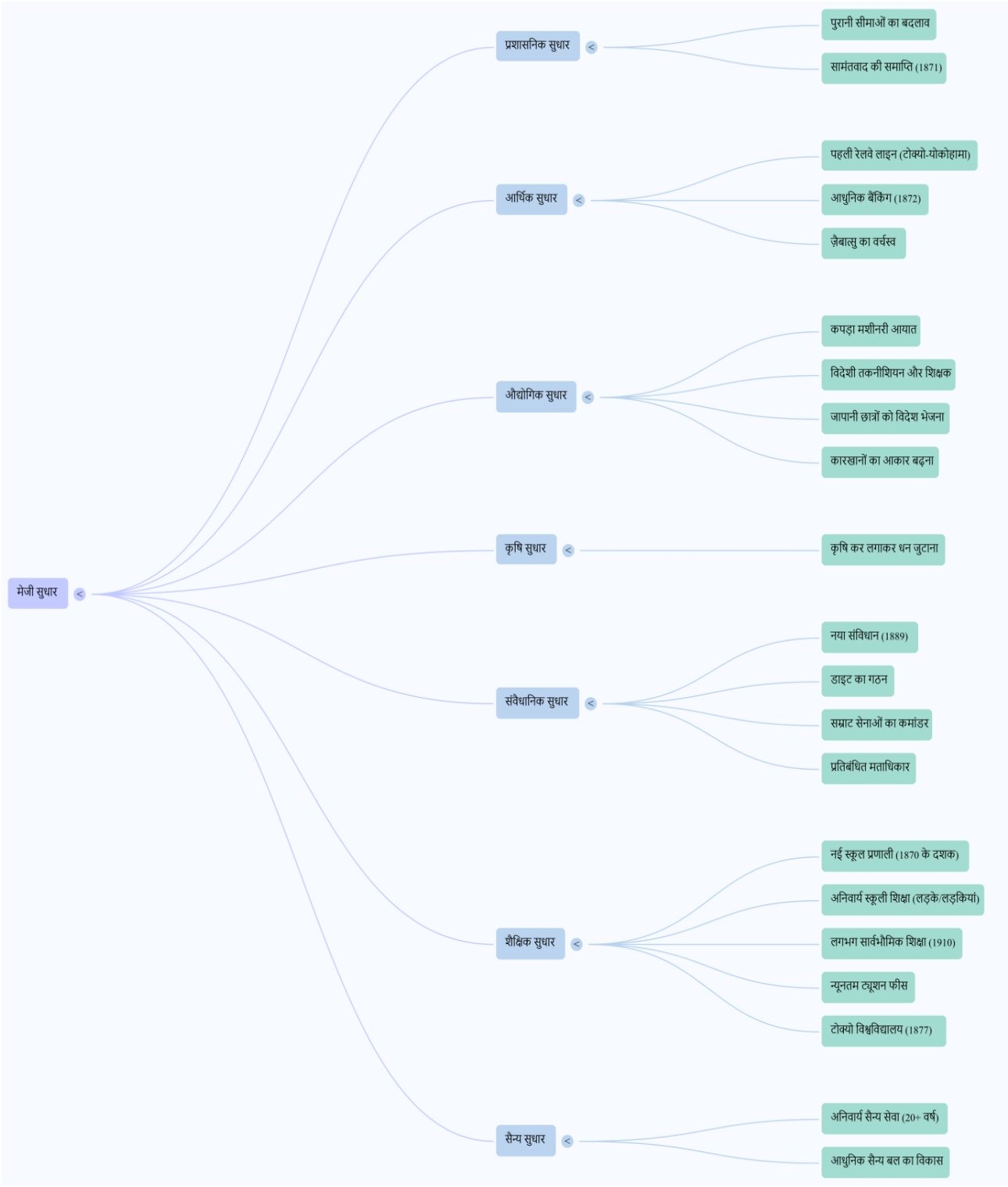
मेजी सुधार
प्रशासनिक सुधार
पुरानी सीमाओं का बदलाव
सामंतवाद की समाप्ति (1871)
आर्थिक सुधार
पहली रेलवे लाइन (टोक्यो-योकोहामा)
आधुनिक बैंकिंग (1872)
ज़ैबात्सु का वर्चस्व
औद्योगिक सुधार
कपड़ा मशीनरी आयात
विदेशी तकनीशियन और शिक्षक
जापानी छात्रों को विदेश भेजना
कारखानों का आकार बढ़ना
कृषि सुधार
कृषि कर लगाकर धन जुटाना
संवैधानिक सुधार
नया संविधान (1889)
डाइट का गठन
सम्राट सेनाओं का कमांडर
प्रतिबंधित मताधिकार
शैक्षिक सुधार
नई स्कूल प्रणाली (1870 के दशक)
अनिवार्य स्कूली शिक्षा (लड़के/लड़कियां)
लगभग सार्वभौमिक शिक्षा (1910)
न्यूनतम ट्यूशन फीस
टोक्यो विश्वविद्यालय (1877)
सैन्य सुधार
अनिवार्य सैन्य सेवा (20+ वर्ष)
आधुनिक सैन्य बल का विकास

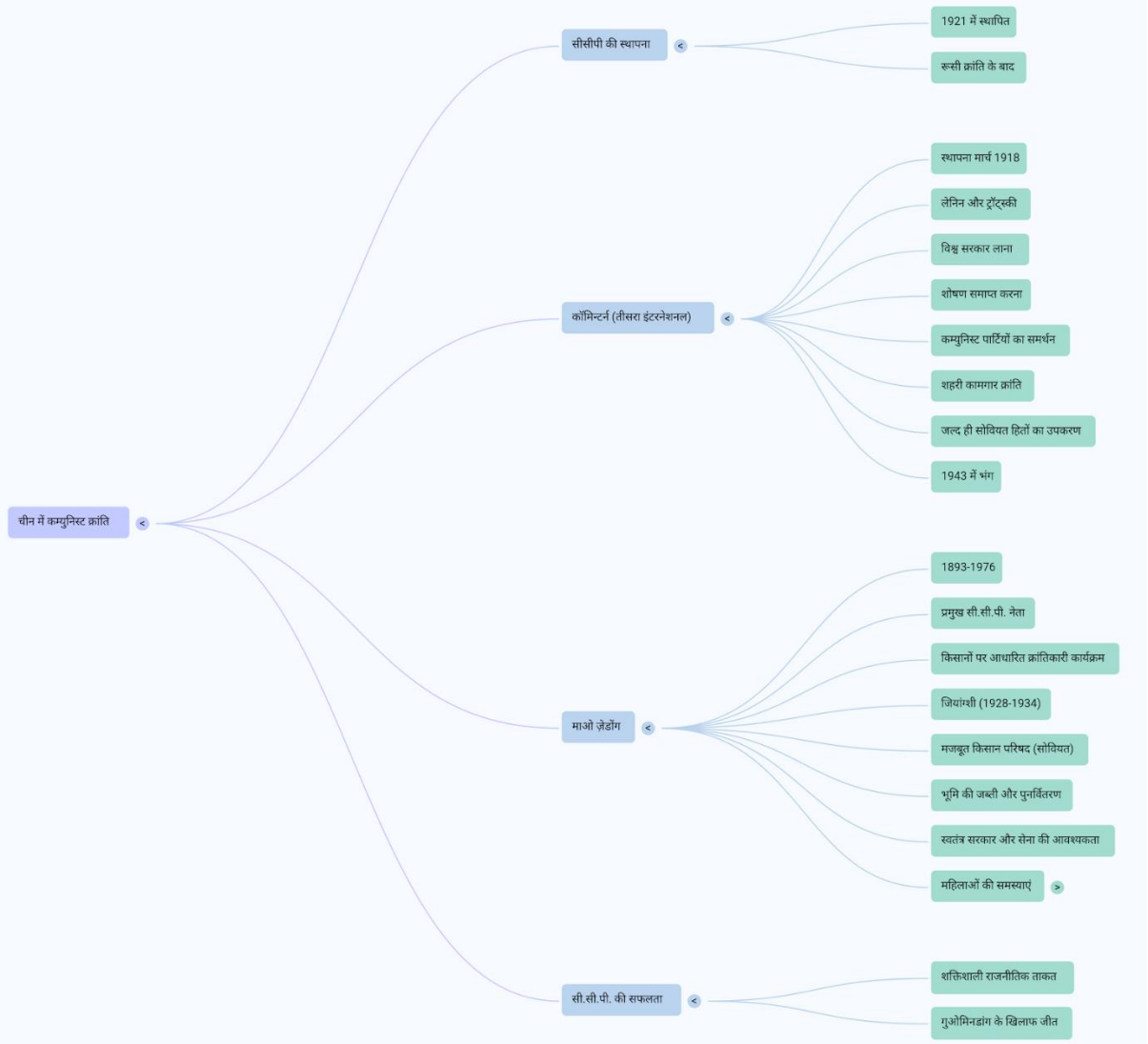

बहुविकल्पीय प्रश्न

1 सिमा छियन को प्रारंभिक काल का सबसे महान इतिहासकार माना जाता है-

A जापान

B कोरिया

C चीन

D ताइवान

2 चीन में प्रमुख जातीय समूह था-

A हान

B उइघुर

C हुई

D मांचू

3 कौन सा जापान का द्वीप नहीं है-

A होन्शू

B क्यूशू

C शिकोकू

D यांग्त्से

4 1603 से 1867 तक, जापान 250 से अधिक डोमेन में विभाजित था, जिन्हें लॉर्ड्स के नियंत्रण में रखा गया था, ये लॉर्ड्स कहलाते थे-

A शोगुन

B समुराई

C डेम्यो

D तोकुगावा

5 क्योटो में निशिजिन किसके लिए प्रसिद्ध था-

A सोना और चांदी

B चावल

C कपड़ा

D रेशम

6 किस वर्ष कमोडोर पेरी ने व्यापार और राजनयिक संबंधो के लिए जापान के साथ संधि पर हस्ताक्षर किए-

A 1854

B 1853

C 1867

D 1868

7 जापान में स्कूली शिक्षा लगभग सार्वभौमिक हो गई-

A 1910

B 1911

C 1912

D 1914

8 जापान में पहली रेलवे लाइन किसके बीच थी-

A टोक्यो से नागासाकी

B टोक्यो से हिरोशिमा

C टोक्यो से योकोहामा

D टोक्यो से ओकिनावा

9 1839 से 1842 के बीच अफीम युद्ध चीन और के बीच हुआ था-

A जापान

B फ्रांस

C इंग्लैंड

D भारत

10 सन यात सेन की नीति कौन सी नहीं थी-

A राष्ट्रवाद

B लोकतंत्र

C समाजवाद

D धर्मनिरपेक्षता

11 आधुनिक चीन के संस्थापक कौन थे-

A कन्फ्यूशियस

B सन यात सेन

C लियांग किचाओ

D माओ ज़ेडोंग

12 निम्न में से कौन सा सही है:

सन यात सेन का प्राथमिक लक्ष्य यात-सेन का क्रांतिकारी आंदोलन है-

A क्विंग राजवंश को बहाल करना

B क्विंग राजवंश को उखाड़ फेंकना और एक गणतंत्र स्थापित करना

C यूरोपीय शक्तियों के साथ संबंधों को मजबूत करना

D सामंती व्यवस्था को बनाए रखना

13 छवि को पहचानें और सही उत्तर चुनें:

A पेरी का जापान आगमन

B पेरी का चीन आगमन

C पेरी का दक्षिण कोरिया आगमन

D इनमें से कोई नहीं

निर्देश: नीचे दिए गए प्रश्न 14-19 के लिए। प्रत्येक प्रश्न में, दो कथन हैं, जिन्हें अभिकथन (A) और कारण (R) के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए कोड के अनुसार चिह्नित करें।

A A और R दोनों सही हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C A सही है, लेकिन R गलत है।

D R सही है, लेकिन A गलत है।

14 अभिकथन (A): क्विंग राजवंश के शासन की समाप्ति के बाद चीन एक गणराज्य बन गया।

कारण (R): डॉ. सन यात-सेन ने चीन में गणराज्य की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

15 अभिकथन (A): मेजी बहाली ने जापान के पश्चिमीकरण को जन्म दिया।

कारण (R): मेजी बहाली के दौरान जापान में शिक्षा क्षेत्र को पश्चिमीकरण से दूर रखा गया था।

16 अभिकथन (A): कोरिया हमेशा से एक स्वतंत्र राष्ट्र रहा है।

कारण (R): द्वितीय विश्व युद्ध के कारण कोरिया दो भागों में विभाजित हो गया।

17 अभिकथन (A): देंग शियाओपिंग ने चीन में ओपन डोर पॉलिसी शुरू की।

कारण (R): ओपन डोर पॉलिसी के कारण चीन में विदेशी निवेश में वृद्धि हुई।

18 अभिकथन (A): काहिरा घोषणापत्र ने ताइवान की संप्रभुता को चीन को बहाल कर दिया।

कारण (R): 1894-95 में जब जापान ने चीनियों को हराया था, तब ताइवान जापान का उपनिवेश था।

19 अभिकथन (A): ग्रेट लीप फॉरवर्ड आंदोलन 1958 में जापान में शुरू किया गया था।

कारण (R): यह देश को तेजी से औद्योगिकीकरण के लिए प्रेरित करने की नीति थी और लोगों को अपने पिछवाड़े में स्टील की भट्टियां लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया था।

20 निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है:

A 1853 में, अमेरिका ने कमोडोर मैथ्यू पेरी को जापान भेजा ताकि सरकार से संधि पर हस्ताक्षर करने की मांग की जा सके।

B जापान चीन के मार्ग पर स्थित था जिसे अमेरिका प्रमुख बाजार के रूप में देखता था।

C पेरी के आगमन का जापानी राजनीति पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा।

D 1868 में, सम्राट को क्योटो लाया गया जिसे राजधानी बनाया गया और इसका नाम बदलकर टोक्यो कर दिया गया।

21 निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है:

A मेजी संविधान सार्वभौमिक मताधिकार पर आधारित था।

B इसने सीमित शक्तियों के साथ एक आहार बनाया।

C सम्राट सेनाओं का कमांडर था।

D 1899 में, प्रधानमंत्री ने आदेश दिया कि केवल सेवारत जनरल और एडमिरल ही मंत्री बन सकते हैं।

<u>बहुविकल्पीय प्रश्न 1-21 के उत्तर</u>

1 C चीन

2 A हान

3 D यांग्त्से

4 C डेम्यो

5 D सिल्क

6 B 1867

7 A 1910

8 C टोक्यो से योकोहामा

9 C इंग्लैंड

10 D धर्मनिरपेक्षता

11 B सन यात सेन

12 B किंग राजवंश को उखाड़ फेंकना और एक गणतंत्र की स्थापना करना

13 A पेरी का जापान आगमन

14 B A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

15 C A सही है लेकिन R गलत है।

16 D R सही है लेकिन A गलत है।

17 B A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

18 B A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

19 D R सही है लेकिन A गलत है।

20 D 1868 में, सम्राट को क्योटो लाया गया जिसे राजधानी बनाया गया और इसका नाम बदलकर टोक्यो कर दिया गया।

21 A मेजी संविधान सार्वभौमिक मताधिकार पर आधारित था।

लघुउत्तरीय प्रश्न उत्तर

22 जापान में राजनीतिक व्यवस्था पर चर्चा करें।

उत्तर:-

i. सत्ता का केंद्र क्योटो था लेकिन बारहवीं शताब्दी में शाही दरबार ने शोगुन को सत्ता खो दी, जो सैद्धांतिक रूप से सम्राट के नाम पर शासन करते थे।

ii. शोगुन ने अपनी राजधानी एदो (आधुनिक टोक्यो) में समुराई (योद्धा वर्ग) और डेम्यो की मदद से शासन किया।

iii. शोगुन ने देश को डेम्यो के अधीन 250 डोमेन में विभाजित किया। डेम्यो किसी भी विद्रोह को रोकने के लिए एदो में रहे।

iv. समुराई शोगुन और डेम्यो की सेवा करते थे

v. 16वीं शताब्दी में तीन बदलाव हुए

a. बार-बार होने वाले युद्ध को समाप्त करने के लिए किसानों को निरस्त्र किया गया

b. डेम्यो को स्वायत्तता दी गई।

c. उत्पादकता और राजस्व के लिए भूमि माप।

vi. सत्रहवीं शताब्दी के मध्य तक, जापान में दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला शहर - एदो - था, लेकिन इसके अलावा दो अन्य बड़े शहर - ओसाका और क्योटो भी थे।

vii. धन के बढ़ते उपयोग और शेयर बाजार के निर्माण से वाणिज्यिक अर्थव्यवस्था और जीवंत संस्कृति का विकास हुआ।

viii. सामाजिक और बौद्धिक परिवर्तन - चीनी प्रभाव पर सवाल उठाया गया और प्राचीन जापानी साहित्य के अध्ययन को बढ़ावा दिया गया।

23 "आधुनिक समाज में जापान का परिवर्तन रोजमर्रा की जिंदगी में होने वाले बदलावों में देखा जा सकता है" उपयुक्त तर्कों के साथ कथन की पुष्टि करें।

उत्तर:-

(i) जापानी समाज पितृसत्तात्मक था। लेकिन बढ़ती समृद्धि ने एक नई पारिवारिक अवधारणा को जन्म दिया।

(ii) आधुनिकीकरण के परिणामस्वरूप एकल परिवार का विकास हुआ।

(iii) इसने घरेलू सामान जैसे चावल कुकर, ग्रिल, टोस्टर आदि की मांग बढ़ा दी। कई कार क्लब अस्तित्व में आए।

(iv) हाउसिंग कंपनियों ने 22 येन के डाउन पेमेंट और 10 साल के लिए हर महीने 12 येन के भुगतान पर घर मुहैया कराया।

(v) इस तरह हमारे पास इस कथन को साबित करने वाले कई उदाहरण हैं।

24 सन यात सेन कौन थे? उनके तीन सिद्धांतों की व्याख्या करें।

उत्तर:-

(i) सन यात सेन को 'चीन का गांधी' कहा जा सकता है।

(ii) वे 1911 की क्रांति के नेता थे जिसने चीन में मांचू राजवंश को समाप्त कर दिया। 1925 तक वे चीन गणराज्य के राष्ट्रपति बने रहे।

(iii) उनका पहला सिद्धांत राष्ट्रवाद था, दूसरा लोकतंत्र और तीसरा समाजवाद था।

1) राष्ट्रवाद, जिसका उद्देश्य चीन को एकीकृत करना और विदेशी प्रभाव को खत्म करना था;

2) लोकतंत्र, जो लोकप्रिय संप्रभुता और लोगों द्वारा सरकार की वकालत करता था; और

3) समाजवाद (लोगों की आजीविका), जो चीनी लोगों की जीवन स्थितियों में सुधार के लिए पूंजी को विनियमित करने और भूमि स्वामित्व को समान बनाने पर केंद्रित था।

25 चीन में कम्युनिस्ट पार्टी के उदय के बारे में लिखें।

उत्तर:-

(i) रूसी क्रांति के परिणामस्वरूप, 1921 में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी अस्तित्व में आई। इसके नेता माओत्से तुंग थे।

(ii) 1934-35 में सी.सी.पी. को लांग मार्च के लिए बाध्य होना पड़ा और उसे शांक्सी में स्थानांतरित होना पड़ा।

(iii) दूसरे विश्व युद्ध के दौरान सी.सी.पी. और गुओमिनडांग दोनों ने मिलकर जापानी हमलों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। यही वह समय था जब माओ चीन के स्थापित नेता बन गए।

26 1949 और 1965 के बीच चीन में नए जनवाद की स्थापना पर चर्चा करें।

उत्तर:-

(i) माओत्से तुंग के शासन में सरकार अपनी आर्थिक नीतियों में कुछ बदलाव लाने और जमीनी स्तर पर सी.सी.पी. को फिर से संगठित करने की कोशिश कर रही थी। इसे वे **नया जनवाद** कहते हैं।

(ii) नया लोकतंत्र सभी सामाजिक वर्गों के गठबंधन पर आधारित था। भूमि और उद्योगों का निजी स्वामित्व धीरे-धीरे समाप्त हो गया।

(iii) 1958 में, कम्युनिस्ट सरकार ने "द ग्रेट लीप फॉरवर्ड" आंदोलन शुरू किया। यह तेजी से औद्योगिकीकरण के लिए था।

(iv) नए लोकतंत्र के तहत किसानों, छात्रों, महिलाओं आदि के लिए जन संगठन बनाए गए।

27 चीन में गणतंत्र की स्थापना की घटनाओं की व्याख्या करें।

उत्तर:- गणतंत्र की स्थापना

i. मांचू राजवंश को उखाड़ फेंका गया और 1911 में सन-यात-सेन के नेतृत्व में गणतंत्र की स्थापना हुई।

ii. तीन सिद्धांत - राष्ट्रवाद, लोकतंत्र और समाजवाद

iii. क्रांतिकारियों ने मांग की - प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण करने, असमानताओं को दूर करने, गरीबी को कम करने के लिए विदेशियों को बाहर निकालना।iv. सुधारों की वकालत की - सरल भाषा का उपयोग, पैर बांधना और महिला अधीनता को समाप्त करना, विवाह में समानता और आर्थिक विकास।

v. चार बड़ी जरूरतें - कपड़ा, भोजन, आवास और परिवहन।

vi. महिलाओं को चार सद्गुणों - शुद्धता, उपस्थिति, भाषण और काम को विकसित करना और घर तक ही सीमित रखना।

vii. सन-यात-सेन का कार्यक्रम - पूंजी को विनियमित करना और भूमि को समान बनाना कभी लागू नहीं किया गया। किसानों की समस्या का समाधान करने के बजाय सैन्य आदेश लागू किया।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

28 क्या आप इस बात से सहमत हैं कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जापान फिर से वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में उभरा?

उत्तर:- हां, हम इस बात पर सहमत हैं कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जापान फिर से वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में उभरा-

(i) नए संविधान के अनुच्छेद 9 के युद्ध निषेध खंड ने जापान के विश्व आर्थिक शक्ति के रूप में उदय की नींव रखी।

(ii) बड़े औद्योगिक घरानों का एकाधिकार समाप्त हुआ,

(iii) कृषि सुधार, ट्रेड यूनियन

(iv) महिलाओं को वोट देने के अधिकार ने इस प्रक्रिया में मदद की।

(v) लंबे समय के बाद लोकतांत्रिक मूल्यों को महत्व मिला। अब सरकार, नौकरशाही और उद्योग मिलकर काम करने लगे।

(vi) वियतनाम और कोरिया के खिलाफ अमेरिका के युद्ध ने अप्रत्यक्ष रूप से जापानी अर्थव्यवस्था को मजबूत किया।

(vii) 1964 में बुलेट ट्रेन और ओलंपिक खेलों की शुरुआत इसकी बढ़ती अर्थव्यवस्था का प्रतीक थी।

(viii) स्वास्थ्य और प्रदूषण के लिए सख्त नियम कदम रखने वाले पत्थर बन गए।

29 जापान में मेजी सुधारों के महत्वपूर्ण हिस्से पर चर्चा करें।

उत्तर:-

(i) **प्रशासनिक सुधार**: राष्ट्र को एकीकृत करने के लिए पुराने गाँव और डोमेन की सीमाओं को बदलना। 1871 में, मेजी शासन के तहत सामंतवाद को समाप्त कर दिया गया था।

(ii) **आर्थिक सुधार:** जापान की पहली रेलवे लाइन, टोक्यो और योकोहामा के बंदरगाह के बीच, 1870-72 में बनाई गई थी। 1872 में, आधुनिक बैंकिंग संस्थान शुरू किए गए। ज़ैबात्सु (व्यापारिक परिवार) अर्थव्यवस्था पर हावी थे।

(iii) **औद्योगिक सुधार:** कपड़ा मशीनरी यूरोप से आयात की गई, और विदेशी तकनीशियनों को श्रमिकों को प्रशिक्षित करने के लिए नियुक्त किया गया, साथ ही विश्वविद्यालयों और स्कूलों में पढ़ाने के लिए, और जापानी छात्रों को विदेश भेजा गया। कारखानों का आकार भी बढ़ने लगा।

(iv) **कृषि सुधार:** कृषि कर लगाकर धन जुटाया गया।

(v) **संवैधानिक सुधार:** 1889 में, जापान ने नया संविधान अपनाया। मेजी संविधान ने एक डाइट बनाई थी और सम्राट को सेनाओं का कमांडर घोषित किया था; यह एक प्रतिबंधित मताधिकार पर आधारित था।

(vi) **शैक्षिक सुधार:** 1870 के दशक से एक नई स्कूल प्रणाली का निर्माण शुरू हुआ। लड़के और लड़कियों के लिए स्कूली शिक्षा अनिवार्य थी और 1910 तक लगभग सार्वभौमिक हो गई थी। ट्यूशन फीस न्यूनतम थी। टोक्यो विश्वविद्यालय की स्थापना 1877 में हुई थी।

(vii) **सैन्य सुधार:** बीस वर्ष से अधिक आयु के सभी युवकों को एक अवधि के लिए सैन्य सेवा करनी पड़ती थी। एक आधुनिक सैन्य बल विकसित किया गया।

30 मान लीजिए कि आप एक शोध विद्वान हैं। क्या आपको लगता है कि माओत्से तुंग और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी चीन को आज़ाद कराने और उसकी वर्तमान सफलता का आधार बनाने में सफल रहे?

उत्तर:-

हाँ, माओत्से तुंग और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी चीन को आज़ाद कराने और उसकी वर्तमान सफलता का आधार बनाने में सफल रहे।

i. 1935 में, माओत्से तुंग ने जापान के खिलाफ़ एक कम्युनिस्ट मोर्चा बनाया। उसने सोचा कि जापान के खिलाफ़ उसका संघर्ष उसे लोकप्रिय बनाएगा और उसके जन आंदोलन को और भी प्रभावी बनाएगा। लेकिन च्यांग ने उसके प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। माओ ने जापान के खिलाफ़ अपना संघर्ष तब तक जारी रखा जब तक उसे सफलता नहीं मिल गई।

ii. 1930 में, माओत्से तुंग किसान मज़दूरों की परिषद के अध्यक्ष बने और भूमिगत काम करने लगे।

iii. उन्होंने च्यांग की सेना को चार बार हराया। लेकिन पांचवें हमले में उन पर इतना दबाव था कि उन्होंने लांग मार्च की योजना बनाई और उसे लागू किया। उन्होंने 368 दिनों में 600 मील की दूरी तय की और शेनसी और कांसू पहुंचे, कम्युनिस्ट वहां पहुंच गए।

iv. चियांग काई शेक माओत्से तुंग की बढ़ती ताकत से चिंतित थे। वह उनके साथ काम नहीं करना चाहते थे। बड़ी मुश्किलों के बाद वह जापान के खिलाफ माओ का साथ देने को तैयार हुए।

v. जब युद्ध समाप्त हुआ तो माओ ने चियांग के सामने गठबंधन सरकार का प्रस्ताव रखा। लेकिन चियांग ने इसे स्वीकार नहीं किया।

vi. माओ ने अपना संघर्ष जारी रखा। 1949 में चियांग शरण लेने के लिए फार्मोसा (ताइवान) भाग गए। माओत्से तुंग को चीनी सरकार का अध्यक्ष चुना गया। उन्होंने अपनी मृत्यु तक इस पद को संभाला।

vii. 1949 में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना सरकार की स्थापना हुई।

यह सभी सामाजिक वर्गों के गठबंधन 'न्यू डेमोक्रेसी' के सिद्धांतों पर आधारित थी।

viii. अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सरकारी नियंत्रण में रखा गया। निजी उद्यम और भूमि के निजी स्वामित्व को समाप्त कर दिया गया।

ix. 1958 में शुरू किया गया ग्रेट लीप फॉरवर्ड आंदोलन देश को तेजी से औद्योगिकीकरण के लिए प्रेरित करने की नीति थी।

x. माओ पार्टी द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जनता को संगठित करने में सक्षम थे। उनकी चिंता एक 'समाजवादी व्यक्ति' बनाने की थी, जिसके पाँच प्यार होंगे: पितृभूमि, लोग, श्रम, विज्ञान और सार्वजनिक संपत्ति

xi. लियू शाओची (1896-1969) और देंग शियाओपिंग (1904-97) ने कम्यून प्रणाली को संशोधित करने का प्रयास किया क्योंकि यह कुशलता से काम नहीं कर रही थी। पिछवाड़े की भट्टियों में उत्पादित स्टील औद्योगिक रूप से अनुपयोगी था

xii. माओत्से तुंग के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट सरकार ने चीन के शुरुआती विकास में एक प्रमुख भूमिका निभाई, लेकिन यह देंग शियाओपिंग द्वारा शुरू की गई ओपन डोर पॉलिसी के प्रयास थे, जिसने चीन के महत्वपूर्ण विकास को जन्म दिया और इसे आज की तरह आर्थिक महाशक्ति बनने में मदद की।

केस आधारित प्रश्न

31 निम्नलिखित अंश को ध्यान से पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दें-

परीक्षा प्रणाली

अभिजात सत्ताधारी वर्ग में प्रवेश (1850 तक लगभग 11 लाख) ज्यादातर इम्तिहान के जरिये हो होता था। इसमें 8 भाग वाला निबंध निर्धारित प्रपत्र में (पा-कू वेन) शास्त्रीय चीनी में लिखना होता था। यह परीक्षा विभिन्न स्तरों पर हर 3 साल में 2 बार आयोजित की जाती थी। पहले स्तर को परीक्षा में केवल 1-2 प्रतिशत लोग 24 साल की उम्र तक पास हो पाते थे और वे (सुंदर प्रतिभा) बन जाते थे। इस डिग्री में उनों निचले कुलीन वर्ग में प्रवेश मिल जाता था। 1850 से पहले किसी भी समय 526.869 मिथिल और 212,330 सैन्य प्रातीय (संग हुआन) डिग्री बालं लोग पूरे देश में मौजूद थे। देश में केवल 27,000 राजकीय पद थे. इसलिए कई निचले दर्जे के डिग्रीधारकों के पास वैकरी नहीं होती थी। यह इम्तहान विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास में बाधक का काम करता था क्योंकि इसमें सिर्फ साहित्यिक कौशल की मांग होती थी। चूंकि यह क्लासिक चीनी सीखने के हुनर पर ही आधारित था,जिसकीअधुनिक विश्व में कोई प्रासंगिकता नजर नहीं आती थी, इसलिए 1905 में इस प्रणाली को ख़त्म कर दिया गया।

A कन्फ्यूशीवाद के बारे में आप क्या जानते हैं?

B परीक्षा प्रणाली को क्यों समाप्त कर दिया गया था?

C लोग कुलीन शासक वर्ग में कैसे प्रवेश करते थे?

उत्तर:

A यह अच्छे आचरण, व्यावहारिक ज्ञान और उचित सामाजिक संबंधों पर आधारित जीवन शैली थी। इसने कई राजनीतिक संस्थाओं की नींव रखी।

B परीक्षा की प्रणाली लंबी और पारंपरिक थी। यह नए विचारों और संस्थाओं के प्रसार में एक बाधा थी। यह केवल साहित्यिक कौशल पर आधारित थी।

C कुलीन वर्ग में प्रवेश करना कठिन था। लोगों को परीक्षा के स्तरों से गुजरना पड़ता था। यह 2-3 साल में दो बार आयोजित की जाती थी। लोगों को निबंध लेखन परीक्षा में उत्तीर्ण होना पड़ता था।

32 निम्नलिखित अंश को ध्यान से पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दें-

कार क्लब

मोगा: 'आधुनिक लड़की' का संक्षिप्त शब्द। यह बीसवीं शताब्दी में लैंगिक समानता, लिंग बराबरी, विश्व जनित संस्कृति और विकसित अर्थव्यवस्था के विचारों के के साथ आने का सूचक है। नए मध्यम वर्ग के परिवारों ने आवागमन और मनोरंजन के नए तरीकों का आनंद

लिया। शहरों में बिजली के ट्रामों के साथ परिवहन में सुधार हुआ,, 1878 से सार्वजनिक पार्क खोले गए, और डिपार्टमेंट स्टोर बनाए जाने लगे। टोक्यो में, गिन्ज़ा गिनबुरा के लिए एक फैशनेबल क्षेत्र बन गया, एक शब्द 'गिन्ज़ा' और 'बुरबुरा' [उद्देश्यहीन रूप से चलना] को मिलाकर बना है। 1925 में पहला रेडियो स्टेशन में खोला गया। अभिनेत्री मात्सुई, सुमाको, इब्सनके नाटक एक गुड़िया का घर मानोरा का बेहतरीन किरदार निभाकर राष्ट्रीय स्तर की तरीका बन गई। 1899 में फिल्में बनने लगी और जल्दी दर्जन भर कंपनियों सैकड़ो की तादाद फिल्में बनाने लगी। इस दौरान सामाजिक और राजनीतिक व्यवहार के पारंपरिक मानदंडों पर सवाल उठाए गए।

A 'मोगा' का क्या अर्थ है?

B नए मध्यम वर्गीय परिवारों ने यात्रा और मनोरंजन के कौन से नए रूपों का आनंद लिया?

C इस अवधि को महान जीवन शक्ति का काल क्यों कहा गया?

उत्तर

A 'आधुनिक लड़की' का संक्षिप्त नाम

B नए मध्यम वर्गीय परिवारों ने इलेक्ट्रिक ट्राम में यात्रा का आनंद लिया, सार्वजनिक पार्क खोले गए और डिपार्टमेंट स्टोर बनाए जाने लगे।

C पहला रेडियो स्टेशन 1925 में खोला गया। मात्सुई सुमाको, एक अभिनेत्री, नॉर्वेजियन लेखक इबसेन की ए डॉल हाउस में नोरा की भूमिका के साथ एक राष्ट्रीय स्टार बन गई। 1899 में फिल्में बननी शुरू हुईं और जल्द ही एक दर्जन कंपनियाँ सैकड़ों फिल्में बनाने लगीं।

33 निम्नलिखित अंश को ध्यान से पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दें-

<u>गेन्जी की कथा</u>

मुरासाकी शिकिबू द्वारा लिखित हेआन दरबार की यह काल्पनिक डायरी, दि टेल ऑफ़ द गेन्जी जापानी साहित्य में कथा साहित्य का केंद्रीय कार्य बन गई। इस काल में मुरासाकी जैसी कई लेखिकाएँ उभरीं, जिन्होंने जापानी लिपि का इस्तेमाल किया, जबकि पुरुषों ने चीनी लिपि का। चीनी लिपि का इस्तेमाल शिक्षा और सरकार में होता था। इस उपन्यास में कुमार गेन्जी की रोमांचक जिंदगी को दर्शायी गयी है और हेआन राजदरबार के अभिजात वातावरण की जीती जगती तस्वीर पेश की गई इसमें यह भी दर्शाया गया कि महिलाओं को अपने पति चुनने और अपनी जिंदगी जीने में कितनी आज़ादी थी।

A विभिन्न लेखकों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली अलग-अलग लिपियाँ क्या थीं?

B हीयान दरबार की काल्पनिक डायरी किसने लिखी?

C महिलाओं की आज़ादी को क्या दर्शाता है?

उत्तर-

A महिला लेखिकाएँ जापानी लिपि में लिखती थीं जबकि पुरुष लेखक चीनी लिपि में लिखते थे। चीनी लिपि का उपयोग शिक्षा और प्रशासनिक कार्यों के लिए भी किया जाता था।

B अपने पति को चुनने और अपना जीवन जीने का अधिकार महिलाओं की स्वतंत्रता को दर्शाता है।

C मुरासाकी शिकिबू।

मानचित्र आधारित प्रश्न

34 पूर्वी एशिया के हिस्से के दिए गए मानचित्र पर, महत्वपूर्ण स्थानों की पहचान करें:-

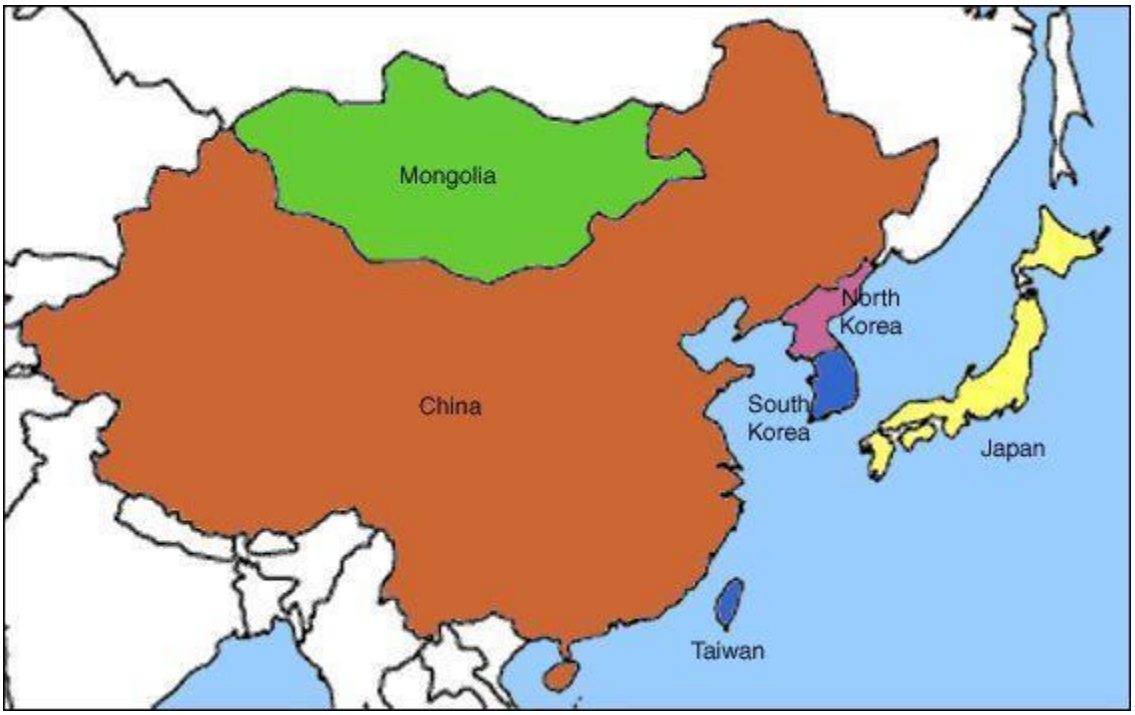

अनसोल्व्ड प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1 जापान में मेजी शासन के तहत 'फुकोकू क्योहेई' नारे का मतलब था

A समृद्ध देश, मजबूत सेना

b मजबूत भूमि, मजबूत नदियाँ

c समृद्ध भूमि, मजबूत नदियाँ

d इनमें से कोई नहीं

2 आधुनिक चीन के संस्थापक कौन थे?

A किंग राजवंश

B माओत्से तुंग

C सन यात-सेन

D चियांग काई-शेक

3 निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है:

A चीन में 1911 में गणतंत्र की स्थापना हुई थी।

B गणतंत्र की स्थापना के दौरान मांचू साम्राज्य को उखाड़ फेंका गया था।

C सन यात-सेन को आधुनिक चीन का जनक माना जाता था।

D सन यात-सेन द्वारा शुरू किए गए कार्यक्रम को चार ज़रूरतें कहा जाता था।

4 किंग राजवंश के बाद चीन में गणतंत्र की स्थापना में किस नेता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई?

A डेंग शियाओपिंग।

B डॉ. सन यात-सेन।

C माओत्से तुंग।

D चियांग काई-शेक।

<u>लघु उत्तरीय प्रश्न</u>

5 "द ग्रेट लीप फॉरवर्ड मूवमेंट" से आपका क्या अभिप्राय है?

6 किंग राजवंश ने पश्चिमी शक्तियों द्वारा प्रस्तुत चुनौती का सामना करने का प्रयास कैसे किया?

7 गुओमिनडांग पार्टी का गठन कब हुआ? इसके उद्देश्य क्या थे?

<u>दीर्घ उत्तरीय प्रश्न</u>

8 मेजी बहाली से पहले कौन से प्रमुख विकास हुए जिससे जापान का तेजी से आधुनिकीकरण संभव हुआ?

9 चीन में कम्युनिस्ट पार्टी के उदय की व्याख्या करें।

केस स्टडी

10 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:

सीसीपी की स्थापना 1921 में रूसी क्रांति के तुरंत बाद हुई थी। रूसी सफलता ने दुनिया भर में एक शक्तिशाली प्रभाव डाला और लेनिन और ट्रॉट्स्की जैसे नेताओं ने शोषण को समाप्त करने वाली विश्व सरकार लाने में मदद करने के लिए मार्च 1918 में कॉमिन्टर्न या तीसरे अंतर्राष्ट्रीय की स्थापना की। कॉमिन्टर्न और सोवियत संघ ने दुनिया भर में कम्युनिस्ट पार्टियों का समर्थन किया, लेकिन उन्होंने पारंपरिक मार्क्सवादी समझ के भीतर काम किया कि शहरों में कामगार वर्ग द्वारा क्रांति लाई जाएगी। राष्ट्रीय सीमाओं के पार इसकी शुरुआती अपील बहुत ज़्यादा थी, लेकिन यह जल्द ही सोवियत हितों के लिए एक उपकरण बन गया और 1943 में इसे भंग कर दिया गया। माओ ज़ेडोंग (1893-1976), जो एक प्रमुख सीसीपी नेता के रूप में उभरे, ने किसानों पर अपने क्रांतिकारी कार्यक्रम को आधार बनाकर एक अलग रास्ता अपनाया। उनकी सफलता ने सीसीपी को एक शक्तिशाली राजनीतिक ताकत बना दिया, जिसने अंततः गुओमिनडांग के खिलाफ़ जीत हासिल की।

A "लॉन्ग मार्च" क्या था?

B CCP की नींव कब रखी गई?

C कॉमिन्टर्न की स्थापना का मुख्य उद्देश्य क्या था?

11 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:

फ़ुकुज़ावा युकिची (1835-1901)

एक गरीब समुराई परिवार में जन्मे, उन्होंने नागासाकी और ओसाका में डच और पश्चिमी विज्ञान और बाद में अंग्रेजी सीखी। 1860 में, वे यूएसए में पहले जापानी दूतावास के लिए अनुवादक के रूप में गए। इसने पश्चिम पर एक पुस्तक के लिए सामग्री प्रदान की, जो शास्त्रीय में नहीं बल्कि बोली जाने वाली शैली में लिखी गई थी जो बेहद लोकप्रिय हुई। उन्होंने एक स्कूल की स्थापना की जो आज केयो विश्वविद्यालय है। वे पश्चिमी शिक्षा को बढ़ावा देने वाले समाज, मीरोकुशा के मुख्य सदस्यों में से एक थे।

द एनकरेजमेंट टू लर्निंग (गाकुमोन नो सुसुमे, 1872-76) में वे जापानी ज्ञान के बहुत आलोचक थे: 'जापान को जिस चीज पर गर्व होना चाहिए वह है उसका दृश्य'। उन्होंने न केवल आधुनिक कारखानों और संस्थानों की वकालत की, बल्कि पश्चिम के सांस्कृतिक सार-सभ्यता की भावना की भी वकालत की। इस भावना के साथ एक नए नागरिक का निर्माण संभव होगा। उनका सिद्धांत था: 'स्वर्ग ने मनुष्य को मनुष्य से ऊपर नहीं बनाया, न ही मनुष्य को मनुष्य से नीचे रखा।'

प्रश्न:

A आप फुकुजावा युकिची के बारे में क्या जानते हैं?

B उन्होंने किसकी वकालत की?

C उस पुस्तक का नाम बताइए जिसमें उन्होंने जापानी ज्ञान की आलोचना की थी।

मानचित्र आधारित प्रश्न

12 पूर्वी एशिया के भाग के दिए गए मानचित्र पर A, B, C, D और E से चिह्नित महत्वपूर्ण स्थानों की पहचान करें तथा उनके नाम उसके आगे दी गई पंक्ति में लिखें।

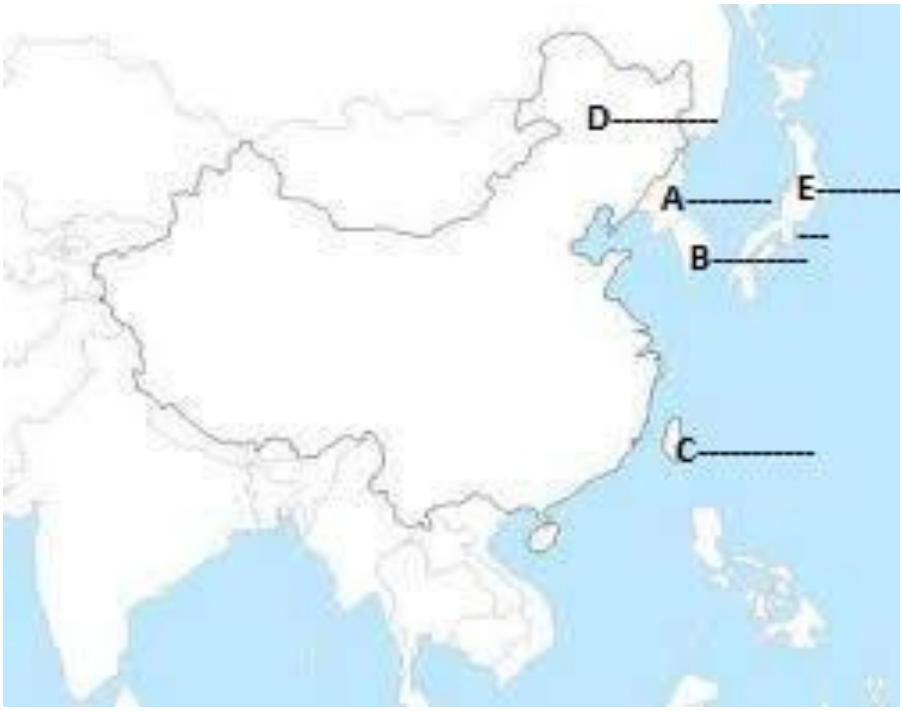

SAMPLE QUESTION PAPERS

History SQP-1 Class XI

History SQP -2 Class XI